

सं० 26]

नई बिल्लो, शनिवार, जन 30, 1984 (आषाह 9, 1906)

PUBLISHED BY AUTHORITY

No. 261

NEW DELHI, SATURDAY, JUNE 30, 1984 (ASADHA 9, 1906)

हल भाग में भिन्न पृष्ठ संस्था दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के कर में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

साय III-पण्ड 1

[PART III—SECTION 1]

उच्ज न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा ग्रायोग

नई दिल्ली~110011, दिनांक 25 मई 1984

सं० ए० 32011/1/83 प्रणा०~I—संघ लोक सेवा भ्रायोग के कार्यालय में के० स० से० संघर्ग के स्थायी भ्रमुभाग श्रिधकारो श्री धनीण चन्द्र को राष्ट्रपति द्वारा 19~5~84 से 2~7~84 तक 45 दिनों की भ्रविध के लिए भ्रथवा ग्रागामी भ्रादेशों तक, जो भी पहले हो, तदर्थ ग्राधार पर स्थानापन्न रूप से श्रवर सचिव के पद पर कार्य करने के लिए सहर्ष नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 30 मई 1984

सं० ए० 12025(II)/1/82 प्रणा०-[[[(i)-1-4-84 (पूर्वाह्न) को स्थागत अधिकारों के पद पर से प्रत्यावर्तन होने और छुट्टी से वापस आ जाने पर श्री श्रो० पी० गोयल ने 25 मई, 1984 पूर्वाह्न से संघ लोक सेवा श्रायोग के० स० मे० संबर्ग में अनुभाग अधिकारों के पद पर कार्यभार ग्रहण कर लिया है।

विनांक 31 मई 1984

सं० ए० 19012/I/78-प्रमा०-1--संघ लोक सेवा श्रायोग में श्रपर सचित्र के पद पर प्रतिनियुक्ति पर असम संवर्ग के भारतीय 1--126GI84 प्रशासितक सेवा के अधिकारी श्री ए० भट्टाचार्य के कार्यकाल समाप्त हो जाने के परिणामस्वरूप उन्हें 31 मई 1984 (अपराह्म) से मंघ लोक सेवा ध्रायोग के कार्यालय से कार्यभार मुक्त किया गया है। श्री भट्टाचार्य को 1-7-84 के (रिववार) को बाद में जोड़ने की ध्रमुमित के साथ 1-6-84 से 30-6-84 तक का अजित श्रवकाण प्रदान किया गया है। श्रवकाण को समाप्ति पर श्री भट्टाचार्य श्रपने मूल संवर्ग, श्रमम मरकार, दिसपुर में कार्यभार ग्रष्ठण करेंगे।

> एम० पी० जैन ग्रवर मजिब (प्रणा०) संघ लोक सेवा ग्रायोग

गृह मंत्रालय

समन्वय निदेशालय (पुलिस बेतार)/कार्मिक-। नई दिल्ली-110003, दिनांक 6 जुन 1984

सं० ए०36/19/75-बेतार--श्री बी० के० मिला, सहायक निदेशक ने त्रिपुरा सरकार की प्रतिनियुक्ति से वाधिस श्राने के बाद इस निदेशालय में 16 श्रप्रैंल, 1984 (पूर्वाह्म) से श्राने पद का कार्यभार संभाल लिया है। श्री मिला को त्रिपुरा सरकार ने श्रपने

(14511)

29 मार्च, 1984 की भ्रधिसूचना संख्या एफ०-2(24)/जी० एक/74--(एल०) भाग-ा के द्वारा 31 मार्च, 1984 (भ्रपराह्न) को कार्यमुक्त कर दिया था ।

एन० एस० शर्मा अवर सचिव

कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग कर्मचारी चयन श्रायोग

नई दिल्ली, दिनांक 6 जून 1984

सं० 10/41/76-प्रशा०—राष्ट्रपति जी गृष्ट मंत्रालय के संवर्ग में केन्द्रीय सचिवालय श्रामुलिपिक सेवा के ग्रेड "ए" के स्थायी श्रामलिपिक श्री एन० सी० कपूर को कर्मचारी चयन श्रायोग के कार्यालय में दिनांक 22-3-84 से 31-3-84 तक श्रीर दिनांक 7-5-84 से 28 दिनों की श्रवधि तक तदर्थ श्राधार पर स्थानापन्न श्रवर सचिव नियुक्त करते हैं।

गुरबचन सिंह उप सचिव

केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरी

नई दिल्ली, दिनांक 6 जून 1984

सं० ए० 19036/35/78-प्रणासन-5--निवर्तन की धायु प्राप्त कर लेने पर, हरियाणा पुलिस से केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरो में प्रतिनियुक्त , श्री सुन्दर लाल मिलक, पुलिस उपाधीक्षक, की सेवाएं दिनांक 31 मई, 1984 के श्रपराह्म से हरियाणा सरकार को वापस सींप दी गई।

दिनांक 7 जून 1984

सं० ए.०/12025/2/79-प्रणासन-5-निदेशक, केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरो एवं पृ लिस महानिरोक्षक, बिशेष पुलिस स्थापना एतद्द्वारा निम्नलिखित को, प्रत्येक के सम्मुख उल्लिखित तिथि से ग्रगले श्रादेण तक के लिए, पुलिस उपाधोक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं:—

ऋम० सं०	श्रंधिकारो का नाम	शाखा जहां पद स्थापित किया गया	तिथि जब से पुलिस उपाधीक्षक के रूप में नियुक्त किया
			गया
1	2	3	4
	 सर्वश्री		
1.	के० एन० तिवारी	विशेष एकक/नई दिल्ली	18-4-84
2.	एस० एन० तिवारी	एस० ग्राई० एस०/ नई दिल्ली	18-4-84
3.	ब्राई० एस० सरोहा	विशेष एकक/नई दिल्रो	18-4-84
4.	एम० के० झा	सो० भ्राई० यू०-III/	18-4-84
		नई विल्ली:	

-			
1	2	3	4
सर्वे	শ্বী		
5.	वेद प्रकाग	सी० स्नाई० यू० (ए)/ नई दिल्ली	18-4-84
6.	बी० के० बोराह	के० घ्र० ब्यूरो/शिलांग	18-4-84
7.	जय स्वदेश	सी० भाई० यू० (1)/ नई दिल्ली	18-4-84
8.	एम० थंगवेलु	सा० ग्र० स्कंध/मद्रास	18-4-84
9.	एमं ० सी ० शर्मा.	सी० श्राई० यू० (पी)/ ्र नई दिल्ली	18-4-84
10.	वी० एम० पंकित	सी० म्राई० यू०(एफ)/ नई दिल्ली	18-4-84
11.	नारायण झा	के० ग्र० ब्यूरो/भुवनेश्वर	18-4-84
12.	एम० राम	सी० ग्राई० यू० (बी)/ नई दिल्ली	18-4-84
13.	बो० सी० भटनागर	सी॰ ग्राई॰ यू॰ (ई)II नई दिल्ली	18-4-84
14.	ए० के० श्रोदास्तव	सा० ग्र ० स्कन्ध/ कलकत्ता	18-4-84
15.	एम० पांडियाराजन	ग्रा० ग्र <i>० स्कंध </i> मद्रास	18-4-84
16.	सुरेन्द्र प्रसाद	म्रा० म्र० स्कंध/दिल्लो	18-4-84
17.	वर्गीस पो० थामस	के० भ्र० ब्यूरो/कोचोन	18-4-84
18.	एस० के० देव	सी० ग्राई० यू०(1) नई दिल्ली	18-4-84
19.	श्रार० एस० द्विवेदी	एस० भ्राई० सी०/ नई दिल्ली	18-4-84
20.	एम० एच० रिजवी	विशेष एकक/नई दिल्ली	18-4-84
21.	एस० भ्रार० मुखर्जी	ग्रा० ग्र० स्कंध/कलकता	18-4-84
22.	एस० के० रतन	समन्वय	18-4-84
23.	मुरेन्द्रन के० नायर	मो० ग्राई० यू० (एन० सी०)	18-4-84
	कुलदीय नारायण सिंह	के० ग्र० ब्यू रो/णिलांग	18-4-84
	एन० सी० झा	के० श्र० ब्यूरो/जबलपुर	18-4-84
	ग्र खिलेश्वर प्रसाद	के० घ्र० ब्यूरो/पटना	18-4-84
	एम० पी० शर्मा	सी श्राई ० यू० (ई) II	18-4-84
28.	बी० एन० झा	सा० ग्र० स्कंध/नई दिल्ली	18-4-84
29.	के० रागोथमन	के० श्र० ब्यूरो/बंगलीर	18-4-84
30.	जे० पी० वर्मा	के० भ्र० ब्यूरो/मुवनेश्वर	18-4-84
31.	पी० बी० सुन्द्रय <i>ा</i> ल	सी० श्राई० यू० (एफ) / नई दिल्ली	18-4-84
32.	राजेन्द्र प्रसाद	थ्रा० अ० स्कंध/बम्बई	18-4-84
33.	एम० नारायणन्	एस० श्राई० सो०/ नई दिल्लो	18-4-84
34.	म्रोम प्रकाश	सी ० ग्राई० यू० (ई) II/ नई दिल्लो	18-4-84

1	2	3	4
35.	जे० एस० बगारिया	सी० श्राई० यू०(I)/ नई दिल्ली	18-4-84
36. T	एम० एम० यादव	विशेष एकक/नई दिल्ली	26-4-84
37. व	ந्पाल सिंह	सी॰ म्राई॰ यु॰ (पी)/ नई दिल्ली	23-4-84
38. ₹	गार० के० सिंह	कें० घ० ब्यूरो/भुवनेश्वर	23-4-84

कम संख्या 1 से 26 तक के ग्रधिकारियों को भर्ती नियमों के उपबन्धों में छूट देकर, संध लोक सेवा ग्रायोग की ग्रनुमति से, सीधे भर्ती कोटा के ग्रधीन रिक्तियों के सम्मुख पुलिस उपाधीक्षक के रूप में नियुक्ति के लिए नियमित कर दिया गया है।

> म्रार० एस० नागपाल प्रशासनिक म्रधिकारी (स्था०) केन्द्रीय भ्रन्वेषण क्यूरो

महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल नई दिल्ली-110003, दिनांक 7 जून 1984

सं० श्रो० दो-1412/77-स्थापना--श्री चेलू राम ने सरकारी सेवा से निवृत्त होने के फलस्वरूप पुलिस उप-श्रधीक्षक, 45 वाहिनी, के० रि० पु० बल के पद का कार्यभार दिनांक 31-5-84 (श्रपराक्ष) को त्याग दिया।

सं० घो० दो-1817/83-स्थापना--राष्ट्रवित जी ने छा० जी० एस० राजु, जनरल ड्यूटी ध्राफिसर ग्रेड-II (डि॰ एस० पी॰/कम्पनी कमाण्डर) का त्यागपत्न दिनांक 26 नवम्बर, 1983 (पूर्वाह्म) से स्वीकार कर लिया है।

सं० डी॰ एक-11/84-स्थापना-1---श्री पी० जे० एस० वालिया, पुलिस उप-प्रधीक्षक, 28 वाहिनी, के० रि० पु० बल के सिक्किम सरकार में प्रतिनियुक्ति पर जाने के फलस्वरूप उनकी सेवाएं सिक्किम सरकार को 10-5-1984 (पूर्वाह्न) से निर्वाति की जाती है।

एम० पी० जखमोला सहायक निदेशक (स्थापना)

महानिदेशालय, केन्द्रीय श्रीद्योगिक सुरक्षा बल नई दिल्ली-110003, दिनांक 26 मई 1984 सं • ई॰-38013(4)/3/84-कार्मिक--निवर्तन की श

सं ० ६०-38013(4)/3/84-कार्मिक--निवर्तन की भ्रायु होने पर, श्री ए० के० सेन गुप्ता ने 30 भन्नैल, 1984 के भ्रपराह्म से के० भ्री० सु०व० यूनिट, डी० वी० सी० मुख्यालय, कलकत्ता के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

दिनांक 5 जून 1984

सं० ई०-32015(4)/66/84-कार्मिक--राष्ट्रपति, श्री जे० म्रासेफ को, प्रोन्तित पर, 15-5-1984 के श्रपराह्न से ग्रस्थायी तौर पर पूर्णतया तदर्थ ग्राधार पर, केवल छ: माह की ग्रवधि के लिए या नियमित नियुक्ति होने तक, जो भी पहले हो। के० ग्रौ॰ सु० व० यूनिट, ई॰ सी॰ एल॰ में सहायक कमांडेंट के रूप में नियुक्त करते हैं।

> ह०/- अपठनीय महानिदेशक/के० ग्रौ० सु०व०

भारत के महारजिस्ट्रार का कार्यालय नई विल्ली-110011, विनांक 5 जून 1984

सं० 11/56/80—प्रशा०—I—प्रधिविषता की स्रायु प्राप्त होने पर सेवा-निवृत्ति के परिणामस्वरूप, भारतीय प्रशासनिक सेवा (आंध्र प्रवेश संवर्ग) के स्रधिकारी श्री एस० एस० जय राव ने तारीख 30 स्रप्रैंल, 1984 के स्रपराह्न से पदेन निदेशक जनगणना कार्य, सांध्र प्रदेश, हैवराबाद के पद का कार्यभार छोड़ा।

> वी० एस० श्रमा भारत के महारजिस्ट्रार

भारतीय लेखा तथा लेखा परीक्षा विभाग भारत के नियंत्रक-महालेखा परीक्षक का कार्यालय नई विल्ली-110002, विनोक 6 जुन 1984

सं० 1305/वा० ले० प०-1/140-69---महालेखाकार (म्राडिट) राजस्थान, जयपुर के कार्यालय में कार्यरत श्री एल० एस० चौहान, लेखापरीक्षा ग्रधिकारी (वा०) ग्रपनी ग्रधिवर्षता ग्राय प्राप्त करने पर दिनांक 30-4-1984 (ग्रपराह्म) से सरकारी सेवा से सेवा-निवृत्त हो गए हैं।

सं० 1306/वा० ले० प०-1/124-81—सवस्य लेखा-परीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा (कोयला) कलकत्ता कार्यालय के श्री एम० एल० राय चौधरी, लेखापरीक्षा श्रीधकारी (वा०) जो कलकत्ता महानगर विकास प्राधिकरण कलकत्ता में प्रतिनियुक्ति पर कार्यरत थे, ग्रपनी श्रीधवर्षता ग्रायु श्रीप्त करने पर विनांक 30-4-1984 (ग्रपराह्न) मे मेवा-निवृत्त हो गए हैं।

> के० पी० लक्ष्मण राव सहायक नियंत्रक-महालेखापरीक्षक

कार्यालय : निदेशक लेखापरीक्षा, केन्द्रीय राजस्व नई दिल्ली-110002, दिनांक 4 जून 1984

मुद्धि-पन्न

संदर्भ :--श्री बुलाकी दास की सहायक लेखा श्रधिकारी के रूप में नियुक्ति से संम्बन्धित, राजपत्न श्रधिसूचना सं० प्रशा० 1/का० श्रा० संख्या 84 दिनांक 18-5-84

सं । प्रशा । । । । । । । । संख्या 99-संदर्भाषीन प्रधिसूचना की प्रन्तिम पंक्ति में दी गई श्री बुलाकी दास की नियुक्ति की तारीख

को कृपया 3-5-1984 (पूर्वाह्म) के बजाय 16-5-1984 (पूर्वाह्म) पढ़ा जाए ।

प्र० त्निपाठी संयुक्त निदेशक लेखापरीक्षा (प्र०)

महालेखाकार का कार्यालय, श्रांध्र प्रदेश

हैदराबाद, दिनांक 8 जुन 1984

सं० प्रणा०-I/8-132/84-85/64 श्री वि० श्रीनिवासन-2--लेखा परीक्षा ग्रधिकारी, महालेखाकार का कार्यालय (लेखापरीक्षा), श्रांध्र प्रदेश, हैदराबाद से दिनांक 31-5-84 (ग्र०) से सरकारी सेवाग्रों से निवृत्त हुए हैं।

> न० रामस्त्रामी वरिष्ट उपमहालेखाकार (प्रणासन)

राष्ट्रीय भारतीय सैन्य कालेज

देहरादून, दिनांक 9 मई 1984

स० 8/84—-राष्ट्रपति महोवय, श्री निरंकार सिंह को, राष्ट्रीय भारतीय सैन्य कालेज, देहरादून कैन्ट में, प्राणी) स्त्र विज्ञान के श्रस्थायी श्रध्यापक के पद पर दिनांक 7 मई, 1984 (पूर्वाह्म) से नियुक्त करते हैं।

स्रो० पी० चौधरी कर्नल कमां**डे**ण्ट

उद्योग मंत्रालय

विकास आयुक्त (लधु उद्योग) का कार्यालय नई दिस्सी, दिनांक 2 जुन 1984

सं ०-ए-19018/337/78-प्रणासन (राज ०)---निर्माण एवं आवास मंद्रालय, नई दिल्ली में हिन्दी अधिकारी के रूप में नियुक्ति हो जाने पर, श्री द्वारका प्रसाद पोपली ने विकास श्रायुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय, नई दिल्ली में दिनांक 1 मई, 1984 (पूर्वाह्म) से सहायक सम्पादक (हिन्दी) के पद का कार्यभार छोड़ दिया ।

राधारमण फौजदार उप-निदेशक (प्रणासन)

नई दिल्ली, दिनांक 8 जून 1984

सं० ए०-19018(514)/81-प्रशा० (राज०)-- राष्ट्रपति, लघु उद्योग सेवा संस्थान, लुधियाना के सहायक निर्देशक (ग्रेड-1) (रसायन) श्री राम सिंह का दिनांक 9-6-83 (श्रपराह्म) से, सरकारी सेवा से त्यागपत्न स्वीकार करते हैं।

सं ० ए-19018 (683) /83-प्रशा० (राज०) -- राष्ट्रपति. श्री शंकर बक्रमतीं को लघु उद्योग मेबा संस्थान, गोहाटी में, दिनांक 16-4-84 (पूर्वाह्म) से अगले आदेशों तक, सहायक निदेशक (ग्रेड-I) (एल०/एफ०) के रूप में नियुक्त करते हैं।

ण्स० के० पुरकायस्थ उप-निदेशक (प्रशासन)

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय (प्रशासन अनुभाग-6)

नई दिल्ली, दिनांक 6 जून 1984

सं० ए०--17011/268/84/ए--6--महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान कलकता निरोक्षणालय के भंडार परीक्षक श्री जे० एल० बनर्जी को दिनांक 3-5-84 के पूर्वाह्न से श्रागामी श्रादेश दिये जाने तक इस महानिदेशालय के श्रधीन उसी निरीक्षण मंडल में तदर्थ श्राधार पर स्थानापन्न सहायक निरीक्षण श्रधिकारी (श्रीभ०) के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० ए०-17011/269/84-ए-6-महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान कजकत्ता निरीक्षणालय के भंडार परीक्षक श्री ए० के० डे को दिनांक 3-5-84 के पूर्वाह्न से श्रागामी श्रादेश दिये जाने तक इस महानिदेशालय के श्रधीन उसी निरीक्षण मंडल में तदर्थ श्राधार पर स्थानापन्न सहायक निरीक्षण श्रिधकारी (श्रिभि०) के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० ए०-1701 1/274/84-ए-6-महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान कलकता निरीक्षणालय के भंडार परीक्षक श्री एन० एन० सरकार को दिनांक 3-5-84 के पूर्वाह्म से आगामी आदेश दिये जाने तक इस महानिदेशालय के अधीन उसी निरीक्षण मंडल में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न सहायक निरीक्षण अधिकारी (श्रभि०) के पद पर नियुक्त करते हैं।

> एस० एन० फ्पूर उप-निदेशक (प्रशासन) **कृ**ते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

नई दिल्ली-110001, दिनांक 31 मई 1984

सं० ए०-17011/67/74-प्र०-6--राष्ट्रपति (भारतीय निरीक्षण सेवा प्रुप "ए" अभियांतिकी शाखा के ग्रेड-III के) निरीक्षण अधिकारी (अभियांतिकी) श्री एस० के० गौतम को दिनांक 10 अप्रैल, 1984 के पूर्वाह्म से छः महीने की अवधि के लिए अथवा इस पद के नियमित अधार पर भरे जाने तक, इनमें जो भी पहले हो, पूर्णतः तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से (भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप "ए" अभियांतिकी शाखा के ग्रेड-II के) उपनिदेशक निरीक्षण (अभियांतिकी) नियुक्त करते हैं। श्री गौतम की पदोन्नित भी दिल्ली उच्च न्यायालय में लम्बित सिविल रिट याचिका सं० 1457/81, 1590/81 तथा 1973/81 में तीन एल० पी० ए० सं० 67/83, 68/83 तथा 69/83 के अन्तिय निर्णंग की णतों के अधीन की गई है।

श्री एस० के० गौतम की तदर्थ पदोन्नति से उन्हें नियमित नियुक्ति के लिए दावा करने का कोई हक नहीं होगा तथा उनके द्वारा तदर्थ ग्राधार पर की गई सेवा उस ग्रेड में बरीयता, पदोन्नति की पावता श्रीर स्थायीकरण के लिए नहीं गिनी जायेगी।

3. श्री एस० के० गौतम ने 10 श्रप्रैल 1984 के पूर्वाह्न से निरीक्षण अधिकारी (अभि०) के पद का कार्यभार छोड़ दिया तथा 10 अप्रैल, 1984 के पूर्वाह्न से पूना वस्बई निरीक्षण मंडल के अधीन उप निदेशक निरीक्षण (श्रभि०) के पद का कार्यभार संभाल लिया ।

मं० प्र०-6/247(92)/4—-राष्ट्रपति ने स्थायी निदेशक मं० प्र०-6/247(92)/4—-राष्ट्रपति ने स्थायी निदेशक निरीक्षण (नान फंक्शनल प्रवरण ग्रेड), (भारतीय निरीक्षण सेवा का ग्रुप "ए", ग्रेड-I), श्री सी० ग्रार० सरकार को दिनांक 14-5-1984 के पूर्वाह्न से तथा ग्रगले ग्रादेश दिए जाने तक 0.000-125/2-2250 के वेतनमान में उप-महानिदेशक (निरीक्षण) (भारतीय निरीक्षण सेवा के ग्रुप "ए" के ग्रेड-I में सुपर टाइम स्केल पद) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है।

2. श्री सी० त्राग्ण सरकार ने दिनांक 30-4-84 के प्रपराह्म से पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय (मुख्यालय), नई दिल्ली में निरीक्षण निदेशक (नान-फंक्शनल प्रवरण ग्रेड) के पद का कार्यभार छोड़ दिया तथा दिनांक 14-5-84 के पूर्वाह्म से उपमहानिदेशक (निरीक्षण), पूर्वी जोन, कलकता के पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया है।

सं० प्र०-6/247(205)/59—राष्ट्रपति निरीक्षण भूधिकारी (ग्रिभियांतिकी) (भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप "ए" भूभियांतिकी शाखा के ग्रेड—III) श्री रोशनलाल को दिनांक 22 गई, 1984 के श्रपराह्म से छः मास की ग्रव्धि के लिए श्रयवा पद के नियमिन श्राधार पर भरें जाने तक इनमें जो भी पहले हो पूर्णतः तदवं श्राधार पर उप निदेशक निरीक्षण (श्रभियांतिकी) (भारतीय निरोक्षण सेवा ग्रुप "ए") (श्रभियांतिकी शाखा) के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं। श्री रोशनलाल की पदोन्नित दिल्ली उच्च न्यायालय में विचाराधीन सिविल रिट याचिका संख्या 1457/81, 1590/81 तथा 1973/81 के श्रन्तर्गत तीन एल० पी० ए० सं० 67/83, 68/83, तथा 69/83 के श्रतिन्म निर्णय होने के श्रधीन भी होगी।

- 2. श्री रोशनलाल की तदर्थ नियुक्ति से उन्हें नियमित नियुक्ति के लिए दावा करने का कोई हक नहीं होगा और उनके द्वारा तदर्थ आधार पर की गई सेवा उस ग्रेड में वरीयता, पदोन्नति की पत्निता तथा स्थायीकरण के लिए नहीं गिनी जायेगी।
- 3. श्री रोशनलाल ने दिनांक 22 मई, 1984 अपराह्न को , निदेशक निरोक्षण, उत्तरी निरोक्षण मण्डल, नई दिल्ली के कार्यालय में निरीक्षण अधिकारी (श्रभियांत्रिकी) के पद का कार्यभार छोड़ दिया ब्रोर िसीक 22 मई. 1984 के अपराह्म को पूर्ति स्था निपटानम निदेशालय (मुख्यालय), नई दिल्ली में उप

निदेशक निरोक्षण (ग्रंभियांत्रिकी) के पद का कार्यभार संभाल लिया ।

सोहन लाल कपूर उप निदेशक (प्रशासन)

(प्रणासन अनुभाग-1) नई दिल्ली, दिनांक 31 मई 1984

सं० प्र0-1/2 (353)/8—राष्ट्रपति निम्नलिखित प्रधिकारियों को उनके नाम के सामने दी गई तारीख से नियमित ग्राधार पर उप निदेशक, पूर्ति (भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रेड-2) के पद पर पदोन्नत करते हैं:—

ऋम सं०	नाम	दिनांक
	सर्वश्री	
1.	ए० डी० जान	44-84 (पूर्वाह्म)
2.	भ्रोम प्रकाश	4-4-84 (पूर्वाह्न)
3.	ए० के० जैन	4-4-84 (पूर्वाह्न)
4.	ग्रार ० के० ग्रग्रवाल	17-4-84 (पूर्वाह्न)
5.	वी० पी० गुप्ता	4-4-84 (पूर्वाह्न)
6.	ए० के० महेश्वरी	30-4-84 (पूर्वाह्न)
7.	एस० के० जैन	4-4-84 (पूर्वाह्न)
8.	बी० सूर्यनारायण	5-4-84 (पूर्वाह्न)
9.	भूप सिंह	30-4-84 (पूर्वाह्न)
10.	पीं० कें० सैनी	4-4-84 (पूर्वाह्न)
11.	केदार नाथ गुप्ता	28-4-84 (पूर्वाह्म)
12.	हितेन्द्र प्रसाद	4-4 - 84 (पूर्वाह्न)
13.	ग्रशोक कुमार श्रग्रवा ल	6-4-84 (पूर्वाह्म)
1 -Լ.	मुनीर ग्रहमद खान	6-4-84 (पूर्वाह्न)
15.	मदन मोहन ग्रग्रवाल	6-4-84 (पूर्वाह्न)
16.	श्रोबेद श्रहमद खान	21-4-84 (पूर्वाह्न)
17.	विक्रम ग्रादित्य	6-4-84 (पूर्वाह्न)

राजबीर सिंह उप निदेशक (प्रशासन)

श्राकाशवाणी महानिवेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 5 मई 1984

सं० 2/19/82-एस०-दो---महानिदेशक, ग्राकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री के० सी० वर्मन, लेखाकार, विज्ञापन प्रसारण सेवा, ग्राकाशवाणी, कटक को दिनांक 16-5-1984 (पूर्वाह्म) से प्रशासनिक ग्रधिकारी, श्राकाशवाणी, सम्बलपुर के पद पर तदर्थ ग्राधार पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

 श्री बर्मन ने श्राकाणवाणी, सम्बन्धपुर में उक्त पद का कार्यभार उसी दिन सम्भाल लिया ।

. दिनांक 7 जून 1984

फा० सं० 4/9/84-एस० दो--महानिदेणक, आकाशवाणी श्रीमती एस० शारदा देवी, मृत्यांकन कर्ता, केन्द्रीय हिन्दी निर्देगालय, नई दिल्ली को तदथं आधार पर 11 मई, 1984 से अगले आदेशों तक, 650-30-740-35-810-द०रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपए के वेतनमान में आकाशवाणी, विवेन्द्रम में प्रतिनियुक्ति पर हिन्दी अधिनारी के पद पर नियुक्त करते ही।

2. श्रीमती शारदा देवी ते, आकाशवाणी दिवेन्द्रम में उसी तारीख से हिन्दी अधिकारी के पद पर कार्यभार संभान लिया

> मोहन फ्रांसिस प्रशासन उपनिवेशक **फ्रें** महानिवेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय नर्षे दिल्लो, दिनांक 7 जून 1984

स० ए०--19012/4/84-स्टोर-1--स्वास्थ्य सेवा महा-निदेशक ने श्री एन० जी० बिडेक्र, लेखा अधिकारी (सी० जी० डी० ए० ए। आयीलय) को 14 मई, 1984 पूर्वाह्म से आगामी आदेशों तक सरकारी चिफित्सा सामग्री भंडार, बम्बई में लेखा अधिकारी के पद पर प्रतिनियुक्ति आधार पर नियुक्त क्या है।

> आर० सी० गुलाटी, उप सहायक निदेशक (स्टोर)

कृषि मंत्रालय (कृषि एव सहकारिता (विभाग) विस्तार निदेणालय

नई दिल्ली, दिनांक 12 अप्रैल 1984

मि० स० 2-6/83-स्थापना (1)--विस्तार निवेणालय की इसी संख्या की अधिसूचना दिनांक 24 जनवरी, 1984 के अन्तर्गत श्री एन० शिवारामा कृष्णन को जो कि सहायक प्रवर्शनी अधिकारी (ग्रेड 1) के पद पर स्थानापन्न रूप से तदर्थ आधारपर कार्यरत थे, उन्हें उनके सहायक प्रदर्शनी अधिकारी (ग्रेड 2) के नियमित पद पर पहली मार्च, 1984 के पूर्वाह्न से प्रत्यावर्तित किया जाता है।

दिनांक 30 अप्रैल 1984

मि० सं० 2-4/79-स्थापना (1)—विस्तार निदेशालय, कृषि मंतालय, (ृषि एवं सहकारिता विभाग) में सहायक प्रशासन अधिकारी के पद पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000द०रो०-40-1200 रुपए के वेतनमान में श्रीपो० एन० चोपड़ा की तवर्थ नियुक्ति 1-3-84 से 30-4-84 तरुया इस पव को नियमित रूप से भरे जाने तक, जो भी पहले हो, जारो रुखी जाती है।

दिनांक 1 मई 1984

मि० सं० 2-4/79-स्थापना (1)--विस्तार निदेशालय को अधिसूचना सं० 2-9/81-स्थापना (1), दिनांक 19-10-1981 के अन्तर्गत श्रीपं। एन० चोपड़ा जोकि सहायर प्रशासन अधिकारी केपदपरस्थानापन्न रूप सेतदर्थ आधार एरवार्यरत थे, उन्हें उनके अधीक्षक (ग्रेड 1) के नियमित पद पर पहली मई, 1984 के पूर्वाझ से एतद्द्वारा प्रत्यावितित किया जाता है।

मि० सं० 2-4/79-स्थापना (1)--विस्तार निवेशालय की विभागीय पदोन्नति समिति समूह "बी" (राजपनित) की सिफारिशों पर श्री भरत सिंह, अधीक्षक (ग्रेड 1) को विस्तार निवेशालय, कृषि मंत्रालय, (१षि एवं सहनारिता विभाग) में सहायक प्रशासन अधिकारी, केन्द्रीय सेवा, समूह "बी" (राजपनित) (लिपिक वर्गीय) के पव पर रुपए 650-30-740-35-810 द० रो०-35-880-40-1000 द० रो०-40-1200 के वेतनमान पर 1 मई, 1984 के पूर्वाह्म से स्थानापन्न रूप से पदोन्नत किया गया।

आर० जीं० बनर्जी, निदेशक प्रशासन

ग्रामीण विकास मंत्रालय

विषणन एवं निरोक्षण निदेशालय फरीदाबाद, दिनांक 6 जून 1984

सं० ए०-19023/10/81-प्र०-III---इस निदेशालय के अधीन श्री ई० एस० पालूजा की विषणन अधिकारी (वर्गा) केपदपरतदर्थ नियुक्ति को 30-6-84 तकया जब तकनियमित पदधारी प्रत्यावित होकर वापिस आता है, दोनों में से जो भी

पहले हो, बढ़ाया गया है।

सं०ए०-19025/13/84-प्र०-III--संघ लो क सेवा आयोग की संस्तुतियों के अनुसार श्री ए० के० णाह को इस निदेशालय के अशोन मरगाव में दिनांक 29-4-84 (पूर्वाह्म) से अगले आदेश होने तक स्थानापन्न सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग 2) के रूप में नियुक्त किया गया है।

> गोपाल **गरण गुक्**ल कृषि विषणन सला हका र

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र कार्मिक प्रभाग

बम्बई-400 085, दिनांक 7 जून 1984

सं ० एम०/2273/आर० ई० डी०/स्था० 1/1594— श्रो गुरुद बंदाचार्या शलोभट ने वैज्ञा० अधि०/इंजी० ग्रेड एस० डी० पद का पदभार 23-5-84 अपराह्म को त्यागपत्न देने पर छोड़ दिया।

> टो० ए० लक्ष्मीना रायणन्, नियंत्रक

परमाणु ऊर्जा विभाग ऋष और भंडार निदेशालय

बम्बई-400 001, दिनांक 4 जून 1984

सं० डी० पी० एस०/41/2/83-प्रणी०-13283--परमाणु ऊर्जा विभाग, कय और भंडार निदेणालय के निदेणालय में स्थायी भंडारी, श्री पी० सी० मथाई को इसी निदेणालय में दिनांक 6-4-1984 (प्रवाह्म) से 11-5-1984 (अपराह्म) तक 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000 द० रो०-40-1200 रुपए के वेतनमान में सहायक भंडार अधिकारी के रूप में नदर्य आधारपर, स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया है। यह नियुक्ति महायक भंडार अधिकारी के रूप में नियुक्त किया है। यह नियुक्ति महायक भंडार अधिकारी के लिए छुट्टी प्रवान की गई है।

पी० गोपालन, प्रणासन अधिकारी

परमाणुखनिज प्रभाग

हैदराबाद-500016, दिनांक 2 जून 1984

सं० पख प्र-16/3/82-भर्ती खंड-II---निदेशक, परमाणु खनिज प्रभाग, परमाणु ऊर्जा विभाग एतद्द्वारा परमाणु खनिज प्रभाग के स्थायी घरिष्ठ आशुलिपिक श्रीओं भार्थन को उसी प्रभाग में श्री के० ए० पिल्ले. सहायक कार्मिक अधियारी को प्रशिक्षण के लिए प्रतिनियुक्ति किया गया है, के स्थान पर 31 मार्च, 1984 के पूर्वाह्न से लेकर 14 मई, 1984 तक तदर्थ क्ष से स्थानापन सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

दिनांकः 4 ज्न 1984

सं० प ख प्र-4/1/84-भर्ती खंड-III--निदेशः, परमाणु खिनिज प्रभाग, परमाणु ऊर्जा विभाग एत्रहारा परमाणु खिनिज प्रभाग के स्थायी वैज्ञानिक सहायक "ए" एवं स्थानापन्न वैज्ञानिक सहायक "ए" एवं स्थानापन्न वैज्ञानिक सहायक "सी" श्री तेजपाल सिंह को उसी प्रभाग में 1 फरवरी, 1984 के पूर्वीह्न से लेकर अगले आदेश होने तक स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/अभियंता ग्रेष्ठ "एम बी" नियम्त करते हैं।

सं० प ख प्र-4/1/84-भर्ती खण्ड-Ш--निदेशक, परमाणु खनिज प्रभाग, परमाणु ऊर्जा विभाग एतदहारा परमाणु खनिज प्रभाग के स्थायी वैज्ञानिक सहायक "बी" एवं स्थानापन्न की उर्स प्रभाग में 1 फरवरा, 1984 के पूर्वाल से लेकर अगले आदेश होने तक स्थानाप्त का कर य वैज्ञानिक अधिकारी/अभियंता ग्रेड "एस बं।" नियुक्त करते हैं।

सं० प ख प्र-4/1/84-भर्ती खण्ड-1]]--निदेशक, परमाणु खनिज प्रभाग, पर्माणु विभाग एतद्द्वारा परमाणु खनिज प्रभाग के स्थानापन्न वैज्ञानिक सहायक "सी" श्री राजा पीटर

को उसी प्रभाग में 1 फरवरी, 1984 के पूर्वाह्न से लेकर श्रमले आदेश होने तक स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक अधिकारो/ अभियंता ग्रेड "एस की" नियक्त करते हैं।

सं० प ख प्र-4/1/84-भर्ती खण्ड-JII---निदेशक, परमाणु खनिज प्रभाग, परमाणु ऊर्जा विभाग एतद्द्वारा परमाणु खनिज प्रभाग के स्थायी वैज्ञानिक सहायक "बी" एवं स्थानापन्न वैज्ञानिक सहायक "सी" श्री के० एस० श्रीवास्तव को उसी प्रभाग में 1 फरवरी, 1984 के पूर्वाह्न से लेकर श्रगले श्रादेश होने तक स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक ग्रधिकारी/श्रभियंता ग्रेड "एस बी" नियुक्त करते हैं।

टी० डी० घा**ड**गे, वरिष्ठ प्रणासन एवं लेखा स्रधिकारी

रिऐक्टर श्रनुसंधान केन्द्र कलपानकम–603 102, दिनांक 17 म**ई** 1984

सं० श्रारं० श्रारं० सी०/ए०-32014/8/84-श्रारं०--निदेशक, रिऐक्टर ग्रनसंधान केन्द्र ने इस केन्द्र के स्थायीयत वैज्ञानिक सहायक 'बी' तथा स्थानापन्न वैज्ञानिक सहायक 'सी' श्री एन० पी० जार्ज को उसी केन्द्र में ६० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में वैज्ञानिक श्रीधकारी/श्रीभयंता ग्रेड 'एस बी' के पद पर 1 फरवरी, 1984 के पूर्वाह्न से भगला आदेश होने तक के लिए श्रस्थायी रूप से नियुक्त किया है।

दिनांक 23 मई 1984

सं० स्नार० स्नार० सी०/ए० 32014/8/84-स्नार०/7403-रिऐक्टर श्रनुसंधान केन्द्र के निवेणक ने इस केन्द्र के स्थायीवत वैज्ञानिक सहायक "बी" श्रीर स्थानापक वैज्ञानिक सहायक "सी" श्री के० स्वामीनाथन को इसी केन्द्र में ६० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में वैज्ञानिक श्रधिकारो/श्रभियंता ग्रेड "एस बी" के पद पर 1 फरवरो, 1984 के पूर्वाह्म से श्रमला श्रावेण होने तक के लिए श्रम्थायो रूप से निय्क्त किया है।

> एस० पर्मनाभन, प्रणासनिक भ्रधिकारी,

केन्द्रीय जल श्रायोग

नई दिल्ली, दिनांक 7 जून 1984

सं० ए०-19012/1058/84-स्था० पांच--प्रध्यक्ष, केन्द्रीय जल भ्रायोग, श्रो राम प्रकाश शुक्ल, ग्रिभिकल्प सहायक को 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपण के वेतनमान में स्थानापक्ष रूप में पूर्णतया ग्रस्थायो एवं तदर्थ भ्राधार पर श्रतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजोनियर (इंजीनियरो) के ग्रेड में 30-4-1984 की पूर्वाह्न से एक वर्ष को श्रवधि के लिए श्रथवा पद

में नियमित आधार पर भरे जाने तक जो भी पहने हो, नियुक्त करते हैं।

> विलोकी नाथ श्रवर सचिव (स०) केन्द्रीय जल भ्रायोग

निर्माण महानिदेशालय केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 4 जून 1984

सं० 24/10/69—ई० सी०-9—इस विभाग के उप-प्रधान निदेशक श्री राधे ध्याम वार्धक्य की श्रायु प्राप्त करने पर 31 मई, 1984 (श्रपराह्न.) को सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

सं० 27/पी/(1)/75-ई० सी०-9--इस विभाग के अतिरिक्त उद्यान निदेशक श्री राजेश्वर प्रशाद वार्धक्य की आयु प्राप्त करने पर 31 मई, 1984 (अपराह्म) को सरकारी मेवा से निवृत्त हो गए।

पृथ्वी पाल सिंह, प्रशासन उपनिदेशक

रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड)

नई दिल्ली, दिनांक 7 जून 1984

मार्वजनिक सूचना

सं० 82/श्रार० ई०/161/6—दक्षिण-मध्य रेख़वे के गुडुर-रेनिगुंटा-तिरुपति खंड पर स्थित रेलवे लाइनों तथा परिसरों के सभी उपयोगकर्ताश्रों की सूचना के लिए एतव्द्वारा श्रिष्म् सूचित किया जाता है कि उक्त खंड पर उसके सामने लिखी तारीख को या उसके बाद शिरोपरि कर्षण तारों में 25000 वोस्ट्रस ए० सी० बिजली चालू कर दी जाएगी। उसी तारीख से, शिरोपरि कर्षण तारों को हर समय बिजलीयुक्त माना जाएगा तथा कोई भी श्रनधिकृत व्यक्ति उन शिरोपरि लाइनों के समीप नहीं जाएगा श्रीर न ही उनके निकट काम करेगा।

खण्ड	तारोख
गुड्डर-रेनिगुंटा-तिरुपति (दक्षिण-मध्य रेलवे का खण्ड)	15-3-1984

सं० 82/म्रार० ई०/161/6—दक्षिण-पूर्व रेलवे के खड़गपुर-मिदनापुर खंड पर स्थित रेलवे लाइनों तथा परिसरों के सभी उपयोगकर्ताम्रों की सूचना के लिए एतद्द्वारा म्रधिसूचित किया जाता है कि उक्त खंड पर उसके सामने लिखी तारीख को म्रथमा उसके बाद णिरोपरि कर्षण तारों में 25000 बोल्ट्स ए० सी० बिजली चालू कर दो जाएगी। उसी तारीख से, णिरोपरि कर्षण तारों को हर समय "बिजलोयुक्त" माना जाएगा तथा कोई भी म्रनिधकृत व्यक्ति उन शिरोपरि लाइनों के समीप नहीं जाएगा मौर न ही उनके निकट नाम करेगा।

खुण्य	शाचीरा
खड़गपुर-मिदनापुर	15-5-1984.
(दक्षिण-पूर्व रेलवे का खंड)	
	श्रजय जौहर <u>ो</u>
	सचिव,
	रेलवे बोर्ड ।

राष्ट्रीय परीक्षण गृह[ी] कलकत्ता, दिनांक 4 जून 1984

सं० जी० 65/50—महानिदेशक, राष्ट्रीय परीक्षण गृह, कलकत्ता, राष्ट्रीय परीक्षण गृह, कलकत्ता एवं शाखा कार्यालयों के निम्नलिखित वैज्ञानिक सहायकों (यांतिको) को राष्ट्रीय परीक्षण गृह, कलकत्ता एवं शाखा कार्यालयों में किसी अगले आदेश के जारी होने तक वैज्ञानिक अधिकारी (यांतिको) के रूप में अस्थायी आधार पर नियुक्त करते हैं जो कि प्रत्येक नाम के सामने दिए गए दिनांक के अनुसार कार्यकर होगा :--

有 c	,	के पद पर	पदोन्नति जन्म जिल्लांग	कार्यालय में
सं	0	मदोन्नत	का दिनांक	
	सर्वे श्री	<u> </u>		
1.	निर्मल चन्द दास,	वैज्ञानिक	1-5-84	राष्ट्रीय
	वैज्ञानिक सहायक,	श्रिधिकारी		परोक्षण
	(यांद्रिकी),	(यांद्रिकी)		गृष्ठ,
	कलकत्ता			
				कलकृता।
2.	श्री एस० भ्रार० र	ॉ कर	9-5-84	राष्ट्रीय
	वैज्ञानिक सहायक			परोक्षण
	(यान्निकी) मद्रास			गृह, मद्रास
3.	जो० डी० चव त,	**	10-5-84	राष्ट्रोय
	वैज्ञानिक सहायक,			परीक्षण
	(यांद्रिकी) बग	-बर्ड'		गृह, बम्बई
			जे० एम०	भट्टाचार्या,
			उपनिदेश	क (प्रशासन)

विधि, न्याय एवं कम्पनी कार्य मन्त्रालय (कम्पनी कार्य विभाग) कम्पनी विधि बोर्ड

कृते राष्ट्रीय परीक्षण गृष्ट, कलकता

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय कम्पनी श्रधिनियम, 1956 श्रौर मैं० एसएसवी इड इंजीनियर्स प्राष्टवेट लिमिटेड के विषय में

बंगलौर, दिनांक 7 जून 1984

सं० 4546/560/83-84-कम्पनी श्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपवारा (3) के प्रनुसरण पें एतर्द्रारा यह सूचना दो जाती है कि इस दिनांक से तोन माह के अवसान पर मैं ए एसएसवी इड इंजीनियमें प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिंगत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दो जाएगी।

¹ ह० भ्रपठनीय कम्पनियों का रजिस्ट्रार ·- -2.24 .5 22-25.77, ·

प्रकल बाह् ं दी एन एक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुभना

वारत बरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायकत (निरीक्षण) अर्जनरेंज, लुधियाला लुधियाना, दिलांक 10 मई, 1984

निवेश मं० चर्डी०/73/83-84---अत: मुझे, जीगिन्वर सिंह् गायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके वश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा बना ही), की बारा 269-च के अधीन सबस प्राधिकारी को वह विववास करने का कारण ही कि स्थावर संपर्ति, जिसका अधिन पुन्तर पृत्य 25,000/- स्ट से अधिक ही

और जिसकी तं भकात नं 2018 है तथा जो मैक्टर, 15-सी, चन्छागढ़ में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक

को पूर्वों तस संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उशके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल निम्मिसित उद्देश से उच्च बन्तरण सिचित में बास्तिकक क्ष्य से किथा नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाथ की शावत, उक्त अधिनिवस के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायिश्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी बाय या किसी भन या अन्य अस्तियों का, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रवाजनाथ अस्तिरवी दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाना जाना निर्माण था, किया वे मुक्तिया किया किया गया किया विकास के लिए।

जतः कव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के जनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के कथीन, निम्मािसिन व्यक्तियों. अर्थातः:——

- 1. श्रोमती वीणा राती पर्ती श्री प्रेम प्रकाश चाथला वासी मकान नं 2018 मैंक्टर, 15-सी, चन्द्रीगढ़। (अन्तरक)
- 2. श्री मंगल मिह पुत श्री पिन्ना सिंह श्रोमती मोहिन्दर कौर पित्न स: मंगल सिंह, वासी मकान नं० 1617, फैस 3-बी-ण, मोहाली वर्तमान में, न्यूगडाउन, गया।

,

को यह स्थना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिल् कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध मा कांग्री भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन को अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की सबिध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ज्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के औतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबयुध किसी अन्य स्थावत द्वारा अधोहरूमम्सरी के पास किसित में किए आ सकेंगे।

हा अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा के उस अध्यास विकास किया

अन्स्ची

महान नं 2018 जोि 15-सी, सैक्टर, में स्थित है। (अर्थात् बहु अरथदाद जोि र्याअस्ट्रीकर्ता अधिकारी चन्होगढ़ में विलेख संख्या 66) माह सितम्बर, 1983 के तहत दर्ज है।

जोगिन्दर सिंह मक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

तारी**ख**: 10-5-1984

मोहर ः

प्ररूप आर्थः टी. एन. एस.

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्थाना

भारत चरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिसांक 7 मई, 1984

निदेशसं० लुधियाना/117/83-84--अतः मुझे, जोगिन्दरसिंह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजिन बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं और जिसकी सं० दुकान नं० वी-7/50 है तथा जो चौड़ा बाजार,

और जिसकी सं० दुकान नं० बी-7/50 है तथा जो चौड़ा बाजाए, नृश्चियाना का आधा भाग में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचो में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यानय नृधियाना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर, 1983

को पूर्विक सम्बन्धित के उभित बाजार मूख्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास क्राने का गिर्म प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास क्राने का गिरम प्रतिफल का पंचर प्रतिक स्थान प्रतिफल का पंचर प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के लिए एसे अंतरण के पिए उस पास गया प्रतिक क्रा मिल्लिकित उद्देशिय से उकत सन्तरण निकित में बास्तिक का भी अधिक नहीं किया गया मना है कर्म महारिक्त में बास्तिक

- (क) अस्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त मोलियाक के अभीत कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उमसे बचने में सुविधा के लिए; करें/बा
- (शंती किसी काय या किसी धन या अन्य आस्तियों हो जिल्ली भारतीय कारण कर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, या धनकर अधिनियस, या धनकर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अतः एकत अधिनियम की धारा १६०-ग के अनसरण में, में, रकत अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिसित व्यक्तियों, अर्थातः :—— शिधर्मवीर सेठ, पुत्र श्रो मंगत राम सेठ, ए बं मनोज कुमार सेठ, तथा अनुज कुमार सेठ, पुतान श्री धर्म बीर सेठ, वासी बी-I-1274 राजिन्द्र नगर, सिविल लाइन, लुधियाना।

(अन्सरक)

2. श्रोमतो छुण्णा रानी पित्त श्री प्रद्युमन लाल श्रीमती राज रानी पित्न श्री तरिन्द्र पाल वासी 86, गदीन पार्क, सिविल लाईन, लुधियाना।

(अन्तरितो)

3. मैसर्स चीप क्लाथ हाउस,
श्री नरेश कुमार कपिला
श्री तेजिन्द्र कुमार कपिला
बी-7-50, चौड़ा बाजार, लुधियाना।
(यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को सह सूचना चारी करकं पृत्रोंकत सम्पत्ति के वर्जन के जिल् कार्यजाहिया करता हुं।

जनत सम्पत्ति क जर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

 ५५व्दिकरणः --- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्**स्थी**

दुक्तान नं ० बी-7-50 का 1/2 भाग जोकि बौड़ा बाजार, लुधियाना में स्थित है।

(अर्थात यह जायदाद जो कि रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के विलेख संख्या 7830 माह सितम्बर, 1983 के तहत दर्ज है।

> जोभिन्दर सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 7-5-1984

प्ररूप जाइ . टी. एन. एस.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाय 269-व (1) के जभीन स्थान

भारत सरकार कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 मई, 1984

निदेश सं० शिमला/9/83-84—अतः मुझे, जोनिन्दर सिंह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परधात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 472 वर्ग गज और 8 वर्ग फुट है तथा जो जमीन जोकि माईथ एस्टेट के नजदीक, सर्कुलर रोड, शिमला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूर्च में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शिमला मे रिजस्ट्रीकरण अधिकियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मितम्बर, 1983

- (क) जन्तरण से हुई किसी भाग की बाबस उक्त जिथितियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए: जौर/मा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपता अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए भा, छिपाने प्रें स्विधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

अधियोगेश चन्द एवं अतुल चन्द पुत्रान स्वर्गीय श्री मेलाराम, वासी माईथ, शिमला।

(अन्तरक)

2 श्रामती रंजना सेठो, पत्नि श्री रिवन्द्र सेठो, वासी सेठी निकेतन, संजीलो, शिमला।

(अंतरिती)

को यह भूचना बारी करकं पृत्रावित सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यशाहियों करता हु।

उन्त सम्परित के अपने के लम्बन्ध में कोई भी आक्षय: ..

- (क) इस सूचना का राजपव मो प्रकाशन को सारीक सं 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन को अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के बीतर पूर्विकर आंअनुयों मी किसी अविक्त द्वारा;
- (६) इस सुमना के राजपण में सकाशन की तारोब से 45 विस्त के भीतर उबन स्थायन सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास विस्तार किसा संस्थायन

स्पष्टीकारणः ----इसमें प्रयानत शब्दों और पर्दों का, यो उक्छ विभिन्नियम, के अभ्याय 20-क में परिशाधित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया जया है।

वन्स्यी

472 वर्ग गज और 8 वर्ग फुट, जमीन जोकि माईथ ऐस्टेट, के निकट, सरकूलर रोड, शिमला में स्थित है।

अर्थात् वह जायदाद जोकि रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, शिमला के विलेख संख्या 566 माह सितम्बर, 1983 के तहत दर्ज है।

> जोगिन्दर सिंह मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रोंज, लुधियाना

तारी**ख**: 11-5-1984

प्रकृप आहें. टी. एन. एस

नामकर गरिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के गरीन मुचना

भारत सर्कार

कार्यालयः, सहायक जायकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 मई, 1984

निर्देणसं० लुबियाना/110/83-84---अतः मुझे, जोगिन्दर सिंह

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का फारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संग्रमकान नंग्र20 बी. 770/2 है तथा जो गुरदेव नगर, लुधियाना का आधा भाग में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजर्स्ट्राकर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नितम्बर, 1983

को पूर्वोक्त संपित्त के उधित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, एसे उश्यमान प्रतिफल का गन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय नाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी कारने या उससे अखने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण कें, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री अशोक कुमार पुत्र श्री शान्ती स्वरूप वासी 314 चौड़ी सड़क, नुधियाना ।

(अंतरक)

 वर्धमान स्पिनिंग एंड जनरल मिल्स लिमिटेड, बन्डीगढ़, रोड, लुधियाना।

(अन्तरिसी)

को यह सुभाना जारी करके प्रवेक्ति संपरित के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुन्:

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन का तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए पासकी।

स्यक्षीकरण: — इसमें प्रयुक्त सक्यों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा वो उस अध्याय में विद्या गया हैं।

तमस्यो

मकान नं० बी-20-770/2,जोकि गुरदेव नगर, लुधियाना में स्थित है का आधा भाग।

(अर्थात वह नायदाव जो रिजिस्ट्री कर्ता अधिकारी, लुधियाना के विलेख संख्या 7224 के तहत माह सितम्बर, 1983 में दर्ज है।)

> जोगिन्दर सिंह् सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 11-5-1984

मोहर 🕾

प्रकृष बाई. टी. एनं. एतं.

आयकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के प्रधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यांस्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुझियाना

लुधिकाना विनांक 11 मई 1984

निर्देश सं० लुधियाना/111/83-84- यतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (िषसे इसमें इसके परवात उक्त अधिनियम कहा गया ही), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्परित, जिसका उजित बाजार मृस्य 25,000/- रहा से विधिक ही

और जिसकी सं० मकान नं० बी-20 है तथा जो 770/2 गुरदेव नगर, का 1/2 भाग, जो लुधियाना में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुभूषी में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर, 1983

के प्रविस्त सम्पत्ति को उचित बाजार मुख्य से कम को स्वयान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृख्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से ऐसे स्थयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक हैं और ऐसे अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण को लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योदय से उक्त अन्तरण सिखिल में नार्विक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी शाव की वाबत, अन्तर विधिनियंत्र के अभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय वा किसी भन वा कम्य जास्त्यों को, जिम्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा की सिए;

कतः अब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भं, मं, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपकारा (1) के बभीन, निस्मिलिक व्यक्तिकों, जर्मातः :---

- श्री रमन कुमार पुत्र श्री मान्ती स्वरूप,
 वासी 314, जौड़ो सड़क, लुधियाना ।
 (अन्तरक)
- मैंससं वर्धमान स्थिनिंग एंड जनरल मिल्स लिमिटेड चंडीगढ़ रोड, लुधियाना ।

(अन्तरिती)

भा यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संम्याति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति बुनारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकोगे।

स्पव्यक्तिकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनसर्ची

मकान नं० बी-20-770/2, गुरदेंच नगर, लुधियाना का आग्ना भाग ।

(अर्थात वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सुधियाना, के विलेख संख्या 7226 माह सितम्बर, 1983 के ..हत दर्ज है ।)

> जोगिन्दर सिंह सक्षम प्राधिकारी स**हायक आयकर आयुक्**त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लिधियाका

तारीख: 11-5-1984

मुक्य नार्द ही एन एस

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्वना

नारत ररकार

कार्यालयः, सहायक भागकर वाय्क्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 11 मई, 1984

निर्देश सं० पटियाला/6/83-84---अतः मुझे, जोगिन्द्र सिष्ठ सायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 769-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मन्य 25,000 /एत. से अधिक **ह**ैं

ग्रीर जिसकी सं० गांव घलोदी स्थित है तथा जो 31 कनाल, 15 मरले, जमीन पर बने ढांचे सहित स्थित है (भ्रौ इसमे उपाबद्धअनुसूची में ग्रोर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधि कारी के कार्यालय पटियाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उषित बाजार मृल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (मन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रति-फाल, निम्नलिक्ति उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिक्ति में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया नवा 🗗 🌣----

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर वाने के अवसरक के कारिक्त में कभी करने या उससे अभने में मुविधा के लिए: और/वा
- (क) ऐसी किसी भाष या निक्सी भनवा जन्म जास्तिकाँ का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियनम, 1922 (1922 का (1) या तक्त मधिनियम, मा भन-कर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था मा किया जाना चाहिए था, छिपाने मा सुविधः के मिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जन्सरण में, मै, उकत अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीस्चित व्यक्तियाँ, अर्थास् :--

 श्री सतपाल पुत्र श्री जयप्रकाश, प्रकाश देवी पत्नी श्री इन्द्रजीत, मौड़ा देवी पत्नी श्री सुरिन्द्रपाल हिस्सेवार: मैसर्स सुरिन्द्र राईस एवं जनरल मिल्स, भूनेड़ी रोड, पटियाला। (अन्तरक)

2. मैसर्स महावीर राईस मिल्स, नेड़ी, रोड पटियाला द्वारा श्री तरलोक चन्द हिस्सेवार।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पहित के अर्थन के किए कार्यवाहिया करता हूं ।

जनत सम्पृतित के नर्पन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रोब:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाः पर सूचनाकी मामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त भ्वक्तिका यो मं किली क्यक्ति बुवारा;
- (बा) इस सुचना को राजपंत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हिसबब्ध किसी बन्य व्यक्ति व्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पात लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्सूची

31 कनाल, 15 मरले जमीन ढांचे सहित जोकि धलोदी, पटियाला में स्थित है।

(अर्थात, वह जायदाद जोकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी पटियाला के विलेख संख्या 2687 माह सितम्बर, 1983 के सहत दर्ज है। -

> जोगिन्दर सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 11-5-1984

प्ररूप काइ.टी.एन.एम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं) धारा 269-व (1) के अधीन मुखना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आय्वत (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 11 मई, 1984

निर्देश सं० चन्डी ०/66/83-84—अतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह, शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पच्चान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 655 है, तथा जो सैक्टर 33-बी, धन्डीगढ़ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चन्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर, 1983

को प्रांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निकित में बास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण मं हुइ किसी आय की आवत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा अंतिए।

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-**ग की उपधारा (1**) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

 श्री दलजीत सिंह पुत्र श्री अर्जुन सिंह,
 एवं श्रीमती शुष्मा ग्रोर पिंत स० दलजीत सिंह बराये वासी-53, अम्बाला छाषनी ।

(अन्तरक)

2. श्री भारत पाल सिंह एवं श्री गिरीण पाल सिंह पुत्र श्री सरपाल सिंह वासी-मकान नं०-1811, सैक्टर 33, चन्डीगढ़ ।

(अन्तरिती)

को यह स्वाना जारी करके पृषींक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को वर्जन को सम्बन्ध मों काई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, धो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पाक लिखित में किए जा सकते ।

स्पच्छीकरण: ---- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, आ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्त्रा

प्लाट नं० 655 जो कि 33-बी-सैक्टर चन्डीगढ़ में स्थित है।

(अर्थात वह जायबाद जो रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी चन्डीगढ़ के विलेख संख्या 631 माह सितम्बर, 1983 के तहत दर्ज है।)

> जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीखः 11-5-1984

प्रकार बहाई, दर्श, स्था, स्था

कामकर मिपिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के वधीन स्थान

भारत समासार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 10 मई, 1984

निर्देश सं० चन्डी ०/67/83-8 4—जात: मुझे, जोगिनद्र सिह, बायकर वाँधनिक्य, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके प्रचात उन्त वाँधनिक्य कहा गया हैं) की बाब 269-स के वधीन सक्षम प्राणिकारों को, यह निर्वास करने का कारण है कि स्वापर संगीत्य विस्का अचित वांचार सुन्य 25,000/- रा. से वाधक हैं

ग्रौर जिसकी सं० मकान नं० 2329 है, तथा जो सैक्टर 35-सी, चन्डीगढ़ का आधा भाग है में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चन्डीगढ़ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्रयमान श्रोतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से, ऐसे क्रममान प्रतिफल का एन्स्ह प्रतिकृत में अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के सिए तय पाया गया प्रति-भाग निम्नीतिबात उद्योग से उस्त बन्तरण किबात में थास्त-विक कथ से कथित नहीं किया च्या हैं।--

- (क) अन्तरण वे शुर्व किसी नान की नायत क्या विध-नियम के मधीन कर बीने के मध्यरक के दायित्व में कामी करने ना करके यमने में बृष्टिया के जिने; और/या
- (ब) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हीं भारतीय अयकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस या धनकर अधिनियस या धनकर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में प्रविधा के लिए:

- श्रीमती कुलवन्त कौ. पहिन स० बलवन्त सिंह वासी 2329, सैक्टर 35-सी, चन्डीगढ़।
 - (अन्तरक)
- 2. श्रीमती कंवलजीत कौर पत्नी स० इन्द्रजीत सिंह वासी गोमिया (बिहार) द्वारा खास मुख्तयार श्री मनमोहन सिंह वासी-2329, सैंक्टर 35-सी, चन्डीगढ़ ।

(अन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके प्रवेक्ति संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उपल सम्पत्ति के मर्कन के सम्बन्ध में को**हें थी भाक्षो**र :----

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 वित्र की नविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 विन की अविध, जांभी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथींकत व्यक्तियों में किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस अपना के राजपन में प्रकाशन की तारीय वं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिन-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी वं पास निवित्त में किए का क्कींगे (ह)

स्मद्भिकरण : --- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का ओ उसके अधिनियम, से अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा ओ उस अध्याय में दिया गमा हाँ।

नन्त्यी

मकान नं० 2329 से टर 35-सी, चन्डीगढ़ का आधा भाग, (अथीत् वह जायदाद जो कि रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी चन्डीगढ़ के विलेख संख्या-637 माह सितम्बर, 1983 के तहत वर्ज है।)

> जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ का उपधारा (1) के जानि, निम्नसिवित व्यक्तियों, अधितः :---

तारीख: 10-5-1984

मोहर 🛢

प्रकृष काहाँ .टी. एन . एस .

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की । भारा 269-ध (1) के अधीन स्थान

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लिधियाना, दिनांक 10 मई 1984

निदेश सं० चन्डी०/68/83-84—अतः मुझे जोगिन्द्र सिंह बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० मकान नं० 601 है, तथा जो सैक्टर 20-ए, चन्डीगढ़ में स्थित है (श्री । इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में चन्डीगढ़ रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दरममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दर्यमान प्रतिफल से, एसे दर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिदात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिबित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वावत, उक्त जिथित्यम के अधीन कर दोने के जन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे व्यन में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कार अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अभिनियम, बा धन-कार अभिनियम, बा धन-कार अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. खिपाने में सुविधा के लिए;

 श्रीमती निर्मल कुमारी पत्नी श्री पवन कुमार मित्तल वासी 601, सैक्टर 20-ए, चन्डीगढ़।

(अन्तरक)

2. श्रीमती मनजीत कौर पत्नी स० प्रितपाल सिंह एवं श्रीमती अमरजीत कौर पत्नी स० दिवन्द्र सिंह श्रेड़ा, प्राइमा रोज नं० 1, कार्ट रोड, शिमला।

(अन्तरिती)

को पह सूचना जारी करके पूजांक्त संपत्ति के नर्बन के विष्

ड करा संपर्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की नगीं या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की नगीं , जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर अवित्यों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन के भीतर उच्चत स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकारी के पास विश्वत में किए जा सकरें ।

स्वाकरणः - इसमें प्रयुक्त कन्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, मही कर्ण होगा जो उस अध्याय में दिका क्वा है।

अनुसूची

मकान नं० 601 जो कि सैंक्टर, 20ए, चन्डीगढ़ में स्थित है। अर्थात वह जायदाद जो कि रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी चन्डीगढ़ के विलेख संख्या 642 माह सितम्बर, 1983 के तहत दर्ज है।

> जोगिन्दर सिंह सक्षम प्राधिकारी महायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

तारी**ख** 10-5-1984 मोहर

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस्.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्भाना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

ल्धियाना, दिनांक 11 मई 1984

निदेश सं० चन्डी > /78/83-84—अंत: मुझे, जोगिन्द्र सिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. सं अधिक हैं

25,000/- र. स जानक हु
और जिसकी सं एस० सी एफ० नं 311 है तथा जो
माटर मार्कीट, मनोमाजरा, चन्डीगढ़ में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता
अधिकारों के कार्यालय चन्डीगढ़ में रिजस्ट्रीकरण अधिक्यम,
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर, 1983
को प्वेंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के दश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथाप्वेंक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार
मृज्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का
पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती
(अन्तरितियां) के वीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त विध-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में अभी करने या उनसे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्योजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के रिएए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीग, पनम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात ह—

- श्रो वलजीत सिंह सुपुत्र श्री मेहर सिंह बासी 108, मैक्टर-7, पंचकूला (हरियाणा) (अन्तरक)
- स० हजूरासिह पुत्र स० सावन सिंह वासी 205, सैक्टर-20-ए, चन्डीगढ़।
 (अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायवाहियां करतः हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताजीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति के हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकित में किए जा सकर्प।

स्पव्यक्तिरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

न्त्र्यो

शाप कम पलैट नं० 311जो कि मोटर मार्केट, मनीमाजरा यू०टी० चन्डीगढ़ में स्थित है।

(अर्थात वह जायदाद जोकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चन्डीगढ़ के विलेख संख्या 716 माह मितम्बर, 1983 के तहत दर्ज है।

> जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 11-5-1984

प्ररूप बाद . टी . एन . एस

नावकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के नेभीन तुष्ता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर वायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 मई 1984

निदेश सं वन्डी ०/77/83-84---अत: मुझे, जोगिनद्र सिंह,

कायकर बाँधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं मकान नं 226 है, तथा जो सैक्टर 21-ए, चन्छीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चन्छीगढ़ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1909 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित आजार बूल्य, उशके क्ष्यमान प्रतिफल से, एते क्ष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया बतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित पे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी शाय की बाबत उक्त सीध-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कभी करने या उद्यसे दवने में सुविधा के लिए; और/या
- (व) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, चिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जावा चाहिए था, कियाने में ब्रोविमा की सिक्ष;

 श्री हरचरण सिंह पुत्र श्री सुरजन सिंह गासी 1004, सैक्टर, 20-बी, चन्डीगढ़।

(अन्तरक)

2. श्री बाबा जोगित्र सिंह पुत्र श्री रतन सिंह वासी मकान नम 1046, सैंक्टर 22-बी, चन्डीगढ़। (अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्चान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इंदारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्ते स्थावर संपरित में हिंत- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकर्णः — इसमें प्रयुक्त सब्यों मीर पदों का, जो उक्त मीभीनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं कर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही। यस है।

समय ची

मकान नं० 226 जो कि सैक्टर 21-ए, चन्छीगढ़ में स्थित है।

(अर्थात वह जायदाद जौ कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चन्छीगढ़ के विलेख संख्या 6 92 माह सितम्बर, 1983 के तहत दर्ज है।)

जोगिन्द्र सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निर्राक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

जतः जन, उत्तर मधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के सभीन, निस्निशिषित व्यक्तियों, सर्थात :---

नारीख: 11-5-1984

प्रकृप बाह्रं टी. एन. एस.

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म(1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षक) अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 मई 1984

निदेण मं० चन्डी०/70/83-84——अतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह, शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का भारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं और जिसकी सं० मकान नं० 1394हैं, तथा जो सैक्टर 22-बी, चन्डीगढ़ में स्थित हैं (और इससे उपागद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से यणित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चन्डीगढ़ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिज्ञत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

के अधीन दिनांक सितम्बर, 1983

- (क) जन्तरण से हुई किसी आयु की बाबत, उसस अभिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कामी करने वा उससे वजने में सुविधा के सिए: और/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, जिन्मों में स्विधा के लिए;

जत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मं, मंं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिधित व्यक्तियों∷ अधीन म—

- श्री के० एल० चोपड़ा, पुत्रश्री लछमनदास,
 वासी मकान नं० 234, सैक्टर 35-ए, चन्डीगढ़
 (अन्तरक)
- 2 श्रीमती मुनव्यर जमाल पत्नी श्री शमशाद अहमद वासी 1394, सैक्टर 22-बी, चन्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पर्टित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित् में किए का सकेंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त निध-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

THE STREET

मकान नं 1394 जो कि सैक्टर 22-बी, चन्डीगढ़ में स्थित है।

(अर्थात वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चन्डिशक् के विलेख संख्या 651 माह सितम्बर, 1983 के तहस तर्ज है)।

> जोगिन्द्र सिंह; सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियना

मारीख: 10-5-1984

मोहर 🛭

प्ररूप आई.टी.एन.एस

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज, लुधियाना नुधियाना, दिनांक 10 मई 1984

निर्देण सं वण्डी ० / ७ १ / ८ ३ - ८ ४ - - यत:, मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

कायकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी मं० मकान नं० 3006, मैक्टर 35-डी है तथा जो चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ग रूप में विणित है) रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर, 1983

को पूर्वोकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्त-रिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्योध्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथिश नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरम में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

- (1) श्री जगत सिंह पुत्र स्वर्गीय श्री गुरुमुख सिंह वासी गांव एवं डाकखाना सहौरां, तहसील खरण, जिला रोपड़, द्वारा मुख्तार अमरजीत सिंह पुत्र स्वर्गीय श्री करतार सिंह वासी गांव व डाकखाना सहौरां, जिला रोपड़। (अन्तरक)
- (2) श्री कुलविदरसिंह पुत्र श्री अमरजीत सिंह, लखबीरसिंह पुत्र श्री अमरजीत सिंह, सोहन सिंह पुत्र श्री करतारसिंह

एवं हरदीप सिंह (नाबालिंग) पुत्र श्री सोहन सिंह बासी गांव एवं डाकखाना साहौरां, तहसील खरड़, जिला सुधियाना ।

(अन्तरिती)

(3) श्री बी० आर० बजाज श्री सन्त राम लेखी श्री सुरजीत सिंह श्री गुरजीत सिंह श्रीमती सुरजीत सिंह सारे बासी मकान नं० 3006, सैंबटर 35-डी, चण्डीगढ़।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्मस्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शरु करता है।

उक्त संपरित के मर्जन के सम्मन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सैं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो छक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

मकात नं ० 3006 जोकि 35-डी सैक्टर में स्थित है । (अथित् वह जायदाद जो कि रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के विलेख संख्या 659 माह मितम्बर, 1983 के तहत दर्ज है।)

> जोगिन्द्र सिंह मक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

नारीख: 10-5-1984

मोहुदुः 🛎

प्रकृष बाह् . टी. एन. एस.

भाथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

भारत सुरकार

शार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, विनांक 4 मई 1984

निर्देश सं० राज०/सहा०/आ० अर्जन/2384—यतः, मुझे, मोहन सिंह,

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिसे इसमें इसके पश्चात् 'उमत बिधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269- ह के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ः. हे अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 100 है, तथा जो जोधपुर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जोधपुर में रिजस्ट्रीकर ण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 5 सितम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्यं से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त का निम्निनिचित उष्योदन से उन्त अन्तरण निम्निनिचत में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है हिन्स

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीम कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे ब्वने में सृविधा के लिए; अदि/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तिबों को, जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रश्लेषमार्थ बन्तरिती व्यार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा खे बिछ;

मतः मय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (१) के अधीन, निम्मिनिखिल व्यक्तियों, अधीत् :---

- (1) श्री तुलसीराम पुत्रश्री राधा विधान भाटी, जालोरी गेट के अन्तर, जोधपुर मुक्तार श्री हरचरण सिंह पुत्र तेज सिंह, जोधपुर। (अन्तरक)
- (2) श्रीमती कृष्णा कुमारी पत्नी श्री हरचरण सिंह, 100 सैक्शन 7, एफ सैक्टर, शास्त्री सगर, जोधपुर ≀

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुई ।

उक्त सम्परित के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की अवधि या तत्सकारणी व्यक्तियों पूर सूचना की तामील से 30 विन की श्वधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूचीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (ख) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उन्तर स्थावर संपत्ति में हित- सब्ध किसी अन्य स्थावत व्याप अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकती।

स्यष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को सकत स्राधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं सर्थ होगा को उस अध्याय में दिया नवा ही।

मग्त्वी

प्लाट नं० 100, सैंक्णन 7, सैंक्टर एफ, मसूरिया, जोधपुर जो उप पंजीयक जोधपुर द्वारा ऋ० सं० 246/2639, दिनांक 5-9-1983 पर पंजीयद्ध विक्रय पत्न में भ्रीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

मो**ह**न सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 4-5-1984

माहेर्ड 🖁

प्रकप् नाइ. टी. एन. एस

बायकर अभिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर जयपूर, दिनांक 4 नई, 1984

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/2385—यत:, मुझे, मोहन सिंह,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० मकान है तथा जो जोधपुर में स्थित है (श्रीर • इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, जोधपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 12 सितम्बर, 1983

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति की उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्न्ह प्रतिखत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण निचित में बास्तिक कम से कथित नहीं किया ग्या है है—

- (क) नंतरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; औद्र/बा
- (ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ करे, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्नारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपानं में सविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (१) के अधीन, निस्निजिकित व्यक्तियों, अर्थात् ह— (1) श्री घेवर चन्द पुत्नश्री कालू राम बापना, कपड़ा व्यापारी, मोर्ता चीक, जोधपुर।

(अन्तरकः

(2) श्रीमती बसन्ती देवी पत्नी श्री सत्यनारायण; 80/2, पशुरिया घाट स्ट्रीट, कलकना

(अन्तारकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन् के संबंध में कोई भी बाक्षप् :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस स्वान के राज्यत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्धों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जनसमी

महावतों की मजिस्द, जोधपुर में स्थित आवासी मकान का भाग जो उप पंजीयक, जोंधपुर द्वारा क्रम संख्या 2676, दिनांक 12 सितंम्बर, 1983 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्न में विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 4-5-1984

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनांक 4 मई 1984

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/2386—यतः, मुझे, मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० मकान है तथा जो जोधपुर में स्थित है (स्रोर इससे उपाबक अनुसूची मे स्रोर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जोधपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 12 सितम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने, का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- '(क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकांजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अबः, उक्त अधिनयम की धारा 269-ग के अनसरण मों, मों. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री येवर वन्त पुत्र श्री कालू राम बाणना, कपड़ा व्यापारी, रोती चीक, जाधपुर

(अन्तरक)

(2) श्री प्रदीप शासीपा पुत्र श्री सत्यनारायण जी, नाबालिंग जरिए श्री सत्यनारायण आसीपा, 80/2, पथुरिया घाट स्ट्रीट, कलकत्ता। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ए---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थात्रर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चि में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो अक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

महावतों की मजिस्व, जोधपुर में स्थित आवासीय मकान का भाग, जो उप पंजीयक, जोधपुर द्वारा क्रम संख्या 2677, दिनांक 12 सितम्बर, 1983 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्न में ग्रौर विस्तुत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 4-5-1984

मोहर 🛭

प्ररूप आईंटी. एन एस

नामकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निद्धिक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनांक 4 मई 1984

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/2387—अतः मधे, मोहन सिंह

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रः. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 71 है, तथा जो जौधपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जौधपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 21 सितम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उक्ति बाजार मूल्य से कम के रूर्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गर्द है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उक्ति बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे रूर्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाधता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के ब्रायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्ध अन्तिरती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीम, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात् हरण य —1260ां84 डाक्टर बासुदेव पुत्र श्री तिलकराम जी गर्ग निवासी 79, ब्लाक, श्रीगंगानगर,

(अन्तरक)

 डाक्टर प्रकाश कळ्याहा, एवं श्रीमती पुष्पा परिन डाक्टर, प्रकाश कळ्याहा, नागोरी बैरा, जौधपुर।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं ।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेय :-(क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी
अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त
व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वार अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है.

भनुसूची

मकान स्थित प्लाट नं० 71 का भाग, फर्स्ट पोलो पावटा, जौधपुर जो उप पंजियक, जौधपुर द्वारा कम संख्या 2802, दिनांक 21 सितम्बर, 1983 पर पंजिबद्ध विक्रय पन्न में ग्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मो**ह**न सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 4-5-1984

मोहर 🖫

प्रकृष बाद' की एवं एव

भायकर अधिनिधम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-क् (1) के सधीन सुकना

भारत् सर्कार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनांक 4 मई 1984

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/2388—अतः मृन्ने,

मोहन सिंह

नायकर जिथितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निधित्यम' कहा गया हैं), की धारा 269- व के निधीत सक्तम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित नाजार मृत्य 25,000/- त. से निधक हैं

मौर जिसकी सं० प्लाट नं० 71 है, तथा जो जौधपुर में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जौधपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिक्यम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 21 सितम्बर, 1983

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के इस्प्रमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का अधित बाजार मूक्त, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे अस्प्रमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (जन्तरितियों) के बीच ऐसे जन्तरण के लिए तय वाया नया अतिफल, निन्निसित्त उद्वोदय से उच्छ कन्तरण जिल्हित में वास्तिक है अधिक नहीं किया पना है दे—

- (क) जन्तरण से हुइ किसी आप की वायत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, वा धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

कतः अव, उवत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उकत अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) को अधीन, निम्नतिस्थित व्यक्तियों, अर्थात् :~--

- डाक्टर वासुदंव पुत्र श्री तिसकराम जो गर्ग, निवासी 79-जी, ब्लाक, श्रीगंगानगर,
 - (अन्तरक)
- डाक्टर प्रकाश कछवाहा, एवं श्रीमती पृष्पा पत्नि डाक्टर, प्रकाश कडवाहा, नागौरी बैरा, जोधप्र।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन क लिए कार्यगिहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अधिप या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीक्ष स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के बास विकास में किए जा सकरेंगे।

स्पच्छीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में गीरभावित है, यही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गुरुष है।

भगुस्ची

मकान सम्पत्ति स्थित प्लाट नं० 71, का भाग, फर्स्ट पोलो, पावटा, जौधपुर जो उप पंजियक, जौधपुर द्वारा कम संख्या 2801, दिनांक 21 सितम्बर, 1983 पर पंजिबद्ध विक्रय पन्न में और विस्तृत, रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी महायक आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपूर

तारीख: 4-5-1984

मोहर ग

प्ररूप आहे. टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 16 मई 1984

निर्देश सं० राज०/सहा० ग्रा० श्रर्जन/2389—ग्रतः मुझे मोहन सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० सम्पत्ति प्लाटनं० 7 है, तथा जो आयावर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बिणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय ब्यावर में रिजस्ट्रोकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 16-9-1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अयः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) हे अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ए— श्री नैमीचन्द वेत्तक पुत्र भी संवरीम श्रेप्रवाल सिंबल बिठ्या गली, पीपलिया बाजार, ब्याबर ।

(मन्तरक)

 श्री कैलाश चन्द्र पुक्ष सेठ, बंशीधर जी श्रग्रवाल, निवासी ब्यावर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पर्ध्वीकरण:—-इसमं प्रयुक्त सन्वीं और पवीं का जां उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्पी

श्रावासीय प्लाट, पुराने नं० 6/455 नया नं० 7 सराविगयों का मोहल्ला, ब्यावर जो उप पंजियक ब्यावर द्वारा कम संख्या 1516 दिनांक 16-9-1983 पर गंजिबद विक्रय पक्ष में ग्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, जमपुर

दिनांक: 16 मई, 1984

प्रस्प नाइं.्टी. एग. एस.

आयकर अर्भिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक गायकार जायुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, विनांक 14 मई 1984

निर्देश स० राज०/सहा० म्रा० म्रर्जन/2390—यतः मुझे, मोहन सिंह

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमं इसके पश्चाए 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की थारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

धौर जिसकी सं० मकान नं० 2305, है तथा जो जयपुर में स्थित है (धौर इससे उपाबद्ध धनुसूची में धौर जो पूर्ण रूप वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में रजिस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 17 सितम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्त-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कार देने के अन्तरक के दायित्व में कभी कारने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों की जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा औं किए:

जतः जब, उत्रत जिथिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण जै, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्।— श्रीमती राजकुंवर पुत्री स्व० श्री राम सिंह धर्मपिति श्री जयसिंह निवासी बनीपार्फ, जयपुर

(मन्तरक)

 मैसर्स रावत एक्सपोर्टस, प्राइवेट, लिमिटेड द्वारा डायरेक्टर, श्री बल्लभ रावत पुक्त स्व०श्री सोमीलाल रावत, नवासी 2305, घीवालोंका रास्ता, जोहरी बाजार, जयपुर

(अन्त्ररिती)

को यह सूचना जाड़ी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवरिष्ठ्यां करता हुं।

जबत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यापा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए जा सकेगे।

स्थष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

मनसर्ची

मकान न० 2305, चन्द्रावत हाउस काभाग, घी वालों का रास्ता, जयपूर का भाग जो उप पंजियक जयपुर द्वारा ऋम संख्या 2172, दिनांक 17-9-83 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्न धौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 14 मई, 1984

मोहर ध

इक्ष्य नार्ध : ह्याँ पुत्र एकः

नायकार निर्धानमंत्र, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के मुधीन सुचनः

शास्त्र बदकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनांक 14 मई 1984

निर्देश सं० राज०/सहा० ग्रा० ग्रर्जन/2391—प्रतः मुझे मोहन सिंह

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रु. से अधिक हैं

25,000/- रु. से अधिक हैं
श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 24-सी हैं, तथा जो जयपुर में स्तिय हैं
(श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची सें और जो पूर्ण रूप से वर्णित है)
रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर सें रिजस्ट्रोकरण श्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन विनांक सितम्बर, 1983
को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मून्य से कम के स्थमान
प्रतिफल से लिए अन्तरित की गई हैं और मूक्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मून्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का
पेग्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्विश्य से उक्त अन्तरण निखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से सुद्धै किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के लिए;

 श्री ठाकुर मोहन सिंह पुत्र शिवनाथ सिंह राजपूत निवासी नारायण निवास, कानोता बाग, जयपुर ।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती सयोगिता सूब, पहिन श्री राजकुमार मकान नं 1, एस० एम० एस० होस्पिटल, जयपुर ।

(ग्रन्तरिती)

कां यह त्यता भारी करके पृत्रों कर सम्पृत्ति के वर्षन के तिस्य कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

जनत सम्परित के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेपः⊶

- (क) इस स्वना के रावपन में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी ववधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथां कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीय के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्रध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवास में किए जा सकेंगे।

स्यष्टोकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुस्या

प्लाट नं० 24-सी, कानोता बाग, नारायण सिंह रोड, जयपुर जो उप पंजियक जयपुर द्वारा ऋम संख्या 2234 पर सितम्बर, 1984 में पंजिबद्ध विऋय पत्न श्रीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जयपुर

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग को, अनुसारण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों, अधीन हि—

तारीख: 14 मई, 1984

मोहर 🛭

प्रकृप आई.टी.एन.एस.

भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकार जायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 14 मई, 1984

निदेश सं० राज०/सहा० घा० धर्जन/2392——धतः मुझे मोहन सिंह

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० दुकान नं० 131 है, तथा जो जयपुर में स्थित

है (और इससे जपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक

12 सितम्बर, 1983

- की पूर्वोक्त संपत्ति के उचित वाकार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभी यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य उसके दश्यभान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तर-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्योदय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है है—
 - (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबत उक्त विधिनियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दामित्व में कमी करने या उसने वचने में तुनिधा के सिंग, वर्षिश्वा
 - (ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में स्विभा के सिए;

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के सधीन, निम्निसित स्पनित्यों, नश्ति हि—

 श्रीमती प्रेमवती परिन श्री विमल चन्द झाडचर निवासी एस० वी 39, बापूनगर, जयपुर।

(श्रन्तरक)

 श्री रजनी कान्स जैन, पुत्र श्री शील प्रकाश जैन, निवासी प्लाट नं० 225, भागसिंह का चौराहा, ग्रादर्शनगर, जयपुर

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशिक्ष्यों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्षन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षीप:--

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जनभिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जनभि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ब किसी अन्य स्थावत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए वा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिन्तिक के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया भवा है।

मन्त्रा

दुकान नं 131, बापू नगर, बाजार, जयपुर जो उप पंजियक जयपुर द्वारा कम संख्या 2099, दिनांक 12 सितम्बर, 1983 पर पंजिबद्ध विकय पत्र में श्रौर विस्तृत रूप से विवरणि त है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारो सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 14 मई, 1984

प्ररूप आईं. टी. एन. एस.

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सुवना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 14 मई, 1984

निदेश सं० राज०/सहा०श्रा० ग्रर्जन/2393—श्रतः मुझे मोहन सिंह

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर ज़िसकी सं० प्लाट नं० 7 है, तथा जो जयपुर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनूसूची में श्रौर जो पूर्ण कप से वर्णित है) रिजस्ट्रोकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय जयपुर में रिजस्ट्रोकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक 17 सितम्बर, 1983

को प्वोंक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल सं, एसे स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों)। के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त सन्तरण जिसित में यास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी नाय की धानत उक्त अधि-नियम के अधीन कार धीन के अन्तरक के वासित्व मी कमी करने या उससे वचने मी सुविधा के लिए; और/मा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आन्तियों को, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुजिक्षा के सिए;

मतः जब, उमत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, अक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) हो अधीन, निम्निस्थित व्यक्तियों, सर्थात् :--- विलेश खन्द, तिवाड़ी, पुत्र श्री गंगा शंकर जी तिवाड़ी, निवासी 3474, नाहरगढ़ रोड, पुरानी बस्ती, जयपुर।

(अन्तरक)

 श्रो भुकुट बिहारो पुत्र श्रो हनुमानवास श्रग्नवाल निवासी 3728, नाहरगढ़ रोड, पुरानी बस्ती, जयपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सृषना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू कारता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्पना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

प्लाट नं० 7, संसार चन्द्र रोड, दूदू बाग के पास, जयपुर जो उप पंजियक जयपुर द्वारा कम संख्या 2198 दिनांक 17 सितम्बर, 1983 पर पंजिबद्ध विकय पत्न में ग्रौर बिस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर भ्रायुक्त (निरोक्षण) म्रजन रेंज, जयपुर

दिनांक : 14 मई, 1984

मोहर 🔞

त्रस्य शहरी, दी, एव , एव ,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुभना

भारत बहुका द

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्स (निरक्षिण) अर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनांक 14 मई, 1984

निदेश सं० राज०/सहा०आ० अर्जन/2394--अतः मुझे मोहन सिंह

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उनत निधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ह के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्परित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- छ. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० दुकान नं० 199 है, तथा जो जयपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में भीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 29 सितम्बर, 1982

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दण्यमान प्रतिफल से ऐसे क्यमान प्रतिफल का बन्दह प्रतिशत से अधिक है और वंतरक (अंतरका) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे बन्दरण के लिए तथ पावा ग्या प्रतिफ कन निम्नीसिक्त उद्योग्य से उच्य बंतरण निवित्त में बास्त्रिक कम है किया नहीं किया वस है हु-

- (क) कच्चरण वे हुइं किकी जान की बानत अनक जीन-नियम के अधीन कर दोने के जंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में स्विधा के लिए और/स
- (क) एंडी किसी बाब वा किसी भन वा कर्य आसिएडीं की, किसी बाब वा किसी भन वा कर्य आसिएडीं की, किसी बाब का किसी का कर (1922 का 11) या उक्त अधिनियन, वा धन-कर अधिनियन, 1957 (1957 का 27) के अधोजनार्थ अस्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया ग्या का या किया जाना वाहिए था, क्रियाने में सुधिधा से किए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अधीत :---

 श्रीमती रामप्यारी पत्नी भी केवारमाथ निवासी लक्ष्मीनारायण पुरी, जयपुर

(अन्तरक)

 श्री पीरामल पुत्र श्री पन्नालाल प्रोप्राइटर मैससँ पीरामल स्थाम सुन्दर
 42, वान्दपोल बाजार, जयपुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जुन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप हु--

- (क) इस सूचना के रावपण में प्रकाशन की तारीब से 45 बिन की अविभ या तत्संबंधी व्यक्तियों प्र सूचना की तामील से 30 बिन की अविभ, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में हो किसी व्यक्ति ब्रवारा;
- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थान्द सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति व्याप अधाहस्ताक्षद्री के पास लिखित में किए जा सुकेंगे।

स्पष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदों का, जो उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक् है, वहीं वृधि होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

समुसुची

दुकान नं० 199 का भाग, जीहरी बाजार, जयपुर जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा कम संख्या 2280 दिनांक 29 सितम्बर, 1983 परपंजिबद्ध विकय पक्ष में और विस्तृत रुप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 14 मई, 1984

मोहर 🖫

श्रक्ष आहें. टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुधरा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिशांक 1.1 मई, 1984

निदेश सं० राज०/सहा०/आ० अर्जन/2395—-यतः मुझे मोहन सिंह

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उनित वाजार मृत्य 25,000/- रु. से विधिक है

भौर जिसकी सं० दुकान नं० 199 है, तथा जो जयपुर में स्थित है— (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 27 सितस्यर, 1983

का प्वांक्त सम्पत्ति को उधित बाजार मृत्य से काम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) आर अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के जिए तय पाया गया प्रतिक्त का निम्निसित उद्देश्य से अस्त अंतरण निम्निसित में भास्तिक क्य से कथित नहीं किया गया है ॥——

- (क) अंतरण स हाई किसी आय की नानत, उक्त जिसीन्यम के अधीन कार दोने के अंतरक के दायित्व में कीमी कारने या एमरो जचन में सुनिया क लिए; जोर/मा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 19?? (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंसरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के सिए;

भतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, मैं, उक्षा अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीर. निग्निसित व्यक्तियों, अधीत् :--

 श्री केदार नाथ पुत श्री मृल चन्व निवासी लक्ष्मी नारायणपुरी जयपुर

(अन्तरक)

 श्री पीरामन पुत्र श्री पन्नानान प्रोप्नाइटर मैसर्स पीरामन म्याम सुन्दर
 42, चान्द्रपोल बाजार, जयपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु ।

जनत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी **व रं** 45 दिन की अविभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्थान की तामीज से 30 दिन की स्विभि, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन् के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्ष किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिन्यम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, अही अर्थ होगा को उस अध्याय में विया प्रया हैं।

जन्म ची

दुकान नं 199 का भाग, जौहरी, बाजार, जयपुर जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा कम संख्या 2271 दिनांक 27 सितम्बर, 1983 पर पंजिबद्ध विकय पत्न में और विस्तृत रूप से वियरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

नारीख 14 मई, 1984 मोहर: प्रस्प आई. टो. एन. एस.

आयकर जिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज जयपुर जयपुर, दिनोक 14 मई, 1984

निदेण मं० राज०/महा० आ०अर्जन/2396——अतः मुझे, मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 8 है, तथा जो जयपुर में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से बणित हैं) रिजस्ट्रीकर्ला अधिकारी के कार्यालय जयपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 8 सितम्बर, 1983

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्न्नह प्रतिद्यात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्योदय से उच्त अन्तरण लिखित में वास्तिनक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किमी आय की बाबत, उक्त अभि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कभी कारने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हा भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अत:, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त विधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) है प्रभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधात्:— श्री भागीरथ सिंह पुत्र ठाकुर गेर सिंह राजपूत निवासी 29, गंगवाल, पार्क, जयपुर

(अन्तरक)

2. श्रीमती णकुन्तना पत्ति श्री बी० एस० बल्दुआ निवासी 12 विवेकानन्दं मार्ग, मी स्कीम, जयपूर

को. यह मुखना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जुन के लिए कार्यवाहियां करता हुंू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सुमना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्म व्यक्ति इवारा अधाहस्ताक्षरी के पोस लिखित में किए जा सकरें।

स्पट्टाकरण:--इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन सची

प्लाट नं ० ए-2, नया नं ० ८, कानोता बाग, नारायण सिंह जौराहे के पास, राम बाग, रोड, जयपुर जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 2037 दिनांक ८ सितस्बर, 1983 पर पंजिबद्ध विकय पत्र में और विस्तृत रूप में विवरणित है।

> मोहन सिंह् मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज, जयपुर

तारीख 14 मई, 1984 मोहर: प्ररूप बार्ड टी एन एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनाक 14 मई 1984

निदेश सं० राज०/सहा०आ० अर्जन/2397—अतः मुझे, मोहन सिंह,

कावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं प्लाट नं ए-2 है, तथा जो जयपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यात्रय जयपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीत दिनांक 8 सितम्बर, 1985

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एंसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्नलिसित उद्द श्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक कप से किथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुइं िकसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

जतः जब उक्त जिधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण को, की, अक्त जिभिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) को जभीक, निम्निसित स्थितियों जर्थात्:— श्री भागीरथ सिंह पुत्र ठाकुर गीर सिंह, निवासी 29, गंगवाल, पार्क, जयपुर

(अन्तरक)

 श्रीमती उमा कुमारी पितन डाक्टर प्रहलाद सिंह निवासी 29 गंगवाल, पार्क, जयपुर

(अन्तर्रिता)

को यह सुभनां जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ सं 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोख में 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्दध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्हीकरण: ---- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जां उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

प्लाट नं॰ एं-2 का आधा भाग, नया नं० 9 नाराथण सिंह चौराहे के पास, राम बाग रोड, जयपुर जो उप पंजियक जयपुर द्वारा ऋम संख्या 2039 दिनांक 8-9-83 पर पंजियद्व विकय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिह् सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजेन रेंग, अयपुर

तारीख: 14 मई, 1984

मोहुदु 🖺

प्रस्य बाह्र . टी.; एन , एस ,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 14 मई 1984

निर्धेश मं० राज०/सहा० आ० अर्जन/2400—अतः मुझे, मोहन सिंह

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे ६ समें ६ सके परेजात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रहे से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 1 है, तथा जो जयपुर में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनोक 17 सितम्बर, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाग गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्बेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी शाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी या किसी धर्न या अन्यं आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

वंत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, भीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नतिश्वित व्यक्तित्यों, अधीत्:--

- श्री गोयल एन्टरप्राइजेंक,
 निवासी 94, सूर्य भवन, अजमेर रोड, जयपुर।
 (अन्तरक)
- 2. श्री कमल मेहतानी पुत्त श्री प्रीतम दास मेहतानी निवासी ± १, लेखी हाउस, राजभवन, मार्ग, सिविल लाईन, जयपुर।

(अन्तरिती)

मांग <u>मि</u>—सण्ड

को यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्तं सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील मे 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति हारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकरी।

स्पष्टीकरणः --इसमें अयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गमा है।

वन्स्भी

प्लाट नं० 1, सिविल लाईन, बम्बई वाले के बाग के पीछे, जयपुर जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 2167, दिनांक 17 सितम्बर, 1983 पर पंजिबद्ध विक्रय पन्न में और विस्तत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जयपुर

तारी**ख**: 14 मई, 1984

मोहर ः

प्रकल्प बाद्रं. टी. एन. एस

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 14 मई 1984

निदेश सं० राज०/सहा०आ०अर्जन/2 399—अतः मुझै, मोहन सिंह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं प्रवाद नं 24 ए है, तथा जो जयपुर में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय जयपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अबीन दिनांक 24 मिलम्बर, 1983

को पृथिक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रियमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृथिक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रश्मान प्रतिफल सं, एमें द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरोकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिश्वत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिव स्था में किया गया है:——

- (क) अंतरण में हुर्द्ध किसी आय की बाबता, उन्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाधित्य में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; और/या
- (स) एता किसी आय या किसी धन या अप्य आस्तियों कती, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रवट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, छियाने में सुविभा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निग्निकिस्त व्यक्तियों, अर्थात् :--- ठाकुर मोहन सिंह पुत्र शिक्साथ सिंह राजपूत निवासी नारायण निवास, कानोता बाग, जयपुर।

(अन्तरक)

 श्री रिव कान्स मेहता, पुत्र स्व० श्री विश्शोरमल मेहता प्लाट नं० 20, हाजी अब्दुल्ला भवन, स्टेशन रोड, जयपूर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 पिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि शाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पांच लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टोकरणः — इसमी प्रयुक्त शब्दी और पदीं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिवा गया हैं।

अमृस्ची

प्लाट नं० 24 ए. कानोता बाग, नारायण सिंह चौराहे के पास, रामबाग रोड, जयपुर जो उन पंजियक जयपुर द्वारा क्रम संख्या 2273 दिनांक 24-9-83 पर पंजिबद्ध विकय पत्र में ग्रीण विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज. जयवर

गारीख: 14 मई, <u>1984</u>

प्रक्रम बाद टी एन एस

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-श्र (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 14 मई, 1984

निवेश सं० राजा०/सहा० आ० अर्जन/2398—-अतः मुझे, मोहन सिंह,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 6 है, तथा जो जयपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाब इ अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय जयपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 15-9-1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण को लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तित्रक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वायत, उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविभा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए।

अतः अत उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिक्ति स्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री उपेन रूप राय पुत्र श्री केशबरूप राय निासी 6 ए, सिविल लाइन, जयपूर

(अन्तरक)

2. श्रीमती आश्रा कासलीवाल पत्नि श्री ईशनिधि कासलीवाल

> प्लाट नं० एस० बी० 156, बापूनगर, जयपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उथत सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अधिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उपन स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अकोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दो का., ओ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

प्लाट नं 1 6 श्री रामपुरा हा उसिंग को-आपरेटिव सोसायटी स्कीम नं 2, सिविल लाईन, जयपुर जो उप पंजियक जयपुर द्वारा कम संख्या 2194 दिनांक 15-9-83 पर पंजियद्व विकय पत्र में श्रीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहत सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 14 मई, 1984

भूकप कार्य 🚉 हो , एन 🧟 एम .

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

ब्रायुद्ध श्ररकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण्) अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 16 मई 1984

निर्देश सं० राज०/महा०आ०अर्जन/2401—अतः मुझे, मोहन सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 व के अधीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विक्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित भाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० जे-111 है, जो जयपुर में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यात्मय अयपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 29 सितम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह पिष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में सास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) मन्तरण से हुइ किसी आय की वावत, उक्त बीभिनियम के अभीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; बौर/या
- (क) ऐसी किसी क्षाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाधं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना काहिए था कियानों में सविधा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग कै अनुसरण में,, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के जधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्वात म्ल- श्री भैक सिंह पुत्र श्री लक्ष्मण सिंह निवासी पाली जिला सनाई माधोपुर।

(अन्तरक)

2. श्री सोभराज पुत्रश्री तोला राम निवासी 782, अशोक चौक, आदर्श नगर, जयपुर (अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के नर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

जनत् सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जा भी अविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख)। इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मंत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे

स्यष्टीकरण:---इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया भूवा है।

अनुसूची

मकान नं ० जे०-111 फतेहटीबा स्कीम, आदर्शनगर, जयपुर का भाग जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा ऋम संख्या 2286, दिनांक 29-9-1983 पर पंजिबद्ध विकय पत्न में विस्तृत रूप से विवरणित है ।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक 16 मर्च, 1984 मोहुर:

प्रकप आई. टी. एन. एस

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 16 मई 1984

निर्देश सं० राज०/सहा० आ०अर्जन/2402--अतः मुझे, मोहन सिंह

शायकर शिंपिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त शिंपिनयम' कहा गया है), की धारा 269-श के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रीर जिसकी मं० मकान नं० 731/1 है, तथा जो जयपुर में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबक अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में रिअस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 17 सितम्बर, 1983

को पूर्वोक्स संपत्ति को उषित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य ससके द्रियमान प्रतिफल में, ऐसे द्रियमान प्रतिफल का पत्यह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अस्तरितियों) के बीचं ऐसे अन्तरण के लिए तय्भाया गया प्रतिफल, निम्नलिमित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिन में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुंई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वोने के अन्तरक के शियरच में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और∕या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकृट नहीं किया ग्या था किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्रिशा की निए,

अतः अर्थ, अक्स अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्धात् श्रीमती मनकूला देवा पहिन श्री नाथूराम मकान नं ० 731/4 , रास्ता मेहरान चौतः ही घाट गैट. जयपुर ।

(अन्तरक)

 श्री राजेन्द्र प्रमाद पुत्र थी कन्हैयालाल िवासी ग्राम कानोता तहसील यस्सी , जिला जयपुर । (अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की नामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृषेकित व्यक्तिकों भें से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वद्ध किसी व्यक्ति स्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण :——इसमाँ प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क माँ परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गया हैं।

अनुसूची

मकाल नं० 731/4, रास्ता मेहरान, गली कोयलेवालों की, जयपुर जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 2149, दिनांक 17 सितम्बर, 1983 एर पंजिबद्ध विकय पत्न में श्रीर बिस्तृत रूप में विवरणित है।

> मोड्न सिंह यक्षम प्राधिकारी यहायक आयकर अ(युक्त (निरीक्षण) अर्जन रींज, जयपूर

नारीख: 16 मई, 1984

मोहर '

प्रकृष बाह् .टी .बन् .एव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के मधीन सुचना

भारत सरकार

कार्पालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 16 मई 1984

निर्देश सं० राजा०/सहा० आ० अर्जन/2403——अतः मुझे, मोह्न सिंह्

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क॰ से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० मकान नं० 4112 है, तथा जो जयपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 24 सितम्बर, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उनित बाजार मृत्ये में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृझे यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित् बाजार सृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पण्डह प्रतिकृत से प्रक्षिक है और प्रश्वरक (अस्तरकों) भीए प्रस्तरिती (अस्तरितिणों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल निश्तिलिंबत उद्देश्य में उनत अन्तरण विकास का कार्यक स्थान

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिचायम कं प्रधीन कर देने के घन्तरक के दायित्व में कमी करन राउमिंग बचर में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, या धन कर अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) ए प्रयोजनार्थ धन्तरिता द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता शाहिए था, खिपान में श्रीकार के लिए:

अतः अब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मो, मों, उक्त अभिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन निम्निस्तिस्ति व्यक्तियों, अभितः :— 1 — 126GI/84

- श्रीमती छोटा देवी पत्नि श्री देवकीनारायण अग्रवाल निवासी मकान नं ० 4112 रास्ता, जगन्नाथ शाह का खुरी, चौकड़ी राम चन्द्र जी, जयपुर । (अन्तरक)
- 2. श्री माधोलाल पुत्र स्वर्गीय श्री बल्लीराम अग्रवाल निवासी ठठेरों का रास्ता, चौकड़ी मोदीखाना, जयपुर । (अन्दिती)

को यह सुचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के नर्चन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

बक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो...भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथाँकर व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्याग, अभोहस्ताक्षरी के पाम निर्मासन में किए जा सकेंगे।

स्थाब्दीकरणः ----इसभे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त बिधिनयम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित --हु, वही अर्थ होगा जो उम अध्याय में दिया गवा है।

त संभी

मकान नं० 4112 जगन्नाथ साह का खुर्रा, सीताराम जी के मंदिर के पास, चौ० रामचन्द्र जयपुर जो उप पंजियक जयपुर द्वारा क्रम संख्या 2241, दिनांक 24 सितम्बर, 1983 को पंजिबद्ध विक्रय पत्र में सौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्प आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जयपूर

तारीख 16 मई, 1984 मोहर ॥

प्रकप बाइं.टी:एन.एस

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनांक 16 मई 1984 निदेश सं० राज०/सहा० म्रा० म्रर्जन/2405—~म्रतः मुझें, मोहन सिंह

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सिके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 257,000/- रा. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं० प्लाट का भाग है तथा जो जयपुर में स्थित है (ग्रीर ईसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जयपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 12 सितम्बर, 1983

को पूर्वोक्त संस्पेरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान पितफल के निए अन्तरित की गईं हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि भथापूर्वोक्त संपेरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसं दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए स्य पाया प्रति-जन्न निकालियित उद्देशक से उस्त अन्तरण कि कित में लोस्क विश्

- (क) अन्तरण सं शुर्क किसी बाग को बाबत, उक्त अधिनियम व अधीन कर दोर को जन्तररु प्रे दायित्व भी कमी करने या उससा बचने थी सं त्रधा के लगा, अर्थ, प्रे
- (सं) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, किन्हुं भारतीय अध्यक्तर अधिकि क. 1000 राजा का का उस्त अधिकि म, धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती युवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाडिए था, रिस्मान इं सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं., उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात :--

(1) श्री पदमानन्द ग्रोझा पुत स्वर्गीय श्री प्रमुमन सिंह ग्रोझा, निवासी मधुसूदन ग्रोझा का वाग, गोधी नगण, जयपुर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री चन्द्र णेखर, महेश कुमार पुतान श्री राम देव शर्मा, नियासी श्रीझा जी का बाग, गांधी नगर, टैंक रोड, जयपूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करक पूर्वोंक्त सम्पृत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पृत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब बें 45 दिन की जबधिया तत्सम्बन्धी स्वक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कह स्वक्तियों में से किसी व्यक्तित ब्यारा;
- (थ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबद्व किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो वक्त अधिनियम, . के वध्याय 20 के में परिशाणित हाँ, यहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हो।

मन्स्दी

श्रोझाजी के बाग में. गांधी नगर, जयपुर में स्थित अचल सम्पत्ति का दक्षिणी भाग जो उप पंजीयक, जयपुर द्वारा क्रम सं० 2096 दिनांक 12 सिनम्बर, 1983 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्न में प्रौर थिस्तुत रूप से वियरणित है।

> मोहन सिह सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर द्यापुक्त (निरीक्षण) यर्जन रेंज, जयपुर

नारीख : 16-5-19<u>8</u>4

प्ररूप बार्ड टी एन एस

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 16 मई 1984

निदेश सं० राज० /सहा० श्रर्जन/2406--श्रतः मुझे, मोहन सिंह

आग्रकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० खसरा नं० 480 है तथा जो जयपुर में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुमूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय जयपुर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 18 सितम्बर, 1983

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अंतरिती (अन्तरित्याँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गमा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्तिक रूप से किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वासत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने को अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उत्तस वचने में सृविधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आहिस्तयों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूत्रिधा के किए;

धतः सबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) श्री पदमानन्द पुत्र स्वर्गीय श्री प्रमुम्न सिंह ग्रोझा ब्राह्मण निवासी मधुसूदन ग्रोझा का बाग, टौंक रोड, जयपुर।

(ग्रन्सरक)

(2) श्री हरी राम शर्मा पुत पंडित सूरज प्रसाव जी शर्मा, निवासी मधुसूदन श्रोझा का बाग, टौंक रोड, शास्त्री नगर, जयपुर।

(ग्रन्तारता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनल संपत्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (था) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकरेंगे।

स्थव्यक्तिकरणः—हसमाँ प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-के मो परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अवसरी

मधुसूदन श्रोझा का बाग, गांधी नगर, टौंक रोड़ जयपुर में खसरा नं० 480 में स्थित है श्रचल सम्पत्ति का भाग जो उप पंजीयक, जयपुर द्वारा कम सं० 2097 दिनांक 18 सितम्बर, 1983 पर पंजीबद्ध विकय पस्न में श्रीर विस्त्त सप से विवरणित है।

मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

वा**री**ख: 16-5-1984

प्ररूप . बार्च . टी . एन . एस् .

बायकर सिंधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक बायकर वायक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 16 मई 1984

निदेश संख्या : राज०/सहा०श्रा० श्रर्जन/2407—श्रतः, मुझे, मोहन सिंह

भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचास् 'उक्त बिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से बिधिक है

ग्रीर जिसकी सं० जे-111 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (ग्रीर इससे उपावद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय जयपुर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 29 सितम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मफे, यह विश्वास् करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अस्तरण से हुंद्र किसी जाय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अभिरिती ह्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया प्राना चाहिए था, छिपान के स्वीत्र न

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण के, औ, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) औ अधीन, निम्निनिक व्यक्तियों, बर्धात् :—~ (1) श्री भैरु सिंह पुत श्री लक्ष्मण सिंह निवासी पाली, जिला सवाईमाधोपुर

(प्रन्तरक)

(2) श्रीमती कान्ता बाई पत्नि श्री सोभराज, निवासी 782, ग्रामोक चौक, ग्रादर्शनगर, जयपुर।

(भ्रन्तरिती)

भो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अपिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (वा) इ.स. सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीब की 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वक्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ध होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अपृत्यी

मकान नं० जे—III फतेहटीबा स्कीम, आदर्शनगर, जयपुर का भाग जो उप पजियक, जयपुर द्वारा कम संख्या 2285 दिनौंक 29-9-83 पर पंजिबद्ध विकथ पत्र में ग्रोर विस्तृत रूप से वर्णित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, चयप्र

तारी**ष**: 16-5-1984

मोहरः

प्रकृप कार्ड . टी . एन . एस

आयकर अधिनियन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म(1) के अधीन मुचना

थारुत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 16 मई 1984

निदेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/2408---यतः, मुझे, मोहन सिंह

बायकर ब्रांधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेवात जिस्त ब्रांधिनियम कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से ब्रांधिक है

ग्रौर जिसकी सं० मकान नं० 731/4 है तथा जो जयपुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय जयपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 17 सितम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का गृह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विध्य से उक्त उन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उकत अधिनियस के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के सिए; जीह/बा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन या जन्म जास्तियों करें, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर जिथिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरियी व्यापा प्रकट नहीं किया गया ना वा किया जाना चाहिए जा, कियाने में स्विया के सिए;

बक्: अब, उक्त अधिनियम की धारा 209-भ के अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-स की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्रीमती मनफूली देवी
पत्नी श्री नाथूराम
निवासी कानोता, वर्तमान निवासी
मकान नं० 731/4,
रास्ता मेहरान चौकड़ी घाटगेट,
जयपुर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती गीता देवी पत्नी श्री कन्हैयालाल, निवासी ग्राम कानोता, तहसील बस्सी,जिला जयपूर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उत्करा सम्पत्ति को वर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस् सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीच सं 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के शीतर पूर्वीकर अवस्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ष) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्वाकरी के पास लिकित में किए या सकेंगे।

स्पक्तीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया सवा है।

जनसंची

मकान सम्पित्ति स्थित 731/3 स्थित रास्ता मेहरान गली कोयलवाला, चौकड़ी घाटगेट जयपुर जो उप पाँजयक जयपर द्वारा कमसंख्या 2148 दिनाँक 17 सितम्मबर, 1983 पप पंजिबद्ध विकय पत्र में श्रोर विस्तृत रुप से विवर्णत है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 16-5-1984

प्ररूप आहे. टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज जयपुर जन्मपुर दिनांच 16 मुद्दी 1984

्रायपुर, दिनां र 16 मई 1984

ं निदेश सं० राज०/महा० आ० अर्जन/2407---यत.,

मुझे, मोहन सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 25.000/- रु. से अधिक डै

और जिपको मं० प्लाट नं 40 है तथा जो जयपुर में प्थित है. (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विजत है) रिजम्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख 17 मितम्बर 1983

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपयान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपयान प्रतिफल से, ऐसे रूपयान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियाों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देवच्य से उक्त अन्तरण लिखित प्रं बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हां भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम को धनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविधा के लिए.

अतः नवः, उक्त विभिनियमं की भारा 269-ग के बन्जरण वै, मैं, उक्त विभिनियमं की भारा 269-म की उपभारा (।) के अभीन, निज्नस्विक्ति व्यक्तियों, वर्षात् १(1) श्रीमती शकुन्तला माथुर पत्नी श्री डाक्टर स्वर्गीय एन०एम० सैनीलोत, निवासी ई-13, गोखले मार्ग सी-स्कीम, जयपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री सुदर्शन कुमार सोनी पुत्र श्री नित्य प्रकाश सोनी निवासी 40 लेबर कालोनी, इन्दिरा कालोनी, जयपुर।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अधिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पर्वेकरणः --- इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हीं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुंबा है।

अनुसूची

प्लाट मं० 40 (लेबर कालोनी) इन्द्रा कालोनी, बनी पार्क, जयपुर जो उप पंजीयक, जयपुर ब्रारा ऋम संख्या 2144 दिनांक 17-9-83 पर पंजीबद्ध विऋय पत्न में और विस्तृत रूप में विवरणिम है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

तारीखा: 16~5-1984

महिर ः

प्रकम काई टी. एन. एस.

शासकर अधिनियम⊊ 1967 (1901 चा कत्र चा भारा - 269-च (1) के अधीन स्चला

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक जायकार जायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनांच 17 मई 1984

निर्देश सं० राज०/सही०आ० अर्जन/2404 --यतः, मुझे मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक ही

और जिसकी सं० डी०-105 है तथा जो जयपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण केंप से विणित है) रिजस्ट्रोंकर्ता अधिकारी के कार्यालय; जयपुर में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन. तारीख 22 सिनम्बर, 1983

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रयमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफाल से, एसे द्रयमान प्रतिफाल का पद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफास, निम्निलिस्त उद्योदयों से उक्त संतरण निविद्यत में

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उत्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासिन्व में कसी करने था उससे दचने में सृविधा के सिए; बीर/या
- (स) शंसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्त अधिनियम, या धर- कर अधिनियम, या धर- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) और प्रोक्तियम अपनियम किया जाना चाहिए था. क्रियान में मुविधा के लिए:

अतः अब, उक्तः अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, तिम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्रां जगदाम नारायण माथुर पुत्र श्रां नवल जिलार माथुर नियासा मकाद नं 658 कायस्थी का गला, जयलाल मुंगा का रास्ता, जयपुर।

(अन्तरक)

(2) श्रो बलदेव दास गाँरा णंसर अन्दोई (एच०यू०एफ०) ईत-17, अस्वा बाडी. जयपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सुचना आरी करके पूर्वोक्त मम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या सस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्सवध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्थब्दीकरणः ——इरामें प्रयक्त शब्दों और पदां का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

्नाट नं ० डी०-105, देवो मार्ग, बनो पार्क 'जयपुर का भाग जो उप-पंजीयक, जयपुर द्वारा कम संख्या 222 दिनांक 22 सितम्बर, 1983 पर पंजीबद्ध विकय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मीहन गिह सक्षम प्राधिकारी सहायक्ष **प्राय**कार आयुवत (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जथपूर

नारीख: 17-5-1984

प्ररूप. नार्चं टी. एन्. एस.

भायकर अधिनियम,, 1961 (1961 की 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुमना

भारत मरकार

कार्यालय, सहाय अध्यकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 मई 1984

निदेश सं० आर्०ये०मो०नं० 1977 84-85---अन: मुझे, एम० जोगन मोहन

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संव 3-1-127 है जो मोहन रोड, खम्मम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ती अधिदारी के कार्यांलय खम्मम में भारतं य रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के जबोन 19 सितम्बर, 1983

को पूर्वेक्स संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृश्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह पतिशत से लिथक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंजरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में सम्प्रीतक कप से किथा नहीं किया गया है :---

> (क) अनरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीर कर दोने के अन्तरक के दाधित्व में कमी करने या उससे गचने में मृतिधा के लिए: और/भा

ेरी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिस्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 /1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-धार अधिनियम, या अन-धार अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकार नहीं किया गया था या किया जाना साहिए था, क्रियान म स्विभा के निए;

जत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भा, मा, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन.. निम्बिविक्त व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रो एम० रिविकूमार पिता वरदय्मा, जर्हारपूरा, खम्मम ।

(अन्तर्भ)

 (2) श्रो के० सत्यनारायणा पिता के० वेंकटनरसय्या,
 3-1-127,
 मोहन रोड,
 खम्मम।

(न्तरितंज

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबूध किसी अन्य स्थावित व्वारा, स्थाहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

यर संपत्ति, घर नं० 3-1-127. मोहन रोष्ट, खम्मम. रजोस्ट्रोकृत विलेख नं० 3278/83, रिजिस्ट्रोब्स्ती अधिकारी खम्मम।

> एम० गोगन मोहन सक्षम प्रधिनगरी सहायक आकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराक्षाद

तारोखा: 11-5-1984

भोहर ⊱

प्ररूप आहं टी. एन. एस.

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) को अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यान्य, सहायक आयकर आयक्त (निर्वेक्षण)

िरेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिांका मई 1984 ा मई

निदेण मं० आर०ये०मो०नं० 198/84--85---अतः मझे, जोगन मोहन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिनकी मं० भूमी है, जो बौतापल्ली नरभापूर तालूर, मेदक जीला में स्थित है (और इतन उपाबढ अनुसूर्व में और पूर्णरूप में बीलन है), रजिस्ट्रीवर्ता अधिनारी के वार्यालय नरसापूर, में रजिस्ट्रीवर्गा अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19 सितम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्फ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे प्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुए किसी आब की गब्द, उकत अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे यचने में सुनिधा के सिए; और/बा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या विद्या जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसिस व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) आंए० राजो रेड्डी और अन्य, बोंतापल्ली विलेज, नरसापुर नालूक, मेदक जीला।

(अन्तरकः)

(2) मेसर्स अप्ट्रोनिक्स् विडीओ प्रा० लि०, बाइ मैनेजींग डायरेक्टर, श्री ए०के० जैन, 135, मेथेडीस्ट्र कालोनी, बेगमपेट, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह स्वामा जारी कारके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निष्ति में किए जा सकोंगे।

स्थव्यकिरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में तिया गमा है।

अनुसूची

स्मो, विस्तीर्ण 4एकर, 07 गूठे, बोतापल्लीः, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2059, 2060, 2049, 2051, और 2056/ 83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नरसापृर ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 11-5-19₽4

मोहर:

7--126GI|84

प्रकार बार्ड टी. एन एड

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्कान

भारत सरकाड

कार्यालय, महायक आयकर नामृक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदर।बाद

हैदराबाद, दिनांक 11 मई 1984 निदेश सं० आर०ये०सी०नं० 199/84-85---अतः मुझे, एम० जेगन मोहन

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसको मं० भूमा है जो नेलार में स्थित है (और इससे उपाश्रद्ध अनुसूची में और पूर्णकर से वर्णित है), रिजस्ट्री, कर अधिकारों के आधिकार। नेलार, नेलार, में रिजस्ट्री, करण अधिनियम, 1908 (1908 जा 16) के अधीन 19 सितम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह बिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तरितियाँ) के बीच एसे बन्तरण के लिए तथ पामा गया प्रतिक्क कि मिन्नलिखित उद्वेदिंग में उपत क्रान्टम निवित में बास्तिवक कम मैक्नलिखित महीं किया गया है:—~

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक कें दायित्य में कमी करने या उससे अधने में सृविधा के लिए; जौर/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हें भारतीय अध्यानकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया स्वा का वा किया काना चाहिए का, कियाने में स्विका के लिए;

क्तः इत, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुकरण में,, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थाल :--- (1) श्री गूड्रॅंक एस० विश्विचारना समस्या, बाइ सेक्षेटरी श्री एन० रामाराध्या रेड्डी, राजिवधी गुड्क, नेलीर जीला।

(अन्सरक)

(2) श्री कोटमरेड्डी गोपाल रेड्डी, नरमौगरावपेट, गुड्डर-2. नेलीर जीला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वांक्त सम्पृत्ति के अर्थन के जिल् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी जाओंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुशरा;
- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवव्ध किसी जन्म व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के शस लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शुक्यों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में तथा परिर-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

जनसूची

भूमी, विस्तीर्ण 7-32 एकर, नेलीर, रजीस्ट्रीकृत विलेख नं० 1192/83, रजीस्ट्रीकर्ता अधिकारी नेलीर। 🐣

> एम० जोगन मोहन सक्षम प्रधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख: 11-5-1984

मोहर ः

प्रकार कार्य : धर्म : एक : एक :

नायकर निभनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) में नभीन सूचना

भारत बहुबार

कार्यालय, सहायक आयकर आयु**क्त (निरीक्षण)** श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 मई 1984

निदेश सं० धार०ये०सी०नं० 200/84-85--यतः मुझे एम० जेगन मोहन

शायकर शिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इत्में इसके प्रवाद 'उन्त निधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम अधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर संपत्ति जिसका उचित् वाचार शृक्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी मं० घर है जो चन्द्रायनगट्टा हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड़ श्रनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भार-तीय रजिस्ट्रोकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 19 सितम्बर, 1983।

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उभित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई ही और मृत्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृत्रोंक्त संपत्ति का उभित बाजार मृत्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (जंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्योग्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक इन्य से कथित नहीं किया नवा है द—

- (क) नम्तरण ते हुई किसी नाथ की बाबत उक्त निध-निवंश के न्यीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या खबसे वचने में तृविधा के मिए; नौर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन वा बन्न जास्तिकों को, जिन्हें आरतीय आयकर जिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्मीरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुनिधा के जिए;

नतः अन, उन्त अधिनियम की भारा 269-ग के ननुसरण मों, मों, उन्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्निनिरिट व्यक्तियों, अधीत् :--- श्री पी बाल रेड्डी पिसा लेट पी० विरा रेड्डी, जी०पी०ए०, टी० रघूनाथ सिमंग3-4-412/3, काचीगुड, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स यूनीव्हरसाल इंजीनिरिंग कोरपोरेशन, बाइ श्री एम० मानिक रेड्डी, हैंदरगुडा, हैदराबाद। (श्रन्तरिती)

को बहु सूचना कारी करके पृत्रांक्स सम्परित के अर्थन के बिए कार्यशाहियां करता हूं।

उन्त सम्पति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी शक्षप:---

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की जनिथ या तत्सम्बन्धी स्पन्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कत स्पन्तियों में में किसी स्पन्ति व्वारा;
- (श) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा जयाहरूताकारी के पास निकित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोक स्प: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

मन्सूची

षर संपती, नं० 18-12-418/ए०, 418/बि०-2, ग्रीर 418/िब०, चंद्रायनगृद्धा, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4657/83, रजिस्ट्रीकृति प्रधिकारी हैदराबाद।

राम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारो (सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त) निरोक्षण ग्रर्जन रेंज, हैदरायाद

तारीख: 11-5-1984।

प्ररूप आई. टी, एन. एस.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 मई 1984

निदेश सं० ग्राप्वयेश्मीवनं० 201/84-85-यतः मुझे एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात 'उन्त अधिनियम' कहा गया है)., की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-छ से अधिक है

श्रीर जिसको सं घर श्रीर भूमी है. जो देवलापल्ली, जीमायत-नगर विलेज, में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भीर पूर्णरूप से विणित हैं), रजिस्ट्रोकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, रंगारेड्डी जीला में भारतीय रजिस्ट्रोकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रश्रीन 19 सितम्बर, 1983। को पूर्वीक्त सम्पत्ति के जिसत बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गीई हैं और मफ्ने यह विद्यात करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरण के लिए तय पाया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

सतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्यरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :— (1) श्री रमेणप्रानलाल शहा,
 4-1-1238/9,
 किंगकोटी रोड,
 हैदराबाद-500 001।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रोमित नरगीस फातीमा खान पति
 श्रा इब्राहाम श्रालो खान.
 10-4-35/1,
 मासाब टैन्क,
 हैदराबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविध , जो भी बबीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मुखना के राजपत में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित मं हित- बद्ध किसी कन्य व्यक्ति व्याध क्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकींगे।

स्पध्योकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

घर नं० 3-39, श्रौर भूमी, देवलापल्ली, हीमायतनगर, विलेज, राजेन्द्रनगरतालूक, जीला रंगारेड्डी, रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 6639/83, रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी रंगारेड्डी जीला।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी (सहायक श्रायकर ग्रायुक्त) निर्रक्षण श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 11-5-1984

प्रकल्प बाद्दी. टी. एन. एस.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

भारत बरकार

कार्याक्षय, सहायक आयकार कायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 11 म**ई** 1984

निदंश सं० ग्रार०ये०सी०नं० 202/84-85 — ग्रतः

मुझे, एम० जेंगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसको सं० भूमी है, जो चेमुडूगंटा, नेलौर जीला में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुमूची में श्रीर पूर्णरूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, नेलौर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधितयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन मितबमर, 1983

को प्रवेक्ति सम्पत्ति के उक्ति बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए इन्तरित की गई हैं और मृत्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उव्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण को, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रधीत् :— (1) श्रीमती एस० साइलजा ग्रीर श्रन्य दी,
 23/898-II,
 पथेखनपेटा,
 नेलौर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री रामकीष्णा देडर्स बाह श्री जें० लक्ष्मीनारायणा, 13/332/म्राचारी स्ट्रोट, नेलौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की लामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्थब्दीकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम्, के अध्यायं 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्यायं में दिया गया है।

अनुसूची

भूमी, विस्तीर्ण 5-25, एमर, चेमुडूगूंटा, नेलौर जीला, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 4867, 4869, 4864, 4883, श्रौर 4882/93, रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी नेलौर।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेंग रेंग्र, हैदराबाय

तारीख: 11-5-1984

मोहर 🛭

प्रकृपः आई. टी. एनः एसः

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च् (1) के अधीन स्चना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराक्षाव, दिनांक 11 मई 1984

निदेश सं० श्रार०ये०सो०नं० 203/84-85-श्रतः मुझे, एम० जेगन मोहन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० भूमी है, जो श्रालीपुरम, नेलौर जीला में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद 'श्रनुसूची में श्रौर पूर्णक्य में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नेलौर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मित्रस्वर 1983

को प्वें जिस सम्परित के उणित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वों क्स संपरित का उणित बाजार मूल्य उसके धश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में वास्तिमक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बासत, उक्त अधिनिय्म के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अधने में स्विधा के सिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण कों, .मैं', उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) कों अधीम, निस्निचिक्त व्यक्तियों, अर्थात् ः--- (1) श्री एस० **भोशूलरेड्डी** ग्रौर ग्रन्य, कीशननगर नेलौर, ।

(धन्तरक)

(2) श्रो लक्ष्मी नारायण राज और पारबॉइल्ड राइस मील, बाइ पार्टनर श्री पी० रामप्रसाद और् ग्रन्य कस्तुरी देवी नगर, नैलार।

(ग्रन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविध या सत्संगंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (क)) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पस्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकागे।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और वर्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याध में दिया गया है।

मन्स्ची

भूमी, श्रालीपूरम, विलेज, इंदूक्र्रपेट तालूक, नेलीर जीला, विस्तीर्ण 0-67, 0-66, श्रीर 0-67 मेंटस्, रिजस्ट्रीकृत, विलेख नं० 4743, 4744, श्रीर 4745/83, रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी नेलीर।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी (सहायक प्रायकर प्रायुक्त) निरीक्षण प्रर्जन रेंज, हैदराबाद

सारी**ख**: 11-5-1984

मोहरः

प्रक्रप बाहै की एन एस

नायकर न्धिनिय्म, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-अ (1) के नथीन व्यूपा

नारत सरकार

चार्यालय, सङ्घायक भायकर मायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 मई 1984

निदेश सं० श्रार०ये०सी०नं० 204/84-85—श्रतः मुझे एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

ष्मीर जिसकी सं० भूमी है, जो नेलीर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूकी में श्रीर पूर्णरूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारों के कार्यालय, नेलीर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन सिनम्बर, 1983।

को पूर्वों क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृह्यू से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्त्रों के संपत्ति का उचित बाजार मृह्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकॉ) और बंतरिती (अम्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तब पाया गया प्रतिक्ता निम्नितियों उद्देष्ट्य से उक्त अन्तरण विचित्त में बास्त- विका कप से कथित नहीं किया एवा है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाग की बाबत उक्त जिथ-दिवस से सपीन कर दोने के अन्तरक से वाजित्स में सबी कार्य ना अवसे वसने में मुस्थित के किए; जॉर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय नाय-कार अभिनियम, 1922 (1922 को 11) या उनत अभिनियम, या धन कर अभिनियम, या धन कर अभिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सविभा के लिए;

ज्ञतः अव, उक्त जीभिनियम की भारा 269-त जी अनुकर्ण जो, जों, उक्त जीभिनियम की भारा 269-त जी क्रमाल (१) को अभीन, निम्नलिकिल व्यक्तियों, अभीत् हु--- (1) श्रीपतीवारी चौल्द्री, बाइ मैनेजंग ट्रस्टी, श्री प्राथी साब्बय्या चेट्टी, 4/85, मूकूदापूरम नवाबपेट, नेलौर ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री कानमारलापूडी तीरुमलाराव श्रीर ग्रन्य, 3/403, लक्ष्मीपुरम् स्टोन हाऊसपेट, नेलौर।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कर्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (त) इस सूचना की राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में निहत-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात निहित् में किए जा सुकोंगे।

स्पष्णीकर्षा:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन संची

भूमि नेलौर, विस्तीर्ण 2-12 एकड़, रजिस्ट्रीकृत विलेख नै० 4700/83, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, नेलौर।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 11-5-1984

मोहर 🖟

प्ररूप आई. टी. एन. एस

नायक र निधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-य (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

भार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 मई 1984

निदेश सं० श्रार० ए० सी० नं०/148/84-85-अत: मुझे, एम० जेगन मोहन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें क्लके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. सं अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैंट है तथा जो हैदराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपावद श्रनुमूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधि— नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, नारीख मिनम्बर, 1983

का पूर्वाक्त सम्पत्ति के उिषत बाजार मूल्य में कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उिचत बाजार मूल्य उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रुयमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिक्रत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया हैं :——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधिन कर दोने के अंतरक के वायित्व मों कमी करने या उससे अचने मों मृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, विशास के निए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निषिकत व्यक्तियों. अर्थात :---

(1) श्री घोस ग्रहमदाबाद,
 3-6-373/ए,
 हीमायत नगर,
 हैदराबाद।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मोहम्मद हासीम अल्काण्मी,
 5-2-1012,
 एन० एस० रोड,
 हैदराबाद।

(धन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (ए) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के गीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विकास में किए या सकेंगे।

स्थब्दीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में एरिभाषित हों, बहुी अर्थ होरेग जो उस अध्याय में दिया गया हो।

वम्स्यी

फ्लैट, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 4918/83, रिजस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी, हैदराबाद।

> एम० जैगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, हैदराबाद

तारोख: 8-5-1984

प्रकप माहै दी एन एस

आगकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारी 269-घ (1) के घंधीन संचना

भारत सरकार

कार्यालक्ष, संद्रायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रैंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 मई 1984

निदेश सं० म्रार०ये०सी०न० 149/84-85—म्रत: मुझे एम० जेगन मोहन

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हर्स्से इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट है, जो हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन सितम्बर 1983।

को पूर्वों क्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अभ्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्देश्य से उचत अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी क्षाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए: और/या
- (च) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के लिए;

नतः नन, अवतः विधिनियम, कौ भागः 269-ग के अनुसर्थः भौ, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) भौ अधीनः निम्नलिखिन व्यक्तियों, अधितः :—— (1) मेसर्स मीडीयन कन्स्ट्रवणन को०,
 5-8-612,
 ग्रबिद रोड, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री राजकुमार,3-2-350,चप्पल बाजार,हैदराबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति खुवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगें।

स्पष्टीकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4904 श्रौर 4905/83, रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी हैदराबाद ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 1-5-1984

प्ररूप आई.टी.एन.एस.

अभ्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 8 मई 1984

निदेश सं० भ्रार०ये०सी०नं० 15084-85---श्रतः मुझे एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/्रः. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लेट है, जो नामपल्ली, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुस्ची में ग्रीर पूर्णस्य से विणित है), रिजस्ट्री- कर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन 19 सितम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त मम्पत्ति का उचित जाउगर मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, ऐसे दरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उन्देश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कर से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के सियत्व में कमी करने या उससे अधने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्या आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, अप अपकर अधिनियम, अप अपकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों अर्थात् :— (1) मेसर्स नंदनकन्स्ट्रवशन को० नागपत्स्ती, हैदराबाद।

(भ्रन्तरक)

(2) कुमारी ज्योत्सना रानी,
फतेहसूलतान लेन,
नामपल्ली,
हैदराबाद।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तागील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूधन। के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा राकोंगे।

स्पष्टिकरण :---इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

गेंरीयज, नामपल्ली, हैदराबाद, रजीस्ट्रीकृत विलेख नं०, 4895/83, रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी, हैदराबाद।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायक्षर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, हैवराबाद्य

तारीख: 8-5-1984

ಕ್ಷಾನ್ಯ ಗರಕ್ಷ ಕ್ಷಾಡಿಯ ಮುಖ್ಯಯ ಬರುವುದಿದ್ದು ಬಿ. ಬಿ.

भावकार अधिनियम, 1951 (1961 का 43) की

भारत सरमार

कार्यालय, सहायक कायकर आभ्वत (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 मई 1984

निदेश सं० श्रार०ये०सो०नं० 151/84-85---अतः मुझे, एम० जेगन मोहन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सिक पश्चात 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन उक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम कारने का कारण हैं जिल्लाक प्राधिक हैं। जिल्लाक अजार मृत्य 25,000/- रह. में राधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० फ्लेट है, जो नामल्ली हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची श्रौर पूर्णस्थ से विणित है), रजिस्ट्रेक्ती श्रिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रोकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन सितम्बर, 1983

को पूर्विक्त सम्पत्ति को जिनत बाजार मूल्य से कम के श्वयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्यास करने का कारण है कि यसपूर्विकत सर्पति का जीवत प्राजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सो, एसे दश्यमान प्रतिफल का धन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) को बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उसते अन्तरण लिखित में वास्त-विक स्प से किश्त नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को आबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; औद्ध/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (१९४२ के अधिनियम, 1957 के अधिनियम, अधिनियम, अधिनियम, अधिनियम, १९५७ (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्लारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने यो सुनिका की किया

वतः अब, अवश अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) (1) मैसर्सनन्द कन्स्ट्रक्शन्स को० नामपल्ली, हैदराबाद ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती कूसूमा कूमार, फतेह सुलतान लेन, नामपल्ली, ' हैदराबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के क्रांन के तिष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पर्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की कारील ल 45 किन की कविध या तल्लम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारी।

स्वव्यक्तिरणः — ६समें प्रयुक्त शब्दों और पवाँ का, थो उक्त जिभ्नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा थो उस अध्याय में दिया गया है।

अन सची

गंरीया, फतेह सुलतान लेन, नामपल्ली, हैदराबाद रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 4896/83 रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी, हैदराबाद।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज, हैदराबाव

तारीख: 8-5-1984

मोहर 🙂

प्रस्पु बार्च - दी - एम - एस

नामकर मुभित्यम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के मुभीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 मई, 1984

निदेश सं० आर०ए० सी० 152/84-85—अतः मुझे. एम० जेगन मोहन

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थायर संपरित, जिसका उचित नाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक ही

और जिसकी सं० गैरेज है तथा जो नामपस्ली, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबड अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है),रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कीर्यालय, हैदराबाद में रिजिस्ट्रीकरणअधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उभित बाजार मूल्य से कम के एश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सांपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ए—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाम की बाबत उक्क अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दासिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के निए।)

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) मे० नन्दन कस्स्ट्रक्सन्स को०, नामपल्ली, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री एन० नरहारी रेड्डी, फतेह मुलतान लेन, नामपल्ली, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत संपत्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप ्र--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकनें।

स्पद्धीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, वही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गेरेज, फतेह सुलतान लेन, नामपल्ली, हैदराबाद, राजिस्ट्रीकृत विलेख नं 0 4893/83, राजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद।

> एभ० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रैंज, हैदराबाद

नारीख : 8--5--1984

मोहर 🕫

शायकर गिंधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के स्पीन सुमुना

ब्रार्ध सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैवराबाद

हैदराबाद,दिनांक 8 मई, 1984

निदेश मं० आर० ए० सी० 153/84—85—-अतः मुझे एम० जोगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० गैरेज है तथा जो नामपल्ली, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप सं वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय. हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरणअधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1983

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के प्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रयमान प्रतिकल से, एसे प्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) कन्तर्ण से हुई किसी आय की वानत उथक्ष अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तर्क के दायित्व में कमी करने या उसने वचने में स्पिधा के निए; भौर/या
- (क) एंसी किसी आय वा किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया आ वा किया जाना चाहिए भा, कियाने में तिवधा के किए;

भारत अब, उस्त अधिनियम की धाए 269-व के अनुसरक्ष मों, मों, उक्क्स अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैं ० नन्दन कन्स्ट्रक्शन्स को ०, नामपल्ली, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री आॅं० वी० वी० सुब्बाराव, फतेह सुलतान लेन, नामपर्ला, हैदराबाद।

(अन्तरितीं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जनत सम्पृतित के नर्पन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाब में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (अ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशनें की तारीख से 45 दिन के भीतर उत्कत स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पक्तोकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों जीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्सूची

फ्लैट और गैरेज, फतेह सुलतान लेन, नामपल्ली, हैवराबाद रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 4892, और 4895/83, रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी, हैदराबाद।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 8~5−1984

्रकार अधि **अप. म्र श्सा**.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 मई, 1984

निदेश सं० आर० ए० सी० 154/84-85——अतःमूझे, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम ग्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. में अधिक हैं

और जिसको सं० पर्नेट और गैरेज है तथा जो नामपल्ली, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबड अनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित है), रिजस्ट्रोक्ति अधिकारी के कार्यालय. हैदराबाद में रिजस्ट्रोक्तिण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृह है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूर्यमान प्रतिफल से, एसे रूर्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्मुलिखित उद्देश्य से उस्त मृत्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया ग्या है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी भाष या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिल्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैं ० नन्दन कन्स्ट्रक्शन्स को ०, नामपरूली, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) डॉ॰ बो॰ मलाकोंडा रेड्डी, फतेह सुलतान लेन, नामपल्ली, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

इक्त सम्मत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की शविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की शविध, जो भी अवधि बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर प्रविच्या की तिमान क्यों मा द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकोंगे:

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहाँ अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है

मन्स्ची

गैरेज और फ्लैंट फतेह सुलतान लेन, लामपल्ली, हैदराबाद, रिजस्ट्रीहत विलेख नं० 4891/और 4883 83, रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी हैदराबाद ।

> एम० जेगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबीद

नारीख : 8-5-1984

प्ररूप आइ. दो एन एस.

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुवत (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 मई, 1984

निदेश सं० आर०ए०सी० 155/84--85---अनः मुझे, एम० जगन मोहन

कायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 259-स के अधीन सक्षम ग्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रु. में अधिक हैं

और जिसकी सं० पलैट और गैरेज है तथा जो नामपरलि, हैदराबाद में स्थित है (और इतसे उपाबद्ध अनुसूर्व) में और पूर्ण रूप ने विणित है), र्गजस्ट्रीसर्ता अधिकारी के नार्यालय, हैदराबाद में रिजस्ट्रीलरण अधिनियम, 1908 (1808 की 16) के अधीन, तारीख नितम्बर, 1983

की पूजांदत सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टमान प्रतिफल से, एसे दृष्टमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तित में नास्तरिक कृत से कृष्टित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत, उन्तर मिधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दामित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा े किए: और/सा
- (क) एरेरि किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के एपोपानार्थ अनिरिती ह्वाया प्रकट नहीं किया गया था या फिला राजा चाहिए था, छिपाने से स्विधा के लिए:

जतः क्षत्र. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उदत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नतिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मं नन्दन कन्स्ट्रक्शन्स कं।०, नामपरली, हैदराबास ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती बन्दना जी आहुजा, फतेह सुलतान लेन, नामपल्ली, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी **स सं**45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधितियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वपस्ची

पलैट फतेह शुक्तान ोन. नामपल्ली, हैदराबाद रिजस्ट्री-विवेच त० ४३००/४३, रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी, हैदराबाद ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी पहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

नारीख : 8~5~1984

प्ररूपः आर्द्र*. टी. एन. एस्.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैंदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 मई, 1984

निदेश सं० श्रार० ए० मो० नं० 156/84-85--श्रत: मुझे, एम० जोगन मोहन

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० पलैट है तथा जो नामपल्ली हैदराबाद में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोक्तर्ति श्रीधकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख सितम्बर, 1983

को पृत्रों क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित् बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उच्चवेय से उक्त अन्तरण तैलिखत में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है ----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (भा) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

(1) मैं० नन्दन कन्स्ट्रक्शन्स को०, नामपल्ली, हैदराबाद ।

(भ्रन्तरक)

(1) श्रीमती एन० गीता श्रीर
एन० राजलक्ष्मी,
फतेह सुलतान लेन,
नामपल्ली,
हैदराबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करकें पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की धारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति खुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्षित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भगसर्ची

फ्लैट्स, फतेह सुलतान लेन, नामपल्ली, हैदराबाद, रिजस्ट्री-कृत विलेख नं० 4887 श्रीर 4889/83, रिजस्ट्रीकर्ता श्रीवकारी, हैदराबाद ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ल की उपधारा (०) की अधीन, निक्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख: 8-5-1984

मोहर 🕄

प्र**रूप आह**ै टी. एन. एस

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के अधीन सूचना

भारत सुरुकार

कार्याल्य, सष्टामक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 8 मई, 1984

निदेश सं० ग्रार० ए० सी० 157/84-85--ग्रतः मुझे, एम० जेगन मोहन

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट है तथा जो नामपल्ली, हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख सितम्बर, 1983

कों पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित भाजार मृत्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित भाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के भीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उस्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे ब्चने में सुविशा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया आना काहिए था, कियाने में सुनिधा के लिए;

इतः वद्गं, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग में बन्तरक में, में उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह---- (1) गै० नन्दन करम्ट्रकशन्स को०, नामपर्ल्ला, हैदराबाद ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती एस० भवानी, फतेह सुलतान लेन, नामपल्ली, हैदराबाद ।

(ग्रन्तरिती)

को बहु सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीबा से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सुकोंगे।

स्पष्टीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत निधनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हुन्या, जो उस अध्याय में दिया म्या हैं।

अमृस्यी

फ्लैट फलेह सुलनान लेन, नामपल्ली, हैदराबाद रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4888/83, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, हैदराबाद

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 8-5-1984

त्ररूप आद¹,टी. एन. एस

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के सभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंग, हैवराबाद हैदराबाद, दिनांक 8 मई 1984

निदेश सं० ग्रारव्युवर्गावनंव 158/84-85-प्रतः मुझे, एमव जेगन भोहत

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), जी धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास अस्ते का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट है, जो नामपल्ली, हैदराबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुमूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनाँक सितस्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छ्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक छूप से कथित नहीं किया गया है :----

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कामी करने या उससे अधने से सुविधा के लिए और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के निए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) मेसर्स नन्दा कन्स्ट्रक्ष्णन को ०, नामपरुर्ले । हैदराबाद ।

(भनतरक)

(2) श्की कंज्बी शामचंदानी और श्री चंदीराम केल रामचंदानी, फतेह सुलतान लेन, नामक्क्ली हैदरावाद।

(शनिरिती)

को यह मूचना जारी करके प्रतिकृत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उपत संपास के अर्बन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मूजना की राजपत्र में प्रकाशन की नारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी जबिध बाद में समाज होती हो, के जीतर पूर्वोचन व्यक्तियों में में कि भी करिंग द्वारा,
- (म) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीम से 45 दिन के भीतर उक्त स्थापन राग्धित को किपायद्व किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्माक्षरी के पास लिभित में किए जा गर्भासी।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्यी

फ्लैट, फतेह सुलतान लेन, नामपल्ली, हैदराबाद, रिजर्स्ट्री- कृत विलेख नं० 4886 और 4880/83 रिजर्ट्रीकर्ता श्रधि- कारी हैदराबाद।

एस० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायक्तर प्रायुक्त (तिरोक्षण) सर्जन रेंज, हैदराबाद

नारोख: 8—5—1981

मोहर

प्ररूप. बार्ड. टी. एन. एस्

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (भिरीक्षण) श्रजेन रेंज, हेदरावाद

हैदराबाद, दिनांक 8 मई 1984

निदेश थं० श्रार०ये०सी०नं० 159/84-85 — स्रतः सुझै, एग० जेगन मोहन

बायकार जीधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिने इसमें इसके पश्चान् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), जी धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने के कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीए जिसकी सं० द्वलेट हु, जो नामनल्ली, हंदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्व श्रनुसूनी में और पूर्णस्य से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिकारी के कार्यालय, हंदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिवियम, 1908 (1908 का 16) के श्रवीन सितम्बर, 1933

को पूर्वित सम्पत्ति के उत्तित वाजार मृत्य सं कम के श्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वित सम्पत्ति का उत्तित बाजार मृत्य, इसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे श्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत सं अधिक है और अन्तर्क (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उत्दश्य सं उत्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप सं कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मं किसी करन या उससे बचन मं सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां की जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनयम, या धन-नार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वे एअधिनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, छिपाने में सूत्रिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-त्र की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिशित व्यक्तिसारी, अर्थात् :--- (1) मेससं नंदनकत्स्ट्रक्शन को० नामपल्लीः, हैदराबाद ।

(ग्रन्तरकः)

(2) श्री टी० श्रीनिवासूलू रेड्डी, फतेह सूलतान लेन, गामपल्नी, हैदराबाद।

(श्रन्सारता)

को यह भूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर गुजना की तामील में 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्वविनया में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सचना के भाजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्बों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

मन्त्यी

फ्लैंट फतेह सूलतान लेन, नामपल्ली, हैदराबाद, रिजस्ट्री-कृत विलेख नंज 4881/83, रजीस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी हैदरा-बाद।

> एस० जेगन मोहम सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, हैक्रागढ

तारीख: 8-5-1984

प्रकृष बार्ड हो एन एव

नायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) वारा 269-न (1) के वृथीन सुचना

भारत सरुकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर बायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 8 मई 1984

निदेश मं० श्रार०ये०मी०नं० 160/84-85--श्रतः मुझे एम० जेगन मोहन

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लेट है, जो नामपल्ली हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ़ अनुसूची में ग्रीर पूर्णक्ष्य से विजित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन सितस्थर, 1983

को पूर्विक्त संपरित के जियत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विद्वास करने का कारण है कि प्रधापुर्वेक्ति संपरित का उषित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक, है और अन्तरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत निम्मिलिक स्थ्येद्य में उपन अन्तरण निम्मित में बास्त-विक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अनसरण से हुइ अिस्सी आग आधिशनत, उक्स अधिनिय्म के अधीन कर वीने के असरक ख वायित्व मी कभी करने या उससे असने मी स्रोप । के लिए; आर/भा
- (स) एंसी निर्मी आय या किसी भन या अन्य आस्तियाँ करें, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनवार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिर्ता कृता प्रसार प्राप्त प्राप्त का प्राप्त प्राप्त का विद्या जाता आहिए था छिपान में सुविधा के सिए;

(1) मेसर्स नंदन कन्स्ट्रक्शन को० नामपल्ली, हैदराबाद।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एम० भागस्वर रेडी, फतेह सुलतान लेन, नामपल्ली, हैदराबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्स सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू कारता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्व किसी अन्य व्यक्ति द्वार अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगर जो उस अध्याय में दिया गया है।

अपसूची

फ्लेट, फतेह सुलतान लेन, नामपल्ली, हैदराबाद, रजिस्ट्री-कृत विलेख नं ० 4882/83, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रविकारी हैदराबाद।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हेदराबाद

अन अन, ४४२ लिंग्सियम की धारा 269-ग के, अनुसरण भें, भें उपन लिलिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) ■ अधीन, निरुक्तिसित व्यक्तियाँ, अर्थात् हु——

तारोख: 8-5-1984

मोहर 👙

प्ररूप आई. टी. एन. एस

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंग, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 मई 1984

निवंश २१० आर०ये०सी०नं० 161/84-85--अतः मुझे, एम० जेगन मोहन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रज्य से अधिक है

श्रीर जिसकी सं फ्लेट है, जो हैदराबाद में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णक्ष से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधितयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन सितम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरित्यां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्वेध से उक्त अन्तरण लिखित में शास्तिकल, निम्नलिखित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की धानत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उचत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के पन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के पन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के पन-कर अधिनियम, विजया प्राप्त धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) मेसर्ग मलीक बिल्डर्स, 3-6-290, हैदरगुडा, हेदराबाद।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री नयाब क्तूयूद्दीन, 16-8-535/ए, न्यू० मलकपेट, हेबराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीवस सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकरी।

स्पन्तोक रणः --- इसमें प्रयुक्त बाब्बों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

लन्सूची

फ्लंट, हैदराबाद, रजीस्ट्रीकृत विलेख नं० 4860/83, रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी हैदराबाद।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण) ग्रजंन रेंज, हैंबराबाद

सारोग्न : 8-5-1984

मोहर 🗯

प्ररूप बाइ . टी. एन्. एस.

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सर्कार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, इंदराबाद

हैदराबाद, दिलांक 8 मई 1981

निदेश सं श्रार्थये० सी० नं० 162/84—85——श्रन: मुत्री, एम० जेगन भोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर गम्पत्ति जिसका उच्चित बाजार मूल्य 25,000/-राज्यों से अधिक है

ग्रीर जिसकी संरुपलैट है, जो हैवराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपावछ श्रनुसूची में श्रीर पूर्णका से वर्णित है), राजम्द्रीव कार्ती श्रीधकारी के कार्यालय, जिक्कडपल्ली में भारतीय राजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधन, सितम्बर 1983

को पूर्वीकत संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दर्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण विश्वित में बास्तिबल कप से कृषित नहीं किया गया है:—

- (क्ट) अन्तरण सं हुई किसी जाय की बाज्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य मों कमी करने या उससे बचने मों सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी पन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

चनः अब उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मो, उक्त जीधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के ब्राधीन, निम्निलिखित व्यथितयों, अर्थात् ः— (1) मैसर्स प्रोग्नेसिय विरुट्टर्ग, हैदराबाद ।

(प्रनारक)

(2) श्रीमती के० हेमलता. हैदराबाद ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हूं।

उयत सम्पत्ति के अर्जन के सभ्यन्ध में कोई भी आध्य :---

- (क) इस सृभा के राजपश में प्रकाशन की तारी श से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन का तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पृत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहत्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकींग।

स्पष्टीकरण:----इसमं प्रयुक्त शब्दों आरे पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क से परिशाधित ह³, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्स्ची

फ्लैट, हैंदरायाद, रॉजस्ट्रोक़ल विलेख नं० 627/83, रॉजस्ट्रोकर्ता प्रधिकारी हैंदरायाद।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 8-5-1984.

मोहर 🖫

प्ररूप कार्द्र, दी, एन, एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

वार्यालय, महायक भाष्यकर आयुक्त (निरीक्षण) सर्जेस रेंज, हैदरावाद

हैबराबाद दिनांक 8 मई 1984

गिरेश गं० धार० ये० मी० नं० 163/84—35—धान : स्टी, एस० जोगरा भोहन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पथचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसको स० फ्लैट है, जो नामपल्ली, हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इसमें उनाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णम्य से वणित है), रजिस्हीकर्ता श्रिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्हीकरण श्रिधितयम, 1908 (1908 का 16) के सबीन, मितम्बर 1983

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित दाजार मृत्य से तम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विवत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यभान प्रतिकल से, एसे दश्यभान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तिक्तियाँ) के बीच एमे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल, निम्नीजिबित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिखिता में भारायिक रूप से किंगन नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एमे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कर्त, रिस्ट भागीम आयक्त अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या मन-त्र अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रश्लेषकार्थ अगिरियो हुनाय प्रकट नहीं किया गंगा धर या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अप, उक्त अधिनियम, की धारा 269-म के अन्गरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की अपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तिलयों, अर्थात् :-- (1) मैसर्स नदनम कन्सट्रवणन को० नामपल्ली, हैदराबाद.।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री डी० यीमूंक फतेह मुल्तान लेन, नामपल्ली, हैयराबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वीका सम्पत्ति के अर्जन के कार्यताहियां करता हूं।

उचन सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पान विश्वित में किये जा सकी।

स्पष्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में रिया गया है।

अमृसुची

फ्लैट, फतेह मुल्लाग लेग, नागपल्ली, हैवरायाद, रजिस्ट्री-कृत विलेखन ० 4884/83,रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी हैदराबाद।

> एम० जोगन मोहन गक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 8-5-1984.

प्ररूप आई. ठी. एन. एस.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च् (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 मई 1984

निदेण मं० श्रार० ये० मी० नं० 164/84-85-श्रत: मुझे, एम० जेगन मोहन

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है कि धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह यिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं०५लैंट 307-ए० है जो हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाग्रद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्णस्य से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, चीक्कडपल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, सितम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृश्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निगनिलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्रिक क्ष्म से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से धुड़ी किसी आय की आबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपकारा (1) के अधीन, निम्निजिखित व्यक्तियों, अधीत् ्र— (1) भैरार्श विनायक इटरप्राइजेस,3-5-585, विठलवाधी, नारायणगृज्ञा,हैयराबाद।

(भ्रन्तरक)

(2) डा० जें० सी० वेंकट रेड्डी, एफ० नं० 307~ए, विटलवाडी, हैंदराबाद।

(श्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां थारता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्थन की सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप:--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख सं
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधीहरूनाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

<u>जनसूची</u>

फ्लैट श्रौर गेरीयज, विठलवाडी, हैदराबाद, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 650/83, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी चीक्कडपल्ली।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) शर्जन रेंज, हैदराबाद

तारी**ख: 8-5-8**4.

मोहर 🚁

प्ररूप आई. टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार्य 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज, हैं दराबाद

हेदराबाद, दिनांक 8 मई 1984

निर्देश सं० ग्रार० ए० मी० नं० 165/84-85--श्रत : मुझे, एम० जेगन मोहन.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसको उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये में अधिक हैं

श्रौर जिसको सं० पलैट है, जो होमायतनगर, हैदराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबड धनुसूची में श्रौर पूर्णक्य में विंगत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, चीक्कडपल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, सितम्बर 83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के वीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक स्प से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उगमें बचने में मृश्विधा के लिए; और/या
- (स) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-वर अधिनियम, या धन-वर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) यूनाइटेंड हाउसिंग कारपोरेशन, 134, पेंडरघास्ट रोड, सिन्कदराबाद.

(भ्रन्तरक)

(2) श्री पी० वी० सूब्बाराव,3-6-779/ए/302, हीमायत नगर,हैदराबाद

(ग्रन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपति के अर्जन के मंबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क्ष) इस सूचना कं राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वार;
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ द्वांगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पलैट, हीमायतनगर, हैंदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 663/83, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी चीक्कडपटली।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्ष्य आयक्षा (निरीक्षण) धर्जन रेंज, हैदराबाद

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निस्तिविखित त्यित्रितयों, अर्थात् :---

मोहर 🏗

तारीख: 8-5-1984

10 --- 126G1|84

प्रक्ष बाइं. टी. एन. एस

नायकर न्भिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुभाग

मारत सरकार

काशस्य, सहायक आयक र आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज. हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 8 मई 1983

निर्देण मं० श्रार० ए० सी० नं० 166/84—85—-ध्रत : सुभे, एग० जेगन मोहन,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसको स० फ्लैट है, जो हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, चिवकडपल्ली में रजिस्ट्री-करण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, सिनस्वर 83

को प्रेंतित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का वृद्ध प्रतिचात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्वित में शम्नियत हुए में किया गया है:---

- (क) अन्तरण स हुई िकसी आम की बाबत उक्त अधि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने मों सूविधा के लिए, और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने सं सुविधा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मा, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :---- (1) श्री जी० लक्ष्मना,1-8-522/20/2, चीक्कडपल्ली,हैदराबाद

(ग्रन्तरक)

(2) श्री बी० श्यामसंदर रेड्डी 2-2-1105/90, हैंदराबाद

(भ्रन्तरिती)

का यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर
 स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्धारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए या सकने।

स्पव्यक्तिरणः --- इसमें प्रयुक्त शक्यों और अवा का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

फ्लैट, जो हैंदराबाद में हैं, एजिस्ट्रीकृत विलेख मं० 677/83, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी चीक्कडपल्ली।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज, हैदराबाद

तारोख: 8-5-1984

प्ररूप बाइ टी एन एस

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 8-5-1984

ग्रार० ये० सी० न० ग्र-167/84-85--यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि, है जो कामारेड्डी स्थित है (ग्रीर इससे उपायद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कामारेड्डी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन सितम्बर 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उषित बाजार मूल्य सं कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित का उषित बाजार मूल्य, उसके इष्यमान प्रतिफल से ऐसे इष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के वीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण स हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्यिधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,, मैं, अक्त अधिनियम की भारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखिल व्यक्तिसीं, अर्थात — 1. श्रीमती एम० नरसबच्चा कामारेड्डी

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती मीसरीबाई कामारेड् ई।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं ।

उपत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस सूना के राजध्य के प्रकाशन की तारीख में
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी स्थानतर्थी पर सूचना की तामीन से 30 दिन की भवधि, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त स्थानतर्थों में से किसी स्थानत द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगा

स्पष्टोकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ धांगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

भूमि, जो कामारेड्डी में है, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7067/83, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी कामारेड्डी।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 8-5-1984

माहर:

प्ररूप आर्हा, टी. एन. एस.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुम्ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायुकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 मई 1984

ग्नारं० ये० सी० न० 168/84-85--यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकार लिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु"), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० घर है, तथा जो हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चिककडपल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख सितम्बर 1983

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूरयमान श्रीतफक्ष के लिए जन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके रूरयमान प्रतिफल से, एसे रूर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पामा गया प्रति-कस, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त बन्तरण निचित में बास्त्-विक अन्त भे किथित नहीं किया गया है:——

- (क्क) जन्तरण संदुर्श किसी आय की वावत, उक्त जिथानियम के अधीन कर दोने के ज़न्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में तृतिधा के लिए; कांद्र/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धून या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए या जिन्माने में सविधा के लिए।

नतः नव, उन्त निभिनियम की भारा 269-ग के ननुसरण मों, मैं, उन्त अभिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री जी० मधूकर, द्वारा श्री जी० पी० पद्मजा, घर नं० 106, मेथडीस्ट कालोनी, हैदराबाद।

(ग्रन्तरक)

2. श्री बी० वेंकट नरसम्मा रेड्डो, 2-2-1164/15/1, स्यू नलाकूंटा, हैदराबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाओप इ-

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्पिक्तयों पद सूजना की तामीस से 30 दिस की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्पिक्तयों में से किसी स्पब्ति दुवारा;
- (च) इस तुचना के राज्यम् में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य अथिकत द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास् लिसिन में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया

ननसूची

घर, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 646/83, रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी चीकडपल्ली।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राक्षिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 8-5-1984

मोहर 🖫

प्ररूप मार्च ु टी., पुन् एस.

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

भारुत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 मई 1984

निर्देश सं० धार० ये० सी० नं० 169/84-85---यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 48) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, शिक्तका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसको स० फ्लैट है, जो हैदराबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता ग्रधिकारों के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रोकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधोन, सितम्बर 1983

को पूर्वोवत संपर्शित के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमाम प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं हैं और मुक्ते यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके इश्यमान प्रतिफल सी, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय राया गया प्रतिफल, निम्निलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में क्रमी करने या उससे अघने में सुविधा के लिए; आर्-श्रा
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धनकार अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, कियान में सुनिधा के निए।

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में. उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधी न, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात ः— मेरीडीयन कन्स्ट्रवशन को० बाइ श्रीकाशियचरण, अबिदस् रोड, हैदराबाद।

(भ्रन्तरकः)

श्री हारी किशन,
 श्रीमती नवनीद ग्रीर हामन कुमार,
 5-2-398,
 रीसाला ग्रब्युलाह,
 हैवराबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्पान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्पान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस मं 45 दिन को भीतर उच्चत स्थावर संपत्ति मों हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में द्विया गया है।

अनुसूची

फ्लैंट, राजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4675, 4676 भ्रौर 4677/83, राजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी हैदराबाद।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 8-5-1984

मोहर .

प्रकर् बार्च, दी पुरु पुरु.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

भारत चरकार

कार्यालयः, सहायक मायकर भागूक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनोंक 8 म**ई** 1984

निर्देण सं० म्रार० ये० सी० नं० 170/84-85—यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाम् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसको सं० फ्लैट है तथा जो हैदराबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबब श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, चीककश्रपल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन सितंबर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित की जार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में सास्तिबक कप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वाबर, उत्तर जीर्धानयम के ज्योन कर येने के जन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा को निए; और/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों क्यों, जिन्हों भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् क्रिया मैं० मैंरी खियन कर्स्ट्रमणन को० बाह श्री शिवचरण, श्रविद्स रोड, हैदराबाद।

(ग्रन्सरक)

श्री विजया कुमार,
 21-1-650,
 रीकागज,
 हैदराबाद।

(ग्रन्तरिती)

की बहु सृष्मा जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निर्देशन में किए या सकेंगे।

स्थल्कीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

फ्लैट जो हैदराबाद में स्थित है, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4957/83, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी हैवराबाद।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैंन रेंज, हैवराबाद

तारीख: 8-5-1984

मोहर 🖫

प्रारुप आई. टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैक्राबाद

नई विल्ली, दिनोक 8 मई 1984

निर्देश सं श्रार थे विशेष नं 171/84-85--यत: मुझे, एम अंगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रीर जिसकी सं० पलैट है, जो हैदराबाद स्थित है (स्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में स्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, चिककडपल्ली में रजिस्ट्रोकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन सितम्बर 1983

को पूर्वेक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखन उव्वरेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दीने के अन्तरक के दायित्व में कामी करने या जससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी था या अन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, या धन-(1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विध्य के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के गधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— श्री पी० शिवकुमार रेड्डी, केयर ग्राफ मेसर्स नदनम कन्स्ट्रक्शन को०, नामपरलो, हैदराबादो

(भ्रन्तरक)

 श्री के० मतीम के० स्वस्थ्य, 3-4-875/7, बरकतपूरा, हैदराबाद।

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन क सबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो जकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उम अध्याय में दिया स्या है।

अनुस्ची

प्लैट, जो हैदराबाद में स्थित है। रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5000 श्रौर 4999/83, रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी चीक्कड-पल्ली।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक धायकर ध्रायुक्त (निरीक्षण) स्रार्गन रेंज, हैदराबाद

नारीख: 8-5-1984

मोहुर 🗄

वक्प वार्ड, बी. एव. एत

नायकर सभिनियम, 1961 (1961 का 43) की वास 269-म (1) के सभीन स्वाना

भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, विनांक 8 मई 1984

ग्रार० ये० मी० नं० 172/84-85---यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके एक्कात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. सं अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैट ग्रौर गैरायज है, जो नामपल्ली, हैदराबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वृणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख मितम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमाम इतिज्ञ के विष् अन्तरित की गई है और मुन्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह पनिश्चत अभिक है और उन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरिक्तियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखन उद्देश्य से उक्त मन्तरण निलित में वास्तिवक एप से किथा नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे क्यने में सृविधा के लिए और/धा
- (ख) एनी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में भविधा के लिए;

ात. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीत निम्नलिखित व्यक्तियों, व्यक्ति :--- मेसर्स नंदनम कल्स्ट्रह्मन को०, नामपल्ली, हैदराबाद।

(श्रन्तरक)

 श्री वी० क्रीध्णा, फतेह मुलतान लेन, नामपल्ली, हैदराबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके वृत्रीवत संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस रं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्हीकरण ----इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैंट, और गैरियज रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4696 ग्रोर 4699/83, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी हैदराबाद।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) धर्जन रेंज, हैदराबाद

मारी**ख**: 8-5-1984

प्ररूप आई. दी. एन, एस.

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मभीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बाय्वत (निरीक्षण) श्रक्त रेंज-1, अम्बई

बम्बई, दिनांक 9 मई 1984 निर्देण सं० ग्राई-1/37ईई/1006/83-84---श्रत: मुझे, ए० लहिरी,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण हैं कि स्थाव सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी स० फ्लैंट न० v-2/25वीं मंजिल है तथा जो प्रिथ्वी श्रपार्टमेंट्स, 21, श्रत्टामाउंट रोड़, नैपियनसी रोड़, बम्बई-26 में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 20-9-1983

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पश्यमान प्रतिफल के लिए रिजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुक्ते, यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्विक्त सम्पत्ति का अचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अतिरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्त अन्तरण लिखित म नाम्तिक एप से किया गया है :----

- (क) बस्तरण सं हुई किसी माय की वाबत उक्त अधि-नियम के बधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कामी कारने या उससे बचने में सृविधा के लिये: बीर/बा
- (च) एसी किसी बाय या किसी धन जन्य बास्तियाँ को, जिन्हुं भारतीय बायकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिधिनयम, या धन-कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यथा था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मृविधा के लिए;

1. श्रीमती उमिला तेजाज गोबामी

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती कल्पना मुरली मुरतानी

(भ्रन्तरिती)

को **यह मुख्ना जारी** करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारास से 45 धिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकींगे।

मन्स्ची

फ्लैट नं० ए-2, 25वीं मंजिल, पृथ्वी अपार्टमेंट्स, 21, प्रत्टामाउंट रोड़, नेपियन सी रोड़, गम्बई-26 में स्थित है। प्रनुसूची जैसा कि क० सं० प्रई-1/989/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई डारा दिनांक 20-9-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक धायकर घायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-1, बस्वर्द

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलियित व्यक्तियों, अर्थात् :---11—126GI[84

तारीख: 9-5-1984

प्ररूप आईं.टी.एन.एस

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यास्तय, सहाथक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 7 मई 1984

निर्देश सं० म्रई-2/37ईई/3421/83-84—म्नतः मुझे, एस० एच० म्रज्वाम म्राविदी,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह यिश्वास करने का आरण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित आजार मृत्य 25,000/- क. में अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 2, पहली मंजिल, "मिनू श्रपार्ट-मेंट", नंदा पाटकर रोड़, विलेपार्ले (पूर्व), बस्बई 400056 में स्थित है (श्रीर इससे उपाद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बिलत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिष्ठित्यम 1961 की धारा 269क, ख के श्रिष्ठीन बस्बई स्थित सक्षम श्रिष्ठिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 15-9-1983 को पूर्वों कत सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान श्रीतफल के लिए बन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंकत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान श्रीतफल से एसे दश्यमान श्रीतफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गवा श्रीतफल, निम्नितिसित उद्देश्य से उक्त कन्तरण सिन्धित में बास्तिविक रूप से विश्वत सन्तरण सिन्धित में बास्तिविक रूप से विश्वत सन्तरण सिन्धित में बास्तिविक स्थ से विश्वत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाधित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (म) एसी किणी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) कें प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में स्विका के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीय, निम्निटिखित व्यक्तियों, अर्थात् ।:--- 1. मेसर्स मिनू कन्स्ट्रइशन कंपनी

(ग्रन्तरक)

 कुवेरजी कान्ती श्रोर रमेण कुवेरजी

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति कं अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता ह**ू**।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाष्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त घट्यों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अरसभी

प्लैंट नं० 2, जो पहली मंजिल, "मीनू श्रपार्टमेंट", नंदा पाटकर रोड़, विलेपार्ले, (पूर्व), बस्बई-400056 में स्थित है।

श्रनुसूची जैंसा कि क० सं० श्रई-2/37ईई/3421/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 15-9-83 को रिजस्टई किया गया है।

एस० एच० अब्बास श्राविदी
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक सायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-2, बंबई

नारीख: 7-5-1984

महिए 🥫

प्ररूप ., आईंटी एम्: एस

भाषकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 14 मई 1984

निर्देश सं० ग्राई-2/37ईई/3366/83-84—ग्रतः मुझे, एस० एच० ग्रब्बास ग्राह्मिदी,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उस्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी मं० पलैंट नं० 2, तेजिकरण ग्रापार्टमेंट, तेजपाल रोड़, बिले पार्ले (पूर्व), बम्बई-57 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 1-9-1983 /

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफ्ने यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त राम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके धश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नीलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोनें के अन्तरक को दायित्व मों कभी करने या उससे बचने मों सुविधा को लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविधा के लिए;

बतः जब, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६—— 1. श्री नरेंद्र जमनादास राजानी

(श्रन्तरक)

2. श्रीमती रेखा भ्रनिल रावल

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 पिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 पिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वाराः
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

प्लैट नं० 2, तेजिकरण ग्रपार्टमेंट, तेजपाल रोड़, विले पार्ले (पूर्व), अम्बई-57 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37ईई/3366/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1983 को रजिस्टर्फ किया गया है।

एस० एज० ग्रब्बास ग्राबिदी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-2, सम्बर्द

तारीख: 14-5-1984

प्रकृष कार्ड टी. एन. एस.

भायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के अभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) ध्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 14 मई 1984

निर्देश सं० ग्रई-2/37ईई/6332/83-84—यत, मुझे, एस० एच० ग्रब्बास ग्रबिदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारणः है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 31, 5वीं मंजिल, ग्रमरज्योति को-श्राप० हाउसिंग सोसायटी, 4 बंगलोज रोड, ग्रंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर, श्रधिनियम 1961 की धारा 269क ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-9-1983

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से काम के इष्यमान प्रतिफल के लिए कन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उणित बाजार ब्ल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिणित में बास्तिक रूप से कृथित नहीं किया गया है

- (क) जम्तरण से हुइ जिस्ती बाद की बाबत, शावत अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दासित्क में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए: बॉर/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी भन या जन्य जास्सियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ असारिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए भा, छिपाने में सुविधा के सिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थातः--- (1) श्री ग्रहण धवन ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री दिनकर के० मेट्टी।

(भ्रन्तरिती)

(3) भ्रन्तरक ।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सृचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पत्रोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बच्च किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थलीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिनियम के बध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस कथ्याय में दिया गया है।

नगत्त्री

फ्लैंट नं० 31, 5वीं मंजिल, ग्रमरज्योति की-ग्राप० हाउसिंग सोसायटी, 4 बंगलोज रोड, (ग्रंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

श्रमुसूची जैसा कि ऋ० स० श्रई-2/37ईई/6332/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

एस० एच० ग्रब्बास श्रबिदी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-2, बम्बई

सारीख: 14-5-1984

मोहरः

प्रकृत बाह् ेही . इन . एत

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत दरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 मई 1984

निर्देश सं० म्रई-2/37ईई/3523/83-84---यतः मुझे, एस० एच० ग्रब्बास म्रबिदी,

आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्जात् जिक्त अधिनियम कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 61ए, लैन्ड ब्रीझ, 52, पाली हिल रोड़, बान्द्रा, बम्बई-400050 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), भौर जिसका करारनामा आयकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्रधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 26-9-1983

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की यद् हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्निलिखत उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर देने के जन्तरण के दायित्व में कमी करने मा उससे सचने में सुविधा से विष्णु; बॉर/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, चिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में वृत्तिया के विष्:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री राजेश कपूर श्रौर रंजना कपूर।

(ग्रन्तरक)

(2) मेसर्स हर्वर्टसन्स लिमिटेड।

(श्रन्तरिती)

(3) ग्रन्तरिती ।

(वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पक्ति है)

क्ये बहु सूचना भारी करके नृशाँकत सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वां के राजपत्र भें प्रकाशन की तारीं के 45 दिन की अविधि या तत्सं बंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हैं, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसिस में किए जा सकेंगे।

स्यब्दीकरण: --इसमें प्रयुक्त संख्यों और पर्यों का, आरे उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुत अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

धनुसूची

फ्लैट नं० 61ए, लैंन्ड श्रीझ, 52, पाली हिल रोड, बान्द्रा, बम्बई-400 050।

श्रनुसूत्री जैसा कि क० सं० श्रई-2/37ईई/3523/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 26-9-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

एस० एच० श्रब्बास श्रबिदी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 7-5-1984

मोहर ः

प्ररूप आई.टी.एन.एस

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-व(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 30 श्रप्रैल 1984

निर्वेश सं० श्रई-2/37ईई/3205/83-84—यतः, मुझे, एस० एच० श्रब्बास श्रबिदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं माधव गोडाऊन बेसमेंट नं 5 (नार्थ), ब्लाक-ई, बान्द्रा कुर्ला काम्पलैक्स, ग्रोपन एग्रर थिएटर के पास, बान्द्रा, बम्बई-400 051 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) ग्रीर जिसका करार-नामा ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269क ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 5-9-83

को पूर्वोक्स सम्प्रित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्स अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी अन या अन्य आदिस्तयों को जिन्हा भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्क्रिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात :---

(1) मैं० माधव युनाइटेड होटल्स (इंटरनेशनल) लिमिटेड ।

(श्रन्तरक)

(2) मेसर्स मन्नीत एण्ड कम्पनी।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्मित्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षारी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनु**त्रुची**

माधव गोडाऊन बेसमेंट नं० 5 (नार्थ), प्लाट नं० सी--4, ब्लाक-ई, बान्द्रा कुर्ला काम्पलैक्स, ग्रोपन एग्नर थिएटर के पास, बान्द्रा, बम्बई-400 051. में स्थिस है।

ग्रनुसूची जैसा कि कै० सं० ग्रई-2/37ईई/3205/ 83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-9-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> एस० एच० ग्रन्बास ग्रबिदी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बस्बई

तारीख: 30-4-1984

मोहर 🛭

प्रकल गाइ. टी. एन्. एस

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 14 मई 1984 निर्वेश सं० श्रई-2/37ईई/3403/83-84—अतः मुझे, एस० एच० ग्रब्बास श्रिबंदी,

सायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 32, 7वीं मंजिल, प्लाट नं० 1371—टी० पी० एस०—2 माहिम डिवीजन, वर्धा स्ट्रीट, (निर्माणाधीन इमारत में) माहिम, बम्बई-400016 में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रिधिनयम 1961 की धारा 269क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 12—9—83 को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके खर्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंदह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखन उद्वदेय से उवत अन्तरण कि खर्म में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) अंतरण से हुई किसी आयुंकी बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के पयोजनार्थ अतिरिती द्वारा प्रकृष्ट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में गृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निल्खित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. मैं० होम मेकर्स

(श्रन्तरक)

2. श्री महमद यूसुफ एच० कासम पेटीवाला (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्प्रित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की स्वधि, जो भी सविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्थित दुवारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्वभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जनसंची

फ्लैंट नं० 23, जो 7वीं मजिल, (निर्माणाधीन इमारत में), प्लाट नं० 1371-टी० पी० एस०-2 माहिम डिबीजन, वर्धा स्ट्रीट, वम्बई-400016 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई-2/37ईई/3403/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 12-9-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

एस० एच० म्रब्बास म्रबिदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण)
स्रर्जन रेंज-2, बम्बई

नारीख: 14-5-1984

प्रकृष बाहै : टी. एवं. एस्.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्**प**ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बभ्बई बम्बई, दिनांक 30 श्रप्रैंल 1984 निर्देश सं० ग्रई-2/37ईई/6310/83-84--श्रतः मुझे, एस० एच० श्रव्यास स्रविदी,

नायकर अधिनियम, 1961, (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25, 00€/- रुपये में अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं इंडस्ट्रियल शेंड नं 164, शिव गिक्त इंडस्ट्रियल इस्टेट, मरोल विलेज, ग्रंधेरी, कुर्ला रोड़, अंधेरी वम्बई-400059 में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्राधिनयम, 1961 की धारा 269क, ख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 28-9-83

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ए'से दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ए'से अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में कास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपानं में सृविधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. मेसर्स शिव शक्ति विरुष्टर्स

(भ्रन्तरक)

2. मेसर्म फोटनहेश इन्वेस्टमेंट कार्सोरेशन

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोड़ भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ख्वारा अभ्रोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सक्तेंगे।

स्पन्छीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा को उस अध्याय में विद्या गया है।

मम्स्ची

इंडस्ट्रियल गोड़ नं० 164 जो, शिवणक्ति इंडस्ट्रियल इस्टेट, एस० नं० 79, श्रार. नं० 16, एस० नं० 80, एच० नं० 1 मरोल विलेज, श्रंधेरी कुर्ला रोड, श्रंधेरी, बस्वई-400 059 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रर्ड-2/37ईई/6310/ 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 28-9-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> एस० एच० भ्रब्बास श्रविदी मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) शर्जन रेंज-2, बस्बई

तारीख: 30-4-1984

प्रस्य बाहु टी. एन. एस

नायकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-2, बम्बर्ड

बम्बई, दिनांक 14 मई 1984

निर्देश सं० ग्रई-2/37ईई/6776/83-84--ग्रत: म्झे, एस० एच० श्रव्यास श्रायिदी,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह यिश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- का से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० गाप नं० 12, सब स्वेप्ट, फौर बंगलो, यसोवा, ग्रंधेरी (प०), बम्बई-59 में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित हैं), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रंधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के ग्रंधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं तारीख 22-9~1983

क्रो पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के रहयमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास के रने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित नाजार मूल्य उसके रहयमान प्रतिफल से ऐसे रहयमान प्रतिफल का 'न्न्सह प्रतिशात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और 'अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलिखत उच्चेश्य से उच्च अन्तरण निचित में वास्त-शिक्ष रूप से कृषिय नहीं किया ग्या हैं----

- (क) अन्तरण के हुई किसी अप की बालस सकत विधित नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के विधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/सा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों का, जिन्हें भारतीय आयक र अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिभियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनीय अन्तरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किए। अपने जातिए था, कियाने में सुविधा के लिए:

बतः नयः, उक्तः विभिनियमं की भारा 269-त की वन्तरक में, में, उक्तः अधिनियमं की धारा 269-च की उपधारा (1) से अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत् : 12---1260184 1. श्रीसती कूलवंत कौर

(अन्तरक)

2. श्री शाम रमणीकलाल पांचालाल

(अन्तरिती)

3. मेसर्स भ्रोशिवरा लैन्ड डेबलपमेंट कम्पनी (प्राइवेट) लिमिटेड।

(बह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वाक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए। कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीजर प्रांकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस- बस्थ किसी बन्ध व्यक्ति ख्वार, अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकी।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित ह³, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अम्सर्च

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० ग्रई-2/37ईई/6776/ 83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 22-9-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> एस० एच० ग्रब्बास श्राबिदी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 14-5-1984

मोहरः

प्ररूप मार्च नी एन एस

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

धारव बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीखण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 14 मई 1984

निर्देश स० श्र $\frac{5}{2}$ /37ईई/6320/83-84--श्रतः, मुझे, एस० एच० श्रब्बास श्राबिदो,

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपित्त. जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/-रु. से अधिक हैं और जिसकी स० ब्लाफ न० 4, रामदूत अपार्टमेंट्स को० आप० हाउमिंग सोसायटी, रामबाग, दाउद बाग, जे० पी० रोड़, प्रधेरी (पश्चिम), बम्बई-58 में स्थित हैं (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं, तारीख 5-9-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृह है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे क्रयमान प्रतिफल का मन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिकी (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण चिक्तिस में वास्तविद्य हुए में कथित नहीं किया गया है :---

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे दचने में अधिका खे किए; और्ट्र/वा
 - (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आया हर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या प्रा-कर विधिनियम, या प्रा-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोधनार्थ जन्मीहरी इवारा प्रकट नहीं किया वया था का किया वाना चाहिए वा, कियाने के सविधा के लिए;

करः जब, उपत अधिनियम की धारा 269-ण की, अनुसरण को, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च उपभाग (1) को अधान, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधितः--- (1) श्रीमती मालती माधव कुलकर्णी।

(धन्सरक)

(2) श्री देवचंद भगवान चौहान।

(भन्तरिती)

को यह स्वता जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं

उक्त सम्पत्ति के वर्षन् के साम्बन्ध में कोई भी नाक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (थ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकायन की तारीच वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी कम्य म्यक्ति द्वारा, न्योहस्ताकरी के पास लिखित में किए का सकेंगे।

स्पद्धीक रण: -- इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा. जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

जनसूची

स्लाक न० 4, रामकूत भ्रपार्टमेंटस को० भ्राप० हाउसिंग सोसायटी, राम बाग, दाउद बाग, जे० पी० रोड़, अधेरी (पश्चिम), धम्बई-58 में स्थित है।

धनुसूची जैसा कि कि कि स्र स्व-2/37 हैहै |6320/83-84 स्नौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 5-9-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

एस० एच० श्रब्बास आ**बिदी** सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 14-5-1984

मोहर ः

प्रकप बाहै, टी-एन-एस

नायकर जीधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के नधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यास्य, बहायक जायुकर वायुक्त (निर्देशक)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 30 ग्रप्रैल 1984 निर्देश स० ग्रई-2/37ईई/3438/83-84---ग्रतः, मुझे, एस० एच० ग्रम्बास ग्रविदी.

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वजात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी स० फ्लैट न० ई-14, 4थी मजिल, ई-बिल्डिंग बांद को० आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी, जुहू रोड, बम्बई-400 049 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), और जिसका करारनामा भायकर भ्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन अम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 15-9-1983

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, ऐसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण जिल्हित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की नायत, उक्स वरिधनियम के जभीत कर देने के जन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वचने से सुनिधा के किए; बीड़/या
- (का) एंसी किसी आय या किसी धर्म या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गमा था या किया जाना चाहिए था, छिपान में नुष्यक के लिए;

बतः अव, उक्त विभिन्यम, की भारा 269-व के अनुसरण में, मैं. उक्त विभिन्यम की भारा 269-च की उपधार (1) के अधीन, निम्नतिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) श्रीमती लिलिता हरीकुमार।

(अन्तरक)

(2) श्री देविंदर कुमार चोपड़ा।

(ग्रन्तरिती)

(3) धन्सरिती

(बह व्यक्ति, जिसके ग्राधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह स्थना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां बस्ता हो। ५

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुषना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों एर सुषना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दूशरा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में पकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के लास निवित्त में किए का सकोंगे।

स्पट्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिश गवा है।

नगुस्ची

पलैट न० ई-14, 4थी मजिल, ई-4—बिल्डिंग, चांद को॰प्रापरेटिय हाउसिंग सोसायटी, जुहू रोड़, बम्बई-400049 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० स० श्रई-2/37ईई/3438/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारो ,बम्बई द्वारा दिनांक 15-9-1983 को रजिस्टई किया गया है।

एस० एच० अब्बास श्रबिदी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-2, बस्बई

तारीख: 30-4-1984

मोहर 🕄

प्ररूप आईं.टी.एन.एस

नायकरु अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की । ारा 269-व (1) के अधीन सुवना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकार आयुक्त (निर्देशिका) प्रजीन रेंज-2, बम्बर्ड

बम्बई, दिनांक 30 श्रप्रैल 1984

निर्देश स० प्रर्ह-2/37ईई/3355/83-84—प्रतः मुझे, एस० एस० , प्रस्थास प्रसिदी,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी स० फ्लैट न० 5-ए, नार्थ बाम्बे को० प्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, ज्ञहू रोड़, बम्बई-400 049 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-9-1983 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के द्वायमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से एसे द्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और जंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेद्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी माय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के आकृत्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बॉर/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्यरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

्अतः अव, उक्त अधिनियमं की थारा 269-मं के अनुसरण हैं, मैं, अक्त अधिनियमं की धारा 269-चं की उपभारा (1) हे अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः— (1) श्री नरिन्दर सिंह भाटिया।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री सुधीर कुमार जैन।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्ववाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्थन को सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्रस् स्थाना की तामीस से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृश्लेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्परित में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अर्थाहरूताक्षरी के पास लिनित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया भया है।

नगुसूची

पलैट न० 5-ए, नार्थ बाम्बे को०ग्रापरेटिय हाउर्सिंग सोसा-यटी लिमिटेड, जुड़ रोड़, बम्बई-400 049 में स्थित है। श्रनुसूची जैसा कि ऋ० स० श्रई-2/37ईई/3355/ 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> एस० एच० ग्रब्बास ग्रिबिदी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 30-4-1984

मोहरू ब

प्ररूप आईं.दी.एन.एस

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निद्धीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 14 मई 1984

निर्देश स॰ ग्राई-2/37ईई/3414/83-84-- ग्रातः भुने, एस॰ एच॰ ग्राठ्यास ग्राविदी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (रिअसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० श्राफिस न०—9, पहली मंजिल, विना नीना शापिंग मेंटर प्रेमिसिस को०श्रापरेटिव सोसायटी (लिमि-टेड, टर्नर रोड़, बान्द्रा, बम्बई-400 050 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर ग्राधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के ग्राधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 12-9-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्सक्त बचने में सुविभा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गथा धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के तिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती ज्योति पी० जेठनानी ।

(भ्रम्तरक)

(2) श्री एम॰ एम॰ गर्गा। (कर्ता भ्राफ एच॰ यू॰ एफ॰)

(मन्तरिती)

(3) भन्तरिसी।

(बह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यमाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 बिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्यव्हीकरणः — इसमें पृयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त सिधनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। गया है।

मन्स्ची

श्राफिस नं०--9, जो पहली मंजल, "विना नीना शापिंग मेंटर प्रीमायसेस को०श्रापरेटिव सोसायटी लिमिटेड" टर्नर रोड, बान्द्रा, बम्बई-400050 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि के० स० श्रई-2/37ईई/3414/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 12-9;1983 को रजिस्टंड किया गया है।

एस० एच० अब्बास अबिदी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारी**ख**: 14~5~1984

प्रकृत नाहै - टी. एवं - एवं .

भावकर म्थिनियम, 1961 (1961 कर 43) की धारा 269-म (1) के अभीन सुमना

भारत वरकार

कार्यासय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 7 मई 1984

निर्देश सं० अई-2/37ईई/3450/83-84—यतः, मुझें, एस० एच० अब्धाम अबिदी,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा ग्या हो), की भारा 269-ख के अधीन सक्षण प्राधिकारी करो, तह जिस्वास कारने का कारण हो कि स्थावर संपरिस, जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/- रु. से अधिक हो

ग्रीर जिसकी सं० माला नं० 304, उद्योग मंदिर प्रेमिसेस को-आपरेटिय सोसायटी लिमिटेड, 7/सी, पितांबर लेन, माहिम, बम्बई-400016 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण इस से विणत हैं), ग्रीर जिसकी करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं, तारीख 23-9-1983

को पूर्वित सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के स्रयमान प्रितिक्रल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृवां कत संपत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिकास से एसे द्रयमान प्रतिकास का क्ल्यह प्रिश्चात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकास, निम्नलिखिक उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तरिक रूप से कृतिक रूप से कृतिक स्था से कृतिक से क्षा से क्षा से से क्षा से क

- (क) अन्तरण से हुंद्र किसी नाम् की नावत, उक्छ वीचितिनम् के नभीन कर दोने के बन्धरक के वादित्व में क्रमी कड़ने या उच्छे मुचने में सुविधा के बिए; बीड़/मा
- (क) एसी किसी माय या किसी भन या बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्त अभिनियम, या भनकर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के निए;

जतः सब, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण में, में, उक्त जिथिनियम की शहा 269-म की उपधारा (1) की जधीन, [तम्निविद्वित व्यक्तियों⊕ जचीत् ड—— (1) मेसर्स कदम एण्ड कम्पनी।

(अस्तरक)

- (2) मेसर्स परफैंस्ट रीफिल असैबिलिंग सेंटर । (अन्तरिती)
- (3) अन्तरिती ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बार्क्ष :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 सिन की अविधि या तत्संबंधी स्विक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्विक्त द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

माला तं 304, जो उद्योग मंदिर प्रेमिसेस को-आपरेटिब सोसायटी लिमिटेड, 7/सी पितांबर लेन, माहिम, बम्बई-400 016 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37ईई/3450/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 23-9-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> एस० एच० अब्बास अबिदी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 7-5-1984

मोहर 🛭

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मुमीन स्मान

नारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्देक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 मई 1984

निर्देश सं० अई-2/37ई/6591/83-84—अतः मुर्झे, एस० एष० अञ्बास भाबिदी,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-श के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रा. से अधिक है

ष्रीर जिसकी सं० शाप नं० 16, तलमाला, "ट्रवीन टावर्स" विहलेज भोशिवरा, चार बंगला, श्रंधेरी (प०) बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची है श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम अधिकारी के कार्यीलय में रजिस्ट्री है तारीख 15-9-1983

कां पूर्वीक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दूरममान्
प्रतिफल् के लिए इंतरित की गई हैं और मृके यह विकास
करने का कारण है कि संशापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मृत्य, उसके दूरमान प्रतिफल से, एसे दूरमान प्रतिफल का
पन्त्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण जिल्लित
के बास्तविक इय से किंबित महीं किया गया है है----

- (क) अभ्यारण से हुई किसी भाग की वावत, उच्छा क्षिणियम के अभीत कर बंगे के अन्तरक के खिराल में कभी करने या उससे अचने से सुविधा के लिए; और/या
- (क) इसे किसी बाय ना किसी धन या बन्स जास्तिकों को जिन्हों भारतीय जायकर जिन्हों भारतीय जायकर जिन्हों भारतीय जायकर जिन्हों में 192% (1922 का 11) या उक्त जिन्हों नियम, या धने कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) जै प्रयोजनार्थ जन्तिरिती व्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के किए:

श्रतः, अब्द, उक्त अधिनियमं की भारा 269-गं के अनुसरण जो, जो, उक्त अधिनियमं की भारा 269-वं की उपनास (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अधीत् ः—— 1. मै॰ इन्दरजीत प्रोपर्टीज प्रायवेट लिमिटेड (अन्तरक)

2. श्री दयाणंकर सरज् प्रसाद चौसीया (अन्तरिती)

को यह स्वना वारी करके पूर्वोक्तः सम्मृतिः के वर्वन के जिल्ला कार्यवाहियां कारता हु।

उक्त सम्मत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 विन की भविभ या तत्सम्बन्धी स्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्कीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, श्री उपके अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

शाप नं० 16, जो तल माला ट्रियन टावर्स, (निर्माणा-धीन इसारत), प्लाट सं० 41 (पार्ट), व्हिलेज घोशिवरा, चार बंगला, प्रांधेरी (प०), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37ईई/6591/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 15-9-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

एस० एन० अञ्बास आबिदी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 14-5-1984

मीहरः

प्रकृष कार्यं, टी. एन. एक

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (मिरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 14 मई 1984

निर्देश सं० अई-2/37र्देह/6822/83-84—अतः मुझे, एस० ए**५० अ**ब्बास आबिसी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 205, 2री मंजिल, ग्रंधेरी हवा-महल को-आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, डा० घरनसिंग कालनी रोड़, चकाला, ग्रंधेरी (पूर्व), बम्बई-400093 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है),

श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 28-9-83 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिपत्त के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिपत्त के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिपत्त से, एसे स्थमान प्रतिपत्त का पंत्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया शितफल, निम्निजिचित उच्चेष्य से उक्त अंतरण लिचित में बास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, सक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; औद्ध/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में तुविशा के लिए;

जतः अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिचित व्यक्तियों, अधीत्ः ---

1. श्री अगरफ मोहमदहुसैन भावनगरवाला

(अन्थरकः)

2. खिमाईबेन मनणी शाह

(अन्तरिती)

3. अन्सरक

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभीग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप--

- (क) इस स्वारा के राजपुत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना कि तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतार उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्ठीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुस्ची

पर्लंट नं० 205, 2री मंजिल, ग्रंधेरी हवा-महल, को-आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, डा० चरतसिंह कालनी रोड़, चकाला, श्रंधेरी (पूर्व), धम्बई-400 093 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-2/37ईई/6822/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक <math>28-9-83 की रंजिस्टर्ड किया गया है।

्स० एच० अव्धास आविदी सक्षम प्राधिकारी सिहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारी**ख**: 14-5-1984

मोहर 🛭

प्ररूप आर्घ टी एन एस

बावफर विश्विषयम्, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के बधीन स्थना

प्रारत दरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, धम्बर्ध

बम्बई, दिनांक 14 मई 1984

निर्देश सं० अई-2/37ईई/6760/83-84--अत: मझे, एस० एच० अब्बास आबिदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है।, की 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० युनिट सं० 105, रवी इंडस्ट्रियल इस्टेट, महाकाली केह्नण रोड़, श्रंधेरी (पूर्व), बम्बई-400 093 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधि-नियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय मे रजिस्टी है, तरीख 19-9-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह दिख्दास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दुरयमान प्रतिफल से, एसे दुरयमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अंतरकाें) और अन्तरिती (बंतरितियों) के बीच ए से बन्तरण के सिए तय पाया गया प्रति-क्रम निम्मसिवित स्थ्यपेन से स्मत मन्तरण निवित में वास्तविक क्य से कार्यित नहीं फिला नवा है रू---

- (क) मन्तरण से हुई किसी नाव की बाबत उक्त निध-नियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सविधा के मिए; थीर/वा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन या जन्य शास्तियों को, चिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विभिनियम या भन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवादिनार्थं अन्तरितौ द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन . निम्नेलिखित व्यक्तियों , अर्थात :---13 -126GI|84

1. मेसर्स डिम्पल एन्टरप्रायसेस

(अन्तरक)

2. श्री प्रतापचंद्र ग्रीर अशोक एस० शोड़ी

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वांक्त सम्परित के वर्षन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस स्थाना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर न्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति व्यक्ति :
- इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिविधत में क्षेत्र का सकांगे।

स्वच्यीकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया सवा है।

अन्स्ची

यनिट सं० 105, जो रवी इंडस्ट्रियल इस्टेट, प्लाट नं० 25, महल इंडस्ट्रियल इस्टेट, महाकाली केह्नज रोड़, ग्रंधेरी (पूर्व), बम्बई 400 093 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० मं० अई-2/37ईई/6760/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 19-9-1983 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> एस० एच० अब्बास आबिदी सक्षम प्राधिकारी (सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 14-5-1984

मोहरु 🕸

प्ररूप आइ. टी. एन. एस.

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 14 मई 1984

निदेश सं० अई-4/37जी/17/83-84—अतः मुझे, विजय रंजन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित आजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं सी०टी० एस० नं 1772 शौर एस० सं 120/3, आफ विलेज गराय, तालुका बोरिवली, बम्बई-92 में स्थित है (शौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याद्धय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 26-9-83

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि खित में वास्तिकक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुइ किसी नाय की नायत, अक्त जीधीनयम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन अन्य शास्तियों को जिन्हें भारतीय नायक,र अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उत्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविधा के सिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्रीमती ज्यूली सी० डिमेली

(अन्तरक)

2. श्री ईं० जे० अल्वेज

- (2) एफ० मेरी वाइफ आफ ई० अल्वेज
- (3) बी० अल्फान्सो
- (4) ए० एस० मास्केरहन्सो
- (5) टी०एफ० डिसोझा
- (6) एम० अल्फान्सो

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि वा तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिसित में किए जा सकोंगे।

स्पटीकरण:--इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्यों का, जो उत्तर अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया नया हैं।

अनु**सूची**

अनुसूची जैसा कि विलेख सं० डिड एस० नं० 1226/ 82 और जो अपररजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 26-9-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> विजय रजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख: 14-5-1984

प्ररूप आई. टी. एन एस

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 मई 1984

निर्वेश सं० अई-2/37ईई/3404/83-84---अतः मुझे, एम० एच० म्रज्वास अविवी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक हैं

और जिसकी सं गाप नं 9, तलमाला, लक्ष्मी दर्शन, बजाज रोड़, विलेपालें (पिष्चम), बम्बई-56 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत हैं), और जिसका करारनामा आयदार अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के लार्यालय में रिजस्ट्री हैं तारीख 12-9-1983 को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरणुसं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री लक्ष्मीदास के० ठक्कर

(अन्तरक)

श्री नरसीभाई शामजी
 श्रीमती लक्ष्मीबेन नरसीभाई

(अन्तरिती)

3. अन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पर्िस के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिया में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार्श्व निक्षित में कियो जा सकागे।

स्पद्धीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

शाप नं० 9 जो, तलमाला, लक्ष्मी दर्शन, बजाज रोड़, विलेपार्ले (पश्चिम), बम्बई-400 056 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-2/37ईई/3404/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 12-9-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

एस० एच० अब्बास अबिदी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 14-5-1984

मोहर 🕸

प्रकल् नाड् टी रम् एव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के सभीन सूचना

भारत् सरकार

कार्यासय, सहायक जायकर जायुक्त (निर्दाक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 मई 1984

निर्देश सं० अई--2/37ईई/6477/83--84---अत: मुझे, एस० एच० अब्बास आबिदी,

बायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के बधीव सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० माला नं० 136 और 137, पहली मंजिल मिट्टल इस्टेट बिल्डिंग नं० 3, अंधेरी कुर्ला रोड़, बम्बई 400 059 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत हैं), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं, तारीख 5-9-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से इर्इ किसी बाय की वाबत, उबत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कसी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए; और/वा
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्त्रियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 है 1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के सिए पी

अतः अव, उक्त अधिनियम् की धारा 269-ग के अनुमरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग का उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिंग व्यक्तियों, अर्थात् हु—— श्री ब्ह्री० आर० तिक्रेवाला (एच० यू० एफ०),
 प्रोपराइटर रानेबो सिन्धेटिक्स एन्ड इंबस्ट्रीज।

(अन्तरक)

2. श्री बाबूराम जनादंन शेणांय और प्रकाश वामन नायक

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यविद्वियां करता हुं।

उक्त सम्पृत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के एजपत्र में प्रकाशन की तारीच वे 45 दिम की अविभिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविभि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिल्लामियम के अध्याय 20-क में प्रिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मगस्यी

माला सं० 136 और 137, जो पहली मंजिल, मिट्टल इस्टेट बिल्डिंग नं० 3, अंधेरी कुर्लारोड़, बम्बई-400 059 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अई-2/37ईई/6477/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-9-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

एस० एच० अन्बास आबिदी सक्षम प्राधिकारी (सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख 14-5-1984 मोहरः प्रकृप आई टी एन एस

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज़ (1) के वधीन सुचना

भारत सर्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 मई 1984

निर्देश सं० अई-- 2/37ईई/6509/83-84--अतः मुझे, एस० एच० अञ्चास आधिदी,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- के अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 2, 1ली मंजिल, "ए" विंग, व्हिनेज कोडियटे. तालुका अंधेरी बी० एस० डी० सर्वे नं० 100 हिस्सा नंबर्स 2 और 4 और सी० एस० बंबई 180, 181 और 182 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टी है, तारीख 10-9-1983

को पूर्वित्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से काम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके शश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तो पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण सिकित वे वास्तिक रूप से किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस उक्त अधि-निवन के क्षीन कर दोने के अन्तरक के दावित्व में क्षती करने वा उक्ते वृत्वने में वृत्विमा के निष्; और/वा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अक्षेपनार्थ अन्तिरिती इवारा प्रकट कहीं किया गया था वा किया जाना जाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः--- 1. मेसर्स कृष्णकुभार अंग्ड कम्पनी

(अग्तरक)

(1) श्री के० रामचन्द्रन और
 (2) श्री के० सहदेवन

(अन्तरिती)

को यह सूचना बाटी करके पूर्वोक्त सम्पतित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करका हूं।

उक्त सम्मृत्ति के कुर्पन के सम्मन्ध में कोई भी आक्षेप ह--

- (क) इस सूचना के राजपूत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 बिन की अविधि या तत्सम्बन्धी अमिक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सबिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्मित्यों में से किसी स्मित्त दुनारा;
- (क) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की ताड़ी कु हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्कत में हित-क्ट्रभ किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्ष्री के पास सिवित में किए जा सकरेंगे।

स्वव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त शंख्यों और पर्यो का, जो उक्त जीधनियम के नध्याय 20 क में परिभाविस है, वहीं वर्ष होगा जो उस मध्याय में विका न्या है।

<u> जन्तुची</u>

पर्लंट नं० 2 1ली मंजिल, "ए" विंग, बिलेज कोश्विन्टे, तालुका छंधेरी बी० एस० डी० सर्वे नं० 100 हिस्सा नंबर्स 2 और 4 और सी० एस० बंबई 180,181 और 182.

अनुसूची औसा कि कि के सं अई-2/37ईई/6509/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-9-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

एस० एच० अब्बास आबिदी सक्षम प्राधिकारी (सहायक आयकर आयुक्त (लिरीक्षण) अर्जन रॉज-2, बम्बई

तारीख: 14-5-1984

मोहर 🕄

प्रस्प जार दी एन एस

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-मं (1) के अधीन स्थाना

भारुत सर्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 मई 1984

निर्देश सं० अई-2/37ईई/6317/83-84---अतः मुझे, एस० एच० अञ्चास अबिदो.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- को से अधिक है

और जिसका सं० फ्लैट नं० 27 ,पंचिशिल पंजाब नेशनल आफिसर्स की-आप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, नं० 111 विरा देसाई रोड, अंधेरी (पश्चिम), बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 19619 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-कारी के कार्यालय, में रिजस्ट्री है, तारीखा 1-9-1983 को पृथींक्त सम्पत्ति के उश्वित बाजार मूल्य से कम के द्वरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई और मुभे यह विष्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्विष्य से उसत अन्तरण कि निम्

- (या) अन्तरण से हुइ किसी नाम की नानतः, उक्त विभिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में तृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था स्थिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— 1. श्री जेठानंद लोक्मल भाटिया

(अन्तरक)

2. श्री बालकृष्णा मोदी औंज कर्ता आफ हिज एच० यू० एफ०

(अन्सरिती)

3. अन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिकित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, को उस अध्याय में विया गया है।

अन्स्की

फ्लैंट नं० 27, पंचिशिल पंजाब नेशनल आफिसर्स को-आप हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड नं० 111 विरा देसाई रोड़, अंधेरी (पश्चिम), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं अई-2/37ईई/6317/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी ,बम्बई द्वारा दिनांक 1~9-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

एस० एच० ग्रस्मास अविदी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 14-5-1984

प्रथम नार्षः दी, एन् एवः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, विनांक 14 मई 1984

निर्वेश सं० अई-4/37जी/18/83-84----अतः मुझें, विजय रंजन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित् बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० सी० टी० एस० नं० 1772 श्रौर एस० नं० 120/3 व्हलेज गोराय, तालुका बोरवली, बम्बई-92 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 26-9-1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उच्चेत्रय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्ही भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, अर्थाक :--- 1. श्रीमती श्री० एम० डिनेलो

(अन्तरक)

- 2. (1) ए० जे० अलवेज
 - (2) एफ॰ मेरी
 - (3) बी॰ अल्फान्सो
 - (4) ए० एस० मास्कोरहन्स
 - (5) टी० एफ० डिसोजा
 - (6) एम० अल्फान्सो

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पृषींक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजधत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दा और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय बौं दिया गमा है।

अनुस्ची

अनुसूची जैसा कि विलेख सं० डिंड एस० नं० 1227/ 82 भीर जो उपरजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 26-9-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जेम रेंज-4, क्षम्बई

चिनकि: 14-5-1984

मोहर 🤋

प्रस्यु, आई, टी., एम., एस

मायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सभीन भूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 मई 1984

निर्देश सं० अई-2/37ईई/6821/83-84-अतः मुझे, एस० एच० अध्वास आविदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृख्य 25,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 22, रोकांखिया निकेतन, मौजें मोगरा, पारसी पंचायस रोड़, अंधेरी (पूर्व), बम्बई-400 069 में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण- रूप से विजित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधि- नियम 1961 की धारा 269क, ख के अधी बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 27-9-1983

को पूर्वोक्त संस्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि ग्रथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे ख्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्निविचित उद्भवेष्य से उक्त अंतरण लिचित में बास्तिथक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की नावत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; आर/या
- (स) ऐसे किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशांजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुधिधा के लिए;

जतः नवः, उत्तत निमित्रम की भारा 269-ग के जनुसरक मों, मों, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) की अधीन, निम्नलिखिख व्यक्तियों, अधीत् रू—— 1. मै॰ रोकाडिया एन्टरप्राइसेस

(अन्सरकः)

2. श्री किशोर एम० मेहसा

(अन्तरिती)

की यह त्वना बाएी करके पूर्वीयत संस्पाति के अर्थन के लिए कार्यमहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में की हैं भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकारी।

स्पन्नीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, यो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही वर्ष होगा, यो उस क्ष्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

प्लैट सं० 22, जो 2री मंजिल, रोकाडिया निकेतन, सी० टी० एस० नं० 141बी, एस० नं० 50 हिस्सा नं० 3 एफ—मौजें मोगरा, पारसी पंचायत रोड़, श्रंधेंरी (पूर्व), बम्बई-400 069 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37ईई/6821/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा धिनांक 27-9-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> एस० एस० अब्बास अबिदी सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बस्बई

तारीख: 14-5-1984

श्रस्त्य आर्ड्⁴. टी. एन. एस

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीम सुमना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बस्वई

बम्बई, दिनांक 14 मई 1984

निर्देश सं० अई-2/37ईई/6479/83-84--अतः मुझे, एस० एच० अब्बाम आबिदी,

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्त्राम कारने का कारण हैं कि स्थावर मम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 8, "बीं" बिल्डिंग, मुख्यवयाक की-आपरेटिव हार्जिंग सोक्षायटी लिमिटेड, मणपुरी, श्रंभधेरी (पूर्व), बम्बई-59 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बिणत है), श्रीर जिसका करारनाना आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई में मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तरीख 5-9-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान पतिफल के जिए अंतरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास फरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फन निम्निसित उद्देश्य से उक्त अंतरण निस्तित में बास्तिक क्ष्म से कथित नहीं किया गया है द—

- (क) अन्तरण सं हुए किसी काथ की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के भिए; और/मा
- (म) एसी किसी आय या विशा भन या अस्य आरिसभों को जिल्हों भारतीय काय-आर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उतत अधिनियस, वा भनकर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या जिल्हा जाना चाहिए था, रियाने भी स्विभा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् ६—— 14 —126G[84 1. श्रीमती सननाम कार

(अन्तरफ)

2. श्री दाविंदर सिंह

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत सं 45 दिन की अविधिया तत्मम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वितत स्युक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वाच ।
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सभ्यत्ति में हित्यक्ष किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्त में विष्णु का सर्वाच

स्पध्यीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पृद्धों का, जो जबत अधितियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

मन्सूची

भ्लैंट नं 8, "बीं' बिल्डिंग, सुखदायक की-आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, मणपूरी श्रंधेरी (पूर्व), बम्बई-59 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37ईई/6479/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-9-1983 की रिजिस्टर्ड किया गया है।

एस० एस० अध्यास आविदी सक्षम प्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, धम्बई

तारीख: 14-5-1984

प्ररूप वार्ड, टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) को अधीन सूचना

आरत् व्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 अम्बई

बम्भई दिनांक 14 मई 1982

निदेश सं० अई०-2/37ईई/6586/83-84—अतः मुझे आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निष्यास करने का धारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित शाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी मं० फ्लैट नं० 1 बी तलमाला प्लाट नं० 60 ग्रौर 61 पर निर्माणाधीन इमारतें जो बामनवाडा महार क्लिंज, ग्रंधेरी (पूर्व), में 400063 हैं तथा जो श्रंधेरी बम्बई में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप मे विणत है), ग्रौर जिसका ईकरारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धरा 269 क ख के ग्रंधिन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के काथाँलय में रिजस्ट्री है दिनांक 15-9-83

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई ही और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण ही कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफस से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिहात से अधिक ही और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) को बीच ऐसे बन्तरण के सिए तय पाया गवा प्रतिफल निम्नसिवित उद्वेद्य से उच्त क्लारण मिचित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गवा है :---

- (अ) अन्तरण से हुई कियी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक की खड़ियरण में अभी करने या उससे बच्चने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एमी किसी आय या किसी धन या किसी आस्तियों को, अन्हें भारतीय आय-अर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-अर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया वा का किया जाना चाहिए वा, डिपान में मृदिधा के लिए;

सत्त भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधार (1) ■ अधीन, निम्निलिखत व्यक्तिस्यों, अर्थात् :— (क) मैससं नव बहार बिल्डर्स

(अन्तरक)

(2) श्री वाल्टर डिसोजा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उसत संपत्ति को कर्णन् को संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कर्स से 45 दिन की अविध या तत्सं बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उसत स्थावर संपत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति व्याप्त अथाहस्ताक्षरी के पाम लिसित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम् के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया हैं।

मन्स्पी

फ्लैट नं० 01बी, जो, प्लाट नं० 60 श्रौर 61 में निर्माणाधीन इमारत के तलमाला में होगा, वा बासनबाड़ा, सहार विहलेंज, श्रंधेरी (पूर्व), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची की ऋ० सं० आई--2/37ईई/5686/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 15-9-83 को रिजस्टड किया गया है।

> ास० एच० अब्झास अविदी सक्षम प्राधिकाारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अम्बर्ध।

दिनांक: 14-5-1984

प्ररूप आहैं. टी. एन. एस

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर भायक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-2, म्बबई

बम्बई, विनांक 14 मई 1984

निदेश सं० **अई-**2/37ईई/6820/83-84—-अतः मुझे, एस० एच० प्रव्वाम अविदी

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उच्चित बाजार मृत्य 25,000/- रूपये से अधिक है

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत उक्त अर्थ-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों कर्त, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या गर-तर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकारायों अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सूनिधा के लिए:

अत: अब, उन्तर अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) रोकिंडया इन्टरप्राइजेज

(अन्तरक)

(2) श्रीमती भट्ट सरोजबेन हरशदराय श्रीर भट्ट हरशद राय मोतिराम

(अन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियां
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क. में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्सची

पलैट नं० 63, जो, 65ी मंजिल, रोकड़िया निकेतन, सीटीएच नं० 141, बी, एस० नं० 50, हिस्सा नं० 3एफ मौजे मोग्रा, पारसी पंचायत रोड, श्रंधेरी (पूर्व), बम्बई 400069 में स्थित हैं।

अनुसूची जैसा कि कि सं अई-2/437ईहै/6820/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-11-83 को रजिस्टड किया गया है।

एस० एच० अब्बास अबिदी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई।

दिमांक: 14-5-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 14 मई 1984

निर्देश गं० अर्ध-3/37ईई/4011/83-84—यतः मुले एस० एच० अब्साम अविदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मूल्य 25,000/-उ. मं अधिक है

श्रीर जिसकी संव फ्लैंट नंव 604 "जमुना महल" प्रभात कालोनी प्लाट नंव 73, टींव पींव एमव सांताकुज (पूर्व), बस्बई-55 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप से वणित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269कख के अधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 30-9-83

को पूर्वेक्ति संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के शश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रांत्रश्चत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और मंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उव्वश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप में कीथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण स हुई किसी जाय की बाबत, उक्स अधिनियस के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे यचने में मृविधा के शिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्नियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-गार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बत: शब, उक्त बिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तितां, अर्थात् :--

- (1) मेसर्स जमनादास एम० चांकसी और असोसिएट्स (अन्सरक)
- (3) श्रीमती पुष्पा भाटिया श्रीर णांसिकुमार शांतिकुमार गोर्थकनदास भाटिया

(अन्तरिती)

को यह सुभना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उसत सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्टाक्षर के पास सिसित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गमा है।

अनुस्ची

फ्लैट नं० 604 ''जमुना महल', प्रभात कालोनी प्लाट नं० 73, टी० पी० एग० मान कुज (पूर्व), बस्बई-55, मे स्थित है।

अनुमूची जैसा कि करु सं अई-2/37ईई/4011/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 30-9-1983 को रिजस्ट्रिड किया गया है।

> एस० एच० अब्बास अबिर्दा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

नारीख: 14-5-1984

प्ररूप बार्द. टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक जायकर आयुक्त (निरोक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 9 मई 1984

निदेण मं० अई/3/37ईई/4045/83-84---अतः मुझे, ए० लिहरी,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का फारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० श्री-33, वासुकी, 7वा रास्ता, राजाबाड़ी, विधाविहार, बम्बई-77 में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबढ़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण एप से बर्णित है), ग्रीर जिमका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, वम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 2-9-1983

को पूर्वेक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिषात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय मामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, डाक्त सिधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायिस्व में कमी कारने या उससे बचने में सुविधा के सिए; आरि/बा
- (स) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण मो, मो, उका अधिनियम की भाग 269-घ कर उपधारण (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थार क्ष्म्य (1) अपित निमिटेड

(अन्तरक)

(2) श्री गुलाव राजपाल गाहा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के गर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं ।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावार संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसृची

प्लॅंट नं० वी-33, वासुकी, 7वां रास्ता, राजावाड़ी, विद्याविहार, वस्वई-77 में स्थित है।

अनुसूची जैमा कि करु मंठ अई-3/37ईई/1284/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी , वम्बई द्वारा दिनांक 2-9-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ्र० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त (निर्राक्षण) अर्जन रेंज-।।, बम्बई।

विनांक: 9-5-1984

प्ररूप आई.टी.एन.एस.

आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 11 मई 1984

निवेण सं० अई-3/37र्डई/4030/83-84—अत:, मुझे, ए० लहिरी,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संव मृत्रुंड राजिबला को-आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, ग्राउण्ड फ्लोर, बीव पीव एसव क्रांस रोड, नंव 3, मुलुंड में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणित है), ग्रीर जिसकी करार-नामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के,ख के अधोन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री-है, तारीख 2-9-1983

कां पूर्वोक्त संपत्ति के उच्चित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथामूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 19(7 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिसिस व्यक्तिताों, अर्थात् :--- (1) श्री चेरियन कुरियन क्मार।

(अन्तरक)

(2) श्री माधवा शामराया शेट्टी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हिसबस्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकाँगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

राजविला को-आपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड, बीं० पी० एस० क्रांस रोड नं० 3, मुर्लंड (प), बम्बई-80 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं अई -3/37ईई/1299/84 और भी सक्षम प्राधिकारी, त्रम्बई द्वारा दिनांक 2-9-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेंज-॥।, त्रम्बई

दिनांक: 11-5-1984

प्रस्प आहाँ. टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3 बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 मई 1984

निदेश सं० ए०अई०-3/37—ई०ई०/4031/83-84— अस, मुझें, ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उपत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उवित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ष्मौर जिसकी सं० 5/83, क्यू णास्त्री नगर, मृलूड कांलनी के पीछे, बम्बई—82 में स्थित है (श्रीर इसमे उपावज अनुसूषी में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 2-9-83।

को पृषेक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृष्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :—-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की नावत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी कारने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (म) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुविधा के लिए;

आत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) कुंअधीन, निम्निलिखिल व्यक्तिरायों, अर्थात :--- (1) श्री पी० डी० नाय हु।

(अन्तरक)

(2) श्री गोपालदास एम० लाला ग्रौर श्रीमती आणा गोपालवास लाला ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

बन्स्ची

5/83, न्यू भास्त्री नगर, मुलंड कालोनी के प्राष्ट्री, बम्बई-82 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि ऋ०मं० ए०आई०-3/ 37-ई०ई०/ 1301/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-9-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज−3, बम्बई

दिनॉकः : 11--5--1984

मोहर 🌣

प्रस्य बादौ. टी. एन. एस.

अरबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजंन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 14 मई 1984

निदेश सं० ए०अई०-3/37—ई०ई०/3085/83-84--अतः, मुझे, ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अधित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

श्रौर जिंसकी सं० फ्लैंट नं० 41, "बीँ विंग, 4थी मंजिल. "निलिमा अपार्टमेंटँ, जंगल-मंगल रोड, भाडांप, बम्बई—78 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से निलित है), श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजिस्ट्री है, तारीख 2-9-1983

बम्बद्ध क कायालय में राजस्ट्री है, तारीख 2-9-1983 को पूर्वोंकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफाल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत संपत्ति का उचित बाजार भल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से, एसे दृश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह्म प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफाल, निम्नलिखित उच्च देय से उचक अन्तरण लिखित में बास्तविक क्य से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के धायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (म) एसी किसी बाय या किसी धन या अत्य आस्तियों कों, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए भा, क्षिपाने में मृतिधा के लिए।

कतः अब उक्त अधिनियम की धार 269-ग के अन्सरण में. भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्षित व्यक्तिकों, अर्थान् :--- (1) मेमर्स गणेण तिफड्म ।

(अन्तर्क)

(2) श्रीमती, गिता आर० शेणांय ग्रौर श्री० बी०आर० शेणांय ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाव में सभाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनव्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनसूची

फलेट नं० 41, "बी" त्रिंग, 4थीं मंजिल, "निलिमा अपार्टमैंट", जंगल-मंगल रोड, भाड़्ष, बस्बई-78 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी क्र॰सं॰ ए॰आई॰-3/37-ई॰ई॰/ 1341/न3-84 श्रौर जो गक्षम प्राधिकारी, वस्वई द्वारा *दिनांक 2-9-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० तहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज−3, बम्बई

तारीखा: 14-5-1984

प्रकल बाही, टी. एर.. एड

आयकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याजय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, विनांक:14 मई 1984

निदेश सं० ए०आई०-3/37-ई०ई०/3079/83-84--अतः मुझें, ए० लहिरी,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परजात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उजित नाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 5, प्लांट नं० 4, सी०टी० एस० नं० 278, कांता अपार्टमेंट्स, वाधवली व्हिलेंज, खेंबूर, बम्बई—74 में स्थित है (ग्रीर इससे उपायब अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 2 सितम्बर, 1983।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितों) के बीच एसे अंतरण के सिए तय पाया गया प्रतिक कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गवा है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाव की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अवने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी भाग या किसी भन या बन्स बास्तियों को, जिन्हें भारतीय आगकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती वृवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् १--15---126GI|84

(1) मेसर्स सुप्रिम विस्डर्स ।

(अन्तरक)

(2) ग्रोमप्रकाश राम।

(अन्तरिती)

(3) भेसर्ज मुप्रिम निडल्सं।

(गह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पति है)

को यह सुचना जारी काउके पूर्वीक्त संपृत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कसे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यक्कीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उथा अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

न्तृसूची

पलैट नं० 5 फ्लॉट नं० 4, सी०टी०एस० नं 278 कांता अपार्टमेंटस वाघबली विहलेज मेंम्बूर, बम्बई-74 में स्थित है। धनुसूची जैसाकी क०सं० आई०-3/37-ई०ई०/1342 /83-84 और जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनांक 2-9-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-III; बस्बई

दिनांक: 14-5-1984

मोहर ४

प्रस्प बाइं.टी.एन.एस.

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 मई 1984

निदेश सं० आई०-3/37-ई०ई०/2946/83-84--अतः मुसे, ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)। (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विस्थास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, विस्था अधिक वावार मृश्य 25,000/ क. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० पलैंट नं० 205, "ए" विंग, विला को-आंपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, एस० व्हि, रोड, मालाड (प०), बम्बई में स्थित है इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 2 सितम्बर, 1983। को पूर्वीक्त संपरित के अचित बाजार मृत्य से कम के ध्यमान द्रितिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पुनोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मल्य. उसके दृश्यमान प्रतिकाल से एसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरित (अंतरितियां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देशों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तर्भ से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक कें दायित्व में कभी करने या उससे अधने में स्विधा के लिए; और्/मा
- (क) एसी किसा आय या किसी धन या बन्य बास्तियों की, जिन्हें भारतीय लाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मा सविभा के लिए:

कतः अब, उसत अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के सधीन, निम्नितिश्वत व्यक्तियों अर्थात् (--

(1) श्रीमती सुशीला गिरिश दारजी

(अन्तरक)

(2) श्री इनवाल हैसैन अन्दुल गफ्र लाशकर

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती

(बह् व्यक्ति,

जिसके अधिभोग में सम्पक्ति है)

(4) श्री अब्दुलगफार खुरशदअली लाशकर

(वह व्यक्ति जिसके वारे में अधोहस्ता-क्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में दिनबद है)।

हितबद्ध है)।

का यह सुणना जारी करके पूर्वितत संपरित के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन् के सुम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ह्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में क्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में कियू जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उचत अधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, बही अर्थ होगा जो उस गध्याय में दिया गया है।

सन<u>ुस</u>्ची

फ्लैंट नं० 205, "ए" विग, सहकार विलाको-ऑप हाउसिंग सोक्षायटी लिमिटेड, एस० व्हि० रोड, मालाड (प), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी कि०सं० आई०-3/37-ई० ई०/ 1250/83-84 घोर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2-9-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज−3, बम्बई

विनांक: 11-5-1984

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.

नायकर क्भिन्यसं, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजंन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 9 मई 1984

निदेश सं० आई०-3/37/ई०ई०/4044/83-84---अतः मुझे, ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० गाला नं० 17, श्राउंड फ्लोर, गौतम उद्योग भवन, एल०बी० शास्त्री मार्ग, बम्बई—78 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रिधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 2 सितम्बर 1983 को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए शन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जीवत बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशा से प्रधिक है पीर पन्तरक (प्रन्तरकों) श्रीर अन्तरित (प्रन्तरितयों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त भन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथिन नहीं किया गया है:——

- (स) धन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत, उक्त भक्ति-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उनने बचने में मुविधा के लिए; और/या
 - (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उथत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना वाहिए था, छिपान में संविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 260-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीतः--- (1) मेसर्स मोतोराम तोलाराम

(भन्तरक)

(2) श्री खिमजीभाई रतनशी नागडा

(ग्रन्तरिती)

(3) अन्तरक (वह व्यक्ति जिसके श्रधिकोग में सम्पति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, आंभी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यवसार;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विचित में किए जा सकरेंगे।

स्पध्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त घब्दों और पदों का, जो जनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्**स**ची

गाला नं० 1'7, ग्राउंड फ्लोर, गौतम उद्योग भवन, एल०बी० शास्त्री मार्ग, बम्बई~78 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा की फ़॰सं॰ ग्राई॰-3/37-ई॰ई/ 1288/83-84 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2 सितम्बर 83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्राधकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बंम्बई।

दिमांकः : 9--5-1984

प्रकृष आहें. थी. एन. एस

आयकुर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुमना

गाउँव व्यवस

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

थ्रजन रेज-3, बम्बई

बम्बई, बिनांक: 10 मई 1984

निदेश सं० श्राई०-3/37-ई०ई०/2885/83-84--श्रतः मझे, ए० लहिरी,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 5, प्लॉट नं० 146, कृष्ण कंज, 14 वा रोड, चेंबूर, बम्बई—400 071 में स्थित हैं
(और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिनयम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम श्रीधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजीस्ट्री हैं, तारीख 2 सितम्बर, 1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ने यह विद्यास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान श्रीतफल से एसे दृश्यमान श्रीतफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नीलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-

विक रूप से की धत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधि-निषम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ष्टिपाने के सृविधा के लिए;

नत अनन , जनत निधितियम की धारा 269-ए के बन्सरण में, में, उनत निधितियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के नधीन ुर्वित्वित व्यक्तित्यों ज अर्थात् ा— (1) श्री टी॰एस॰ गोपालन्

(भ्रन्तरक)

(2) श्री श्रविजित प्रामाणिक

(ग्रन्तरिती)

(3) अन्तरक

(बह व्यक्ति जिसके अधिभोग नें ौम्पति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप हु---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन की अविध या तत्संबधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास निष्यत में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

पसेट नं० 5, प्लॉट नं० 146, कृष्ण कुंज, 14 वा रो**ड, मेंबूर, ब**म्बई—400 071 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकी ऋ०सं० श्राई०-3/37-ई०ई०- 1223/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 2-9-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण); श्रर्जन रेंज-3, बम्बर्ष

ताराख: 10-5-1984

मोहरू 🏻

प्रक्ष कार्षः, टी. एन् । एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

ज्ञारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज-3, अम्बर्ड

अम्यई दिनांक: 9 मई 1984

निदेण सं० श्राई०-3/37–ई०ई०/4037/83–84––श्रतः मुझे, ए० लहिरी,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

- ग्रीर जिसकी सं० सर्व्हें नं० 773 प्रीर 774, स्ट्रिंट नं० 509 ग्रीर डा० कुर्ला नालूका, कुर्ला०बिड्डिंग समेत में स्थित है) ग्रीर इससे उपाबंब ग्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा भ्रायकर ग्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रेबीन संक्षम प्राधिकारी, वम्बई के कार्यालय में रजिस्टी है, नारीख 2-9-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्वरिय से उक्त मंतरण मिनिलिखत मूँ बास्सिक्स क्यू है स्थित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किती आब की बाबत, खक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; औड़ /या
- (ख) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय अगय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्-कर अधिनियम, या अन्-कर अधिनियम, या अन्-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, ख्रिपाने में सुविधा के लिए;

जतः। मृक्, उक्त जभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण, कीं, भी उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन_ा निम्नितिखत व्यक्तियों, अर्थात् ह—-

- (1) श्रीमती झबेदाबाई विझरग्रली मोतीकाला
 - ू (भ्रन्तरक)
- (2) श्रीमती प्रेम दिनानाथ पहुजा श्रौर श्री० नलीन श्रोम प्रकाश पहुत्रा (अन्तरिती)
- (3) भाडूत

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को बहु सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पृत्ति के कर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित् ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा स्केंगे।

स्थव्हीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगर जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

भनुसूची

सन्हें नं० 773 श्रीर 774, न्यू सी \circ टी \circ एस \circ नंबर्स 105, 105/1-20, जुर्ला पार्ट 4, वार्ड नंबर्स एल \circ 1926 श्रीर 1927, स्ट्रीट नं० 509 श्रीर 510, जुर्ली तालुका, कुर्ली में स्थित है।

प्रमुक्ती जैसाकी फ॰सं॰ ए॰प्राई॰-3/37-ई॰ई॰/ 1095/83-84 प्रांर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-9-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेज-3, बम्बई

तारीख: 9-5-1984

मोहर 🛭

प्ररूप बार्च, टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म् (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, वम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1984

निर्देश ंसं० अई/-3/37-ई०ई०/2876/83-84--म्रतः मुझे, ए० लहिरो,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 296-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृज्य 25,,000/- रु. से अधिक है •

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 11, बिल्डिंग नं० 3/बी, नित्यानन्द बाग को०-ग्रापरेटिव हार्जिसग सोसायटी लिमिटेड, ग्रार० सी० मार्ग, चेंस्बूर, बम्बई-4000074 भें स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी, मम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 2-9-1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान श्रीतफल के लिए अंतरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में भास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (ंफ) अंतरण से हुई किसी अगय की बाबत, उक्त अधिमियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर/पा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भौ, उपतः अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् ः— (1) श्री सुभाष मासन ग्रौर हरेश मासन

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती कलावंती मेंधराज खत्री

(ग्रन्तरिती)

(3) श्रन्तरिती (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में दिये जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनसूची

फलेट नं० 11, बिल्डिंग नं० 3/बी, नित्यानंद बाग को-म्रांपरेटिव्ह हार्जीसंग सोसायटी लिमिटेड, म्रार०सी० मार्ग, चेंब्र, बम्बई-400~074 में स्थित है।

ग्रनुस्ची जैसाकी ऋ०सं० ग्रई०-3/37-ई०ई०-1217/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, वस्बई द्वारा दिनांक 2-9-1983 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-3, बम्बर्ड

तारीख : 10--5--1984

मोहर 🗈

बरूप आईं.टी.एन.एस

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 मई 1984

निदेश सं० आई०-3/37-ई०ई/4046/83-84---अत: मुझे, ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट सं० बी०-32, वासुकी 7 वा रोड, राजावाडी विद्याविहार, यम्बई-77 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजित है) और जिसका करार-नामा आयक्तर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय रिजस्ट्री है, तारीख 2 सितम्बर 1983।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्तर अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्कत्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (ए957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तितयों. अर्थास् (1) अपित लिमिटेड

(अन्तरक)

(2) श्रीमती, निर्मेला जी० शहा

(अन्तरितीः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्मिरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां श्रूफ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्पाक्षरी के पास लिखित में किये जा सकरो।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयूवत शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

प्लट नं∘ बी-72, वासुकी, 7वां रोड, राजवाड़ी, विद्या-विहार, थमबई-77 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी कल्सं आई०-3/37-ई०ई०/1285/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, अम्बई द्वारा दिनांक 2-9-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंजIII–, बम्बई।

दिनांक: 9-5-1984

मोहर ः

प्ररूप आहें. टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जंन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 11 मई 1984

निदेश सं० आई०-3/37-ई०ई०/4032/83-84---अतः मुझे ए० लहिरी

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

स्रीर जिसकी सं० पलैट नं० 2, ग्राउंड पलोर, "सप्त-सिंधु", स्टेअरकेस (ए०), प्लांट नं० 85, 2 रास्ता, चेंब्र, बम्बई-71 में स्थित है (और इससे उपाबड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित है), और जिसका करारनामा आय-कर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 2-9-1983।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत., उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, अक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री० निर्मल टं मिखजानी

(अन्सरक)

(2) श्री० चनश्याम टी० मखिजानी

(अन्तरिती)

(3) श्रन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जनु के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पूर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए पा सकेंगे।

स्वष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अनुसुची

फलंट नं० 2, प्राउंड फलोअर, "सप्त—सिंधु", प्लांट नं० 85, 2 रा रास्ता, चेंबूर, वस्वई—71 में स्थित है। अनुसूची जैसाकी क०सं० आई०-3/37-ई०ई०/1302/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनोक 2-9-1983 को रिजस्टई किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-3, बम्बई।

दिनांक: 11-5-1984

मोहर 🥫

प्ररूप बाइ . टी. एन. एस

अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायकत (ानराक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 14 मई 1984

निदेश सं० आई०-3/37-ई०ई/2937/83-84 I---अतः मुझे ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

म्रोर जिसकी सं शाप नं 2, ग्राउंड फलोग्नर, फिरवोग मपार्ट-मेन्ट, प्लाट नं मी विशेष १८२, यू हाल रोड, कृषी बम्बई-70 में स्थित है (और इसमे उपान अनुसूची में और पूर्ण रूप से विशेष है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 2 सित-म्बर, 1983

को प्रवेषित सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिपत्त के लिए अन्सरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उणित बाजार म्ल्य, उसके स्वयमान प्रतिपत्त से, एसे स्वयमान प्रतिपत्त का पद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अन्सरितियों) के बीच एसे अन्सरण के लिए तय पाया गया प्रतिपत्त, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है है——

- (क) अन्तर्भ से हुई किसी जाय की बाबत उक्त जीधन नियम के जधीन भर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी काय या किसी धन या अन्य अस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिटी व्वारा प्रकट नहीं िकया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसारण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिख्त व्यक्तियों अर्थात् ६—— 16—126GI|84 (1) मैंससँ मंत्री कुन्स्टुक्शन ।

(अन्तरक)

(2) श्री मोहम्मद अगिन मोहम्मद आय भावा

(अन्तरिती)

(3) अन्तररा

(वह व्यक्ति, जिसके अधियोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन की सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध शव में समाप्त होती हो, भी भीतर प्रविक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना फे राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हित-बद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अशेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्योकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अगस मी

शाप नं० 2, ग्राउण्ड क्लोर. फिरहोश अपार्टमेंट. व्लाट बेंबरिंग सी० टी० एस० नं० 822. न्यू हाल रोड, कुली, बम्बई-70 में स्थित हैं।

अनुसूची जैसा कि कम सं० आई०-3/37 ईई०/1343/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक: 2 सितम्बर, 1983 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० लाहिरो सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

तारीख : 14-5-1984 मोहर ध प्ररूप आव" टी. एन एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्धिण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 मई, 1984

निदेश सं० आई०-3/37 ई०ई०/4033/83-84--अतः मुझे, ए० लाहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इस्में इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25.000/- रु. से अधिक है

25.0007- र. स नामक है
श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 3, पहली मंजिल, बिल्डिंग नं० 2/
श्री, बामोबर पार्क, एल० बी० एस० रोड, जाटकोपर, (प०), वम्बई-86 में स्थित है (श्रीर इससे उपावड अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर सिजका करारनामा आयकर अधि-नियम, 1961 की घारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राथिकारी बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है सारीख 2 सितम्बर, 1983 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्सूह प्रतिशत से अधिक है और वंतरक (अंतरिकों) और अंतरित (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया म्या प्रतिफल निम्मलिखित उद्विश्य से उक्त अंतरण लिखत में वास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है :----

- (क) अंतरम से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) एसी किसी आय मा किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था मा किया जाना चाहिए था, जिंगने में मृथिया के लिए;

अतः अब, उक्रन अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में, भी, उक्रत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः—

(1) श्रीमती पुष्पा विजय खारुजेकर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती भानूमधी पी० मेनन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के जर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माध्येप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तासील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचनी के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितपद्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरीं के पाम जिक्कित में किए जा सकेंग।

स्पक्टिकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम हो अध्याय 20-क में परिभाषित हों, बही अध झरण जो जम अध्याय मा दिया गवा है।

वम्स्यी

पलैट नं० 3, पहली मंजिल, बिल्डिंग नं० 2/डी, दामोवर पार्के, एज० बी० एस० मार्गे, घाटकोपर (पश्चिम), बम्बई— 86 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं०आई०~3/37 ई०ई०/1300/83~84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2 सितम्बर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज∽3, बम्बई

तारीख: 11-5-1984

प्ररूप **भार**्य टीन एन न एस*्*

नायकर अभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नुधीन सुमना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-3, बम्बर्ध

बम्बई, दिनांक 14 मई, 1984

निदेश सं० आई०-3/37 ई०ई०/4021/83-84--अत: मुझे, ए० लहिरी

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को., यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-से गिधिक हैं

 \mathbf{x} ौर जिसकी सं० पलैट नं \mathbf{c} स(-10/3), मैंक्षेर पार्क को० आप-रेटिव हार्जिसग सोमाइटी, 132, 135 सायन ट्रॉम्बें रोड, चेंबुर, बम्बई-71 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं). ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्दी है हारीख 2 सिक्षम्बर, 1983

को पुर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य संकम के दश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है, और मुक्ते यह विक्वात करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उपित् बादार मूल्य, उसके रहमान प्रतिफल से ए'से दश्यमान प्रतिफल का पंदह प्रतिकात से अभिक ही सौर जन्तुरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिकत, निम्मृशिखित उद्दर्शय से उदत बन्तरण सिवित में भारतिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी नाम की धान्त उक्त जीध-निवय के मधीन कर दोने के वन्तरक के वादित्य में कमी करने या उससे क्यने में तुविधा के सिए; मोर/गा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हां भारतीय नाय-कर निभनियम, 1922 (1922 का 11) या अवत अभिनियम या धनकर विभिन्सिम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए:

अतः अन्त, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के बधीन, निम्निनिकित व्यक्तियों , वर्षात् ए---

(1) कुमारी कांता काराचन्द सारंगधर भौर श्री पुरुषोत्तम ताराचन्द सारंगधर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती स्वरन कार सेठी

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती (वह व्यक्ति, जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचनाजारी करको पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्थन को लिए कार्यवाहियां करता हुः।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ु---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृघाँकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवास;
- (ख) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

न्यच्दोकरण:----इसम् प्रयुक्त शब्दों और पदौं का अो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं., बही अर्थ होगा जो उस अध्याद में दिया गया 🛣 🕮

फ्लैट नं० सी∸10/3, मैत्री पार्क को० आपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी, 132, 135, सायन दम्बिं रोड, चेंब्र, बम्बई-71 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्रमसं० आई० – 3/37 ई०ई०/1336/ 83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2 सितम्बर, 1983 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 14-5-1984

मोहार 🗈

प्रक्य मार्च हो हो हो गुन् हु एक्

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 मई, 1984

निषेश सं० आई०-3/37ई० ई०/2909/83-84--अत: मुझे, ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भाषा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

मौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० ए-18, वासुकी, सातवा रास्ता, राजावाडी, विद्या विहार, बम्बई-77 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 2 सितम्बर, 1983

कीं पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार्रे) और अंतरिती (अन्तरितिगी), के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तर्य से हुई किसी आयु की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के सिए; और/वा
- (ख) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवः, उन्तः अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसूरण की, भी, उन्तः अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) की अधीरा निम्मसिचित स्थितरों, अधीर :--- (1) अपित लिमिटेंड।

(अन्तरक)

(2) श्री जितेन्द्र छगन लास अक्तर।

(अन्तरिती)

(3) म्रन्सरक

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यपाहियाँ करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बंन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध माद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति ध्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उथत स्थावर सम्पत्ति में हित बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षर) हे पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा था उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्यी

पर्लंड गं० ए-18, वासुकी 7वां रास्ता, राजा वाडी, विद्या विहार, बम्बई-77 में स्थित हैं।

अनुसूची जैसा कि कम सं० आई०-3/37ई० ई०/1219/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 2 सितम्बर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 9-5-1984

मोहर 🛭

भृक्य बाइ है दी न प्रमुन पुरा

भायकर व्यक्तियम्, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-मः (1) के मंभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक जायकर आयुक्त (निर्धिका) अर्जन रेंज-III, बम्धई बम्बई दिनांक 14 मई 1984

निर्वेश सं० अई० -3/37ईई/4026/83~84—यत:, मुझे, ए० लक्षिरी;

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 6, प्लाट नं० 81, कांजूर को-आपरेटिय हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड, कांजूर मार्ग, भांडूप, बम्बई-78 में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है), श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की घारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है, सारीख 2 सितम्बर, 1983

को पूर्वोक्स सम्पत्ति को उच्चित् बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई ही और मूम्में यह विश्वास करने का कारण हो कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित भाजार मूल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल सं, एसे द्रायमान प्रतिफल के पंत्रह प्रतिशत से अधिक हो और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेद्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; जॉर/या
- (स) एसे किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना अहिए था, छिपाने में स्विभा के आए;

कतः अब उक्त अधिनियमं की धारा 269-म के अनुसरण मों, मीं, अक्त अधिनियमं की भारा 269-म की उपधारा (1) के अभीतः, भिन्नीसिंजित व्यक्तियों, अभीत् ह (1) मैं० मार्डनं बिल्डसं ।

(अन्तरक)

(2) श्री डी० जे० डिसोजा।

(अन्तरिती)

(4) (बहु व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी कर्क पूर्वोक्त सम्पृत्ति के वर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ए---

- (क)। इस सूचना के राजपत्र में प्रकशन की तारीब से 45 दिन की अविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर सूचना की तामील से 30 दिन की बविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतार पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति देवाए;
- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जी जस अध्याय में कि विया गया ही।

जन्सूची

पलैट नं० 6, प्लाट नं० 81, कांजूर को-आपरेटिव हार्जिसंग सोसाइटी लिमिटेंड, कांजूर मार्ग, भाँडूप, बम्बई-78 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अई-3/37ईई/1337/83-84 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2 सितम्बर, 1983 को रजिस्टई किया गया है।

ए० सहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायके आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-III, बस्बई

तारी**ख**: 14-5-1984

मोहर 🖫

प्रकप बाह् .टी.एन.एस

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 मई 1984

निर्वेश सं० अई०-3/37ईई/4025/83-84--यतः, मुझे, ए० लहिरीः

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिस्तास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक ही

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय करें भावत, उन्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक खें दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्रिपाने में सुविधा के चिए।

अतः। अवः, उत्सतः अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरण में . में , उक्त अधिनियमं की धारा 269-मं की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नलिचित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) मैसर्सं माडर्न बिल्डर्स।

(अन्तरक)

(2) श्री अरविन्द जी० चव्हान ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) श्री विह० के० शुक्ला (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचमा जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी वा से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुधारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबस्थ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए का सकीं।

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित मूँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ननुसूची

पसैट नं 1, इन दि प्रपोज्ड बिल्डिंग एट प्लाट नं 81, कांजूर को-आपरेटिय हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड, कांजूर मार्ग, भांडूप, बम्बई-78 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० अई०-3/37ईई/1334/ 83-84 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2 सिसम्बर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० सहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-III, **बम्बर्ध**

तारीच : 14-5-1984

भोहर 🕄

प्रकृष बाह् .टी. एन. एस

आमकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारी 269-भ (1) के स्भीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 मई 1984

निर्वेश सं० अई-3/37 ईई/3070/83-84—यतः, मुझें, ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु से अधिक है

25,000/- स्त. सं आधिक हैं
और जिसकी सं० फ्लैट नं० 2 (बी-1) 6वीं मंजिल, हिम्मत अपार्टमेंट्स, डा० आण्० पी० रोड, मुलूंड (प्र०), बम्बई-80 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 2 सितम्बर, 1983 को पूर्वोक्स संपत्ति के टीचत बाजार मूल्य से काम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके सश्यमान प्रतिफल से एसे सम्यति का उचित बाजार मृत्य उसके सश्यमान प्रतिफल से एसे सम्यति का उचित बाजार मृत्य उसके सश्यमान प्रतिफल से एसे सम्यति का उचित बाजार मृत्य उसके सश्यमान प्रतिफल से एसे सम्यति का उचित बाजार मृत्य उसके सश्यमान प्रतिफल से एसे सम्यति का उचित बाजार मृत्य उसके सश्यमान प्रतिफल को स्वयमान प्रतिफल से एसे सम्यति के सिक्त में बास्तिक कम मार्थ कि सिक्त में बास्तिक कम से कि सिस नहीं किया गया हैं:—

- [(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, सक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बजने में सीवधा के लिए: और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयक र बिर्धानयम, 1922 (1922 का 11) या उत्यत अधिनियम, या अनक र अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अधिवासमा अन्यरिती हुनारा प्रकट नहीं किया वसा था या किया थाना चाहिए था कियाने में सुविभा के लिए;

नतः सव, उत्तर अभिनियम की धारा 269-म के नन्तरण में, में, उत्तर अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) जै० डीसा एसोसिएट्स i

(अन्तरक)

(2) श्री दामजी कल्याणजी रायचाना ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके अधोभोग में सम्पत्ति है)

क्षे यह सूचना जारी करके पूना निस् सम्पत्ति के वर्णन के शिए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या शत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- सद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

मन्स्ची

पलैंट नं० 2 (बी-1), 6वीं मंजिल, ाहम्मत अपाटमद्स खा० आर० पी० रोड, मुलूंड (प०), बम्बई-80 में स्थित है ।

अनुसूची जैसाकि कम सं० अई-3/37ईई/1339/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2 सितम्बर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर् भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III, बम्बई

तारीख : 14-5-1984

प्ररूप बाइ टी एन, एस.

बायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के ध्रवीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर सायुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-111, अम्बई

बम्बई, दिनांक 14 मई 1984

निर्धेश सं० अई०-3/37 ईई/2930/83-84-्यतः, मुझे, ए० लहिरी,

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपए से अधिक हैं

श्रीर जिसकी मं० मथुरा फ्लैट नं० 104, एस० 16, हिस्सा नं० 6, सी० टी० एस० नं० 12, गताणपरहा रोड, मुलूंड (पूर्व), बम्बई-81 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबट अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनयम, 1961 की धारा 269-कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 2 सितम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विध्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके ६६यमान प्रतिफल से ऐसे ६६यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण से हुई फिसी आय की बाबत, उक्त अधि-निवस के अधीन कर दोने के अंतर्क के खारित्य में कसी करने या उससे वृष्ते में शुविधा के बिए; बौद्र/शा
- (वा) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय वायक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जीधनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा के जिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में,, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—- (1) पटेल कारपोरेशन।

(अन्तरक)

(2) श्री श्याम सी० असनानी।

(अन्तरिती)

को यह सुचता जारी करके पुर्वेक्त सम्पत्ति व, अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपति के वर्णन के संबंध में कोई भी अवित :---

- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तुरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतुर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृत्ता;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीका सं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के
 पास लिक्ति में किए जा सकींगे।

स्पेक्शीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शक्यों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशायित हैं, नहीं वर्ष होगा, जो उस वध्याय में दिवा म्या हैं।

प्रमुख्

मधुरा फ्लैट नं० 104, एस० 16, हिस्सा नं० 6, सी०टी० एस०नं० 12, गवाणपाडा रोड, मुल्ंड, बम्बई-81 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि कम स० अई०-3/37ईई/1338/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2 सितम्बर, 1983 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० सहिरी सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज–III, बम्बई

तारीख: 14-5-1984

मोहर 🖫

प्ररूप बार्ड, टी. एन. एस.

बायकर बीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा भारा 269-भ (1) के अभीन संचना

भारत सरकार

भार्मालय, सहायक व्यायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 3, बम्बई

बम्बर्ध, दिनांक 11 मई 1984

निर्देश सं० भाई०-3/37ई०ई०/2943/83-84—-अतः मुझे ए० लहिरी

काथकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रोर जिसकी सं० न्यू बन्सी पार्क को-आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, प्लाट नं० 1, सी० टी० एस० नं० 507/ 508, पलट नं० 10, बिल्डिंग नं. 3, 2 री मंजिल, नर्सिंग लेन, मालाड (प०), बम्बई में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबड़ अनुसूची में श्रोर जो पूर्ण रूप से वर्णित हैं) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है, विनांक 2-9-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और भुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंवह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे जन्तरण के लिए तम पाना गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त जन्तरण दिख्ल में बास्तिक कम से कियत नहीं किया गया है :—

- (क) जनतरण से हुई किसी जाय की पानत, अक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दासित्य में कमी करने या उससे जज़ने में सूचिधा के लिए; जॉर/या
- (च) ऐसी किसी नाय पा किसी घन मा क्रम कास्तियों का, जिन्हों भारतीय नाय-नार अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहियेथा, छिपाने में सविधा के लिए;

1. श्री सुप्त चन्द्र मुंद्रा

(अन्तरक)

2. श्री केणवलाल गलाब चन्द शाह

(अन्सरिती)

न्द्रों यह सूचमा चारी करके वृत्रोंक्त संस्थीत के वर्षन् के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आश्रंप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की जन्मि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 विन की जन्मि, जो भी नव्धि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिश्वत में किए जा सकरें।

स्वस्टीकरण:---इसमें प्रयूजन श्रव्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम दे अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

बग्तुची

न्यू बन्सी पार्क को-आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड प्लाट नं० 1, सी० टी० एस० नं० 507/508, पलैट नं० 10, बिल्डिंग, नं. 3 2 री मंजिल, निसंग लेन, मालाड (प), बम्बई में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि ऋ०सं० ऋ६-3/37ई०ई०/1245/83-84 छौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2-9-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 3, वम्बई

दिनांक: 11-5-1984

मांहर अ

प्ररूप आहाँ. टी. एन. एस.

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-111, बम्बई

वम्बई, विनांक 10 मई 1984

निर्देश मं० आई०/3/37ईई/2895/83-84—अम: मझे ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)., की धारा 269-र के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मृत्य 25,000/-र से अधिक है

श्रीर जिसकी सं वास्वे टैक्सिमिन्स हाउहिंग सोसायटी लिसिटेड, 306, एस० पी० एस० मार्ग, कुर्ला, वाश्वर्ड-400 070 फ्लैंट नं 12, विलंडग नं 7ए, में स्थित है (श्रीर इसपे उपायद अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विजित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क खे, के अधीन सक्षम श्रिष्ठिकारी बम्बई के कार्यालय में रिजस्टी है दिनांक 2-9-1986

को पूर्वेक्ति सम्पिति के उचित बाजार मृत्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वेक्त सम्पित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रनिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तयिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीत् :— 1. श्री शेखा नबीझन मोहम्मय हुसेन

(अन्तरक)

2. श्री याकूब गफ्र

(अन्मरिनी)

(3) अन्तरक (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति क्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो जो उस अध्याय में दिया गया है।

नमसूची

पलेंट नं ० 12, बिल्डिंग नं ० 7ए, बाम्बे टैक्सिमिन्स हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, 306, एल० बो० एस० मार्ग कुर्ली, बम्बई-400 070 में स्थित है।

अन्यूची जैसा कि क० सं० आई-IUI/37ईई/1233/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई के द्वारा दिनांक 2-9-83 को रिजस्टर्ड किया गया है ।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III, बम्बई

दिनांक: 10 मई 1984

मोहर ः

प्रकृप काई, टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीम सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आधकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-[II बम्बर्ड बम्बर्ड, दिनांक 14 मई 1984

निदंग मं० आई-3/37ईई/4017/83-84--अत: मुझे, ए० लहिरी,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 259-स के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

प्रांच जिसकी सं पर्लंट नं डी-3, विलिखन नं 4, बसंत पार्क, को-आप हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, आरं सी मार्ग, चेंबूर, बम्बई-71 में स्थित है (प्रांच इससे उपावड अनुसूची में प्रांच जो पूर्ण इप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालयों में रिजस्ट्री है दिनांक 2-9-1983 को पूर्वोंक्स सम्पत्ति के उपित भाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्स अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण वे हुइ किसी आव की शबक, अवस अभिनियम के अभीन कार बने के अम्बरक के बाबित्य में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के सिए: सीप/वा
- (क) एसी किसी भाय या किसी भन या अन्य आफ्सियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मृतिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण माँ, माँ उक्त अधिनियम की धारा 269-घ पर्ने उपधारा (1) रोजधीतः निम्हानिका व्यक्तियों, अधीतः —— 1. श्री ण्याम सुन्दर अग्रवाल

(अन्तरक)

श्रो हरप्रसाद किरोगी मल अग्रवाल

(अन्सरिती)

3. अन्तरिती

(वह व्यक्ति जिसके अधियोग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और गदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभागितः है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पलॅंट नं० छी-3, बिल्डिंग नं० 4, बसत पार्क को-ऑप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, आर० सी० मार्ग, चेंबूर, बम्बई-71 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि घ० सं० आई-3/37ईई/1340 /82-84 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकाणी बम्बई द्वारा दिनांक 12-9-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निर्राक्षण) अर्जन रोज-111, बस्ब**र्ड**

दिनांक : 14-5-1984

भोहर :

श्रुक्य बाइं.टी.एन.एस

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुभना

भारत बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III, बम्बई त्रमबई, दिनांक 14 मई 1984

निर्देश मं० अई-3/37ईई/4029/83-84— अत:, मुझे, ए० लहिरी,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रह. से अधिक हैं

स्रीर जिसकी सं० 104, हिना अपार्टमेंट 1की मंजिल, ताँबे नगर, सरोजिनी नायडू रोड, मुलूंड (प), बम्बई-80 में स्थित है (श्रीर इससे ज्याबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कल के अधीन सक्षम प्राधिकारी, सम्बई के कार्यालय में रजिस्टर्ड किया गया है, तारीख 2-9-1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत, उक्त आधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृशिधा के मिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी बाब या किसी धृन या अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना बाहिए था छिपाने में स्विभा के सिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-य के अन्सरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन निम्मणिष्ठित व्योक्त्यमें अधीत :--- श्री किशोर पुरुशोत्तम ठक्कर ग्रीर श्रीमती शारदा िशोर टक्कर ।

(अन्तरक)

2. श्री लालजी प्रेमणी गाडा

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वांक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश सं 45 दिन की अविश्विया सुरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविश्वित भो भी अविश्व बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ल्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उस। अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

104, हिना अपार्टमेंट, 1 ली मंजिल, तांबे नगर, सरोजिनी नायडु रोड, मुलुंड (प), बम्बई-80 में स्थित हैं।

अनुसूची जैसा कि कि के में अई-3/37ईई/1335/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-9-1983 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-III, बम्बई

नारीख: 14-5-1984

प्रस्त नाइं. टी. एन. एस

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अधीन सुभना

गारत करकार

कार्यालय, सहायक अध्यकर बायुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 मई 1984

निदेश सं० अई-3/37ईई/2878/83-84—अतः मुझे, ए० लिहरी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० शाप नं० 8, ग्राउंड फ्लोर, श्रीनाथ अपार्टमेंट, नं० 1, मृलूंड (पूर्ज), बम्बई-400081 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 2-9-1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के अवस्थान प्रतिफल के लिए अंतरित की नई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य उसके उपयमान प्रतिफल से, ऐसे अवस्थान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितां) के बीच एंखे जन्तरण के सिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसित उच्चेष्यों से उन्त अन्तरण निम्ति में बास्तविक रूप से क्षित नहीं किया गया है :---

- (क) अम्तरण में हुई किसी जाय की बाबत, उसते अभिनियम के अधीन कर दाने के अन्तरक के बाबिस्थ में कभी करने यें उससे अपने में सुविधा के लिए; और/मा
- (च) एसे किसी जाय या किसी भन या जन्य जास्तियों करें, जिन्हों भारतीय सायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ष्टिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अवः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण कों, मीं, शक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) की अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

- (1) मेसर्स निश्चिल कन्स्ट्रव्यान कम्पनी । (अन्तरक)
- (2) रघुनाथ भालचन्द्र महाबल ग्रौर कुमारी सुरेखा बी० महाबल ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोंस सै 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की वविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पर्ध्वकिष्ण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया हैं।

यम्बर्ग

शाप नं० 8, ग्राउंड फ्लोर. श्रीनाथ अपार्टमेंट नं० 1, मुलूंड (पूर्व) बम्बई-400 081 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि से अई-111/37ईई $\circ/1211/83-84$ भीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2-9-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-III, बम्बई।

. दिनांबः : 10-5-1984

प्ररूप् बाइं. टां. एन. एस

आयकर अधिनियर, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भू (1) के अधीन सूचना

मारत संरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई
वम्बई, दिनांक 9 मई 1984
निदेश सं० अई-3/37ईई/3063/83-84--अतः मुझे,
ए० लहिरी,

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) फिस इसमें इसमें प्रकार प्रवार जिस्त किथिनियम कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास कारने का कारण है कि स्थावर सम्परित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० गाला नं० 7, ग्राउंड फ्लोर, गाँतम उद्योग भवन, एल० बी० गास्त्री मार्ग, बम्बई-78 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 2-9-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त क्लरण निचित के बारतिक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) जनतरण से हुई किसी बाद की वावत्, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) एसी किसी जाय या किसी भन या अन्य जारिस गाँ को जिन्ह भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वार प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, क्याने में स्विधा के निए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-म की अनसरण की मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) कुं अधीन, निम्नलिधित व्यक्तियों, अधीत :--

(1) मेसर्स मोतीराम तोलाराम ।

(अन्तरक)

(2) श्री गहा बासुमल भुरमल ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पंत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई वाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वान की तामीं से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियाँ में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर सम्पृत्ति में हिसबद्ध किसी सन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पान तिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के ब्रुध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुस्ची

गाला नं० 7, गौतम उद्योग भवन, एल० बी० शास्त्री मौर्ग, बम्बई--78 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-3/37ईई/1282/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-9-1983 को रिजस्टई किया गया है।

ए० लहिरी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-^{III}, बम्बई।

दिनांक : 9-5-1984

प्रकाप शाबी, हो, एन, एस.

शायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भागत साम्बार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 मई 1984

निदेश सं० अई-4/37ईई/1883/83-84--अनः मुझे, विजय रंजन,

नायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही), को धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्थात करने आ कारण ही कि स्थावर सम्पति, जिसका जिस्त बाजार मृन्य 25,000/- रा. से अधिक ही

श्रौर जिस्ति सं० फ्लैट नं० ए-201, दूसरी मंजिल, राजिकशोर बिल्डिंग, कांदिवली, बम्बई में स्थित हूं (श्रौर इससे उपाबंध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 260 क. ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 12-9-83,

को पूर्वोक्त सम्परित के उिचत बाजार मूल्य से कम के एश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है हि—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृषिधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की चिन्हें भारतीय आयक र अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, किया में सीवभा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिचित व्यक्तियों, नर्यात् ध--- (1) श्री चन्द्रकांत कांतिलाल सरैया।

(अन्सरक)

(2) श्रीमती णांताबेन ब्रनलाल पोपट ।

(अन्तरिती)

को यह सुभना चारी करके पृथाँक्त सम्बक्ति के वर्षन के किए कार्यवाहित्यं करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के नर्जन के सम्मन्ध् में कोई नासोप:-

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा जधेहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए ज उकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, अरे उसके अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया एया है।

नन्स्यो

फ्लैट नं॰ ए॰-201, दूसरी मंजिल, राजिकशोर, बिल्डिंग कांदिवली, बम्बई में स्थित है ।

अनुमूची जैसा कि ऋ० सं० अई-4/37ईई/1883/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी श्रम्बई द्वारा दिनांक 12-9-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> विजय रंजन. सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-4, बम्बई।

दिनांक : 11-5-1984

प्ररूप वार्ष टी. एन. एस.

आयक्त्र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, वस्वर्ड वस्वर्ड, दिनांक 3 मर्ड 1984

निदेश सं० अई-4/37ईई/1828/83-84--अन: मुझे, विजय रंजन,

षाथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुट. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 44 हमलोग को०— आप० सोसायटी ट्रारी मंजिल, कांदिवली, बम्बई, शंकर लेन, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क. ख के अश्रीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है । दिनांक 6-9-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य उसके ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण निस्तित में बास्तिक क्ष्य में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) की अधीन, निम्निशिखित व्यक्तियों, अर्थातः :—

- (1) श्री फारम रोझ गोहराबजी भारुचा। (अन्तरक)
- (2) श्रीमती भानूमती जसवन्तराय मोदी । (अन्तरिती)
- (3) अन्तरक । (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अजंन के लिए कार्यवाही शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति का अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्कान के राजपण में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्कान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

फ्लैट नं० 44, हमलोग को०-आप० सोसायटी, दूसरी मंजिल, कांदियली (प), बम्बई में स्थित है। एंकर लेन।

अनुसूची जैसा कि कि० सं० अई-4/37ईई/1828/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा दितांक 6-9-83 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> विजय रंजन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज–IV बम्बई।

दिन**कि : 3-5-1984**

प्ररूप आर्ड.टी.एन.एस.

जायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, वस्बई

बम्बई, दिनांक 2 मई 1984

निवेश सं० अई-4/37ईई/1895/83-84——अत: मुझे, विजय रंजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० प्लाट नं० 60, डहाणूकर वार्डा, कांदिवली तालूका, बोरीवली में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणत है) भीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 20-9-83,

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विष्कास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिष्ठत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य के उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को शायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने में अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्यारा किस महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-भृ के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की भार 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसिसितः व्यक्तियों, अर्थात् ः— 18—12661|84

- (1) श्री मंगता सिंग, सोहन सिंग ।
 - 2. ग्रवक्ष सिंग मोहन सिंग
 - 3. भूपिन्दर सिंग सोहन सिंग और
 - 4 कमलजित सिंग सोहन सिंग I

(अन्तरक)

(2) यूनिक डेवलपमेंट कारपोरेशन।

(अन्तरिती)

- (3) धनमल देवीचन्द्र जैन । (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) श्री धनमल देवीचन्द जैन । (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर सम्पन्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास चिस्तिन में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही जर्थ होगा जो उस मध्याय में दिया गया है।

अनुस्चीं

प्लाट नं ० 60, इहाण्कर वाडी, कांदियली तालुका, बोरीवली में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि कि के सं० अई-4/37ईई/1895/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 20-9-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

विजय रंजन, मक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-4, बम्बर्ड।

विनांक : 2-5-1984

प्रकल् नाइं. टी. एन. एस

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-- 4, बम्बई बम्बई, दिनांक 9 मई 1984

निदेश सं० अई--4/37ईई/1894/83-84--अन: मुझे, विजय रंजन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर मम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा से अधिक है

ग्रीर जिसकी मं० सर्वे नं० 23, हिम्सा नं० 2(पार्ट) ग्रीर मी० टी० एम० नं० 332, प्लाट नं० 305, फायनल प्लाट नं० 269 आफ टी० पी० एम० विलेज एनसार, बोरीवली III में स्थित है (ग्रीर इससे उपायद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 24-9-83

को पूर्वों कर सम्परित के उचित बाजार मृल्य से कम के स्वयमान प्रितिक के लिए अंतरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिक ल से, एसे दृश्यमान प्रतिक का पत्यह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उष्चेश्यों से उसत अन्तरण सिक्ति में बास्तरिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी अप की बाबत, उक्त भीषीन्यम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व प में कमी करने या उससे बचने में पुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करो, जिस्ते जारकीय अध्यक्त अधिनित्तम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री गोरेश्वर सदानन्द म्हाक्षे।

(अन्तरक)

(2) श्री विष्णु झिमाजी कांबले।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) प्रम स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित् में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और प्रदों का, जो उक्त अधिनियम् के अध्याय 20-क में प्रिभावित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

नगुत्त्वी

सर्वे नं० 23, हिस्सा नं० 2 (पार्ट), ग्रौर सी० टी० एस० नं० 332, प्लाट नं० 305, फायनल प्लाट नं० 269 आफ टी० पी० एम० विलेज एक्सार, बोरिवली-III।

अनुसूची जैसा कि भ्र० सं०अई-4/37ईई/1894/83-84 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 24-9-83 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> विजय रंजन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-4, त्रम्बई।

दिनांक: 9-5-1984

प्रस्प आर्ड. टी. एन. एस.

भायकर भिषानियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज्र-IV, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 अप्रैल 1984

निदेश सं० अई-4/37ईई/1878/83-84—अतः मृक्षे, बिजय रंजन,

गायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० ए०/15, "ए" बिल्डिंग, न्यू हिल पार्क को०-आप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेश, भ्रोवरीपाडा, दहिसर (पूर्व), वम्बई-400 068 में स्थित

है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा आयक्षर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 3-9-1983,

को पूर्वीक्त संपृत्ति के उचित बाजार भृत्य से कम के स्वयमन
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्त्रह
प्रतिश्वात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिक्ति उद्योष्य से उक्त अन्तरण सिचित
में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुर्इ किसी बाय की बाबत, उक्त निधिनयम के अभीत कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसीं किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के तिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसूरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के मधीन, निम्निलिखित व्यक्तिसार्थ, अर्थात् 1(1) श्री फारुख एस० टोडीबाला।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सरलाबाई शहा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृषोंकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वाय अधोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः ---- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

मन्सूची

फ्लैंट नं० ए०/15, ''ए'' बिल्डिंग, न्यू हिल पार्क को० आप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, ग्रोबनीपाडा, दहिसर (पूर्व), बम्बई-400~068 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-IV/37ईई/1878/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 3-9-83को रजिस्टर्ड किया गया है ।

विजय रंजन, सक्षम प्राधिकारी; सहायक आयकर आयुक्स (निरोक्षण), अर्जन रेंज-IV, बम्बई।

दिनांक : 28-4-1984

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्देशिण) अर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, विनांक मई, 1984

निदेश सं० अई-4/37ईई/1975/83-84—अतः मुझे, बिजय रंजन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पद्देवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं पर्लंट नं 101, पहली मंजिल, "ज्ञान अमृत" विहिंडग, शांतिलाल मोदी रोड, कांदिवली (पश्चिम), बम्बई--400 067 में स्थित है।

(श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन चम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है। दिनांक 24-9-83,

की पूर्वित सम्पत्ति के उिषत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उिषत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण विखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ल) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, विशेष के याजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निविखिल व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) मेसर्स एम० एन० कन्स्ट्रक्शन कम्पनी । (अन्तरक)
- (2) श्री चिमण लाल सी० तालाजा । (अन्तरिती)
- (3) अन्तरक ।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यबाहियां शुरू करता हुने।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध मो कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्यारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अर्थाहः ताक्षरी के पान निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

फ्लैट नं० 101, पहली मंजिल, "ज्ञान अमृत" बिहिन्छग, णांतिलाल मोदी रोड, कांदिवली (पश्चिम), बम्बई-400067 में स्थित है।

्र अनुसूची जैसा कि क० सं० अई−4/37ईई/1975/83−84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 24−9−83 को रजिस्टई किया गया है।

> विजय रंजन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-4, बम्बई ।

दिनांबः : मई, 198**4**

वाहेद्र 🚁

प्ररूप आई. दी. एन. एस

शायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए. (1) के जभीन सुचना

भारत बहुकाङ

कार्यालय, सत्नायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 7 मई 1984

निवेश सं० ग्रई-4/37ईई/1860/83-84—ग्रत: मुझै, विजय रंजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-संके अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने सा कारण है कि स्थावर स्म्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० फ्लैट न० 603, 6वीं मंजिल, विशास-1, एस० वी० रोड, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-400 092 में स्थित है भौर इससे उपाबद्ध प्रनुस्ची में भौर पूर्ण रूप में विणित है) भौर जिसका करारनामा भ्रायकर ग्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 9-9-1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्ति किक रूप से किथत नहीं किया गया है.——

- (क) अंतरण से हुर्द किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और∕बा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों की, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निस्ति खित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) मेसर्स गौतम बिस्डर्स इंडिया ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मुण्डीनाथ उन्नीकृष्णन भौर श्रीमती कमला उन्नीकृष्णन ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विकत सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह-

- (क) इस स्चना के राजपन में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पद स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकाँगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं!

नम्स्ची

फ्लैट न० 603, 6वीं मंजिल, विशाल-1, एस० वी० रोड, बोरीवली (प०), बस्बई-400~092 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क्र० सं० श्रई-4/37ईई/1860/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी वम्बई द्वारा दिनांक 9-9-83 की रजिस्टर्ड किया गया है।

विजय रंजन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई ।

दिनांक : 7-5-1984

मोहर 🖫

प्रकृष कार्यः टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-IV, बम्बई बम्बई, दिनांक 11 मई, 1984

निवेश सं० ग्राई०-4/37 ईई/1871/83-84— प्रतः मुझे, विजय रंजन,

भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी कां, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं मल्टी स्टोरी विल्डिंग नोन ऐज सत्यम पारेख नगर के सामने, एस० बी० रोड, कांदिवली (पिष्चम), बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधनियम 1961 की धारा 269 के, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारों, बम्बई के कार्यालय में रिजिस्ट्री है, दिनांक 15-9-83,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रीतफल के लिए बन्तरित की गई है जौर मुझे वह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्प्रीत का उचित बाजार मूल्य,, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिहात से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तर्ण के लिए तय पाया गया प्रति-कल, निम्न्तिविद्य अद्विद्य से स्थत बन्दर्ण निविद्य में बास्य-जिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) बन्दरम ने हुई किसी नाय की बाबत उच्छ बीध-निवन के वृथीन कर कोने के बम्बद्रक के दावित्व में कती करने वा उच्छे बचने के सुविधा के जिने; और या/
- (च) एसी किसी अग या किसी भन या अन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय जासकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोक्तार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा वा किया जाना चाहिए था, कियाने में बूबिधा के किए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण मों, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिख्त व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) खिलोक मन्स्ट्रकशन कम्पनी

(भ्रन्तरक)

(2) श्रोमती कारामती एम० भट्ट भीर श्री महाशकर ए० भट्ट

(श्रन्तरिती)

(3) श्रीमती तारामती एम० भट्ट (वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधीहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह बुचना जारी कर के पूर्वोक्त संपरित के वर्बन के जिए एतदबारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्स सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो की भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बच्ध किसी अन्य व्यक्ति क्षारा, अधोहस्ताक्षरी के पास दिलाखत में किए जा सकोंगे।

स्थळाकरणः ----इसमें प्रमुक्त कब्दों और पर्दों का, जो जनत जिथिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया वबा है।

मन्स्ची

मल्टी स्टोरी बिल्डिंग, नोन ऐज सत्यम, पारेख नगर के सामने, एस० बो० रोड, कांदिबलो (पश्चिम), में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-4/37ईई/1871/83-84 श्रीर सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 15-9-83 की रिजस्टर्ड किया गया है।

> विजय रंजन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-**ग्र**/, यम्बई

दिनांक : 11-5-1984

मोहर 🖫

प्रस्य बाह्र .टी, एन, एस.

भावकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-मु (1) के मधीन सूचना

भारत सरकाड

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 7 मई 1984

निवेश सं० श्रई-4/37ईई/1844/83-84--श्रतः मुझे, बिजय रंजन,

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी मं ० एम० नं ० 208, मेसर्स पुष्पा अपार्टमेंट, एक्सार एच० नं ० 15, एक्सार विलेज, बोरिवली (प०), बम्बई-92 में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित हैं) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्टी हैं तारीख 17-9-83

को पूर्वों करा संपत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्मत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अंतरितियां) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्क लिए निम्नितिखित उत्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की नावत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिष्; ब्रॉप/बा
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम. या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में द्विषा के विष्;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग क अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों अर्थात् अ (1) श्री सी० एम० पटेल

(ग्रन्तरक)

(2) श्री बी॰ थाटटे

(श्रन्तरिती)

(3) मेसर्स पुष्पा बिरुडर्म (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त रूपरित के अर्थन को जिल् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जनत सम्परित को अर्थन को सम्बन्ध में की का भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 कि की व्यक्तियां पर स्वना की तामील से 30 दिन की व्यक्तियां पर अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पन्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एस० न० 208, मेसर्स पुष्पा ग्रपार्टमेंट, एक्सार एच० नं० 15, एक्सार बिलेज, बोरिवली (प०), बम्बई-92 में स्थित है ।

ग्रनुसूची जैसा कि कि० सं० ग्रई-4/37ईई/1844/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 17-9-83 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक घ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) द्यर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 7-5-1984

प्ररूप आहै.टी.एन.एस.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

भ्रजीत रोज-4; बम्बई बम्बई, दिनांक 9.मई 1984

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट न० 28, 2री मिजल, माणेक नगर, एम० जी० रोड, कांदिवली (पश्चिम). बम्बई-400067 में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्णरूप से वर्णित है) ग्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिक(री, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 24-9-1983,

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अध्वितिशों) के भीच ऐसे अन्तरण के किए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिकिट उद्ध्य से उक्त अध्वरण निश्चित में वास्त-विक कर से जिसम नही किया गया है:---

- (क) प्रन्तरभ से तुई भिती भाग की गायत प्रश्त शिव-निवस के बारीन करतेने के अन्तरक के वार्तिस्य में कमी बारने या उत्तसे गायने में सुविधा के विष्: बीर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धर या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर श्रीधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, यो भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उल्ल अभिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) की अधीन, निम्निसिखत व्यक्तियों, कर्षातः :---

- (1) 1. श्री मथुरादाग भानजी ठक्कर
 - 2. श्रीमती डी एम० ठक्कर ग्रीर
 - 3. श्री राजेश एम० ठक्कर

(भ्रन्सरकः)

(2) श्री थीरुभनई मायाशंकर राजभूर

(ग्रन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पृथा क्ता सम्पत्ति को अर्जन को सिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति वृवारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, क्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह^टें, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

फ्लैट न० 28, 2री मंजिल, माणेक नगर, एम० जी० रोड, कांदिवली (पश्चिम), बंम्बई-400067 में स्थित है।

श्रनसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-4/37ईई/1880/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई हारा दिनांक 24-9-83 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 9-5-1984

प्ररूप आर्ड्डी एन एस.

नायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के ज्भीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई थम्बई, दिनांक 2 मई 198

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 102, पहली मंजिल, "ज्ञान श्रमृत" बिल्डिंग, शांतिलाल मोदी रोड, कांदिवली (पिष्चम), बम्बई 400067 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण-रूप में विणत है) ग्रौर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रिधिनियम 1961 को धारा 269 क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारो. बम्बई के कार्यालय में रजिस्दी है दिनांक 19-9-83

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रति-फल निम्नलिक्तित उद्देश्य से उक्त अंतरण निक्ति में वास्तिकक

- (क) अम्बरण में हुन्न सिंग्सी काय की नागत जन्म अधिनियम के सभीम कर दोने के अन्तरक के यायित्व में कभी करने या उससे अभने में सुविधा के लिए; और/बा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करों, जिल्हों भारतीय अस्मान्तर आधीनपर, 1922 (1922 पर 11) या उपत अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती प्राप्ता प्रकार गहीं किया स्था धा या किया बाना चाहिए था, स्थिपने में स्विचा के सिए;

(1) मेसर्स एम० एन० कन्स्ट्रक्शन कम्पनी

(ब्रन्तरक)

(2) श्रीमती सविताबेन लक्ष्मीदास ठक्कर

(ग्रन्तरिती)

(3) भ्रन्तरक

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को सह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्स संपत्ति के अर्जन के संवंध में कोई भी आक्षप :---

- (क) उस सूचना के राज्यश्य में प्रकाशन को नारोल स् 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों एर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो औ अविधि बाद में गयाप्त हाती हो, के भीतर पर्यक्त व्यक्ति मो से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थात्रर सम्परित में हित- बस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट न० 102, पहली मंजिल, ''ज्ञान श्रमृत'' बिल्डिंग, णांति लाल मोदी रोड, कांदिवली (पिष्चिम), बम्बई-400067 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-4/37ईई/1907/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई हारा दिनांक 19-9-83 की रजिस्टई किया गया है।

> विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक ध्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रजन रेजि-4, बस्बई

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1)

के <mark>अधी</mark>गः, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात्ः— - 19---126GU84 दिनांक : 2-5-1984

प्रकार मार्, ी. एम. एस

जायकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मं (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजंन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 18 अप्रैल 1984

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके प्रकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० बी-23 है, तथा जो "मनीष" उरी मंजिल, शंकर लेन, कांदिबली (पश्चिम), बम्बई-400967 में स्थित है (और इससे उपाबड़ अनुसूर्चा में और पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय, में रजिस्ट्री है तारीख 24-9-1983

की पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमन प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत के अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक क्ष्य से कथित नहीं किया गया है :----

- (क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत उन्धः अभिनियाम के नियोग कर दोन के शक्तरक के वाधितय में कमी करने या जसमे रकने में मृतिका के निया: और/या
- (क) ऐसी किसी अप या किसी धन या अन्य आस्तिकों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-मं की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिलित व्यक्तियों, अर्थात :--- 1. श्रीमती लक्ष्मी रमेश भाटिया

(अन्तरक)

 श्री अशो र अमृतलाल गणाता और अमृतलाल विठठलवास गणाता

(अन्तरिती)

3. अन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना धारी करके पूर्वोक्त संपर्तित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हाँ।

उन्त सम्मितित को अर्जन को सम्बन्ध में कार्य भी आर्थण ---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच से 45 दिन को अत्रित ता शत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की बामीन से 30 दिन की अवधि, वो भी अवधि बाद में ममाप्त होती हो, के भीतर प्रविचत का का का का भी सामाप्त होती हो, के भीतर प्रविचत
- (ब) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय के 4.5 जिन के भीतर अक्त स्थावर सम्मात्त के हितक्ष्म किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियमः ने अध्याम 20-क में परिभाषित बही पथ होगा जो उस भ्रध्याय में दिया स्वा है।

वनस्यी

पलैट नं बी-23, "मनिषा'' उरी मंजिल, यंकर लेन, कांदिवली (पश्चिम), बम्बई-400067 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई० 4/37 ईई/1869/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 24-9-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्कर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 18-4-1984

प्रकृष् बार्च . टी . एन . एस .

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के बभीन सुवना

भारत सरकार

कार्थालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-, IV बम्बई बम्बई, दिनांक 10 मई 1984

निर्देश सं० आई०-4/37 **ई**ई/1850/83-84--यतः मुप्ते, विजय रंजन,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसने परजात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 104 चो है, तथा जो नन्द धाम, पहली मंजिल, एल० टो० रोड़, बोरीवली (पिश्चम) बम्बई-400092 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है, सारीख 12-9-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और गुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बृाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकात कि निम्तरका अवद्योदय के उनते कुन्तरण जिक्स में शुक्योवक रूप से किश्तर नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (अ) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य क्यांस्त्यों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीर निम्नलिखित व्यक्तियाँ अर्थातः :---

- श्री के० पटेल एण्ड कस्पनी प्राइवेट लिमिटेड (अन्तरक)
- 2. श्रो रामभाई शामजी भाई पटेल और श्रीमती शारधा आर० पटेल (अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पर्ति के धर्मन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीस कें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचिंगा को राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन को भीतर उक्त स्थायर सम्परित में हित- बक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्तः अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में विसा गगा है।

अमुसूर्चा

फ्लैट नं ० 104-बी, नन्द धाम, पहली मंजिल, एल० टी० रोड. बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-400092 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कर सं० अई-4/37 ईई/1850/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनोक 13-9-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्ब**ई**

तारीख : 10-5-1984

प्ररूप थाई टी एन एस

1. मैसर्स विश्वत इण्टरप्रायजेस

(अन्तरक)

2. श्री कौशिक कांतीलाल शेठ, और श्रीमती तारावेन कांतीलाल शेठ

(अन्तरिती)

भायकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के स्थीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 मई 1984

निर्देश सं० अई०-4/37 ईई/1889/83~84~-यतः, मुझे, विजय रंजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु"), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मुल्य 25.000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 11, 3री मंजिल, सुकन अपार्टमेंट कॉर्नर आफ एम० जी० कास रोड़ नं० 3, और एम० जी० रीड, कॉर्विटवर्ली (पश्चिम), बम्बई-400067 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूणं रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी बन्बई के कर्यालय, में रिजस्ट्री है। तारीख 28-9-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित नाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके द्वरयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंसरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया पया प्रतिफल निम्नुलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए; और/या
- (क) एसे किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कट अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए।

बतः अध उकत विधिनयम की भाष 269-ग के अनुसरण भं, मं, अकत अधिनियम की भाष 269-त्र की उपभारा (1) के अधीन निस्तितिकत व्यक्तियों, अर्थातु:—— को यह सूचना भारी अन्दर्क पूर्वोक्य सम्पृत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप :---

- (क) इस स्था के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की श्वीभ या तत्सम्बन्धी श्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की श्वीभ, जो भी श्वीभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्योक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारः;
- (क) इस स्वना के शावपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकक्ष किसी अन्य व्यक्ति ब्नाय अधोहस्ताक्षरी के पास हिलकित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छिकरण :---इसमों प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नग्सची

पलैट नं ० 11, तीसरी मंजिल, सुकन अपार्टमेंटस, कॉर्नर झॉफ एम० जी० कास द्वरोड नं ० 3 और एम० जी० रोड, कॉदिमली (परिचम), बम्बई-67 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-4/37 ईई/1889/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई बारा दिनांक 28-9-83 को रजिस्टर्ड कियागया है।

> विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक अव्यक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बस्बई

तारीख : 8-5-1984

प्रकर कार्च, टी. प्रन., प्रस.

बायकडू विभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के बभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज~4, बम्बई

बम्बई, विनांक 8 मई 1984

निर्देश सं० अई०-4/37 ईई/1888/83--84---यतः मुझे, विजय रंजन,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उणित बाजार मून्य 25,000/- हा. से अधिक है

और जिसकी सं ० फ्लैंट नं ० 6, दूसरी मंजिल, है तथा जो सुकन अपार्टमेंटस, एम० जी० रोड, कांदिवली (प०), बम्बई-67 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), और जिसका करारनामा प्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 22~9-983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण से लिए तथ पाया एया प्रतिफल, निम्नितिस्त उद्विष्य से उस्त अन्तरण लिजित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुए किसी आप की वाबत उपल अधि-विषय के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में अभी करने या उपसे अधने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) एंसी किसी बाय या किसी धन या बन्य वास्तिनों की, चिन्ह भारतीय आय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या धन-कर विधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के विद्

मृतक्ष अस, उक्त निधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त निधिनियम की भारा 269-स की उपधार (1) के अधीन, निध्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— मैससंवैद्युत इण्टरप्राइजेस

(अन्तरक)

 श्रीमती सुशीला कांतिलाल ओक्सा और श्री कांतिलाल देव शंकर ओक्सा

(अन्तरिती)

को यह स्पना जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति की गर्पन को सम्बन्ध में कोड़ों भी बाक्षोप ां--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के ऱाजपत्र में प्रकाशन की तारीलं सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए जा सकेंगे।

स्यक्कोकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों कां, ओ उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नपसर्पी

फ्लैट नं० 6, दूसरी मंजिल, सुकन अपार्टमेंटस, एम० जी० रोड, कांदिवली (प०), बम्बई-67 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की ऋ० सं० अई-4/37 ईई/1888/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 22-9-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

नारीख: 8-5-1984

प्रस्प आहे. टी. एन. एस.

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 4:3) की धारा क 269-म (1) के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-4, बस्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1984

निर्वेश सं० अई०-4/37 ईई/1849/83-84—यत, मुझे, विजय रंजन,

सायकर सिंधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है). की भारा 269-खं के सधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रू. से अधिक है

और जिसका सं० पलैट नं० 306-ए० है, तथा जो "नन्द धाम" तीसरी मंजिल, एल० टी० रोड, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-400092 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप में विणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, सक्षम प्राधि होरों, बम्बई के अधीनय में रिजस्ट्री है, तारीख 22-9-1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उपित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके उश्यमान प्रतिफल से, एक अध्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में गस्तिफल रूप से कथित मुहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उत्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक कें दामित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; औद्र/या
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

गतः मन, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के जनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह—- 1. श्री के० पटेल एण्ड कस्पनी लिमटेड

(अन्सरक)

2. श्री सी० एम० पुनिमया और श्री बी० एम० पुनिमया

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी न्यिनतयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी न्यक्ति वृवारा;
- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इस 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गास लिखित में किए जो सकीं।

स्पष्टीकरण: --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया एग्रा है।

वनुसूची

प्लैंट नं 306-ए, ''नन्द धाम'', तीसरी मंजिल, एल ब्रिट नं उर्वादिक्ती (प०), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की ऋ० सं० अई-4/37 ईई/1849/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 22-9-83 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

नारीखा : 10-5-1984

प्रकर्प बाइ टी. एन. एस.

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-ए (1) के नभीन सुका

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, अम्बई

बम्बई, विनांक 4 मई 1984

निर्वेण सं० अई-4/37-ईई/1896/83-84--यतः, मुझे, विजय रंजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्ततं अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार पृत्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 11, है नथा जो पहली मंजिल, "हरीं वर्णन", प्लाट बेयरिंग सी०टीं० एस० 290, 290(9) से (14), एल० टी० रोड़, बोरीवला (पिन्नम), बम्बई-400092 में स्थित है (और इसमे उपाबड अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), और जिसका कारनामा भ्रायकर अधिनियम 1961 की भ्रारा 269 क, ख के अधीन बम्बई के कार्यात्य, में रजिस्ट्रीक है तारीख 12-9-1983

को प्वोंक्त संपत्ति के उचित वाकार भूक्य से कंग के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की पद है और भूके यह विद्यास करने का कारण है कि वंशापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित वाचार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिस्त से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत उक्स अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए;
- (क) एंसी किसी आय या किसी प्रन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हाँ भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया अस्ता साहिए था कियाने के सुविधा के लिए;

जतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिखित व्यक्तियों, अधिहः— 1. मैसर्स वत्तानी एसीसिएटस

(अञ्हरक)

- 2. (1) श्रीए० डब्स्यू० भांडारकर
 - (2) श्री वामन ए० भांडारकर
 - (3) श्री मधुकर ए० भांडा एकर

(अन्तरिती

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यपत्र में प्रकाशन की तारींच के 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की मुतिध, को बी बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति क्वारा:
- (थ) इस सूचना के राजपूत्र में प्रकाशन की तारींच ते 45 दिन के भीतर उच्च स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए वा धकोंगे।

स्वय्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और प्रों का, को उनस विभानियम, को कथ्याय 20-क में परिभाषित इं, बहु बर्भ होगा जो उस अध्याय में दिया मधा है।

अनुसूची

प्लैट नं० 11, पहली मंजिल, "हरी वर्शन", प्लाट बेयरिंग सी० टी० एस० सं० 290, 290(9) से (14), एल० टी० रोड़, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की किं सं अाई-4/37 ईई/1896/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई ब्राग दिनांक 12-9-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयम्ह प्रायुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-4, बस्बई

तारीख: 4-5-1984

प्ररूप बार्ड ्र टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्राधकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-IV, बम्बई बम्बई, दिनांक 14 मई 1984

निर्देश सं० अई-4/37-जो/33/83-84---अतः मुझे विजय रंजन,

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- के. से अधिक ही

और जिसकी सं० सर्वे नं० 9 से 13 सी, टी० एस० नं० 1 से 6 और 6/1 से 46, विलेज मागठाणे, बोरीवली (प) में स्थित है। और इसमे उपाबंड अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणिष्त है), रजिस्ट्रोकिन अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16 सितम्बर 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित नाजार मृत्य से कम के ख्यमानं प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विध्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित नाजार मृत्य, उसके ध्यमान प्रतिफल से, एसे ख्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिमों) के नीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी वाय की बाबत, अवत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अभने में भृतिभा के भिए; और/भा
- (क) एसी किसी आव या किसी भन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के, अन्सरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, जिम्मलिखित व्यक्तियों, अधीत हु-

1. श्रीश्रीचंद परमानंद हिंदुजा, और

(अन्तरकः)

2. श्री नारायणदास कम्हयालाल हिंदुजा दि स्टेट बैंक औफ इंडिया स्टॉफ "ट्रि निटो" को-म्रॉप हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बाड़ी कर्क पूर्वेक्त संपरित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करना हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावार संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकरेंगे।

स्पक्किरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में लिया गमा है।

अनुसूची

अनुसूची जैसाकी विलेख सं० डीड नं० 161/1980 और जो ऊपर रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 16-9-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त (निरोक्षण) अर्जन-IV रेंज, बम्बई

तारीख: 14-5-1984

मोहुर 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 (घ) (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक सायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जनरेज 4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 मई 1984

निर्देण सं० अर्ह-4/37-जी/19/83-84---यतः मुझे विजय रंजन

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी मं० मी० टी० एस० नं० 1772 और सर्वे नं० 120/3, विलेज गोराय, तालू बोरिवली बम्बई-92 में स्थित है भीर इससे उपायड अनुमूची में और पूर्ण रूप से विणित है). रिजिस्ट्रोकनी अधिकारी के बार्यालय बम्बई में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 26 मितम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण निस्ति में वास्तिक हम से किथन नहीं किया गया है :----

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के सायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अवः, उक्तः अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरण ग्रें, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घं की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- 1. श्री जिहक्दोर गरीयन जिमेली।

(अन्तरक)

- 2. (1) श्री ईं० जे० अल्बेज।
 - (2) एक मेरी
 - (3) श्री बी० अरूफालो।
 - (4) श्री ए० एस० मांस्कोरह्नस।
 - (५) श्री: एन० अस्फान्सी:।
 - (6) श्रीमती टी० एफ० डिसोजझा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे किस स्थितियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पर्ध्वोकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जनसूची

अनुसूची जैसाकी विलेख सं० डीड एस० 1228/82 और जो उपरजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 26-9-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> विजय रंजन महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज 4. बम्बर्ड

दिन्ति: 14-5-1984

प्रक्ष काई.टी.एन.एस.

बायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के मधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 3, बम्धई

बम्बई, दिनांश 16 मई 1984

निर्देण सं० अई-3/3**7ईईई**/4043/83-84---यतः ए० लहिरी

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)., की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

आरे जितको सं इण्डस्ट्रियल यूनिट बैअरींगनं 27, ग्राउंड फलोर, तत्र नंदनवन इण्डस्ट्रियल स्टेट, एल० बी० शास्त्री भागे. रंलोओल्फ मूर्नूंड (पं) वन्बई-80 में स्थित है (और इसमें उगाबद्व अनुसूचा में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ती अबे अरा के अर्थान्य पम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908(1908 का 16)के अधीन, तारीख 2 सितम्बर 19843

को प्यों क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं. और मृन्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार जून्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्शिक्य से उक्त अन्तरण निचित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उपत अधिनियम के अधीन कर धेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा कि लिए। और /या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, वा 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सियधा को लिए;

कतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उत्तरा अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारी (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- श्री मंगीलाल वज्ञात्रा।

(अन्तरक)

2. मैसर्स युनिक उण्डस्ट्रिज।

(अन्तरित)

3. अन्तरितीयों।

(बह व्यक्तिअजिसके अधिभी अमें सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य स्थावित ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्वच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया इसा है।

मन्स्ची

यूनिट नं० 27 , ग्राऊंड प्लॉर, नव नंदनवन इण्डस्ट्रियल इस्टेट, एव० बो० जाको मार्ग, नवोओलफ के नामने , मूल्ंड (प), अम्बई -80 में स्थित है।

जनुसूचों जैनाको कम सं० अई-3/37ईई/1289/83-84 और जो सक्षम प्राधितारों बम्बई द्वारा विनोक 2-9-1983 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० लहिरो लक्षम प्राधिकारी सहायक आध्यक्ष आसुवा (निरीक्षण) अर्जन रोज ३, यम्बदी

दिनांक 16-5-1984 रेक्ट

भोहर:

प्ररूप आर्घ. टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज 3. बस्वई

बम्बई, दिनाय 16 मई 1984

निर्देश सं० अई-3/37ईई/4049/83-84--अतः मुझे ए० लहिरो

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहे. से अधिक है

और जिसकी सं० घाटकीपर राजेण को आप हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, ए-12, राजेण आफ आर० डी० मेहता मार्ग, घाट कीपर (पूर्व) बम्बई-77 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), (और जिसका करारनामा आयदार अधिनियम 1961 की घारा 269 के ब के अबीन सक्षम प्राधि परा, बम्बई कार्यालय में रिकस्ट्री है, तारीख 2 मितम्बर 1983

को भूबींकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा ग्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं जक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्री घनण्याम एम० कत्रताय और पुष्पा जी। (अन्तरण)
- 2 श्रीमती रतन बेन शिवाजी गागर कनश्रय। (अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से " 45 विन की जबिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्षित में किए जा सकने।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घाटकोपर राजेश को-आपरेटिव हाउसिंग सोसायटो तिमिटेड, ए प्लाट/12, राजेश, आफ: आर०बी० मेहता मार्ग, है नं० 353/19, टी०पी० एस० 3, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई-77 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी किं सं अर्ध-3/37ईई/1287/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-9-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० तहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज ३,बम्ब**र्ध**

दिनांकः 16-5-1984

मोहर

प्ररूप मार्थः, टी., एन्., एस्

भायकपु अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मु (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयं, सहीयक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज ३, बस्बई

बम्बई, विनांक 14 मई 1984

निर्देण सं० अई-3/37ईई/2978/83-84——अत: मुझे ए० लहिरी

कायकर ज्यिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त, अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० पलेट नं० 201, 2री मंजिल अमोधिसद्ध, भूक वाडी, तूरेल पाखाड़ी रोड़, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 2 सितम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से ऐसे रूपमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण जिल्हित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) बन्तरण से हुई किसी शाय की बाबत, उक्त जिमियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था खिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिखित व्यक्तियों, अधीत्ः—— 1. श्री देसाई भूके एण्ड आसोसिएट्सट।

(अन्तरक)

2. श्रीमती स्योति अशोक परांजपे।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त, संस्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपर्तित के अर्जन संबंध में कोई भी बाक्षेप ह—

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इसारा;
- (क) इस सूचना के राज्यम में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया मया हैं।

अमुस्ची

फ्लेट नं० 201, 2री मंजिल, अमाधिसद्ध , भूरके वाड़ी, तूरेल पाखाड़ी रोड़, मालाड (प), वस्बई-64 में स्थित है। अनुसूची जैसाकी करू सं० अई-3/37ईई/1324/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2-9-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरो सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3 बम्बई

दिनाक: 14-5-1984

मोहर 🕉

प्ररूप आई.टी.एन,एस.

जायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 3 बम्बई

वम्बई, दिनांक 16 मई 1984

निर्देश सं० अई-3/37ईई/4041/83-84—अतः मुझे ए० लहिरी,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रू. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० बी-27, वामुकी, 7वां रास्ता, राजावाड़ी, विद्या विहार, वम्बई-77 में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणित है), श्रौर जिसका करारनामा भायकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 2 सितम्बर 1983

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पृंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्थ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है हिन्न

- (क) अन्तरण से हुंदूर किसी आय की बासत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बामित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी काय या किसी धन या अन्य जास्तियों का, जिन्हों भारतीय जाय-कर जिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिधिनयम, या धनकर जिधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अपूसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के गणीन, निम्मिलिसित व्यक्तियों, अधित् हिल्ल 1. मैसर्स अपित लिमिटेड।

(अन्तरक)

2. श्री हरेशकुमार हरजीवनदास गांधी।

(अन्तरितीः)

का यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अनिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पच्छीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैंट ने० की-27, वासुकी , 7वां रास्ता, राजावाड़ी, विद्या विहार, बम्बई-77 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि कि०सं० अई-3/37ईई/1291/83-84 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-9-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 3, बम्बई

वारीखः 16-5-1984

प्ररूप आई.टी.एन.एस

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के नधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर नायुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज 3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 16 मई 1984

निर्देश सं० अई-3/37ईई/4040/83-84-अतः मुझे ए० लहिरी,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्नस अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं बिल्डिंग नं बी/3, 2री मंजिल, महावीर शिखारं, फ्लेंट नं 50, एल बी० शास्त्री मार्ग, (आग्रा रोड), मुलुंड (प), बम्बई-80 में स्थित है (ग्रीर इससे उपायद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण क्य से बिजत है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 2 सितम्बर 1983 को पूर्वेक्ति सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिश्वत सं अभिक है और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्यदेष से उक्त अन्तरण लिखित के वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है है

- (क) क्लारण से हुइ किसी जान की बाबत, उथक जिथिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के अधित्व में कमी करने या उससे बचने में सृद्धिण के मुस्ए; बॉर/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय जायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अधीत ह—

- 10. मैसर्स दामजी शामजी शहा फैमिली ट्रस्ट।
 - (अन्तरर्क) आरु० चंपनेरकरः।
- 2. श्री नंदकुमार आर० चंपनेरकर।

(अन्तरिती)

3. अन्सरिती ।

(बह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पात्त के अर्जन के लि**ए** कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप 🗆

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, ओ भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तिसमों में से किसी व्यक्ति वृषारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख में 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अधीन अध्याय 20-क में परि-भाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्सूची

बिडिंग नं० बी/3, महावीर शिखार, पर्लेट नं० 50, एल० बी० शास्त्री मार्ग, (आग्रा रोड़) मुलुंड (प),बम्बई-80 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि ऋ० सं० अई-3/37ईई/1292/83-84 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-9-1983 को रजिस्टर्ड कियागया है।

> ए.० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज III, बम्बई

दिनांक : 16-5-1984

प्ररूप आहं. टी. एन. एस

पाय हर पश्चितियम 1981 (198) का 43 की उपरा 289-व (1) के पृथीन मूचना

भारत सरहार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, अम्बई अम्बई, दिनांक 14 मई 1984

निर्देश सं० अई-3/37ईई/2916/83-84——अतः म्झो, ए० लहिरी,

प्रायकर लिबिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इनके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिन बाजार पृत्य 25,000/- क्षणे में प्रधिक है और जिसकी सं० फ्लेट नं० 101, सिंध अपार्टमेंट, आफ मालाड मार्वे रोड़, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची से और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनयम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 2 सितम्बर 1983

को पूर्वीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्याना प्रतिक्रत के नित् प्रस्तरित की गई है और मुझे वह विषवास करने का कारण है कि ययापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिक्रत से, ऐसे दृष्यमान प्रतिक्रत से, ऐसे दृष्यमान प्रतिक्रत से, ऐसे दृष्यमान प्रतिक्रत का पञ्चह प्रतिशत से प्रधिष्ठ है और प्रस्तर्भ (अन्तर्भी) दोर अन्तरिते (अन्तरितेंं) के बोच ऐसे अन्तर्भ के लिए तय पारा गरा प्रतिक्रत, निस्तिलिखत उद्देश्य से उकत अन्तर्भ जिल्लान व ग्राज्यविश्व का मुन्तर्भ निद्रा निवास का मुन्तिक्त का मुन्तर्भ निवास का स्वास्त्र निवास का स्वास का स्

- (स) अन्तरण से शुर्च किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ग) तेसी तिसे प्राप्त सा किसी गण या श्रन्य श्रास्त्यों का. जिन्हें भारतीय प्राय-कर प्रधानसम्, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, सा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्रीजनार्थ श्रन्तरिती द्वारी प्रकट नहीं किया गण था ए किस गला चर्हिए या, छिपाने में श्रिका के लिए;

मतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 69-घ की उपक्रारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. मैरार्स राम्राट विफर्डर्स।

(अन्तरक)

श्री श्रीर श्रीमती एफ० जी० मेंडोंका।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस नूजना के राजपत्र में प्रकाशन की नारी का में 45 विन की अवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूजना की तामीन से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ने 45 किन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ किसी भ्रन्थ व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखि। में किये जा मर्केंगे।

स्यब्दीकरण :---- इसमें प्रयुक्त प्रक्ते ग्रीर पदों का, जो उक्त प्रधि-त्यिम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही स्रव होगा, जो उर्र ग्रहास में बिसा गरा है

अनुसूची

फ्लेट नं 101, सिधु अपार्टमेंट, आफ भालाड मार्चे रोड, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी कि स० अई-3/37ईई/1351/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनांक 2-9-1983 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बस्बई

दिनांक : 14-5-1984

प्रकप आई ० टी० एन० एस०

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-थ (1) के अभीन स्थना

भारत परकार

कार्यालय, सहायक आयकर जायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 3, वस्वई

बम्बई, दिनांक 16 मई 1984

निर्देश सं० अई-3/37ईई/4042/83-84--अतः मुझे ए० सहिरी

भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने कर कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाबार मृस्य 25,000/ रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लेट नं० 26, 2री मंजिल, मैंन्नी विजय को-आप, हाउसिंग सोसायटी, बसन सिनेमा के सामने, डा० सी० गिड्यानी रोड, चैंबूर बम्बई 74 में है श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 2 सितम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रायमान शितफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके द्रायमान प्रतिफल से एसे द्रायमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्वोध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रीमती क्ष्यि । गिरुवानी ।

(अन्तरकः)

2. श्री गोसिंद मलप्पा।

(अन्तरिती)

श्री गोविंद मलप्पा एण्ड फेमिली।
 (बहुत्यिक्त जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के िलए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

बन्स्ची

फ्लेट नं॰ 26, 2री मंजिल, मैदी विजय को-आप॰ हाउसिंग सोसायटी, बसंत सिनेमा के सामने, छा॰ सी॰ गिडवानी रोष्ट. चेंग्रूर, बम्बई-74 में स्थित है।

क अनुसूची जैगाकि कि सं० अई-3/37ईई/1290/83-84 धीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-9-1983 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 3, बम्बई

दिनाक : 16-5-1984

मोहर:

कतः अब, उत्कत अधिनियम कौ धारा 269-ग कै जनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

प्ररूप बाहें दी, एन. एस

भायकर नाभानयम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-प (1) के नभीत सुचना

भारत सरकार

कार्यानग, सहायक आयक्तर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 3, बम्बई बम्बई, दिनांक 14 मई 1984

निर्देश सं० अई-3/37ईई/3003/83-84---अनः मुझे, ए.० लहिरी

नायकर निर्मियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निर्मियम' कहा गया है), की भारा 269- म के निर्मित सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लंट नं० 406, 4थी मंजिल योगेण विल्डिंग पांडुरंग वाड़ी, गोरेंगंव (प), बम्बई में स्थित हैं (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 2-9-1983

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार अल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का वृद्ध प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरितीं (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पासा गया प्रतिफल, निम्निलिक्ति उद्देष्य से उक्त अन्तरण सिवित बें बास्तिक रूप से किश्त नहीं किया गया है:----

- (क) जन्तरण से सुद्दं किसी बाय की बाबत , उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दारियल में कमी करने या उससे अभने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या जन्य वास्तियों की जिन्हों भारतीय वायकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए।

चतः वव, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के बनुसरण में, मैं, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) की अधीन निम्निसिक्ति व्यक्तियों, वर्षात् ुं—

21 -126GI|84 ...

1. श्री हेमंत बी० कोगेक्षर।

(अन्तरः)

2. श्री मिलिंद माधव पाध्ये ।

(अन्तरिती)

 श्री मिलिंद माधव पाध्ये और श्रीमती गैलजी पाध्ये।

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हां।

उनत सम्परित के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्थान के राजपक में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थळितरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिमित्यम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ क्षेगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

जन्स् ची

फ्लोट नं० 406, 4थी मंजिल, योगेश बिरिडग, पार्डुरंग वाडी गोरेगांव (प), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा की ऋ० सं० अई-3/37ईई/1352/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनांक 2-9-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० सहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 3, बम्बई

दिमांक: 14-5-1984

प्रस्प काइ. टा. एन्. एख

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन भूषाना

भारत खरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज 3, बम्बई बम्बई, दिनांक 16 मई 1984

निर्देश मं० अई-3/37ईई/4038/83-84—अतः मुझे ए० लिहरी,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विते इसमें इसमें अधिनात् (उसते अधिनियम) बद्धा गुमा हैं) की भारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कार्य हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका लियत बाबार मृख्य 25,000/- फ़. में गरिमक हैं

और जिसको सं० फ्लैंट नं० 4, 1ली मंजिल, सुमती अपार्टमेंट, एम० जी० रोड, मुल्ड (प०), बम्बई-80 में स्थित है (और इसेंच उरावड अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), और जिएसा स्राप्तामा आयहर अधिनियम 1961 की धारा 269 क. ख के अधीन पक्षम प्राधिकारी, बम्बई के एएयालय में रजिस्ट्री है, तारीख 2 सितम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निक्नितिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखितों में बान्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व, में कमी करने या उससे अचने में किया के लिए; आर्ट/मा
- हा) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य जास्सियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-अत्र अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरियी हंजारा प्रकट नहीं किया जया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीग, निम्निसिसित व्यक्तियों, अर्थात् (—— 1. श्री दत्तावय एकनाय तेरे देसाई।

(अन्तरक)

2. श्री पी०ए० मेनन और श्रीमती वत्सला ए० मेनन।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के लिए कार्यनाहियां करता हूँ।

उन्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 विन की जनचि या तत्सम्बन्धी स्थानतार्थों पर सूचना की तामील से 30 विन की अनिध, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थानतार्थों में से किसी स्थानत व्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दित-बद्ध किसी अन्य स्थावत व्यारा, अधोद्वस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शन्यों और पवों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसुची

पलेट नं० 4, 1ली मंजिल, मुमती अपार्टमेंट ए० जी० रोड. मुलूंड (पण्चिम), बम्बई-80 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि ऋ० सं० अई-3/37ईई/1333/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-9-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज: 3, बम्बई

मारीख: 16-5-1984

प्रक्रम बाहै. टी., एन., एस

मायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 मई 1984

निर्देश सं० अई-3/37ईई/2925/83-84--अतः मुझे ए० लहिरो

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० पलेट नं० 1, ण्लाट नं० 421. कांजूर कोआप० हाउसिंग मोसायटी, सो० टी० एस० नं० 683, कांजूर
भांजूर, बम्बई में स्थित है। ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण
रूप में विणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम
1961 को धारा 2क, ख के अधोन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के
कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारोख 2 सितम्बर 1983

को पूर्वेक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूएयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह निर्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके रूरयमान प्रतिफल से एसे रूपमान प्रतिफल का पन्सूह प्रतिष्ठत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्बेश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाम की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; और/वा
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रथ, उच्त अधिनियम कौ धारा 269-ग के अनुसरण माँ, माँ, अक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधनरा (1) को अधीन, निम्निसिया व्यक्तियाँ, अर्थात्ः— 1. श्री आर० पी० आचरंकर।

(अन्तरक)

2 श्री प्रफुल्ल जनार्दन लोक।

(अन्तरिती)

को यह स्वान जारी करको पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के सीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में किया गया है।

अनस ची

पलेट नं० 1. प्लाट नं० 421. कांजूरको-आप० हाउपिंग सोसायटो, सी० टी० एस० नं० 683. काजूर, भांडूप, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि कि कं ल आई-3/37ईई/1303/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी. बम्बई द्वारा विनांक 2-9-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० तहिरी सक्षम प्र.धिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रींज 3, बम्बई

दिनांक: 14-5-1984

त्ररूप बाइ टी एम एस,

सायकर सिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जन रेंज 3. बम्बर्ड

बम्बई, दिनांक 14 मई 1984

निर्देश सं० अई-3/37ईई/2974/83-84--अत: मुझे ए० निह्री

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समंति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संव शाप नंव. 12, ऋषीकेश बिल्डिंग, बिलेज वालनाय, आफ मार्वे रोड, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है (और इसने उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजित है). और जिन्हा फ्रांपन म अयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 है, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय रजिस्ट्री है, तारीख 2 सिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के श्रामान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से एसे श्रायमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विश्वित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- '(क) अन्तरण से हुक किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) ■ अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों अर्थात् :— 1 श्रीमती बेलभाई रमंणिकलाल शहा।

(अन्तरक)

2 श्री जयंत डी० मेधिचयानी और श्रीमती शिला अयंत मेधिचयानी।

(अन्तरिती)

3. अन्तरिती ।

(त्रह व्यक्ति, जिसके अधि भोग में सम्पत्ति है) को यह सूचना जारी करके पृषेत्रित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकेंगें।

स्पध्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अनुसूची

शाप नं । 12, ऋषिकेश बिल्डिंग, विलेज वालनाय आफ मार्वे रोड, मालाड (प). बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जिसकी कि० सं० अई-3/37ईई/1326/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी. बम्बई द्वारा दिनांक 2-9-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी स**हायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)** अर्जन रेंज 3, **बम्बई**

लारीखः: 14-5-1984

प्रस्प नाहां.टी.एव.एक

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के ब्भीन स्थना

BISS SSWS

कार्यालय, सहायक जायकर आयक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज 4. बम्बई बम्बई, दिनांक 10 मई 1984

निर्देण सं० अई-4/37-जी/83-84--अत: मुझे, विजय रंजन

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परजात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार बस्य 25,000/- रत. से अधिक हैं।

और जिसकी संवसर्वे नंव 17, हिस्पानंव 6, (पार्ट) सीव टीव ए पुरुनं र 40 (पार्ट) फायनल प्लाटनं र 646आफ दिटी र पीर एस० नं । [H आफ बोरिवली बम्बई में स्थित इससे उपावद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), कर्ता अधिकारी के ार्यालय बम्बई में रजिस्टीहरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीखा 13 सितम्बर 1983

को प्रवेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के अध्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वों क्त संपरित का उपित बाबार मृस्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिचात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (बंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कम निम्मसिवित उक्वोदय से इक्त मन्तरण मिवित में वास्तविक क्य से केथित नहीं किया प्या हुर्रः--

- (क) अन्तरण संधुद्दं किसी बाय की बायत, अक्स बीधनियम के वधीन कर दोने के बन्तरक की दायित्व में कमी करने या उत्तरें वचने में सुविधा ने निष्; गरि/मा
- (क) ऐसी किसी भाग या किसी भन वा मन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय नाय-कर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या वनकर **जी**धीनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कर्सारती दूवारा प्रकट नहीं किया मया था वाहिकया जाना चाहिए जा, स्क्रियाने में ब्रिया चे जिल्ह

अतः अव , उक्त अधिनियम , की भारा 269-ग के बनुकरण में, में, उन्तर अधिनियम की धारा 269-च की स्पथारा (1) 📭 अभीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् 🖦

ा. श्री काशीनाय गोविद दादरकर।

(अन्तरक)

2. श्री अनिलक्षमार चंपकलाल पारेखा।

(अन्तरिता)

को यह सुचना चारो करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्षन के सिए कार्यवाहियां करता हुए।

बक्त सम्पत्ति के सर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आओप :--

- (क) इ.स.स्चनाके राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सचनाकी तामील से 30 दिन की अविभि, जो भी व्यविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वॉन्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितनवृभ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए आ सर्कोंगे।

स्वक्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, वो सक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विचा गया है।

बनसूची

अनसूची जैसा कि विलेख सं० बाम डीडनं० एस० 1000/82 और जो उपरजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 13-9-1983 की रिजस्टर्ड किया गया है।

> विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज 4, बम्बई

वारीखा: 10-5-1984

प्ररूप भादा टी एन एस

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्बास्य, सञ्ज्ञायक वायकर मायुक्त (विरक्षिण) अर्जन रेंज-III सम्बद्ध सम्बद्ध, दिलांक 14 मई 1984

निर्देश सं० अई-3/37ईई/2936/83-84—यतः, मुझे, ए० लहिरी,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भाक 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने के कारण है कि स्थायर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्क 25,000/- रूट. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० 11, शिवकुज 2री मंजिल, प्लाट नं० 138, 16 मं रास्ता, चेंबूर, बम्बई-71 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से बणित है) श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 2 सितम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसीं आयं की वायत, अक्त अधिनयम के अधीन कर दोने की अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (वा) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जान, चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की, अनुसरण में. में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) की अधीन, निम्नलिखित अपिक्तयों, सुधित के (1) श्री बी० एस० मानी।

(अन्तरक)

(2) श्री आर० रंगनाथन।

(अन्तरिती)

का यह स्वना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप 🌤 🗕

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्यक्थ किसी अन्य व्यक्ति इ्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ुजो उक्त निधनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनसूची

 शिवकुज, 2री मजिल व्लाट नं० 138, 16वाँ रास्ता, चेंबूर, बम्बई-71 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी ऋ० सं० अई-3/37ईई/1308/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-9-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-III, बम्बई

तारीख: 14-5-1984

प्ररूप आर्डु. टी. धन. एस.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहामक भायकर गायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज- र ई बम्बई, दिनांक 14 मेई 1984

निर्देश सं० अई-3/37ईई/2926/83-84---यतः, मुझें, ए० लहिरी,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अजिनियम' कहा गया हैं) की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं पर्लैट नं 0 102, प्लाट नं 0 42, कांजूर की-आप हाउसिंग सोसायटी, सी 0 टी 0 एस 0 नं 0 683, कांजूर, भांडूप, बस्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कखा के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बस्बई के कार्यालय में रिजिस्ट्री है, तारीख 2 सितम्बर, 1983

कां पृषंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दूरयमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि बथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नतिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम की अधीन कर दोने के अन्तरक के वासित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:—— (1) श्री आर० पी० आचरेकर।

(अन्तरक)

(2) श्री लक्ष्मण पांडूरंग पेडणेकर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करुके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे.

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरि-भाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्त्र्यी

फ्लैट नं ० 102, प्लाट नं ० 42, कांजूर को-आप० हाउसिंग सोमायटी, सी० टी० एम० नं ० 683, कांजूर, भांडूप, बम्बई में स्थित है।

अनुमूची जैसाकि ऋ० मं० अई-3/37ईई/1304/83-84 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-9-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III, बस्बई

तारीख: 14-5-1984

मोहर 🖫

प्रस्प भाइ. टी. एन्. एस

श्रायकर श्रीधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के श्रीम सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-III, बस्धई बम्बई, दिनांक 14 मई 1984

निर्देश सं० अई-3/37ईई/4012/83-84—यतः, मुझें, ए० लहिरी,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 2, 2री मंजिल, संजय अपार्टमेंट, ब्रोस्ड सायन, ट्राम्बे रोड, चुनाभट्टी, बम्बई-71 में स्थित है (श्रीर इससे उपावद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वणित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय रजिस्ट्री है, तारीख 2 सितम्बर 1983

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके ध्रथमान प्रतिफल से, एसे ध्रथमान प्रतिफल का पत्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ् पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देषय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तरिक क्ष्य से कथिस नहीं किया गया हैं :---

- (क) जन्तरण ये शुर्द किसी आज की बाबत, उक्त जिथितियम के जधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कजी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जार/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर जिभिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती वृजास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सविधा के लिए।

जतः। बज, उक्त अभिनियमं की भारा 269-ग के अनुतरण मो, मो, अक्त अभिनियमं की भारा 269-च की उपधारा (1) को अभीग, निस्नुतिचित स्यक्तियों के नर्भात ह—— (1) भी डेरीक अन्योनी बोथेल्लो।

(अन्तरक)

(2) 1. श्री जयंतीलाल एन० 2. चंश्यानी भीर सुशिला जे० चोथानी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्धन के हिए कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के सैं 45 दिन की जनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनिथ, जो भी अनुध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्युक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे:

स्थव्यक्तिरण:--इसमें प्रयुक्त सन्यों आहि पर्वों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा को उस अध्याय में दिया गया हैं।

नगुलुका

प्लैट नं० 2, 2री मंजिल; संजय अपार्टमेंट भोल्ड सायन, ट्राम्में रोड मुनाभट्टी, बम्बई-71 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि० सं० अई-3/37ईई/1312/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 2-9-83 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज -III बम्बई

तारीख: 14-5-1984

भोहर 😃

प्ररूप आर्द्धा टी. एन. एस.

अभ्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) बम्बई, दिनांक 14 मई 1984

निर्देश सं० अई-3/37ईई/3088/83-84---अत: मुझे ए० लहिरी

आवकर अधिनियम, (1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रतपर्य से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंटनं० 103, आरती अपार्टमेंट, सरोजिनी नायकू रोड़, मुलूंड (प), बम्बई-80 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क,ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्टी है,तारीख 2 सितम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित आजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके धरयमान प्रतिकल से, एेसे धरयमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अपिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा ल लिए: और ∕गा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन गाअन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) २: रूफ्त अधिनियम, या भनकर अधिनियमः, १७५७ (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त विधिनियम, की धारा 269-ग के अनसरण

में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थातु:—— 22 .-- 126GI 84

1. श्रीमती अंयती जानकीरामन्।

(अन्तरक्)

2. श्रोमती सानीबाई वेद वाध उर्फ सोनीबाई वेदू सोनार। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन 🕏 लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी व्यक्ति दुवारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

क्लैट नं० 103, आरती अपार्टमेंट, सरोजनी नायबुरोड़, मुर्लुड (प), बम्बई-80 में स्थित है।

अनसूची जैसाकि ऋ० सं० आई-3/37ईई/1306/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2-9-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, वम्बई

विनांक: 14-5-1984

मोहर 🥫

प्रक्य बाह् ती. इन . हत्

कायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की। धारा 269-म (1) के अभीन सूत्रना

भारत संस्कार

कार्यालय, स**हायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)** अर्जन रेंज 3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 मई 1984

निर्देश सं० अई-3/37ईई/1412/83-84--**अ**तः मुझे ए० लहिरी

कामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गगा है"), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को नह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाकार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० मुरली मनोहर को-आप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, ए० बी० एन० मार्ग, कुर्ली, बम्बई में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अबीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई कार्यालय में रिजिस्ट्रों है, तारीख 2 सितम्बर 1983

को प्रविक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्रवेक्त संपत्ति का उचित बाबार मृत्य, उसके दरममान प्रतिफल से, एसे दरममान प्रतिफल का बंद्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल निक्नलिक्ति उद्योग्य से उन्त अन्तरण लिखित में पास्तिविक स्प से किथित नहीं किया गया है

अन्यरण से हुई किसी बाव की बावत, क्वल अधिनियम के अधीन कर बोने के बन्तरक के दासिरय में कभी करने के उसके बचने में सीवधा के लिए; और/य।

(क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आय्-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा था किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के विष्;

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिसों, अर्थीत् :—-

1. श्री एस० भूपेंदर सिंगमला।

(अन्तरक)

2. मैससं बी० जयमल सिंग एण्ड सन्स ।

(अन्यरिती)

को यह सुणना चारी करके पृथोंक्य संपर्धन के सर्थन के विष् कार्यनाहियां करता हो।

उक्त संपत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में दित्यक्थ किसी जन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिकित में किए जा सकांगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, को अवस् अधिनियम, को अध्याय 20 क में परिभाषित ह°, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गवा हैं॥

प्लेट नं 2, मुरजी मनोहर को आप हाउसिंग सोसायही; एल बी एस भाग, कुर्ला, वस्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी ऋ० सं० अई-3/37ईई/1313/83-84ू और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-9-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लाहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 14-5-1984

मोहर 😉

इक्ष् भार्य । हो , एर , एर .

नामकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की नारा 269-पु (1) के न्यीन यूचना

नारत बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 16 मई 1984

निर्देण सं० ग्रई-3/37ईई/4039/83-84—श्रतः मुझे, ए० लहिरी,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावद सम्पत्ति, जिसका उन्तित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से वैधिक हो

श्रीर जिसकी सं० गाला नं० 3, ग्राउड फ्लॉर, गौतम उद्योग भवन, एल० बी० शास्त्री मार्ग, बम्बई-78 में स्थित है (ग्रीर इससे उपावड भ्रनुसूची मैं भ्रीर पूर्ण रूप में विणत है) ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम 1961 की धारा 269क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्टी है, तारीख 2 सितम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उभित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिवात से अधिक है और जंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से किथित नहीं किया गया है है——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वासित्स में क्रमी करने या उससे अकने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना भाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

शतः नव, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के जनुसरण मों, मों उक्त अधिभियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नतिकित व्यक्तियों, अर्थात् ध्रू-- 1. मैसर्स मोतीराम तोलाराम।

(ग्रन्तर्क)

2. श्रीमती विजयाबेन कल्याणजी वोहरा।

(भ्रन्तरिती)

3. घन्तरक।

(बह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्बन्धि के वर्जन के सिध् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पृत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच १ 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर अंपरित में हिसा वस्था किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया स्था हैं।

वन्स्थी

गाला नं० 3, प्राउंड फ्लोर, गीतम उद्योग भवन, एल० बी**॰** शास्त्री मार्ग, बम्बई-78 में स्थित है।

स्रन्यूची जैसा की क० मं० स्रई-3/37ईई/1293/83-84 स्रोर जो सक्षम प्राधिकारी वस्बई हारा दिनांक 2-9-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहि**री** सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-3,बम्बई

दिनांक: 16-5-1984

मोहर् 🛭

प्रकथ आही. टी. एन. एस.

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के न्धीन स्चना

बाइत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज 3, बम्बई बम्बई, दिनांक 16 मई 1984

निर्देश सं० ग्रई-3/37ईई/4035/83-84---श्रत: मुझे, ए० लहिरी,

शासकार मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके प्रवाद 'उक्दु अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सुम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० ए०/6सी०टी० एस० नं० 694 से 699, विलेज कोले कल्याण, वाकोला बम्बई-55 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रौर जिसका करारनामा श्रीयकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय रजिस्ट्री है, तारीख 2 सितम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कर्म के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार बूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार्) और अन्तरित (अन्तरितियार) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्नीसिचत उद्वेष्य से उच्त अन्तर्ण निम्नीसिचत में वास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है ----

- (क) ब्रुक्टरण से हुई किती आयु की बाबत उचत अधिनियम के अधीन कर दोने के ब्रुक्टरक के दायित्व में कमी करने वा उससे वचने में सुविधा के सिए; बॉट्/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, पा धन-कर अधिनियम, पा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के किए:

कतः सव, उक्त विभिनियम की धारा 269-ग के वनसरण में, में, अक्त अधिनियम की धारा 269 में की उपधारा (1) के अधीन, निक्निलिखित व्यक्तियों, अधित :---

1. मैसर्स गोल्ड कौइन बिल्डर्स।

(अन्तरक)

2. श्री रोझ० पी० ग्रलमेडा ग्रीरश्री एक्स० ग्रलमेडा। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें दे 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी स्थायित माँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी स्थावत द्वास;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यीक रण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त किंशनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, देही कर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिवा गया है।

नन्त्जी

फ्लैट नं० ए०/6, सी० टी० एस्.० नं० 694 से 699 विलेग कोले कल्याण, वाकोला, बम्बई-55 में स्थित है।

अनुसूची जैसाको ऋ० सं० श्रई-3/37ईई/1297/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2-9-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 16-5-1984

प्ररूप बाइ .टी.एन.एस

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 मई 1984

निर्देण सं० ग्रई-3/37ईई/3084/83-84—श्रतः मुझे, ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इस के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लंट नं० 3, 6 वी मंजिल, तिरुपती, वाकोला कोले करुयाण, सांतात्रूज (पूर्व), बम्बई-55 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) श्रौर जिसका करारनामा भायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 2 सितम्बर 1983

को प्योंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया नया प्रतिफल, निम्नसिस्ति उद्योवय से उक्त अंतरण निचित् में वास्पविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) बंदरण से इर्इ किसी नाव की वाबत., उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; बार/वा
- (क) ऐसी किसी बाब का किसी धन या बन्ध जास्तियों की, जिन्हों भारतीय जायकर जिथिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोखनार्थ बंतरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— 1. मैसर्स हरासिझ कारपोरेशन।

(ग्रन्तरक)

2. श्री हिरामन जी० गोजवाल।

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परितः को वर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेष् हः—

- (क) इस स्थान के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पड़ स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, वो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (च) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निविद्य में किए जा सकों से ।

स्वच्छीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उनत अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, शहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया न्या है।

अनुसूची

फ्लेंट नं०3 तिरुपती बिल्डिंग वाकीला कोले कस्याण, सांत्तात्रूज (पूर्व), बम्बई-55 में स्थित है। जैसािक श्रनुसूची ऋ० सं० श्रई-3/3/7ईई/1348/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2-9-1983 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, ब स्बर्ष

दिनांक: 14-5-1984

मोहर 🖫

प्ररूप भाष्ट्री, टी. एन् एस.

श्री झार० पी० श्रांचरेकर।

(अन्तरक)

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

2. श्री भगवान पांडुरंग कार्यडे।

(भन्तरिती)

भारत रहकार

कार्यालय, सहायक जायकर जाम्बत (निर्देशिक) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 मई 1984

निर्देश सं० ए० लहिरी,

अन्यकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269- ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मृत्य 25,000/- हरा से अविभक हैं

भीर जिसकी सं ० फ्लेंट नं ० 30 2, प्लाट नं ० 42, कांज़र को-भ्राप० हार्जासग सोसायटी, सी० टी० एस० नं० 683, कांजूर भांडूप; बम्बई में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से बर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269क ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बाई के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 2 सितम्बर 1983

को पर्वोक्त संम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से क👛 के स्त्यमान प्रतिकल के सिए अन्तरित की गई है और मुक्ते येंह विस्तास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसको दश्यमान प्रतिफल से, एसे अध्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के नीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-क्स, निम्निसित उद्वेदम से उस्त जन्तरण मिकित में वास्तविक इस्प में कथित नहीं किया गया है 🤃

- (क) जन्तरण से हुई किसी जान की बादत्, व्यभिनियम के अभीन कर देने के जन्तरक के दावित्व में कमी करने या उससे बचने में तुनिभा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाम या किसी धन या जन्म जास्तियों को, जिनह भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

को यह स्वाना जारी कर्यो पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जनृ के सम्बन्ध में कोई भी वसीप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 4.5 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सुचनाकी तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपुत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास् लिखित में किए जासकों गे।

स्पर्वेदाकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्य

फ्लैट नं० 302, प्लाट नं० 42 कांजुर को-भ्राप० हाउसिंग सोसायटी, सी० टी० एस० नं० 683, कांजुर, भांडुप अम्बद्दे में स्थित है।

भ्रनुसूची जैसाकी ऋ० सं० ग्रई-3/37ईई/1353/83-84 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-9-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

अतः, अव , उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के वन्धरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के बधीत, निम्नलिखित व्यक्तिगी, कथित ए-

विनांक: 14-5-1984

मोहर 🌣

प्रकृत बार्ड <u>टी.एन.</u>एस.

भायकार मृश्विनम्म्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के सभीन सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्स (निरक्षिण) श्रर्जन रेज-3, बम्बई बम्बई, दिंनांक 14 मई 1984

निर्देश सं० भ्रई-3/37ईई/2994/83-84—-भ्रत: मुझे, ए० लहिरी,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के मधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कार्ण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

25,000/- रत. स आधक हा श्रीर जिसकी सं० पलेट नं० 23, 3री मंजिल, धमेंद्र की-श्रीप, हाउसिंग सोसायटी लिमिटेंड, मारवाड़ी चाल, एस० बी० रोड, मालाड (प) है तथा जो बम्बई-64 में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा श्रीयकर श्रीधिनयम 1961 की 269 क ख के श्रीधीन सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 2 सितम्बर 1983 को पूर्वोक्स संपरित के उचित बाजार मृस्य से कम के खरमान श्रीतफल के लिए जन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे खरमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाम गया प्रतिफल, निम्नितिखत उद्देश्य से उक्त जन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है है—

- (क) जन्तरण संहुई किसी गाय की बाबत उक्त जीध-नियम के अधीन कर दो के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे न्याने में सुविधा के लिए; और/या
- (अ) ऐसी किसी जाय या किसी भन या जन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात ह— 1. श्री एल० जी० लोहानी।

(श्रन्तरक)

2. श्री किरीत सी० शाहा।

(भ्रन्तरिती)

3. भन्तरिती।

(बह व्यक्ति जिसके श्रीधभोग में सम्पत्ति है)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इब स्वना के रावपत में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की जबिंध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामीस से 30 दिन की अविधि, जो भी बबिंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के , पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों की, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं। वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गयर

नमूत्र्यी

फ्लैंट नं० 23, 3री मजिल, धमेंद्र को-म्राप० हाउसिंग सोसायटी लिमटेंड, मारवाडी चाल, एस० वी० रोइ, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसाकी कर संरु ग्रई-3/37ईई/1323/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-9-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्राय्क्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक :14-5-1984

मोहर ह

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -- ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 मई 1984

निर्वेश सं० म्रई-3/37ईई/4027/83-84—म्बतः मृझे, ए० लहिरी,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाकर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

धौर जिसकी स० विक्रोलीशिवकृपा इण्डस्ट्रियल को-श्रॉप० सोसायटी लिमिटेड, यूनिट नं० 108, 1ली मंजिल, प्लाट नं० 3, एल० बी० हैं स० मार्ग विक्रोली, बम्बई में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबड़ श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), श्रौर जिसका करारनामा ग्रायंकर श्रधिनिद्रम 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 2 सितम्बर 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यानान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार अन्य, उसके क्यामान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाम गमा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गमा है:---

- (ब) अन्तरण से हुद्द किसी नाम की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अपने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपन अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-सार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः जका, उक्त अधिनियम की भारा 269-न के अनुसरण भौ, भौ, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों , अर्थात् ल-- मैसर्स नेशनल प्लास्टक इण्टरप्राइजेस।

(श्रन्तरक)

2. मैसर्स राजन सिल्क मिल्स।

(भ्रन्तरिती)

3. श्रन्तरक।

(वह व्यक्ति जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाधन की ठारीं सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित्बब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पष्टिकरण: ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्नत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं सर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गवा है।

अनुसुची

विकोली शिवकुपा इण्डस्ट्रियल को-आप० सोसायटी लिमिटेड यूनिट नं० 108, 1ली मंजिल, प्लाट नं० 3, एल० बी० एस० मार्ग, विकोली, बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकी ऋ० सं० श्रई-3/37ईई/1311/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक ्र 2-9-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

विमांक: 14-5-1984

मोहरः

प्रस्य बाहै की हुन एक

मारकर लिभिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भूजेन ऐंज 3, बस्बई

गम्बई, दिनांक 14 मई 1984

निर्देश मं० श्रई-3/37ईई/3039/83-84—श्रनः मुझे. ए० लहिरी,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्मति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेंट नं० डी/503, 6वी मंशिल, ''डी'' विंग, ,'बिना नगर'', मालाड, धम्बई में स्थित हैं (और इसकें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई केकार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 2-9-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल में, एसे रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरेष से उक्त अन्तरण [सिखित में बास्तिक क्ष्य से कथित नहीं किया गया है:—

- श्रीक) अन्तरक से हुई किसी आय की श्रावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे अजने में स्विधा अंतिष्ट; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

क्त*, जब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के जन्मरण में, में, उत्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. भी ਜਿਹੜਿ 60 ਅਵਾ।

(ग्रन्तरक)

2. कपूर फंमिली ट्रस्ट।

(अन्तरिती)

को यह स्वता चादी करके प्राेंक्स सम्पृत्ति की वृत्रंत के तिस् कार्यवाहियां शुक्र करता हूं।

उनत् संपृत्ति को अर्जन् को संबंध में काहि भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख वें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों दर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, खो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर प्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्ध्वीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० डीं/603, 6थीं मंजिल, "डीं" विंग, भ्राफ बिस्डिंग काम्प्लेक्स नीन ऐज "विना नगर" मालाड, बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकी क०सं० श्रई-3/37ईई/1366/8-384 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी , बम्बई द्वारा क्लिंक 2-9-1983 को रजिस्टई किया गया है।

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-३, बस्बर्ध

दिनांक: 14-5-1984

माहर ह

प्ररूप आहें. टी एन एस

आयक्षर अक्षिनियन. 1961 (1961 को 43) की भाग 269-घ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज⊶3, बम्बई बम्बई, दिनोक 14 मई, 1984

निषेश सं० प्रर्ड-3/37 ईई/2971/83-84---- प्रातः मुझे, ए० लहिरी

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाम् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 404, चौथी मंजिल, ग्राणा पैलेस, तीसरी डिमोन्स कालोनी, मालाड (प०), बम्बई में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन, सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 2 मितम्बर, 1983

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकॉ) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के योच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य मे उक्त अन्तरण निस्तित में गास्तविक मा से किथत नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आधत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिश्व में कामी अपने या उससे बचने में मृजिधा के लिए, और/या
- (व) ऐसी किसी आय या िकसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया अधिया के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मै० स्रवसा इन्टरप्राद्म।

(म्रन्तरक)

(2) श्रीमती फिलमिना ओआअटो ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी के से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में के किसी व्यक्ति द्वार;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उन्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थहोगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पलैट नं० 404, जीशी मंजिल, श्रामा पैलेस, तीसरी डिमोन्स कालोनी, मालाड (पश्चिम), बम्बई में स्थित है। श्रनुसूची जैगा कि क्रम सं० श्रई०-3/37 ईई०/1327/ 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनोक 2 सितम्बर, 1983 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) शर्जन रेंज-3, यम्बर्द

सारीख: 14-5-1984

भार : १

प्ररूप नाइ. टी. एन. एसं.

आयकर् अभिनियभ, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सर्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 मई 1984

निर्देण सं० ग्राई-3/37 ईई/3073/83-84---ग्रतः मुझे, ए० लहिरी

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार्य 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० पनैट नं० 402, चौथी मंजिल, बी विंग, तोलाराम अपार्टमेंटस, चेंबूर कैंम्प, बम्बई-74 में स्थित हैं (ग्रीर इससे जपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), श्रोर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन, सक्षम प्राधिकारी, बम्बई में कार्यालय ० रजिस्ट्री है, तारीख 2 सितम्बर, 1983

को पूर्वोक्द सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विषयास करते का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक है से किया गया है:--

- (क) मन्तरण से हुई किसी बाय की यावस, उक्क जिमिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हुन्स (1) मै० कुकरेजा कन्स्ट्रक्शन कम्पनी।

(भ्रन्तरक)

- (2) श्री कुन्दन दास वाट्मल पोरवानी ।
- (3) अन्तरक (सन स्माहित जिसके वर्षायकोग में स्वामिक ।

(यह व्यक्ति जिसके भ्रधिभोग में सम्पत्तिहै) (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप--

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए या सकींगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 402, चौथी मंजिल, बी विग, तोलाराम श्रपार्टमेंट्स, चेंबूर कैम्प, बस्बई-74 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋम मं० ग्रई-3/37 ईईई/1357/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2 सितम्बर, 1983 को रजिस्टई किया गया है।

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 14-3-1984

माहर :

प्रक्ष बाहै, टी. एन, एस

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 मई 1984 निदेश सं० श्रई-3/37 ईई/3087/83-84--श्रतः मुझे, ए० लहिरी

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 44, ए विंग, निलिमा अपार्टमेंट्स, जंगल मंगल रोड, भांडूप, बम्बई-78 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध प्रमुस्ची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 के, कख के श्रधीन, सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 2 सितम्बर, 1983

को प्रविक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रम् प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है:----

- (क) सन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मी कमी करने या उससे अचने मी सूबिधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिएाने में सुविधा के लिए;

अंतः अज, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण जों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्लिखित व्यक्तियों, अधीत् :--- (1) मेसर्स गणेश विल्डर्स।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री जी० डी० मांजवे।

(ग्रन्तरिसी)

को यह सुखना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध शद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाहर सम्पत्ति में हित-यद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए आ सकेंगे।

स्पष्डिकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, ओ उसर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा ओ उस अध्याय में दिया गया है।

सन्स्त्री

प्लैट नं० 44, ए बिंग. नीलिमा श्रपार्टमेंट, जे० एम० रोड, भांड्य बम्बई-78 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कम सं० अई-3/37 ईई/1346/ 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2 सितम्बर, 1मैं83 को रजिस्टर्ड कियागया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेंज-3, बस्बई

नारीख: 14-5-1984

मोहर 🥫

प्रकृष् काइ . टी. एन. एस्.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक आयकर नायुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 14 मई 1984

निदेश सं० अई-3/37 ईई/4051/83-84--- प्रत: मुझे, ए० लहिरी

वायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 301, तीसरी यंजिल, साई श्रुपार्टमेंट, एल० वी० एस० मार्ग, घाटकोपर, (प०), वस्बई-86 में स्थित है (श्रौर इससे उपाव अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है),श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीध-नियम, 1961 की धारा 269 कं, ख के श्रशीन, सक्षम प्राधिकारी, वस्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 2 सितम्बर, 1983

को पूर्धोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिश्वित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिकित को नास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के बायित्व में कमी करने या उसमें बचने में स्विधा के लिए बार/या
- (ण) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य अस्तियों की, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त जिपानयम की धारा 269-ग को अनुसरण मी, मी, उपत अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) को अधीन, निम्नोलियित व्यक्तियां, अर्थात् :--- (1) मैसर्स महेश बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

(2) श्री प्राणजीवनदास कालीदास भगत।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृष्टिकतः सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहियां शुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्धभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण: --- इसमें प्रयुक्त सक्यों और पूर्वों का, जो उक्त अभिनियम, के क्ष्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया गया है।

मनसूची

पलैंट नं० 301, तीसरी मीजल, साइ भ्रपाटमट, एल० बी० एस० मार्ग, घाटकोपर (पश्चिम), बम्बई-86 में स्थित है।

यनुसूची जैसा कि क्रम सं० श्रई-3/37 ईई/1359/ 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, वस्बई द्वारा दिनांक 2 सितम्बर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० पहिरो सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 1!-5-1984

मोहर 🖫

प्रकाश कार्यः दौ. एन<u>ः</u> एपः

भायकर क्षितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के नधीन सूचना

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-3, बम्बई वम्बई, दिनांक 14 मई 1984

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-श्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित वाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 11, बिल्डिंग नं० जे/7, जलमंगल विप को०-श्रापरेटिंब हार्जीसंग सोसाइटी लिमिटेंड, बांगूर नगर, गोरेगांव (प०), बम्बई-90 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिनियम, 1961 की धारा क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 2 सितम्बर, 1983

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल को पन्न्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्वदेश से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) बन्तरण से हुई किसी जाय की वावत, उक्त जिथानियम के जभीन कर दोने के बन्तरण के वायित्व में कमी करने या उससे अभने से सुविधा के जिए; कौर/वा
- (च) एसी किसी बाय वा किसी धन या जन्य नास्त्यों करों, जिन्हों भारतीय लाय-कर जीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया बाबा बा बा किया जाना चाहिए था कियाने में सविधा के लिए;

अतः क्बं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उकत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियाँ, अथित्:—— (1) श्रीमती सिसिसीया पिटो ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री के० एम० वर्गिस ।

(ग्रन्तरिती)

- (3) 1. क्षां के० एम० वर्गिस,
 - 2. श्रीमती मेरी वर्गिस,
 - 3. श्री श्रजाहम मैथ्यू,
 - 4. श्रीमती एस० वर्गिस, ग्रीर
 - 5. श्री सी० वर्गिस ।

(वह व्यस्ति, जिसके भ्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके प्वॉवत संपत्ति को अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप %--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की बनिध या तत्सम्बन्धी क्यांक्लयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अनिध, जो भी अनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूनांक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुनारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकोंगे।

स्पक्षीकरणः - इसमें प्रमुक्त सन्दों नौर प्रों का, जो उन्द जिथिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं नर्थ होगा, जो उस अध्याय में विमा गवा है।

नम्स्ची

फ्लैट नं० 11, बिल्डिंग नं० जे०/7, जलमंगल दिप को०-श्रापरेटिय हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड, बागूर नगर, गोरेगांव (पश्चिम), बम्बई-90 में स्थित हैं ।

श्रनुसूची जैसाकि कम सं० श्रई-3/37 ईई/1319/ 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2 सितम्बर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 14-5-1984

प्रकाप आहुर हो। एतः एस

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन मुखना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

थ्रर्जन रेंज-3. बम्बई बम्बई, दिनांक 14 मई 1984

निदेश सं ० श्रार्-3/37 ईई/24028/83-84 ततः मुझे, ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्वास करने का कारण है कि स्थाधर सम्पत्ति, जिसका उचित बागर मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 401, जौथी मंजिल, साई श्रपार्टमेंटस, एल० बी० एस० मार्ग, घाटकोपर (प०), बम्बई-86 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख, के श्रधीन, सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 2 सितम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से एम से कम दूष्यमान प्रनिष्कत के लिए प्रंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास फरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, जसके दूष्यमान प्रतिकल से, ऐसे दूष्यमान प्रतिकल का पन्त्रह् प्रतिशत से घंधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए स्य पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उनत प्रम्तरण लिखित में बास्तविक अप से क्वित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की गांअत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या जससे जचने में नृथिभा के लिए; आर/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिथों करों, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए; और/मा

बत: बाब, उक्त अभिनियम की धारा 269-म को अन्मरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिंकत व्यक्ति भें, अर्थात क्रिक्त (1) मेमर्स महेण बिल्डमं ।

(अन्तरक)

(2) श्री माधवदास पारुराम <mark>खानचन्दानी ।</mark> (श्रन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

वन्स्थी

401, चौथी मंजिल, "साई ग्रापाटमेंस", एति बीठ एसठ मार्ग, घाटकोपर (पिण्नम), बम्बई-86 में स्थित है। श्रामुची जैसाकी कम संठ श्रई-3/377ईई /1314/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई क्रारा दिनांक 2 मितम्बर, 1983 को रजिस्टइं किया गया है।

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन' रेंज-3, बम्बई

सारीख : 14-5-1984

प्ररूप बाइं. टी. एन. एस

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-3, वम्बई

बम्बई, दिनांक 14 मई, 1984

निदेश सं० ग्रई-3/37 ईई/ 2965/83-84--- ग्रत; मुझे, ए० लहिरी

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० सिमित ध्रपार्टमेंट, चौथी मंजिल, फ्लैंट नं० 42, छठवीं मामलदास वाडी, मालाड, बम्बई-64 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 2 सितम्बर, 1983

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित आजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से, एसे दृश्यमान प्रतिफाल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गाया गया प्रतिफाल निम्निलिश्वत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तयिक रूप में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हाड किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की वायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए, कौर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

हन अब एका अधिनियम की भारा 269-ए के अनसरण में, मैं उक्त अभिनियम की भारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीतिस्ति व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) में सर्श खेतातं । इन्टरप्राइजेश ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती एच० एस० मर्चेन्ट।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हो।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में काहि भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथींकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृक्षारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पटिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सिमित श्रपार्टमेंट, चीथी मंजिल, पर्लैट नं० 42, मामलदार वडी, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है।

भ्रनुसूकी जैसाकि क्रम सं० श्रई-3/37 ईई/1328/ 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2 मितम्बर, 1983 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायृक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, **बस्बई**

तारीख: 14~5-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निर्देशिका) प्रार्जन रेंज-3, अम्बर्ध

बम्बई, दिनांक 14 मई 1984

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रोर जिसकी सं० फ्लैट नं० 4, प्राउन्ड फ्लोर, प्लाट नं० 8/ए, नाहूर रोड, मुलुंड, बम्बई-80 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबक्ष श्रमुस्ची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रौर जिसका करार-नामा श्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269 के, ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय रजिस्ट्री है तारीख 2 सितम्बर, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तर्ण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिति उद्विषय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, अबत अधिनियम के वधीन कर दोने के बन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जौर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

बत: बन, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के अभीत, विम्नीसिवत व्यक्तियों, वर्षात्

(1) श्री मोहन देवदास पै।

(अन्तरक)

(2) श्री ए० नाजिर श्रहमद खान।

(भ्रन्तरिती)

(3) अन्तरक (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी कारके पृथेकित सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुए।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि शाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मकोंगे।

स्थव्यक्तिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त रिधनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

गनुसूची

क्लैट नं० 4, ग्राउण्ड फ्लोर, प्लाट नं० 8/ए, नाहूर रोड, मुलुंड, बम्बई-80 में स्थित है ।

भ्रनुसूची जैसा कि कम सं० भ्रई-3/37 ईई/1307/ 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2 मितम्बर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज→3, वस्बई

तारीख : 14-5-1984

मोहर 🛮

प्रकृष वाहै ही एवं एवं

नायकार संधितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के न्धीन सूचना

HICO GE CHE

कार्यासय, सहायक नायकर नायुक्त (निद्वाकाण)

म्रर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 14 मई 1984

निदेश सं० ग्रई-3/37 ईई/2927/83-84--- ग्रतः मुझे, ए० लहिरी

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपए से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं प्लैट नं 2, प्लाट नं 42, कांजूर को ग्रापरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेंड, सी टी एस नं 683, कांजूर, भांडूप, बुम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध प्रनुस्ची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करार—नामा श्रायकर श्रीविनयम, 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रिधीन, सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 2 सितम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गृष्ट हैं और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिकात से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय वाया गया प्रतिफल, विश्वनिविद्य उद्युष्ट से उद्युष्ट बन्तरक विवास की किया गया है किया ग

- (क) अस्तरण से शुर्ड किसी नाय की नावत, समस निधिनियम के नधीन कर दोने के नस्तरक के समित्य में कमी कर्रवे ना उपने व्यवने में बृदिया के लिए; मीर/या
- (स) एसी किसी अाय या किसी धन या अभ्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (२०१०) का ११) या उन्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना वाहिये वा, स्थिनने में सुविधा के लिए;

जतः अज, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण कों., में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1), को अधीन, निम्नतिविक्त व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री मार०पी० ग्राचरेकर।

(झन्सरक)

(2) श्रीविनायक गणपत गांवकर।

(अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी वन्धि वाद में सपाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर पूर्वोक्त उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ष द्वीगा जो उस कथ्यान में दिया गया है।

जनुसूची

फ्लैट नं० 2, प्लाट नं० 42, कांजूर को० ग्रापरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड, सी० टी० एस० नं० 685, कांजूर, भांडूप, बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क्रम सं० ग्रई-3/37 ईई/1305/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2 सितम्बर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 14-5-1984

मोहर 🛭

प्ररूप माइ. की. एन. एस.

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के नभीन सुचना

भारत सडकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्क्षिण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 16 मई 1984

निदेण सं० आई०-3/37 ईई०/4036/83-84--- अतः मुझे, ए० लहिरी

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विकास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं फ्लैंट नं॰ सी/11, सी॰ बी॰ नं॰ 860 से 979, विलेज कोले कल्याण, बाकोला, बस्बई—55 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन, वसक्षम प्राधिकारी, बस्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 2 सितम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई जिली नाम की नामत, उन्त अधिनियम के जधीन कर दोने के जन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे क्चने में सुविधा के सिए; बॉर/या
- (क) एसी किसी नाय या किसी अन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय जायक, र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए,

बत्त अब, उक्त विधिनयम की धारा 269-ग के अगुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बधीन- क्रिक्निशिवत व्यक्तियों, वर्षात् हु---- (1) मै० गोफड काइन बिलड्सं।

(अन्तरक)

(2) श्रीएम० वी० शिवरामन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कृदकी पूर्वीक्त सम्मिति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपण में प्रकासन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की वविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीये।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्कत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अन्स्**मी**

फ्लैंट नं॰ सी/11, सी॰ बी॰ नं॰ 860 रें 979, विलेज कोले कल्याण वाकोला, बम्बई~55 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० आई०3/37 ईई०/1296/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2 सितम्बर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी स**हायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)** अर्जन रेंज--3, बम्बई

क्षारीखा : 16-5-1984

प्ररूप आई टी. एन एस

बायकर मुधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)ं अर्जन रेंज→3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 मई 1984

निवेश सं० आई०-3/37 ईई०/3001/83-84-अतः मुझे, ए० लहिरी

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मृल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

भौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 11, तीसरी मजिल, हिरेन भाषिंग मेन्टर, एस० वी० रोड, गोरेगांव (प०), बम्बई-62 में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है), भौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 2 सितम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्विदेश से उक्त अंतर्ज निम्निलिखत में बास्तिक रूप से किया गया है :——

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय कौ बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उक्त अभने में सुविधा के तिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए:

जतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्न लिखित व्यक्तियों, अर्थात ु— (1) श्रीमती वी० वी० शाह।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती जें०एल०सी० बाग्रा ग्रौर श्रीमती कें० कें० वाग्रा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुए ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बच्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रय्क्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्त्र्यी

प्लैट ७० 11, तीसरी मंजिल, हिरेन शापिंग सेन्टर, एस० वी० रोड, गोरेगांव (प०), त्रम्बई-62 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० आई०-3/37 ईई०/1355/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2 सितम्बर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० तहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बाई

सारीख : 14-5-1984

शक्य बाह्[™]े दौ पुन्_य पुत्

भायकार मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत तरकार

कार्यास्य, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्न)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिांक 14 मई 1984

निवेश सं० आई०3/37ईई०/2975/83-84--अतः मुझे, ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसके पश्चात् 'छक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रहे. से अधिक हैं

ष्ट्रीर जिसकी सं णाप नं 303, तीसरी मंजिल, "कोठारी टैरेस" एट मी बिटी एस वं 410, 411, सर्वे नं 311, हिस्सी नं 4, सुभाष लेन दफ्तरी रोड मालाड (पूर्व) बम्बई – 64 में स्थित है (प्रीर इसके उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणत है), प्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनयम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई में रिजस्ट्री है नारीख 2 सितम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मून्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितयाँ) के नीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नतिश्वित उद्देश्याँ से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण उं भूदं किसी बाय को बाबत, उक्स अविनियम के बधीन कर दंगे के बन्तरक के अधित्व में अभी करते या उनमें अपने में सुविधा के सिए; बीर/बा
- (क) ऐसी किसी आय वा किसी पन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय अय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशंकाण अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना पाहिए था, छिपाने में स्विभा के सिए;

नतः नव, उनत निर्धानयम की भारा 269-म के नगुसरण में, में, उनत निर्धानयम की भारा 269-म की उपभारा (1) के मधीन, जिल्लीक्ष्य व्यक्तियों, नर्थात् :--- (1) श्री महेन्दर रेवा शंकर शाह।

(अन्तरक)

(2) पश्ची बागजी भाई नाया लाल पटेल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त संपृत्ति के अर्थन के निए कार्यवाहियां कारता होता

उक्त सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाखेंपू:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की जनभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की जनभि, जो भी जनभि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में निक्रण जा सकोंगे।

स्यब्दोकरणः --- इसमें प्रयुक्त घट्यों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाजित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

मन्सूची

णाप नं \circ 303, तीसरी मंजिल, "कोठारी टेरेस", एट सिं \circ टी \circ एस \circ नं \circ 410, 411, सर्वे नं \circ 311, हिस्सा नं \circ 4, सुभाप नेन, दफ्तरी रोष्ट, मालाड (पूर्व), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० आई०-3/37 ईई/1356/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2 सितम्बर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीखा : 14-5-1984

मोहर

प्ररूपः बाइं े टी. एन्. एस.

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के अभीन स्वना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 मई 1984

निदेश सं० आई०-5/37-ईई०/3020/83-84--अत: मुझॅ, ए० लहिरी

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० फ्लैट नं० 7, ग्राउण्ड फ्लोर, मालाड पूजा को-आपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लि०, 35, पृष्पा पार्क रोड, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्याक्षय में रिजस्ट्री है तारीख 2 सितम्बर, 1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और अभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया वया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाम की बाबत उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर/या
- (क) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान के सुविधा के लिए।

अत: अब, उत्तत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अधीत् ः—— (1) श्री छोट् लालु भैवरानन्द।

(अन्तरक)

(2) मै॰ आशा मैटर्निटी एण्ड जनरल हास्पीटल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां जुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपुत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि , जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्त्रको

फ्लैट नं० 7, ग्राउण्ड क्लोर, मालाड पूजा को-आपरेटिय हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड, 35, पुष्पा पार्क रोड, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० आई०-3/37 ईई०/1321/ 83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई धारा दिनांक 2 सितंबर 1983 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

नारीख: 14-5-1984

मोहर 🐒

प्ररूप आहें हो हो , एन हु एक

भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, सम्बई

वम्बई, दिनांक 14 मई 1984

निदेश सं० आई०-3/37 ईई०/2976/83-84--अतः मुझें, ए० लहरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं गाप नं 403. चौथी यंजिल, कोठारी टैरेस, सुधभाष लेन, दपतरी रोड. मालाड (पूर्व). बम्बई-64 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विजत है) ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है नारीख 2 सितम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उक्ति बाकार मृत्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए जन्तरिती की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके दूरयमान प्रतिफल, से ऐसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और जंतरक (अंतरका) और जंतरिती (जंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिशत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिशित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बंतरण सं हुई किसी बाय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर क्षेत्रे के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी भन या जन्य वास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा और निए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अधित:—— (1) श्रीमती निर्मला जितेन्द्र शाह श्रीर श्री जिलेन्द्र रमणाल गाह।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती देवी त्राई एल० पटेल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्णन के जिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिओं पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:---इसमे प्रयुवत शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम के अध्याम 20-क में परिभाषित हों, बढ़ी अर्थ होगा को जम अध्याय में दिया गया है।

अभूस्पी

शाप नं० 403, कोठारी टैरेस, सुभाष लेन, दफ्तरी रोड, मालाड (पूर्व), बम्बई-64 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि कम सं० आई०3/37 ईई०/1325 83-84 भ्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2 सितम्बर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

नारीख: 14-5-1984

मोहरः

बह्य बाहुँ हो⊒ पुग_ः पुस

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के सभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त '(निरीक्षण)' अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई दिनांक 14 मई 1984

निदेश सं० आई०-3/37 ईई०/3038/83-84--अतः मुझें ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विरवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० पर्लंट नं० आन 2सरी मंजिल 'सावेत' बिल्डग 18 स्कूल रोड मालाड (पूर्व) बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुमूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रीर जिस करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 2 सितम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कब के दूरयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विद्यास करने का कारण है कि यथापृत्रों कत संपत्ति का खिलत बाजार मृत्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उन्देश्य से उक्त अंतरण जिखित में वास्तिबक्त कप से किथत नहीं किया गया है हिन्म

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की भावता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उक्त क्याने में सुविधा के तिए; और/या
- (स) एसी किसी नाय या किसी भन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्रिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिक्त व्यक्तित्यां, अधीत् धं— (1) श्री हेन्री अस्वा।

(अन्तरक)

(2) मैं कपूर फैंमिली दुस्ट।

(अन्तरिती)

न्त्रों सह सूचना बारी करके पृत्रों कर सम्पत्ति के अर्थन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

यक्त सम्पृतित के वर्षन् के सम्बन्ध् में कोई भी बाक्षेप्ड---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जनिम या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनिम, जो भी वृतिभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा:
- (च) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति इतारा अधोहस्ताक्षरी के शब् लिखित में किए था सकींगे।

स्वव्यक्तिरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विया भवा हैं 18

नन्त्र्या

प्लैट न. वूसरी मंजिल, 'साकेत' बिल्डिंग, 18, स्कूल' रोड, मालाड (पश्चिम), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई०-3/37ईई०/1315/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2 मिनम्बर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लाहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

नारीख: 14-5-1984

प्ररूप बाइ टी एन एस

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, धम्बई अम्बई,दिनांक 14 मई 1984

निदेश सं० आई०-3/37 ईई०/2993/83-84--अतः मुझें, ए० लहिरी

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० मारुति मालाड को० आपरेटिय हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेंड, एस० बी० रोड, ब्लाक नं० 11, तीसरी मंजिल मालाड (प०), बम्बई में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं) ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं तारीख 2 सितम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से एसे दृश्यमान प्रतिफाल के पल्बह प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार्ग) और धतिरिती (अंतरितियों) के बीच को एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्निलिक्ति उद्विषय से उच्त बन्तरण निकित में वास्तिवक रूप से कथित महीं किया गया है है——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक कें दायित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविभा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य वास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया पया था या किया जाना नाहिए था, छिपाने में सर्विधा के लिए।

जत: अयं, उत्तन अधिनियम की धारा 269-म के, अन्सरण भं, में उत्तत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1), के अधीन, निम्निसिस व्यक्तियों, अर्थात् ध---- (1) श्रीकांतिसाल लाजीशाह।

(अन्तरक)

(2) श्री बाबू लाल पुखाराज रेका और भारत कुमार बाबूलाल रेका।

(अन्तरिती)

को **यह सुभ**ना जारी क<u>र</u>क पृत्रोंक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्ति की पर सुचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से कि मी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा जभाहेस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकती।

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्त्रची

मारुती मालाड को० आपरेटिय हाउसग सोसाइटी लि०, ब्लाक नं० 11, तीसरी मंजिल, एस० वी० रोड, मालाड (प), अम्बर्ड में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि फ्रम सं० आई०-3/37 ईई०/1322/83-84 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2 सितम्बर. 1983 रजिस्टर्ड किया गयाहै।

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 14-5-1984

मोहर:

25 -- 126GI|84

प्ररूप बार्ड टी. एन. एस.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-घ (1) को अधीन **मृघ**ना

भारत सरकार

कार्यालय, सन्नापक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 मई 1984

निदेश सं० प्राई०-3/37 ईई०/3012/83-84--प्रतः मुझे, ए० लहिरी

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उन्द अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. सं अधिक है

ग्रीर जिसकी सं शाप नं 10, मुक्ता बिल्डिंग, पेरू बाग, ग्रारे रोड, गोरेगांव (पूर्व), बम्बई-63 में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बणित है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के ग्रधीन, सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 2 सितम्बर, 1983

को प्रवेदित संपर्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह जिस्वास करने का कारण है कि यथाप्योंकत सम्मत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिका) और अन्तरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पार्या गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उद्यत अन्तरण निखित में वास्तविक कृप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण सं हुएं किसी नाय की बावस, उक्त नौधनियम के नधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा में लिए; नॉर/मा
- (च) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जान काहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

भाग अप. उपन अधिनियम की धारा 269-गं **के, अनुसरण** मो, मों उपत अधिनियम की धारा 269-गं की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन कू- (1) श्रीमती मयूरिका उदय भन्ता ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री दिलीप रामजी बागडा ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृशीवत संपरित के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हों।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोड़ भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं ख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवार;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाछ लिखित में किए जा सकेंगी।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होना जो उस अध्याय में विया गया है।

मन्स्ची

भ्रनुसूची जैसा कि कम सं० श्राई०-3/37 ईई०/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 2 सितम्बर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख :14-5-1984

प्रकृत बाई ुटी : हुन् हुस्

भागकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-व (1) के स्थीन स्वता

बारत सरकार

्कार्याक्षय, सहायक जायकार बायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, विनांक 14 मई 1984

निदेश सं० ग्राई०--3/ 37 ईई०/3003/83--84---ग्रतः मुमे, ए० लहिरी

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० ग्रार०— 4/2, गोवर्धन गिरी को० ग्रापरेटिव हाऊसिंग सोसाइटी लिमिटेड, बांगूर नगर, गोरे-गांच (पिक्चम) बम्बई—90 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाँब ग्रमुची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के ग्रधीन, सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 2 सितम्बर, 1983

को पूर्विक्त संपत्ति को उचित बाजार मृस्य से कम के दृश्याम प्रितिक को लिए बन्तरित की गई है गरि मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वेक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एस दृश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अभिक है और मन्दरक (अन्तरकों) और मन्दरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें जन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निनिवित उद्वेष्य से उच्छ मृत्तरण किचित वे बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है ;——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबता, उक्त अधिभियम के अभीन कर देने के अन्तरक के श्रायित्व में कमी करने या उससे स्वने में स्विधा के लिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था छिपाने में सविधा के निए;

वृतः अव, उक्त क्रीधीनममं की भारा 269-व की अनुसरक मों, मों, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्मसिवित व्यक्तियों, अमीत् (--- (1) श्री कें राज गोपालन।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती कनकम राजप्पन।

(भन्तरिती)

का यह सूचना चारी करके पृव्यंक्त संप्रित् के अर्थन के लिए कार्यशाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन को तारीख़ से 4.5 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्षारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उत्तर स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति वृवारा अधाहस्ताक्षरी के पास जिस्ति में जिए जा मकोंगे।

स्पष्टीकरण: - इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, कें अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, ओ उस मध्याय में दिया नया हैं?

मन्स्ची

फ्लैंट नं॰ श्रार०-4/2 गोवर्धन गिरी को॰ श्राप॰ हार्ऊसिंग सोसाइटी लिमिटेड, बांगूर नगर, गोरे गांव (प॰), बम्बई-90 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसा कि श्रम सं० माई०-3/37 ईई०/1310/ 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2 सितम्बर, 1983 को रजिस्टर्ण किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 14-5-1984

प्रस्थ बाद, टी. एवं एक

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्नेक्षण) अर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 मई; 1984

निदेश सं० ग्राई०-3/37 ईई०/3041/83-84--ग्रतः मुझे, ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- हुइ. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० पर्लैट नं० 61, पांचवीं मंजिल, पीरामल नगर, बिल्डिंग नं० 7, एस० बी० रोड, गोरेगांव (पिचम) बम्बई—62 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बिजित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिध—नियम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन, सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय रजिस्ट्री है तारीख 2 सितम्बर 1983

को पूर्वोक्स संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्विध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, जक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में स्विधा के लिए; और/या
- (का) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अयः, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियां के अर्थात् ह—— (1) श्री गिरीश चन्द्र करम चन्द पुरी।

(अन्तरक)

(2) श्री गुणवन्त हरीभाई चौहान।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारों करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्ययाहियां करता हुं:

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्षित में किए जा सकी।

स्पर्कोकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अतस्ची

प्लैट नं० 61, पांचवीं मंजिल, पिरामल नगर, बिल्डिंग नं० 7, एस० बी० रोड, गोरेगांव (पश्चिम), बम्बई-62 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० श्राई०-3/37 ईई०/1316/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2 सितम्बर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज–3, बम्बई

तारीख : 14-5-1984

मोहर 🛭

प्ररूप नाइ^के दी पन युस .

बायकार मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय् , सहायक भायकर् भायुक्त (निर्धाक्षण)

श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 गई 1984

निदेश सं० ग्राई०-3/37 ईई०/4003/83-84--- **बत**ः मुझे, ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उसत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- इस के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित्र वाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं गाउण्ड फ्लोर, एनामेटवाइज कार्नर, ब्लाक लेन, 172, ब्लाक नं वी—9, राजावाड़ी, घाटकीपर (पूर्व), बम्बई—77 में स्थित है (श्रीर इससे उपायद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर श्रध— नियम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 2 सितम्बर, 1983 को पूर्वोक्त सम्पृत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रों यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पृत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरिक (अन्तरित्यों) को बीच एसे अन्तरिण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नीलिखत उद्देश से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसीं आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बुचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृषिधा के सिए;

अतः अन, उन्त अधिनियम, की धारा 260-व के अनुसरण में, में, उन्त नियमिक की धारा 269-व की उपधारा (1) के नधीन, नियमितिक व्यक्तियों, वर्षात्— (1) श्री मारते हरीरांग का भतीजा ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती चम्पाकली मुकुन्वराय भ्रागर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपर्तित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुई।

हक्त सम्पत्ति के अर्थन के सहकाथ में कोई भी नासंप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकोंगे

स्पर्कोकरण हिन्दसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ग्राउण्ड पलोर, टेनामेंटबाइज कार्नर, ब्लाक टेन 172, ब्लाक-बी-9, राजाबाड़ी, घाटकोपर (पूर्व), घम्बई-77 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कम सं० श्राई०-3/37 ईई०/1349/ 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2 सितम्बर, 1983 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंग रेंज-3, बम्बई

सारीख: 14-5-1984

मोहर 🕄

प्ररूप वाहै, टी, एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 16 मई 1984

निदेश सं० म्राई०-3/37 ईई०/83-84/4034--- प्रतः मुझे, ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें क्सके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० पलैट नं० 10, सी० टी० एस० नं० 734, से 737, विलेज कोले कल्याण, वाकोला बम्बई-55 में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 2 सितम्बर, 1983

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य सस्के दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उचत अन्तरण लिखित में बास्सविक रूप से कथित नहीं किया गया है किया

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबल, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के शिए; और/मा
- (क) ऐसी किसी भाव या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर मिथिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा को लिए;

सतः नव, उक्त निधिनियम की धारा 269-म के जनुसरण में, में, जनत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के बधीन, निस्निसिस व्यक्तियों, अर्थात् उ— (1) मै० गोल्ड कॉइन बिल्डर्स।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री रेमण्ड जोसेफ ग्रीर वेरोझ श्रीमती जे० वेरोझ।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप हन्न

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवित्त, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इ.स. स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीक रण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

<u>सन्सूची</u>

फ्लैंट न० 10, सी० टी० एस० नं० 734 से 737, विलेज कोले कल्याण वाकोला, बम्बई-55 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकि कम सं० श्राई०-3/37 ईई०/1298/83-84 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनोक 2 सितम्बर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी राहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 16-5-1984

प्रारुप आर्ड. टी. एन. एस

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्थाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, सम्बई

बम्बई दिनांक 14 मई 1984

निवेण सं० आई०-3/37 ईई०/2933/83-84-अतः मुझे, ए० लहिरी

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० गाला नं० 112 पहली मंजिल हिरानंदानी इण्डस्ट्रियल इस्टेट, कांजूर मागं (प०) बम्बई में स्थित है स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची हु स्रौर पूणं रूप से विणित है) स्रौर जिसका करारनामा आयक अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी बम्बई में स्थित है कार्यालय में रजिस्ट्री है सारीख 2 सितम्बर 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित वाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे इश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तयिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा हो लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, अक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निस्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ।:-- (1) मैं ० ही रानन्दानी इण्डस्ट्रीयल इन्टरप्राइजेस ।

(अन्तरक)

(2) मैं ० भेटा कैम ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरु करता हूं।

उक्त सम्पर्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गाला नं 112 पहली मंजिल हीरानन्यानी इण्डस्ट्रीयल इस्टेट कांजूर मार्ग (प०) बम्बई में स्थित है। अनुसूची जैसा कि कम सं आई०-3/37 ईई०/1309/ 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2

सितम्बर 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर भायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बर्ष

तारीख: 14-5-1984

प्रस्प बाइ. टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3 बम्बई

बम्बई विनांक 14 मई 1984

निदेश सं० आई०-3/37 **ईई**०/4015/83-84---अतः मुझे ए० लहिरी

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रतिभकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उभित बाजार मृल्य, 25,000/-रु. से अधिक हैं

घौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 103 पहली मंजिल शकोल अपार्टमेंटस 53 वाकोला पाइप लेन बम्बई—55 में स्थित है। (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 2 सितम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफाल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि उथापूर्वोक्त संवत्ति का अजित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उत्वर्वयों से ध्रक्त अन्तरण जिल्त में वास्तविक रूप से कृषित नृहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाम की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने के स्विधा के लिए; और/बा
- (त) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-अद अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, स्थिपने में सुविधा के लिए;

बतः जब उक्त बिधिनियम की धारा 269-ग की बन्सरण मं, में उक्त बिधिनियम की धारा 269-च की उपचारा (!) के अधीन, निम्नलिचित व्यक्तियों, अथित् दं— (1) श्री श्राफणल जे० लाडक भौर 3. श्री सलीम आय रुपानी ।

(अन्तरक)

(2) श्रील्कास रिवेरो।

(अन्तरिती)

को मह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पन्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता ह्यूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप रू--

- (क) इस सूचना के ग्रापन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तिया;
- (क) इस सूचना को राजपण में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी मृन्य व्यक्ति इनाय अभोहस्ताक्ष्री के पास तिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पंच्योकरणः ---इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या हैं।

जुन सुनी

पर्लंड नं 103 पहली मंजिल, शकील अपार्टमेंटस, 53 बकोला पाइप लेन बम्बई-55 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० आई०3/37 ईहै०/1344/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनांक 2 सितम्बर- 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, बम्बई

तारी**व** : 14-5-1984

प्रस्प गाई, ही एक एसं

जायकार ग्रीधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-च (1) के जधीन मुचना

भारत सुरुषाडु

कार्यालय सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)। अर्जन रेंज-3 बस्बर्ध

बम्बई विनांक 14 मई 1984

निदेण सं० आई०-3/37 ई० ई०/3074/83-84---अत: मुझे ए० लाहिरी,

बावकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके बरवात 'उनत बिधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 207 2री मंजिल तोलाराम टावर्स वाधवली विलेज चेंब्र्र कैम्प बम्बई-74 में स्थित है (और इसमें उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) भीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 2-9-1983 को

को पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफक्ष के लिए बतिरत की गई है और मूम्से यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिकात से अधिक है और बन्तरक (बन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निजिचित उद्विपय से उच्त बन्तरण जिल्लित ये बास्तविक रूप से क्यान नहीं किया गया है :---

- (क) जलारण से हुई किसी नाय की नावत उक्त नीध-निवस के नधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कनी करने वा उसने वचने में सुविधा के निए; नीए/या
- (च) एसी जिसी आय या किसी भन वा अन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर जीभीनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिस्तियम, या भने-कर अभिनियम, या भने-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरिती क्यारा प्रकट नहीं किया गया भाषा किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

(1) मैसर्स कुकरेजा कम्स्यक्रशम कंपनी

(अन्सरक)

(2) श्रीमती कविता अलामबंद विच्छु

(अन्तरिती)

की यह क्वना जारी करके प्रवीक्त संपृत्ति के बर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध या कांडों भी आक्षोर :---

- (क) इस ब्रुवा के राजवन में प्रकाशन की तारीब ते 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताजील से 30 दिन की अवधि, को भी कविष वाद में सजाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उपत स्थानर संपत्ति में दिए- वर्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकरेंगे।

स्यक्किरण है---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को जावत विभिन्नियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक्ष हैं, वहीं अर्थ होंगा को उस अध्याय में दिया नवा है कि

ममसची

पलैट नं• 207 2री मंजिल तोलाराम टावर्स वाधवली बिलेज चेंबूर कैम्प अम्बई-74 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं आई०-3/37 ई० ई०/1347/83-84 मीर जो सक्षम प्राधिकारी सम्बई द्वारा विनाक 2-9-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लाहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3 बम्बई

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में. में., उक्त अधिनियम की धारा 269-व की, उपभारा (1) के अधीन निम्निसित अधिनत्वों,। मुध्यि

26 -- 126GI|84

विगांक: 14-5-1984

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक <mark>कायकर वायक्त (निरीक्षण)</mark> अर्जन रेंज-3 बम्बई

बम्बई दिनांक 14 मई 1984

निर्देश सं० आई०-3/37ई० ई०/4007/83-84---अतः मुझे ए० लाहिरी,

बायकर बाधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु से अधिक है

श्रीर िंसकी सं० फ्लैट नं० 11, श्रोम जयिष को-आप० हाऊसिंग सोसायटी लिमिटेड, प्लाटनं० 69, गरोडिया नगर, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई-77 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारो, बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 2-9-1983

को पूर्वेवत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्मिलिका उच्चेक्य से उकत अन्तरण कि सिवत में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है

- (क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत, उच्त विधिनियम के अभीन कार को के अन्तरक के दायित्व क कमी कुन मा असुसे अवने में सुविधा के लिए; वौर/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धून या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग को, अन्सरण भी, मी, उवत अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिमित व्यक्तियों अभित् :--- (1) श्री प्रवीण धुरे

(अन्तरक)

(2) श्री प्रमोदराय गोर्धन्दास दोशी

(अन्तरिती)

(3) (ग्रन्तरिती)

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पमि है)

स्त्रे यह स्थान वारी करके पृत्रों कत सम्पृतित के वर्षन के निष् कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्रेय:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं
 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी अयिक्तयों पर
 सूचना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि श्री में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 स्थिक्तयों में से किसी स्थुक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

. नगुस्थी

फ्लैट नं० 11, मोम जयदीप को-आप० हाउसिंग सो-सायटी लिमेटेड प्माट नं० 69, गरोडिया नगर, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई-77 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० आई-3/37-ई० ई०/1345/ 83-84 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, **बम्बई द्वा**रा दिनांक 2-9-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लाहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-UI, बम्बई

दिमांक : 14-5-1984

प्रकृप बाइ टी, एन एस.

जाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहस्रक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 बम्बई

बम्बई, दिनांक 16 मई 1984

निर्देश सं० आई०-3/37-ई० ई0/3062/83-84----अतः मुझें, ए० लाहिरी,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000√-रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 603, 6वीं मंजिल, वैकुंठ, 357, लिटल मलबार हिल, सिधी सोसायटी, बम्बई-71 स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में रुजिस्ट्री है, तारीख 2-9-1983

को पूर्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों का, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिधिनियम, या धन-कर आधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, में, उक्त विधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (१) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधित् (1) मैससं श्रोमप्रकाश तोलाराम

(अन्तरक)

- (2) श्री जै० के० अगरवाल ग्रौर श्रीमती के० अगरवाल (अन्तरिती)
- (3) अन्तरक

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) बैंकुंठ को-आप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कांई भी आक्षेष :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख हैं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयंक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्चीं

फ्लैट नं० 603, 6वीं मंजिल, वैकुंठ, 357, लिटल मलबार हिल, सिंधी सोसायटी, बम्बई-71 में स्थित है।

अनुसूची जैसािक कर संर आई०-3/37-ई० ई०/1281/ 83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-9-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लाहिरी स**क्षम प्रा**धिकारी स**हायक आयकर आयुक्त** (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I∐, बम्बई

दिनांक 16-5-1984 मोहर: प्ररूप आर्थेटी. एन ∉एस

भागकर महिंपींत्यम ,: 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण:(1) के स्पीत स्थान

भारत संरकार

कार्यालय, संहायक आयंकार आयंक्त (मिरीकाण) अर्जन रेंज-5, बम्बई

बम्बई, विनांक 14 मई 1984

निर्धेश सं० आई०-3/37-ई० ई०/3875/83-84--अत: मुझे, ४० लाहिरी,

नायकार अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 501, 5वीं मंजिल, डी विंग, तोलाराम अपार्टमेंट, चेंबूर कैम्प, बम्बई-74 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबड़ अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विंगत है). श्रौर जिसका करारतामा आथकर अधिनियम 1961 की घारा 269 क, ख के अश्रीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 24-9-1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उणित बाजार मूल्य से काम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण हो कि स्थाप्वोंक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मूस्य, उसके ध्रममाण प्रतिफल के एसे ध्रम्यान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हो और बंतरक (जंतरकों) बार बंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-काम, निम्नितिसित उद्योग्य से उस्त अंतरण निवित में गास्तिक क्या में कथित नहीं किया गया है :—

- (क) मन्धरण संशुष्टं किसी बाय की बलाइ, अबस विविधिया के अधीय अप दोने के अन्तरक के दावित्य में कमी करने या उन्हर्स व्यक्त में बृधिया के के सिए; जॉर/या
- (क) एंसी किसी नाय या किसी भन या नत्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या जब्स अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया न्या था या किया जाना जाहिए था, जिनाने वे स्थिश के लिए;

बतः सुन, उक्त अभिनिषम की धारा 269-म की अनुसूरण भी, भी उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उन्धारा (१) के अधीन,, निम्निजिबित स्पवित्तमों, अभीत ;---- (1) मैससे कुकरेका कस्ट्रमक्रम कंपनी

(भन्तरक)

(2) श्री -मोहम्मद ए० । हनीक

(अन्तरिती)

(3) (अन्तरक)

(जह न्यन्ति, जिसके अधिभौग में सम्पन्ति है)

को यह स्थाना वारी करके:न्कॉक्त संपरितः को वर्षान् को विक कार्यवाहियां शुरू करता हुए।

उत्तर संप्रित्स के अर्थन के संबंध में और भी जाहीय ⊱

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीच से 45 विन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर प्रवेकित स्वित्यों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस स्कान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परिए में हित-बद्ध किसी जन्म क्यक्ति द्वारा अधोहत्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्यक्तीकरण:----इसमें प्रगुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उत्त अध्याय में दिवा गया हैं।

वन्त्र्ज्

फ्लैंट नं० 501, 5वीं मंजिल, डी विंग, तोलाराम अपार्ट-मेंट, चेंबूर, कैम्प, धम्बई-74 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि कर संर आई०-3/37 ई० ई०/1358/ 83-84 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-9-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लाहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-UI बम्बर्ड

दिनांक 14-5-1984 मोहर:

प्रकृप भाइ टी एव एस.

बायकर संधितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बधीन सुचना

बारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर बायुक्त (निर्दीक्षण) अर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 मई 1984

निर्वेश सं० आई०-3/37-ई० ई०/3000/83-84—अतः सुक्षे, ए० लाहिरी

नायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात 'उन्त निधिनयम' कहा गया हैं), की धाय 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूख्य 25,000/- सा. से अधिक हैं

धौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 4, ग्राउंड फ्लोर, एवरग्रीन अपार्टमेंट, मार्वे रोड, मालाड (प०), बम्बई में स्थित है. (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 2-9-1983

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गईं है और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्कह प्रतिकास से अधिक है और अंतरक (अंतरकार्ने) और अंतरिती (अंतरितियार्गे) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पामा गया प्रतिफल, निम्निसित्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है

- (क) नन्तरंभ से हुई किसी बाब की वावत, उसत अभिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरंक के दासित्य में कमी करने या उससे वचने में सुनिधा के सिक्ट; और/मा
- (का) एंसी किसी बाब वा किसी अन वा अन्य बास्तियों को जिल्हों भारतीय नायकार निवित्यम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत निवित्यम, वा अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया नवा भा या किया जानो चाहिए था, कियाने में सुनिधा के सिए;

(1) मैसर्स आर० एण्ड डी० इन्टरप्राइजेस

(अन्तरक)

(2) अलयान्स चर्च एसोसिएशन

(अन्तरिती)

कर यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्बति के अर्थन के जिए कार्य-वाहियां करता हुएं।

उक्त संपरित के कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वै 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को अविधि, को भी नविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस तूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हित्बक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शस निवित में किए जा सकरी।

स्थलतीकं रणः -- इसमें प्रयुक्त शक्ती और पदीका, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगे को उस अध्याय में दिया नया है।

नम्सची

पर्लंट मं० 4, ग्राउंड फ्लोर, एवरग्रीन अपार्टमेंट, बालनाय विलेज, नार्षे रोड मालाड (पं०) बस्बई-64 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० आई०-3/37 ई० ई०/1354/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा दिनांक 2-9-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लाहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III, बम्बई

बतः सव, उपत निभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में उन्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) को नभीन, निकालियित व्यक्तियों, जबति "~~

विमांक 14-5-1984 मोहर: प्रकृष काइ टी. एन. एस

बायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3 बम्बई

बम्बई दिनांक 9 मई 1984

निर्देश सं॰ भाई०-3/37-ई॰ ई॰/4048/83-84--अतः मुझे ए॰ लाहिरी

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकार, 'उक्ष अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रः. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 405 4वा माजल "पूजा बिल्डिंग माहुल रोड चेंबूर बम्बई-71 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है) श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 2-9-1983 की

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उभित बाजार मृत्य से कम के दूरयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उभित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नुलिसित उद्दोष्य से उस्त अंतरण सिस्त में नास्तिक रूप से कथित महीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर योगे के जंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या जन्य वास्तियों को, जिन्हों भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिव्धा के लिए;

जतः जभ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसूरण में, में, अक्त अधिनियम की धारा 269-ंच की उपभारा (1) के अधीन, निम्नतिस्ति व्यक्तियों. अधीत्:--- (1) श्री सरदारमल कपूरचंद जैन

(अम्तरक)

(2) श्रीमती साधना कांत चौधरी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ए--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति ह्या;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्य किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास सिसिस में किये जा सकींगे।

स्पट्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं कर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

नगुसूची

पलट नं० 405 4वीं मंजिल "पूजा" विल्डिंग, माहुल रोड चेंद्र बम्बई-71 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क० सं० आई०-3/37-ई० ई०/1286/ 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2-9-1983 को रजिस्टबं किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III सम्बर्ध

विनाम 16-5-1984 मोहर: प्ररूप आर्चे.टी.एन.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भा (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यांलय, सहायक जायकर जायृतक (निरक्षिण) अर्जन रेंज-3 बम्बई

बम्बई, दिनांक 16 मई 1984

निर्देश सं० अई-3/37-ई० ई०/4047/83-84--अतः मुझे, ए० लाहरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269--च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करते का कारण है कि स्थावर समित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 4, प्लाट नं० 4, सीं० टी० एस० नं० 278, कांता अपार्टमेंट, बाधवली बिलेज. चेंबूर, बम्बई-74 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध में अनुस्वी ग्रीर पूर्ण रूप से वर्जित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 2-9-83 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिसत बाजार मृन्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृन्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृन्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल के पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितवाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण विश्वत में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

कतः जनः, उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिश्चिस अ्यक्तित्यों, अधीत् :--- (1) मेसर्सं सुप्रिम बिल्बर्सं ।

(अन्तरक)

(2) श्री दिनेश महेन्द्र गुप्ता और दुसरे।

(अन्तरिती)

(3) धन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्मत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्मारत क अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस स्पान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपभ में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जे उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

फ्लैट नं० 4. प्लाट नं० 4, सी० टी० एस० नं० 278, कांता ग्रपार्टमेंट. बात्रली त्रिलेज. चेंबूर. बम्बई—74 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की कम सं० अई-3/37 ई०/1283/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2 सितम्बर, 1983 को रिजस्टई किया गया है।

ए० ल**हिरी**सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, वस्वह

तारीख : 16-5-1984

मोहर 🕄

. 2: ----

प्रकृप , आर्ड , टी , एश , एस ,

नायकड निधिनियस., 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) को अधीन सुचना

भारत सरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 मई 1984

निदेश सं० आई०-2/37ईई/3575/83-84--अत: मुझी, एस० एच० अवास अविदी

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकाद 'उन्त अधिनियम' कहा गया हु"), की भारा 269-क के अधिन संसम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी सं० यूनिट नं० 8, पटेल अपार्टमेंट्स, प्लाट नं० 77 ही०, ऑफ सांताकुज टाऊन प्लानिंग स्किम नं० 4, सी० टी० एस० नं० एख०/305/एच०/366 और एच०/307, एस० व्हि० रोड. सांताकुज (पण्चिमी), बम्बई में स्थित हैं (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीयती अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 27 सितम्बर, 1983

को प्रोक्ति सम्पति के उचित साजार मृत्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्वेवित सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नद्द प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल निम्निसित उद्वेच्य से उन्त बंतरण निचित्त में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) बस्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिथानियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जौर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तिकों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के बन्तरण में, मी, तक्त शिक्षित्रयम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निस्तितिस्ति व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) 1. अने मोहस्मदः उमरः पटेल और
 - 2. श्रीअमिना मोहम्मद पटेल।

(अन्तरक)

- (2), 1. श्री निर्मेलापी० राणा और
 - 2. श्रीमती साधना पी० राणा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथींकत सम्पत्ति के दर्जन के लिए कार्यवाहियां कुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप "---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की जनिथ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थलकोकरणः --- इसमें प्रयुक्त कथ्यों जीर पर्यों का, जो उक्त कथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं जर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गम्रा है।

अनुसुची

अनुसूची जैसाकि कम सं० एस० 2704/83 और जो सक्षम उप रिजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 27 सित्तम्बर, 1983 की रिजिस्टर्ड किया गया है ।

> एस० एच० अवास आविदी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बस्बई

नारीख : 14-5-1984

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-घ (1) के अधीन गनना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनां इत 14 मई 1984

निदेण मं० आई०-2/37-जी०/3606/83-84--अत: भुझे, एग० एच० अब्बास अबिदी

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जन्म अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 2.5 , 000 ∕ - एः. से अधिक **है**

और जितकी सं० एस० नं० 13, हिस्सा नं० 1, 6070 स्केयर मीटर्स, बिहनेज मरोल, अन्धेरी (पूर्व), बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्स्ची में और पूर्ण रूप रेविणित है), रजिस्दोक्ता अधिकारी के सार्यालय, बम्बई में रजिस्दोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख 23 सितम्बर, 1983

को पूर्वीवन सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझं यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उयुद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उत्तरों बचने में श्विधा के किं∴ और∕या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों ्को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अक्षः अय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धातु -27 —126GI[84

- (1) 1. श्रीएम० जे० केयाडा
 - 2. श्री ही ० अन्धोबी केया हो
 - 3. श्रो विन्स्टन जोसेफ क्रेयाड
 - 4. श्रो व्हिक्टोर क्रेया हो और
 - 5. श्री ए० थामस कैयाडी ।

(अन्तर्क)

- (2) 1. श्रांबल्लभजी खोनणी
 - 2. श्राभारत कुमार खेलशी
 - 3. श्रीप्रदीपकृमार खेतणी और
 - श्री मृन्दर जी खेतशी, और
 - श्रीनरेन्द्रकृमारखेलणी।

(अन्तरिनी)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र से प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यवि तयों घर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्ते -बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधारस्ताक्षरी के पास लिखित में अन्य किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

अनुमुबी जैसा कि विलेख सं० ही इनं० एस 2324/80 और जो उप रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 23 सितम्बर, 1983 की रजिस्टर्ड किया गया है ।

> एस० एच० अब्बास अबिदी सक्षम प्राधिकारा सहायक आयकर आयक्त (निराक्षण) अर्जन रेज--2, बम्बई

नारीखा : 14-·5~1984

मोहर 🖁

प्रकप बाइ टी एन एत.

काथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, यम्बर्ड

बम्बई, दिनांच । 1 मई 1984

निदेश तुं० आई०-2/37 जं(०/3574/83-84-- आत: मुझे, एन० एच० अब्बास अबिटी

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्थास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है:

और जिसकी संव सूनिट नंव 9, चौथी संजिल, पटेल अपार्ट-मेंट, प्राटनंव 77 टी, सांताकृत टाऊन प्रानिग रिएम नंव 4, सीव टीव एसव नंव एसव /305, एसव/306, और एसव/307, एसव बीव रोड, मांताकृश (पिष्सिमी), बम्बई में स्थित है (और इससे उपायह अनुसूची में और पूर्ण रूप ये विणत है), रिजस्ट्राक्त अधिकारों के भायांत्रय बम्बई भे रिजस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 27 सितम्बर, 1983

को पूर्वेक्ति संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्लित में भास्तिक रूप से किंगत नहीं किया गया है।

- (क) श्रुन्तरण से हुई किसी साम की बाबत, उन्स सिनियम के अधीन कर दोनें के अन्तरक के सायस्य में कमी करने या उससे बचने में सुधिधा का निष्, अपिया
- (ण) एसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गंभा था मा किया जाना चाहिए था, छिपान में सर्विधा औ सिए;

- (1) 1. श्रामितिमात उगर पटल,
 - 2. श्रां जीवना भीहमाद पटेल जीर
 - आभागितः पा० राणा ।

(अन्तरक)

(2) श्रीतियम के० लुखरा।

(अन्दर्शिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्योक्त सम्परित के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उपत सर्पाल के अर्थन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजगत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी ज्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर गुबंबर्स स्थाजतयों में में किसी व्यक्ति इंबरा,
- (स) इस मुचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपत्ति मा हित्दक्ष किसी अन्य व्यक्ति इवारा ल्याहम्साक्षरों के पास सिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्वच्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

अनुसूची जैसा कि विलेख सं० डीड नं० 2630/83 और जो उप रिमस्ट्रार, वस्वई द्वारा दिनांक 27 सितस्वर, 1983 को रिजिस्टर्ड विधा गया है ।

> एस० एन० अध्वास आगिदी सक्षम प्राधिकारो नहामक आयक्र आयुक्त (निरोक्षण) ार्जन रीज-2, बम्नाई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः

नार्राख: 14-5-1981

are the second of the second o

प्ररूप आई. टी. एन. एस.

बायफर ब्रिंगियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

लर्जन रेंज-2, वम्बई

वस्वई, दिनांक 14 मई 1984

निवेश सं० अर्ह्ण-2/37 जी०/3573/83-84---अतः

मुझे. एस० एच० अव्वासअबिदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

और भिन्नकी सं० यूनिट नं० 10, पटेल अपार्टमेंट प्लाट नं० 77 डी, गांगाकूज प्लानिय स्तिम नं० 4, सो० टी० एस० नं० एच०/305, एच०/306 और एच०/307, एस० बी० रीड, योजाकूज (पश्चिमी), बम्बई में स्थित है (और इजो उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप ने विणित है), रिभिन्द्राज्वी जिवकारी के कार्याज्य, बम्बई में रिजस्ट्रीयरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीत, तारोख 27 सिनम्बर, 1983

को पूर्वांकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल् के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखत उद्देश्य से उत्तत अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के निए; और/या
- (स) एसं किसी आय या किसी धन वा अन्य आफिट्यों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अपत्रिती द्वारा प्रकट नहीं किया गण था का किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिय;

अतः अत्र, उत्रत अधिनियम की धारा 269-ग के अन्गरण मों, मों, उत्रत अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिखित व्यक्तियों, अर्थात :-- (1) श्रीमोहम्मद उमर पटेल और अनिता उमर पटेल।

(अन्तरकः)

(2) आरेणुका बेल गुपलानी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्तु सम्पृति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उनत सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना क राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

लनुसूची जैसा कि विलेखनं० डीडसं० 1316/83 और जो उप रिजस्ट्रार, वम्बई द्वारा दिनांक 27 सिनम्बर, 1983 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> एस० एच० अब्बास अबिदो सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बम्बई

तारोख: 14-5-1984

प्रकाष बाह् हैं ही, एन प्रव

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के बधीन स्चना

भारत सुरुकार

कार्यात्तय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14-मई 1984

निर्देश सं० ग्राई०-2/37 ईई/3581/83-84--ग्रतः मुझै, एस० एच० ग्रब्बास ग्रबिदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उधित बाजार मून्य 25,000/- रुपये से अधिक है

मून्य 25,000/- रामय स पाधक ही भीर जिसकी यं एफ पी प्रांत के सकर वाली, महंत रोड, विले पार्ले (पूर्व), केमकर चान, केसकर वाली, महंत रोड, विले पार्ले (पूर्व), बम्बर्ड में स्थित है (और इससे उपाबढ़ अनुसूचा में और पूर्ण रूप से विणित है), राजस्ट्रीकता भीतनारों क कार्यालय, बम्बर्ड में राजस्ट्रीकरण प्रधित्तियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 9-9-1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान पितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुर्फ पह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का लिचत बाजार मूल्य, असके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक ही और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (जन्तरितयों) के तीन एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण संहुई िकसी आय की दावत, उपा अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मा कामी करने या उपस्त तथन में सूचिक्य के लिए; और/या
- (क) एसी किसी भाग या किसी अन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आगकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कार अधिनियम, या अन-कार अधिनियम, या अन-कार अधिनियम, या अन-कार अधिनियम, 1957 को 27) के अधीजनाथ अन्तिरिसी द्वारा प्रकट सही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

अतः अर्था, उक्त अधिनियम की धारा 269-गृ के अनुसरण भैं, गैं, उक्त प्रतिकार की धारा 269-घ की उपभाग (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री सुधीर सदाणिव केसकर।

(म्रन्तरक)

(2) श्रीमती मीना शेषनाथ दाभोलकर, श्रीमती संध्या प्रकाश दाभोलकर ग्रीर श्रीमती नूतन शेषनाथ दाभोलकर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हुए।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोहां भी आक्षेप 🕮 🖚

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारत;
- (स) इस सूचना के राज्यव में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथोहस्ताक्षरी के यस विस्थित में किए जो सकरिं।

स्पष्टीकरण: —-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्ता अधिनियम के अध्याय 20-क मो परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गता है

मन्स्ची.

श्रनुसूची जैसा कि विलेख सं० डीड नं० 852/82 श्रीर जो उप रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 8 सितम्बर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> एस० अच० श्रव्वास ग्रविदी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बर्ध

सारीख : 14-5-1984

प्रारूप आई. टी. एन. एस.

नायकर निधित्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के संधीत सुचता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्थन (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बर्ड

धम्बई, धिनांक । त गई 1984

निर्देश सं० आई०-2/. 7 ईई/3511/83-84---शः : मुझे, एस० एच० अध्वास अधिदी

कारकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पत्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इस के अभीन सक्षम प्राधिकारों का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाहर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 12, वी विक्डिंश, पहली मंजिल, दातेंदू को० ग्रापरेटिय हाऊसिंग सोसाइटी लिमिटेड, 'दन श्रपार्टमेंट'', प्लाट नं० 6, पन्द्रह्यां रास्ता श्रौर रामकृष्ण मिशन मार्ग, खार, वस्वर्ध-52 में स्थित है (श्रौर इसमे उपावद्ध में श्रीर पूर्ण रूप ने विज्ञत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन, दम्बई में स्थित सक्षम प्राधिकारी, के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 26 सितम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति की अचित वाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रातकाल की लिए बन्तरित की गर्द हो और मूक्षे पह विश्वाम करन का कारण हो कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रस् प्रतिशत से अधिक हो और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे सन्तरण के लिए तय भाषा गया प्रति-कल, निम्नलिखित उप्योद्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिथिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण ले हुई िकली आय की बाबत, उपक्त अधिनियम के लधीन कर दीने को शन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- एसा कसा आय या किसी थन या अन्य बास्तियाँ को, जिन्हाँ भारतीय आयकर बिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धनकर पिथिनियम, या धनकर पिथिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्थिमा के लिए;

अतः, अत्र, उत्रत शांधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण मैं. भैं, उन्नत अधिनियम की धारा 269-ए की उपवारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः--- (1) श्रीकुन्दन लाल चुन्नीलाल श्रोबेराय।

(म्रन्तरक)

(2) श्रीमती निर्मला सुशील कुमार विवेदी । (ग्रन्तरिती)

को यह स्वाना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के वर्जन के तिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पृत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध याद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस मूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा सभोहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए जा सकरी।

स्मण्डीकरण: प्रममें प्रमुक्त शब्दों और पदों कर, श्री उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहीं अर्थ होगा जो उस सभ्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

फ्ीट नं 12, बी बिल्डिंग, पहली मंजिल, दातेंदू को आपरेटिंग हाऊसिंग सोसाइटी लिमिटेंड, 'दत्त अपार्टमेंट'', प्लाट नं 6, 15 वां रास्ता और राम कृष्ण मिलन मार्ग, खार, बम्बई-52 में ल्थिन है।

प्रभूत्वी जैसा कि कम संव धाईव-2/37ईई/3511/83-84 भार जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनोक 26 सितम्बर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> एस० अच० अध्यास ऋबिदी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर ऋायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई

नारीख : 14-5-1984

प्ररूप बाइं, टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 260 प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्योक्षय सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मर्थ 1984

निर्देश सं० आई--2/37ईई०/6812/83-84——श्रतः मुझे एस० एच० प्रव्यास अविदीः,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वान करने ता कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० पलैट नं० 501, किवला श्रपार्टमेंटस्, गी० न् दी० एस० 1030, यारी रोड़, वर्गोवा, ग्रंधेरी (प), बस्वई-61 में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध श्रमसूची में श्रीर पूर्णस्प से विणा है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयल, 1961 की धारा 269 कख के श्रवीन वस्पई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है नारीख 27-9-83 को पृथिकत संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकत के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्यक्ति संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकत से, एसे दश्यमान प्रतिकत का पत्नद्र प्रतिशत से अधिक हो और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तप पाया गया प्रतिकत, निम्नितिसत अध्वदंश्य से उक्त अन्तरण निवित्त में बास्तबिक रूप से किथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की प्रावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्थ में अभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाग या किसी धन या बस्य आस्तियां को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जनारिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के जिए।

जा: अता, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अीति, निम्नितिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् ः—~

(1) श्री प्रकाण पांडे,

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीगती सी० बी० वाधनीवाला और खा० बी० टी० पाधनीवाला।

(ग्रन्गरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कांई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र मा प्रकाशन की तारील से 45 बिन की अनिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 बिन की अविध, जो भी अविध बाद मो समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वीवत व्यक्तियों मो से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस गूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मो हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित मों किए जा सकींग।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, अही अर्थ हागा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुस्ची

पलैंट न० 501, कविता अपार्टमेंटस, सी० टी० एस०, 1030, यारी रोड, वर्सीया, अधेरी(प), बम्बई-61 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि० सं० आई-2/37 ईई/6812/83-84--श्रीर जो सप्तम प्राजिकारी, वस्बई हारा दिनोंक 27-9-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> एस० एच० ग्रब्बास अबिदी सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निर्दाक्षण) प्रजैन रेंज, 2, बम्बई

दिनांक : 14-5-1984

मोहर :--

क्षण स्थाइ टी. एन्. एस

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्मस रेज-2, नस्तरी

बम्बई, विनांक 11 गई 1984

निर्देश गं० मार्ट०-2/37 ईई/6361/83-84--म्रन: मधे, एस० एन० भ्रद्धास शनिदी:

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान 'जनन अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन भक्षम प्रधियनारी को यह विश्वार करने का बारण है कि रथावर सम्पत्ति, जिसका जिनका जिनका बाजार मृत्य 25,000/- हा से अधिक है

श्रीर जिसकी गंज पर्लंट नंज 11, तीयरी मंजील, गंगा विहार, प्लाट नंज 2, हरदैवीवाई को-श्रापरेटिव हाउसिंग गोसायटी लिंज स्टेट बैंक श्राफ इंडिया के बाजू में, श्राफ केवज रोड, जोगेण्यरी (पूर्व), बम्बई-60 में स्थित है (श्रीर इससे उपावक श्रमुम्ची में श्रीर पूर्ण रूप में तीणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 3-9-1983

को पूर्वीक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्व अधिक है लोग अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अंतारितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की शकत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायिक्य में कभी करने या उससे बचने में भृविधा के लिए; और/का
- (ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा अकट नहीं किया गया था या विभा जाना चाहिए था, कियाने में सुजिधा के लिए;

बत: बन, जबन अधिनियम की धारा 269-म के अधुनारण की, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातु :--- (1) श्री गिता कन्म्द्रवशन कंपनी

(ग्रन्तरक)

(2) श्री नानालाल विभवनदास लोटिया

(अन्तरिती)

करें यह सुचना जारी करके पुर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उका सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वेक्ट को जिल्लों में से जिस्सी व्यक्ति द्वारा;
- (ष) इस भूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारील सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर ग्रम्पिश्त में हितबत्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगें।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रगुक्त शब्दों और पदों का, जो उपत अधिनियम, के अध्याय 20-क में बरिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पर्लंडि नं० 11, तीयरी मंजील, गंगा बिहार, प्लाट नं० 2, हरदेवीवाई को श्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड स्टेट वैंक श्राफ इंडिया के वाजूमें, श्राफ केटज रोड़, जोगेक्वर (पूर्व), बम्बई-60 में स्थित है।

ग्रनुसूची जंसा कि ऋ०सं० ग्राई-2/37 ईई/6381/83-84 ग्रोर जो सक्षम प्राधिकारी वस्बई द्वारा दिनांक 3-9-1984 को रजिस्ट्रर्ड किया गया है।

> एस० एच० श्रद्धास श्रिविदी गक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज-2 बम्बई

तारीयः :- 14-5-1984 मोहरः- शास्य लाइं. टी. एन. एस

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकार आधूकत (निरीक्षण) अर्जन रेज, -2, वम्बई

वम्बर्ड, दिनांक 14 मई 1984

निर्देश मं० आई-2/37 ईर्ट/6629/83-84—अनः मझे, एस० एउ० अञ्चास अविदी,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ध के अधीन संशम प्राधिकारी को यह विषयम करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मन्य 25,000/- रह. में अधिक है

श्रीर जिसकी सं प्युत्तिट नं 16, ग्राउंड फ्लोअर, सर्विदय इन्डस्ट्रियल इस्टेट, आफ महाकाली केन्ज रोड, श्रंधेरी (पूर्व), बम्बई—93 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपावढ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारतामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कुख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 16—9—1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और जन्तरक (अन्तरका) और जन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निस्तित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जनसरण से हुई किसी आय की बाबत, उनस अधिनियस के जभीन कर दोने के जनसरक के दायित्य में कसी करने या उपसे बचने में स्थिधः के लिए; और/या
- (ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आपकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन फार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिमी इवाग प्रकट नहीं किया गण भा या किया जाना जाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के सभीन भिन्नित्मित व्यक्तियों, अधित :— (1) श्री जुधालाल नागपाल श्रौर पी० जै० शहा ।

(अन्तर्क)

(2) मैंसर्स युनायटेड मिकनिस्ट

(अन्तरिती)

(3) अरारिती (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ती है)

का यह स्थाना थारी करके पूर्वा कर सम्परित के अर्थन के जिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन हे सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ध---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, षो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सृष्यना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्षत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिसका में किए जा सकों ।

स्प्वतिकरणः--इसमें प्रयुक्त झब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

सरसंची

यूनिट नं० 16, ग्राउंड क्लोर, सर्वोदय इण्डस्ट्रियल इस्टेट श्रॉफ महाकाली केव्ज रोड, श्रंधेरी (पूर्व),बम्बई-93 में रिथत है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० -2/37 ईई/6629/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्पई द्वारा विनांक 16-9-1983 को राजस्टुई किया गया है।

> एस० एच० अब्बास अबिदी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (गिरीक्षण) अर्जन रेंज-2 बम्बई

तारीख :- 14-5-1984 मोहर ७

प्रक्रम वाही, थी, एन, एतु,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 4.3) की भारा 269-च (1) के बधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षणं) अर्जन रेंज-2, अम्बर्ड

बम्बई, दिनांक 14 मई 1984

निर्देश मं० अई-21/37ईई/6907/83-84---अतः मुझे, एस० एच० अब्बास आबिद

भायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इतमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उनुचत बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी मं० पलैट नं० 43, 4 थी मंजिल, रोका खिया चिल्डिंग बेअरिंग सी 0 टी 0 एस 0 नं० 141-बी ०, एस० नं० 50 एच० नं० 3-एफ 0 ग्राफ मोप्रा, पारसी पंचाकत रोड, अंधेरी पूर्व बम्बई-400069 में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की घारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में र्राजस्ट्री है, तारीख 24-9-1983 को पूर्वोंकत संपरित के उचित बाजार मूस्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्परित का उचित बाजार मूख्य, उसके ख्यमान प्रतिफल से, ऐसे ख्रमान प्रतिफल का पंचह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिक ल निम्नलिखत उब्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्त-ियक रूप से किथत नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी कर्ने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922, (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अन्, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिस व्यक्तियों, अधीत्:—— 28 —— 126GI/84

(1) मै० रोकाड़िया इन्टरप्राइजेस।

(अन्तरक)

(2) श्री देवेन्द्र छोटालाल शहा और कल्पना देवेन्द्र शाह।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त् सम्पर्तित के वर्जन के लिए कार्यप्राहिमां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में क्रोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तित्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित इ³, वहीं कर्ष होगा जो उस अध्याय में विमा वया इ⁸।

जन्मूची

प्लैटनं. 43, चौथी मंजिल, रोकाङ्गिया निकेतन बिल्डिंग, वैयरिंग सी० टी० एस० नं० 141 बी, एस० नं० 50, एच० नं० 3 एफ० आफ मोग्रा, पारसी पंचायत रोड, अन्धेरी (पूर्व), वम्बई-400069 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० आई०-2/37 ईई०/6907/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 24 सितम्बर 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> एस० एच० अब्बास अबिर्दा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 बम्बई

तारीखा: 14-5-1984

भोहर 🖫

प्रकाप बार्द. टी. एव. एस

बायकर बिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मु (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक सायकर सायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2 बम्बई बम्बई, दिनांक 14 मई 1984

निदेश सं० आई०--2/37 ईई०/6374/83-84--अत: मुझे, एस० एच० अब्बास अबिदी

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स को अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उपित बाजार मूस्य 25.000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 2 ग्रीर पार्ट आफ फ्लैंट नं० 3, ग्राउण्ड फ्लोग्रर, इन दि प्रपोण्ड बिल्डिंग 'ग्रंकुर' आन फायनल फ्लाट नं० 38, टीं० पीं० एस० नं० 11, दादाभाई रोंड, अन्धेरी (प), बम्बई में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), ग्रीर जिसका करार—नामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन, तारीख 1 सिक्षम्बर, 1983/

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के हश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार गूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित के वास्तिवक रूप से किंग्त नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्क्स अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अत:, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के यधीन, निम्निलिखित व्यक्तिश्वां, अर्थात् :---

- (1) श्री अहिया एण्ड एसोसिएट्स ।
- (अन्तरक)
- (2) श्री विष्णुदास विट्ठल शेणवी श्रीर शरद विष्णुदास शेणवी ।

(अन्तरिती)

का यह स्वना आरी कारके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के सिष् कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्युक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (सं)। इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए था सकेंगें।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का., जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होग्रेग जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पलैट नं० 2 शौर पार्ट आफ फ्लैट नं० 3, ग्राउण्ड फ्लोर, इन दि प्रपोश्ड बिल्डिंग, 'ग्रंकुर' आफ फायनल प्लाट नं० 38 टी० पी० एस० नं० 11, दादा भाई रोड अन्धेरी (प) बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० आई०2/37 ईई०/83-83/6374 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 सितम्बर 1983 को रिजस्टई किया गया है।

> एस० एच० अञ्जास अजिदी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर भागुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 जम्बर्ड

सारीख : 14-5-1984

प्ररूप बाइ". टी. एन. एस

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बंबई 🔻

बम्बई, दिनांक 14 मई 1984

निर्देश सं० आई-2/37ईई/6649/83-84---अत: मुझे, एस० एच० अञ्चास अविदो,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), जो कि धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिस को संग्रापनं 8, श्विता अपार्टमेंटस सी १०८१० एस० नं 1030, यारो रोड, वरसोवा अंधेरी (प), बम्बई-51 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विजित है), और जिस्ना करारतामा आयार अधितियम 1961 को धारा 269 खा, के अक्षीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 19-9-1983।

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तित में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण संहुइं किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम् की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- मैसर्स एशियन डेवलपर्नेट कारपारेशन ।
 - (अन्तरक)
- 2. डा० बो० टी० बाधनीवाला, और श्रोमता सो० बी० बाधनीवाला।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करक पृत्रोक्त सम्पत्ति के अजन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप है---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितसद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरणः --- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पवाँ का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हु¹, वहां अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया. गया है।

अमतची

णाप नं ० ८, किंवता अपार्टमेंटस, सो० टी० एस० नं ० 1030 यारो रोड, वरसोना, अधेरी, (प), बम्बई-61 में स्थित है। अनुसूचो जैसा जि ऋ० सं० आई-2/37ईई/6649/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारो बम्बई द्वारा दिनांक 19-9-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> एस०एच० अब्बास अबिदी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज,-2, बम्बई

तारीख 14-5-1984

प्ररूप बार्च. टी. एन. एस

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण)

अर्जन र्जि-2, बम्बई

बम्बई, दिनावः 14 मई 1984

निर्देण सं० अई-2/37ईई/3455/83-84--अतः मुझे, एस० एच० अञ्चास अबिदी.

बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैटनं० 501 और 502, कासमास अपार्टमेट. सी० टी० एस० प्लाट नं० 399 से 399/4, एस० वी० रोड, बिले पार्ले (प०), बम्बई-56 में स्थित है (और इससे उपाबत अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कब, के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी केकायलिय में रजिस्ट्री है दिनांदा 23-9-1983

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास वहने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत बिधक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप में कथिस नहीं किया गया है :---

- (क) कलारण से हुर्ष किसी आय की वावत, उक्त विधिनियम के अधीन कर दोने के बनाइक के बायित्व में कमी करने या उससे ब्यन में सुविधा के निए; बौर∕या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशांजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब, उस्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उस्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिंखत स्पृतितुर्यों, मर्धात्ः— 1. श्री सतनेण चन्द्रलाल ।

(अन्तर्क)

 श्री गोपालभाई एम० सावजानी, और मंजुला जी० सावजानी: ।

(अन्तरंदती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यक्षाहियाँ करता हूं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप ु---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के णस सिस्तित में किए जा सकाँगे।

स्पष्ठीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

पलैंट नं० 501, और 502, कासमास अपार्टमेंट, सां०र्टा० एस० प्लाट नं० 399 से 399/4, एस० वी०, रोड, विलेपालें (प०), बम्बई-56में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि अई-2/37ईई/3455/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी वम्बई द्वारा दिनांक 23-9-1983 को रिजस्टर्ड किया गया है।

एस० एच० अब्बदास अबिदी सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज़ 2, बम्बई

विनांक: 14-5-1984

मोहर 🗳

प्रक्रम् बादं टी एन् एव्

बायकर बीभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के ब्योन स्वा

भारत सुरकार

कार्यास्य, सहायक सायकर जामुक्त (निर्दोक्त्) अर्जन रेंज 2. बक्ष्वई बम्बई, विनांक 14 मई 1984

निर्देश सं० अई-2/37ईई/6817/83-84~-अतः मुझे, एस० एच० अब्बास अबिदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन, सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मृत्य 25,000/- रहे से अधिक ही

और जिसका सं० प्लाट नं० 61, मराल को-आप० इण्डस्ट्रियल इस्टेट, 10/12. मथुराद स बसनजी रोड, अंधेरी (पूर्व), बम्बई-59 में स्थित है (और इससे उपाबड अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विण्त है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क्ख. के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है. दिनांक 26-9-1983 को पूर्वोक्त सम्परित के जीवत बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मृत्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उपित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितावों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नतिचित् उद्ववेष्य से उक्त क्लाएण निवित्त में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरकृते हुद्दे किसी आज की बाबत सकत अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे जजने में सूबिभा के लिए; अप्रि/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वार प्रवट नहीं किया का भा या किया जाना चाहिए था कियाने में मुनिभा के तिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम क्री धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- शी मनोहालाल भगवानदास पंजाबी, प्रोप्ता० आफ मैसर्स मेट्रोपोलिटन मैन्युफेक्चरिंग, कंपनी । (अन्तरक
- पेस लेबोरेटरीज प्राईवेट लिमिटेड (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीच चे 45 विन्की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि शाद में स्माप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबक्थ किसी बन्य व्यक्ति व्याग वधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवीं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्यागया है।

मनसर्वा

्लाट नं० 61, मरोल को-आप० इण्डस्ट्रियल इस्टेट, 10/12, मथुरादास, थसंनजी रोड, अंधेरी (पूर्व), अम्बई-59 में स्थित है ।

अनुसूची जमा कि कि । अई-2/37ईई/6817/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई वारा दिनांक 26-9-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

एस० एच० अब्झास अबिद्यो, सक्षम प्राधिकारी, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जनरोंज,2 बम्बई,

तारीख: 14-5-1984

मोहर ...

प्ररूप नाइं, दी. एन. एस

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, 2, बम्बई बम्बई, दिनांक 14 मई 1984

निदेश सं० आई०-2/37ईई/3515/83-84--अतः मुझे. एस० एच० अब्बास अबिदी,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 7, बिल्डिंग नं० 7, 3 री मंजिल, भहालक्ष्मी को-अापरेटिव हार्डीसग सोसायटी लिमिटेड

प्लाट नं 120, मनमाला टन्क रोड, बम्बई-16 में स्थित हैं (और इससे उपाबड अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) और जिल्ला करारनामा आयकर अधिनियम 1961 को घारा 269 कख के अबीन बम्बई देया मज्ञम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्रो है दिनांक 26-9-1983

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके स्थमान प्रतिफल से एसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अन्तरक और (अन्तरका) और बंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; जाँड/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) को प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था स्थिपाने में सुविधा के लिए;

सतः अस, उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त मधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के नभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित्ः 1. श्री रोजीराम सामनमल ।

(अन्तरक)

- 2. (1) श्री माणिक प्रेम चन्द नरसीयन,
 - (2) श्री बलदेव प्रेम जन्द नरसीयन
 - (3) श्री मुकेश प्रेम चन्द नरसीयन,
 - (4) श्री जगदीश श्रेम चन्द नरसीयन,

(अन्तरिती)

अन्तरक और फैमिली
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोगै में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पद स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित बुवाराः
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास् लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण : - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त जिथानियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगुसूची

फ्लॅंट नं० 7, बिल्डिंग नं० 7, 3 री मंजिल, महालक्ष्मी को-आपरेटिय हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, प्लाट नं०120, मनमाला टन्क रोड, बम्बई-16 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37ईई/3515/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 26-9-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> एस० एच० अन्यास अविदी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज 2, यम्बर्ध।

दिनांक: 14-5-1984

मोहर 🗓

प्रस्त बाइं. टी. एन. एव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक शायकर जायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, 2-बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 मई 1984

निर्देश सं० अई-2/37/ईई/6805/83-84-⊷-अतः मुझ्ने, सं० एच० अब्बास अविदो

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भाष 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

25,000/- र. स अधिक हुं
और जिसकी जमीन का हिस्सा जिसका सी०टी० सर्वे नं०
476/1 से 5 तक है और जो तेली गलो कास लेन अंधेरी (पूर्व)
बम्बई-400069 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और जो पूर्ण रूप से विणितहैं) और जिसका करारनामा आयकर
अधिनियम, 1961 की धारा 269 कखके अधीन बम्बई स्थित
सक्षम प्राधिकारी के बार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 24-9-1983
को पूर्वेक्त संपर्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के दश्यमान
प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपर्ति का उचित बाजार
नृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्दह
प्रतिकात से बिथक ही और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिचित उद्बेश्य से उक्त अन्तरण निविक्त
के बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-गार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था खिपाने में स्विधा के निए:

जतः जब, उक्त जीभनियम की भारा 269-ण के अनुसरण जै, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) जै जभीन, निम्नलिसित स्यक्तियों, अर्थात् ।:——

- 1. (1) श्रीमती मंदाकिनी मधुकर कोरे।
 - (2) श्रीमती विजया नंद कुमार गुप्ते।

(अन्तरक)

2. विकास कंस्ट्रक्शन ।

(अन्तरिती)

- 3 (1) श्री झीलो० आर० पांचाल (मृत), अभी श्रीमती रुक्ती आर० पांचाल।
 - (2) श्री हरी गणपत मिस्त्री
 - (3) श्री गणेश गोविन्द मिस्त्री
 - (4) श्री चिंतामणी डी० धुरी,
 - (5) श्री व्ही० आर० गुप्ता,
 - (6) श्री विनोद ए० जयकर।
 - (7) श्री प्रमोद ए० जयकर

(८) श्री भारत ए० जयकर ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्तिहै)

4. (1) श्री शीलो आर० पांचाल, (मृत), अभी, श्रीमती हकानी आर० पांचाल।

(2) श्री हरी गणपत मिस्त्री

- (3) श्री गणेश गोविन्द मिस्त्री
- (4) श्री चिंतामणी डी० मिस्त्री
- (5) श्री व्ही० धार० गुप्ता
- (6) श्री विनोद ए० जयकर।
- (7) श्री प्रमोद ए० जयकर
- (8) श्री भारत ए० जयकर ।
- (9) श्री कृष्णाकुमार ए० जयकर

(10) श्रीमती करूपना मुकन्द धुरंधर । (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्लाक्षरी

जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में कमान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टीकरणः —- इसमें प्रयुक्त धन्धों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ष होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

जमीन का हिस्सा जिसका सी० टी० नं० सर्वे नं० 476 476/1 से 5 तक (716 स्केवेयर वार्ड), तथा जो तेली गकी कास लेन, अंधेरी (पूर्व), बम्बई-400 069 में स्थित है अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-2/37ईई/6805/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 24-9-83 को रजिस्टई की गई है।

एस० एच० अब्बास अबिदी, सक्षम प्राधिकारी, सङ्ख्यक अध्यक्तर अध्युक्त (निरोक्षण), अर्जनर्रेज-2, बस्बई ।

तारीख: 14-5-1984

मोहर 🖠

प्ररूप आर्ड.टी एन.एस.

ायकर अधिनिय्स, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2,

वम्बई, दिनांक 14 मई, 1984

निर्वेश सं० आई०-2/37ईई/3364/83-84-अतः मुझे, एस० एच० अक्ष्यास अविदी,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ५सके पश्चात् 'जन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा १८69-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित शाजार मूल्य ३५,000/- रु. से बिधक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 1, 1 ली मंजिल, मिनू अपार्टमेंट नंदा पाटकर रोड, ज्वाट नं० 1332, विले पार्ले, (पूर्व), बम्बई-57 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण कृप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनंक 1-9-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति कं उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का उन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिता (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया च्या प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंसरण से हुईं किसी नाय की बाबत, उक्त अधिनियम के नधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था छिपाने में भूविधा के सिए;

भतः अव, उभत भौभिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण गैंः, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (।) से अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात्:— 1. मैसर्स मिन् करस्ट्रक्शन कंपनी

(अन्तरक)

 श्री सुंदरेण एन० सुक्रह्ममण्यन और श्रीमती अग्बा सुन्दरेण

(अन्तरिती)

को यह सुभाग जारी करके पूर्वेक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहरूनाक्षरों के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टोकरण: --इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिमियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगुसूची

फ्लेट नं ० 1, 1 ली मंजिल, मिनी अपार्टमेंटस नदा पाटकर रोड, प्लाट नं ० 1332, विले पार्ले, (पूर्व), वम्बई-57 में स्थित है।

अनुमूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37ईई/3364/83-84 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, वम्बई द्वारा विनांक 1-9-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> एस० ए**च० अ**ब्बास अबिदी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 14-5-1984

भाह्य 🛮

प्रस्प आहं. टी. एन. एस

नायंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयमार आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 14 मई 1984

निर्देश सं० आई-2/37ईई/6508/83-84—अतः मुझे, एस० एच० अञ्चास अधिदी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० पलैट नं० 1, 1ली मंजिल, "सी" विंग, किल्लेज, कोंडिवटे, नालुका श्रंधेरी, बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख, के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ही है दिनांक 10-9-1983

को पृथा कि संपन्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकित में बास्तिवक रूप है किया गया है :---

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, अन्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (बा) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों का, जिन्हें भारतीय बायकार अधिनियम, 1922 (1972 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीत जिल्लीखरा न्यविसयों, अर्थात् :— 29—126GI[84

1. मैसर्स कृष्णकुमार एड कंपनी

(अन्तरक)

- 2. (1) श्री रावर्ट व्हिरां ड्रिन्ज श्रीर
 - (2) श्रीमती इ० एम० रांड्रिन्ज ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हूं।

नकत सम्मत्ति के अर्थन के सम्बन्ध मं कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र भें प्रकाशन की तारी कर्म 45 दिन को अर्थाप या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को अविध जो भी अविध साद में समाप्त होती हो के भीतर पूबोक्त स्विकारों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थळीकरण :--इसमें प्रयुक्त ग्रब्दों और पदों का, के उक्त जिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा के उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैंट न० 1, 1ली मिजिल, ''मों' विग, व्हिलेज कोडियटे, तालका श्रंधेरी, बम्बई में स्थित हैं ।

अनुसूची जैसा कि कु० सं० आई- 2/37ईई/6508/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी वस्वई द्वारा दिनांक 10-9-1983 की रिजस्टी किया गया है।

> एम० एन० अध्वास अविदी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, त्रम्बई

विनांक : 14-5-1984

प्रकाष कार्ष . सी . एस . एस

अ।यकर जीधिनियज, 1961 (1961 का 43) की খাত। 269-খ (1) की अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बर्ड
बम्बर्ड, दिनांक 14 मर्ड 1984

निर्देश सं० आई०-2/37ईई/6761/83-84--अतः मुझे, एस० एच० अव्वास अविदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 260 क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रज. से अधिक हैं

ष्ट्रीर जिसकी सं पूनिट नं 21%, "यूनिट इण्डिस्ट्रियल हस्टेट", जकाला रोड, व्हिलेंज चकाला, अंधेरी (पूर्व), बस्वर्ड में स्थित है (थ्रौर उससे उपाबद्ध अनुसूची में थ्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख, के अधीन बस्वर्द स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टी है दिनांक 19-9-1983

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इक्यमान प्रतिफल से, एसे इक्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए स्य पाया गया प्रतिक्त जन. निम्तिलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण निख्य में वास्थ-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्थ में कमी करने या उससे अधिने में सृविधा के लिए और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां कां, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुनिधा के लिए;

गराः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलीखत व्यक्तियों अर्थातु :--- 1. मसर्स सी० आर० कार्पोरेशन

(अन्तरक)

श्री नरेन्द्र डी० शेट्टी।

(अलिरिनी)

डा० पी० बी० बेनर्जी,

(बह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानना है किं बह सम्पत्ति में हिनकड़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्टित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासीस सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विस्तित में किए जा सकींगे।

स्पष्टिकरण: — इसमे प्रयुक्त कव्यों और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 29-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विमा पया ही।

अनुसूची

यूनिट नं० 212, "युनिक इण्डस्ट्रियल इस्टेंट", चकाला रोड, व्हिलेज, चकाला अंधेरी (पूर्व), यमबई में स्थित है। अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० आई-2/37ईई/6761/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी वम्बई द्वारा दिनांक 19-9-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> एरस० एच० अब्बाप अबिटी सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बस्बर्द

दिनाक : 14-5-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस

कायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-घ (1) के अभीग स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2,

बम्बई, दिनांक 14 मई 1984

निदेश स० आई०-2/37ईई/6849/83-84--अत: मुझे; एस० एच० अब्बास अबिदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारज हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

भौर जिसकीं मं० यूनिट नं० 27 जि. एस० नं० 41, व्हिलेज भोशिवरा, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (भौर इसमें उपाबद्ध अनुमूची में भीर जो पूर्ण रूप से विणित है) भौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख, के अधीन दिनांक बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 30-9-1983

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूक्ष्य के कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है आर मूक्ष्ये यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रहें प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार्) और अन्तरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेष्य से उसत अन्तर्ण निचित में अस्तिक रूप से किया नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की अध्यत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृतिधा के लिए; और/या
- (क) एंनी किसी अाय या किसी धन या अन्य आस्तिकों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनिसम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनिसम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के निग्;

अपतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्यरण अर्म, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ल की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अधीत् हु—— 1. मैसर्भं लक्ष्मी इण्डस्ट्रियल इस्टेट

(अन्तरक)

2. मैसर्स सामंता फार्मा केम

(अन्तरिती)

3. अन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह स्थना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन का तारीख सं 45 दिन को अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना को तामील से 30 दिन की अविधि, जा भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीक्ष सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्हीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्सूची

यूनिट न० 27/जे एस० नं० 41 व्हिलेज श्रोणिवरा श्रंधेरी (प) बम्बई-58में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० आई-2/37ईई/6849/83-84 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई स्थित द्वारा दिनांक 30-9-83 को रजिस्ट्री किया गया है।

> एस० एच० अञ्बास अबिदी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-2 बम्बई

दिनांक : 14-5-1984

मोहर ः

प्रथम बाह्^र्टी<u>-एन</u>्स्स

आयकर जिंधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व(1) के जभीन सुवमा

भारत गुरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनां :: 14 मई 1984

निर्देश सं० अर्ड ०-2/37ईई/6461/83-84~-अतः मुझे, एस० एम० अञ्चास अविदो

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिनको सं० फ्लैंट नं० 503, 5वीं मंजिल, 'पाम अपार्टमेंट" बेअरिंग, नं० एप० 25, एच० एन० 1, एस० नं० 26, एन० नं० 2, एस० नं० 27, आफ व्हिलेज, वर्सीवा, अधेरी (प), बम्बई-58में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची। में और पूर्ण रूप में विणत हैं) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कखा, के अधीन वम्बई स्थित नक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं दिनांक 4-9-1983

को पूर्वोक्स संपर्तिस के उभित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह निक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उभित बाजार मृत्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, ऐसे क्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक हो और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण मिलित में वास्तिक कम से कथित नहीं किया वया है:—

- (क) जन्तरण से धुर्द किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए; और/या
- (व) एसी किसी आय या किसी धन या अस्य कारितयों को चिन्हों भारतीय नायकर निधीनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिभिनयम, या धन-कर निधीनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोद्यार्थ बन्दिरती ध्वारा प्रकट नहीं किया नया वा वा किया बाना चाहिए वा, कियाने में खुनिया में हिन्सा ने

अतः उब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मीं,, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:--- 1. मैसर्स पाम बिल्डसं

(अन्तरक)

2. श्री विजय विष्णुदत्त आरोंरा,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्जन के शिष्ट् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में दित-बद्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा बधोहस्ताक्षरी के गर विकित में किए वा सकोंगे।

स्पृथ्वीकरण:---इसमें प्रयुक्त शन्तों और पदों का, की उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कहीं अर्थ होगा को उन अध्याय में दिसा गया है।

गन्स्ची

पलैंट नं० 503, 5 वीं मंजिल. "पाम अपार्टमेंट्स", बेग्रीरंग नं०एस० 25, एच० एन० 1 एस० नं० 26, एन० नं० 2, एस० नं० 27, आफ व्हिलेज ामोंबा, अंधेरी, (प), बम्बई-58 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37ईई/6461/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4-9-83 की र्राजस्टर्ड किया गया है।

> एस० एच∙ अध्वास अविदी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांकः 14-5-1984 **मोह्र**ः प्ररूप आर्थः टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3. बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 मई 1984

निर्देश सं० आई०-3/37ईई/2912/83-84---अतः मुझे; ए० लहिरीः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269--न के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिल्लो नं पर्लैट नं 3, बिल्डिंग नं 9-बी, नित्यानन्द बाग, की-ऑप वहाडिंग मोलायटी लिमिटेड, आरव सी व मार्ग, चेम्बूर, बम्बई-74 में स्थित है (और इससे उपाबद अनु-सूची में और जो पूर्ण रूप से बिणित है) और जिस्का करारनामा आयकर अधिनियम. 1961 की धारा 269 के ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 2-9-1983

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उभित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उभित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से एसे रश्यमान प्रतिफल के पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्वेश्य से उन्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 19(7 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

बत: बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्रो देसराज , सिंगनरार म शर्मा

(अन्तरक)

- 2. सरदार राम सिंह पटना सन ऑफ तृलसीराम पटना (अन्तरिता)
- 3. अन्तरिती
 - (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्योक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के. पास लिसित मों किये जा सक्तेंगे।

स्वच्छीकरण: — इसमं प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्सूची

फ्लैट नं० 3, बिल्डिंग नं० 9-बी, नित्यानन्द वाग, को-आप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, आर० सी० मार्ग, चेंबूर, बम्बई-74 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि कि आई-37/3ईई/1318/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2-9-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-, 3 वस्बर्ध

दिनांक: 14-5-19**8**4

मोहर

प्ररूप बाहुँ टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्ब**ई**

बम्बई, दिनांक 14 मई 1984

निर्देण सं० आई-2/37ईई/6657/83-84--अतः मुझे, एस० एच० अब्बास अग्निदीः

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके क्ष्मात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- रहे से अधिक है

25,000/- रह. सं अधिक हैं
और जिसकी सं० फ्लैट नं० 1, 4थो मंजिल, "अंक्र्र" बिल्डिंग.
प्लाट नं० 38, टी०पी० एस० 3, दादाभाई रोड, अंधेरी (प०), वस्वई में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण कप से बिल्व है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कु ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजस्ड़ी है दिनांक 2-9-1983 को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की पर्श हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्वरेष्य से उक्त अन्तरण लिखत में आस्तरिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी अपने या उससे बचने में सुविधा के निष्: और/सा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अभिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपान में मुविधा के लिए;

भतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसत व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. आहिया एंड एसोशियेट्स,

(अन्तरका)

2. श्री पदमशं।, अमृतलाल निशार और निर्मला पदमशं। निशार

(अन्तरिती)

को यह मृष्यना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध के कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर प्रवीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुमूची

पलैट नं० 1, 4थी मंजिल, "अंक्र्र" बिल्डिंग, प्लाट नं० 38, टी०पी० एस० नं० 3, दाक्षाभाई रोड, अधेरी (प०) बम्बई में स्थित है ।

अनुमूची जैमा कि ऋ० मं० आई-2/37ईई/6657/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2-9-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> एस० एच० अब्बास अबिदी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 14-5-1984

मोहर ः

प्ररूप आर्ह. टी. एन. एस.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज. 2. बम्बई

बम्बर्ष, दिनांक 14 मई 1984

निवेश सं० अई-2/37ईई/6601/83-84---अतः मुझे एस० एच० अब्बास अविदी

आयकर अश्रिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे⁻ इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है). की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह जिल्लान करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- एक. से अधिक हैं

श्रीर जिमकी सं. फ्लट नं० 19, 2 री मंजिल, आनन्द प्रदाश बिल्डिंग नं ० 2, आफ मेलके कोडिविटे, एम० आय० दी० मी० अंधेरी, (पूर्व), बम्बई-93 में स्थित है (और इसमे उपाबक अन्सूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका अरारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 छख है अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के ज्ञायालिय में रिजिस्ट्वी है विनांक 16-9-1983 को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह दिख्याग करते कारण है कि यथापर्वोक्त सम्पक्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तिरितियां) के बीच एेमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिसित में वास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायितः में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (श्रा) ऐसी किसी अग्रय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम रा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के जिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्यरण , मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिमित व्यक्तियाँ, अर्थात :---

1. र्थाभतो झेड. डिसोझा

(अन्तर्ह)

2. श्रामना मुलीचना विक्रम

(अन्तर्गरती)

3. अन्तरक

(बहुव्यक्षित, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

कां वह सूचना जारी करके पृत्रों क्ल सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध मी काइ भी आक्षप:--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हां, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों मं से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस स्चमा के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्स ची

फ्लैट नं ० 19, 2 री मंजिल आनन्द प्रकाश बिल्डिंग, नं ० 2, आफमोलके कोंडिविटे, एम० आय० डि० मी० अंधेरी, (पूर्व). बम्बई-93 में स्थित है।

अन्सूची जैसा कि ऋ० सं० आई-2/37ईई/6601/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारो वस्वई बारा दिनां र 16-9-83 को रजिस्टर्ड फिया गया है।

> एस० एच० अब्बास अबिदी सक्षम प्राधिकारी महायक आयश्य आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-२. सम्बद्ध

दिनां : 14-5-1984

प्ररूप आई.टी.एन.एस

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्याक्षयः महायक आयकर वाय्वत (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2. बम्बई

वम्बई. दिनांग 14 मई 1984

निर्देण मं० आई-2/37 \$\$/3350/83-84---अतः मझे, एस० एच० अब्बास अविदः।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहा से अधिक हैं

और जिसको सं० षाण नं० 8-ए प्राउन्ड फ्लोर. वरम प्रेम-आर्ट मेंट. 75, नेहरू रोड, बिले पालें (पूर्व), वम्बई-57 में स्थित है (और इसमें उक्तिस्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिस्सा उरारनामा आसक्र अधिनियम 1961 की धारा 269 एख के अधीन वम्बई स्थित सक्षम प्राधि-भरी के जायां लिय में रिपार्ट है विनाद 1-9-1983

की पूर्वीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यक्षात प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोत्ति सम्पत्ति का उचित्त बाजार मूल्य, उसके कश्यमान प्रतिफल के एमें कश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और जंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पायर गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दश्य से उक्त बन्तरण निचित में कास्तिक कप से किथत नहीं किया गया है :---

(फ) अन्तरण स हुई किली आग को बाबत उथत बीध-रिनयम के अभीत कर यान के अन्तरफ क बारियल मा नम्मी अपने या असमें अभने भी मुन्तिया के लिए नीप/ना

एक किया शाम वा किसी धन था अन्य आक्रिक्यों की, जिन्हों भारतीय जासकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 की 27) की प्रयाजनार्थ अन्तरिती कुछारा प्रकट नहीं क्रिया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने मी मिलिधा के लिए:

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनस्रण मों, मों. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, धिमाधिनियत व्यक्तिस्थां. अधीत ,—— 1. मेसर्स ठक्कर बिल्डर्स

(अन्तरक)

2. श्री शंकर रामा पुजारी,

(अन्यरिता)

3. अन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्तिहै)

को यह सूचना जारी करके पृवांकित संपरित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

तकत सम्मरित के वृश्वन के सम्बन्ध में कोई भी वार्क्ष :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की ताशील से 30 दिन की सर्वाध, जो भी अविधि वाद कें समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी स्थित द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 बिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के वास सिवित में किए जा सकोंगे।

स्थाधनीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अभिनियम के सध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गमा है।

अनृसुधी

णाप नं० 8-ए, ग्राउन्ड फ्लोर, धरमप्रेम अपार्टमेंट. 75, ने हरू रोड, विल पार्ले (पूर्व), बम्बई-57में स्थित है।

अनुसूत्री जैसा कि कि सं आई-2/37ईई/3350/83-84 आर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1983 को राजिस्टई किया गया है।

एस० एच० प्रव्यास अविदां सक्षम प्राधिकारी सहायक आयअर आपुक्त (निरीधण) अर्जन रोज 2, बम्बई

दिनां र: 14-5-1984

प्रस्प आहें, टी. एस. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अभीन स्पना

भारत सरकार

कार्यांसब, सहायकः आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 मई 1984

निर्देश सं० अर्थ०-2/37ईई/6316/83-84---अन: मुझे, एस० एच० अब्बास अबिदी

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्यात 'जक्त अधिनियम' कहा गया है) की भाष 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्नास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित अजार मृन्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जियको मं० इण्डस्ट्रियल णेड नं० ई-एफ. ग्राउन्ड फ्लोर. बिस्डिंग नं० 16, लक्ष्मी इण्डस्ट्रियल इस्टेट, आफ दिश देसाई रोड, ओशिवरा रोड, अधेरो (प०), बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) और जिसहा करारनामा आयकर अधिनियम 1961 को धारा 269 कला के अधोन बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यानय में रजिस्ट्री है दिनांक 1-9-83

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के उश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित आजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति- फल निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में बास्तविक स्प से किया नहीं किया नया है:---

- (कः) अन्तरण से हुन्द्रं किसी आय की बायत, अवत अधिनियम के अधीन कर धोने के अन्तरक के धायित्व में कभी करने या उससे व्यन्ते में सुविधा के सिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन या अस्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, सा अन-कर अधिनियम, सा अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के परोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गरा था या किया जाना वाहिए हा, छिपाने में ज्निशा के सिए;

क्षतः अव, अवत अभिनियम को धारा 269-म के अनुसरक मों, मो, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---30—126G/184 1. लक्षमो इण्डस्ट्रियंल इस्टेट,

(अन्तर्क)

कत्स्टेलेगत डायनामेटिक प्राद्यवेट लिमिटेड.

(अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, ओं भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख बैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्धारा अधोहस्ताक्षरी के पास चिक्तित में किए जा सकींगे।

स्वष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त कन्दों और पदों का, जो सक्त विधिनियम, के बंध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होना जो उसं अध्याय में दिया गया है।

वनसची

इन्डस्ट्रोयल णोड नं० ई-एफ, ग्राउन्ड फ्लोर, बिल्डिंग नं० 16, ल≆नो इण्डस्ट्रियल इस्टेंट, आफ विरादेसाई रोड, ओशिवरा रोड, अंधेरो (प), बम्बई-58में स्थित है।

श्रनुस्वा जैसा कि क० सं० अई-2/37ईई/6316/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई ब्रारा दिनांक 1-9-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> एस० एच० अब्बास अबिदी सक्षम प्राधिकारी महायह आयार आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनां ह: 14-5-1984

क्ष्म् बार् . टी. एवं. एखं.

बाधकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) को मुभीन सूचना

भारत सुरकार

कार्बासय, सहायक शायकर बायकर (मिरीक्षा) अर्जन रेंज, 2, बम्बई बम्बई, दिनांक 14 मई 1984

निर्देश सं० अई०-2/37ईई/3437/83-84—-अत: मुझे, एस० एच० अब्बास अबदी

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसको सं० पत्रेट नं० 3, प्राउन्ड पसीर, संदीप अपार्टमेंट्स प्लाट नं० 11, अरफ प्लाट नं० 5, नार्थ आफ इर्ली, नाला जे० व्हि०पो०, डी० स्किम, बम्बई-49 में स्थित है और इससे उपाबख अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की घारा 269 कखके अधीन बम्बई स्थित समम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 15-9-1983

को पृत्रों क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृत्रों क्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का वन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती बिंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निसिसित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक क्य से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुए किसी बाव की शावट, उत्पत्त अधिनियम के अभीत कर दोने के अन्तरक छे बासित्व में कमी करने मा इससे अक्सामी सुदिशः के बिए; बीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था स्टिपाने धें सुविधा के लिए;

जतः अज्ञ., उत्थत अधिनियम की धारा 269- के अनुसरण जै, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिजित व्यक्तियाँ, अर्थात् :--- ा. पंजाब सिंग गिड्, ।

(अन्तरक)

2. श्रीनूरभीहम्मद डी० शिख

(अन्तरिती)

3. अन्तरक

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

कौ यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यज्ञाहियां करता हुं।

उवत संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से से 45 बिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तागील से 30 बिन की अविध, जो भी अविध बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्होकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दो का, जो शब्द अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूधी

फ्लैंट तं० 3, ग्राउन्ड फ्लोर संदीप अपार्टमेंट्स, प्लाट तं० 11, आफ प्लाट नं० 5, नार्थ आफ इर्ली नाला, जे० व्हि० पो० डो० स्क्रिम, बम्बई-49 में स्थित है।

अनुसूची गैसा कि कि के सं अई-2/37ईई/3437/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 15-9-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> एस० एच० अब्बास अबिदी समक्ष प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई

न(रोख: 14-5-1984

मोहर 🥫

प्रकप आइ. टी. एन. एस

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 मई 1984

निर्देश सं० अई-2/37ईई/6476/83-84---अन: मुझे, एस० एच० अब्बास अबिदी

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों की यह निश्नास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उपित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसको सं ० पलैट नं ० 24, बिल्डिंग नं ० 24, गुरूनगर, जयप्रकाश रोड, अंधेरी, (प), बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कखके अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है दिनांक 1-9-83

करे प्रांक्त सम्पत्ति के उन्तित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमाने प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य. उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पृन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की धावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अत्य अस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनयम, या धन कर अधिनयम, या धन कर अधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीत् ४-- 1. श्री सी० एन० सी० राव

(अन्तरक)

2. (1) श्रो भारत एन० धुवानी और

(2) श्रीमहेशएन० दुदानी

(अन्तरिती)

3. अन्तरक

(वहज्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी माओप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी **स** से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का., जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ध होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसुची

फ्लेट नं० 24, बिल्डिंग नं० 24, गुरूनगर, जयप्रकाश रोड, अंधेरी, (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुमूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37ईई/6476/83-84 ओर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांद 1-9-83 को रेरिजस्टर्ड किया गया है।

> एस० एच० अब्बास अबिदी सक्षम प्राधिकारी यहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज=2, बम्बई

दिनांक: 14 मई, 1984

मोहर अ

प्ररूप आई.टी.एन.एस

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 मई 1984

निर्देश सं० अई-2/37-ई०ई०/6819/83-84—अतः मुझे, एस० एस० अब्यास अबिदी,

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० पलैंट नं० 103, पहली मंजिल, बिल्डिंग नं० ए-1, विद्या दानी की-आप० हाऊसिंग सोसायटी, सहार विलेज, श्रंधेरी (पूर्व). बम्बई-69 में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण स्प से वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 26-9-1983

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्निलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथा गया हैं:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबल, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा को लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में हिष्या के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैसर्स इंडिको कन्स्ट्रक्शन कंपनी

(अन्तरक)

(2) श्री के० रविन्द्रन

(अन्तरिती)

कां यह सूचना जारी कारके पूर्वांक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुने।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अत्रिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त. स्थावर सम्पत्ति में हित- ब्रुध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्किरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुस्ची

फ्नैंट नं 0 103 पहली मंजिल, बिल्डिंग नं ए.-1, विद्यादानी को-आप० हाऊसिंग सोसायटी, सहार विलेज श्रंधेरी (पूर्व), बम्बई-69 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि करु संठ अई-2/37-ईई०/6819/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 26-9-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

एस० एच० अब्बाँस अबिदी मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 14-5-1984

प्रारूप भाइं.टी.एन.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक सायकर नायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-.2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 मई 1984

निर्देश मं० अई-2/37-ईई/6368/83-84—-अतः मुझे, एस० एच० अब्बास अबिदी,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रीर जिसकी संव "वेनसेर" णाप नंव 1, ग्राउंड फ्लोर, प्लाट नंव 9 स्रीर 9 आए, एकव एसव नंव 41, स्रोणिवरा, 4 बंगलोज, वर्सीवा, संवेरी (पव), बस्बई-58 में स्थित हैं (श्रीर इससे उवावड अनुसूर्वा में स्रौर पूर्ण इप से वर्णित है), स्रौर जिनका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कला के अधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 3-9-1983 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास कारने का कारण है कि सभापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकाल से, एसे दश्यमान प्रतिकाल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्नलिचित उच्चदेश्य से उक्त अन्तरण जिस्ति में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अभने में सुविधा कें लिए; और/या
- (स) एसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से सुविधा के लिए।

अत: अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) मैसर्स रविराज कन्स्ट्रक्णन्स

(अन्तरक)

(2) कुमारी भागीरथी एस० कस्यप

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नम्स्ची

''बनझर' गाँप न.1,ग्राउड फ्लोर प्लाट न.9 ग्राँर 9ए, आफ एस० नं० 41, ग्रोशियरा, 4 बंगलोज, बर्सोबा, ग्रंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि क सं० आई-2/37 ईई/6368/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, अम्बई द्वारा दिनांक 3-9-83 को रजीस्टडं किया गया है।

> एस० एच० अब्बास अबिदी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई.

तारीख: 14-5-1984.

प्रस्तु बार्ड . टी. एन. एव.

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-घ (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्वत (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 बम्बई बम्बई दिनांक 14 मई 1984

निर्देश सं० अई-2/37ई $\epsilon/6576/83-84$ —अत : मुझे, एस० एच० अब्बास अबिदी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/-रा से अधिक है

श्रौर जिसकी संव "सिटीसन" शाप नंव 4, ग्राउंड प्लोर, प्लाट नंव 27, एसव नंव 41, 4 बंगलोज, श्रोशिवरा, वर्सोवा, श्रंधेरी (पश्चिम) वस्बई में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिरनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 12-9-83

को पूर्वो वत संपत्ति को उचित बाजार मून्य से कम के अयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूओं यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (जन्तरकों) और जन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिचित उद्वेदगें से उक्त अन्तरण जिलित में वास्त्विक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) वन्तर्ण से हुई किसी बाव की बाब्त्, उपत विभिनियम के बधीन कर को से बलाइक के दायित्व में कमी करने या उसते बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाग या किसी भन या बन्त बास्तियों को जिन्हें भारतीय बाग-कर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया बाना चाहिए था, क्रियाने में स्विधा के लिए;

अतः अव उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीर तिस्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह—-- (1) मेसर्स रिवशा कार्पोरेशन।

(अन्तरक)

(2) श्री श्रीधर पोगेट्टी राचेली

(अन्तरिती)

की यह स्थाना चारी करके पूर्वीक्तृ स्व्यक्ति के मर्थन् के जिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध यों कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीत तें 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी अयिवतयों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा मभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकोंगे।

स्वस्थिकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं क्षें होगा जो उस अध्याय में दिया गुंबा हैं।

वनुस्ची

"सिटीझन^र शाप नं० 4, ग्राउंड फ्लोर, प्लाट नं० 27, एस० नं० 41, 4 बंगलोज, श्रोशिवरा, वर्सीवा, (श्रंधेरी) पश्चिम), बम्बई में स्थित है।

अनुभूची जैसा कि क० सं० अई-2/37ईई/6576/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 12-9-83 को रजिस्टई किया गया है।

एस० एच० अब्बास अबिटी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 14-5-84.

मोहर 🛭

प्रकृष काई. बी. एम्. एस्

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 मई 1984

निर्देश सं० अई-2/37 ईई/6506/83-84—अतः मुझे, एस एच० अब्बास अबिदी,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 1, पहली मंजिल, "बी" विंग, विह्नेज कोडिबटे, तालूका श्रंधेरी बम्बई, में स्थित (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विंगत है), श्रौर जिका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 केख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 10 सितम्बर 1983

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रों यह विश्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ध्र्यमान प्रतिफल से एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुर्इ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के निए; और/मा
- (क) एंसी किसी जाय या किसी भन या जन्य आस्तियाँ की, जिन्हें भारतीय जाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, शा भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, ख्रिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखिस व्यक्तियों, अर्थात :---

(1) मेसर्म कृष्णकुमार एण्ड कंपनी

(अन्तनक)

- (2) (1) श्री अमीर इस्माइल काझी श्रीर
 - (2) श्रीमती बानू अमीर काझी

(अन्तरिती)

की यह सूचना चारी करके पृत्रोंचत् सम्परितः के वर्षन के निष् कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के मर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज से 45 जिन की जबिभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 जिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना की राजपत्र में प्रकाशन की तारी खंसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अभोह्स्ताक्षरों के पास निविद्य में किए वा सकों ।

स्पत्तीकरणः --- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के सध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, शही अर्थ होगा, जो उस सध्याय में दिया गया हैं।

अन्स्ची

फ्लैट नं० 1 पहली मंजिल, "बी'' विग,व्हिलेज कोडिवटे, सालुका ग्रंधेरी, अम्बई में स्थित है ।

अनुसूची जैसा किक ० सं० अई-2/37 ईई/6506/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 10 मितम्बर 1984 को रजीस्टर्ड किया गया ।

> एस० एच० अब्बास अबिदी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक :- 14-5-1984

हरूम अन्याः यो हम् प्रस्

भायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 मई 1984

निर्वेण सं० आई-2/37 ईई/6753/83-84—अतः मुझे, एस० एच० अब्बास अबिदी,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन संशोग प्राधिकारी को, यह विश्वास कारते का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूच्य 25,000/- रूठ से अधिक है

श्रीर भिसकी सं० फ्लैट नं० 18-ए, गुलमोहर अपार्टमेंट्स, जुहु काम लेत, आफ मी० डो० बर्कीवाला मार्ग, श्रंबेरी (प) बम्बई-58. में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनयम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 20 अक्टूबर 1983

को प्रवेक्त संपरित के उचित बाजार म्स्य से कम के दिश्यामा प्रतिफल के सिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य., उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का गन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्ति दिक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उच्छ विधिनियम के अभीत कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे व्यन में निवध के लिए; आर्/बा
- (थ) एसी किसी आय या किसी भन या बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, विश्वार विश्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए

जतः जन, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के जन्नरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ उपधारा (1) के अधीन, निम्न्लिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (6) श्री नेब राज खन्ता

(अन्तरक)

- (2) डा॰ (कुमारी) मंजुला खिमजी रामयूया (अन्तरिती)
- (3) अन्तरिती (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ती है)

को यह सुभाना जारी कारके पृथानित सम्पत्ति के अर्थन के निष् फार्यवाहियां कारता हुं।

इन्स सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षीप :----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन की नविभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं है हैं 45 दिन के भीतर अक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंद बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थक्षीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जीभीनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गमा है।

मनुसूची

फ्लैट नं 18-ए, गुलमोहर अपार्टमेंटम, जुह क्रास लेन. आफ सी० डी० बफीवाला मार्ग, श्रंधेरी (प०) बम्बई-58 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० आई-2/37 ईई/6753 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनांक 20 अक्टूबर 1983 को रिष्ट्र्ड किया गया है।

> एस० एच० अब्बास अबिदी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज,-2 बम्बई

दिनांकः :--14--5--**8**4

मोहर

प्ररूप आईं. टी. एन. एस

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बर्ड

बम्बई, दिनांक 14 मई 1984

निर्देश सं० आई-2/37ईई/6505/83-84---अत: मुझें एस० एच० अब्बास अबिदी,

बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्कत अधिनियम' कहा गया है)., की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि ५थावर सम्पत्ति जिसका उचित् बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी मं० फ्लैट नं० 2, पहली मंझिल, "बी" विंग, बिनहलेज कोडियटें, तालूका श्रंधेरी, बम्बई में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित), श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 10 अक्टूबर 1983

को पृत्रोंक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्योंकन सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, इसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रकारिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रकारण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्ला में बास्तिविक कर प्रतिशत नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी भाग की वाबत, उक्त जिथिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जौर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 31—126GI[84

(1) मैसर्स कृष्णकुमार एण्ड कंपनी।

(अन्सरक)

(2) श्रीमती लिली के० चोरडेकर।

(अन्तरिसी)

को यह स्**च**ना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हो।

मन्स्ची

फ्लैंट नं 2 पहली मंजिल, "बी" विंग, व्हिलेज कोडिवर्टें, तालुका ग्रांधेरी, अम्बर्ध में स्थित हैं।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० आई-2/37ईई/6505/83-84 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10 अक्टबर 1983 को रजिस्ट्रर्ड किया गया है।

> एस० एच० अब्बास, अबिदी) सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) अर्जनै रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 14-5-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2 बम्बई

बम्बई दिनांक 14 मई, 1984

सं० आई-2/37/ईई/3448/83-84:--अत: मुझे एस० एच० अब्बास अविदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसमें इसमें पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य . 25,000/-र: में अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 1, 1 पहली मंजिल, साई धाम, विले पार्ले (पूर्व), बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपावड़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करार नामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 23-9-1985

को प्वेंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने वा कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के तीच एसे अन्तरिण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखन उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्ति में वास्तिक रूप में अधिक नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण में हुई किसी बाद की वावता, उक्त विधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व मों कसी करणे था उससे बचने मों सविधा के लिए और/बा
- (का) एसी किसी आय या किसी धन का अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती दूवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अतः, उत्कतः अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं की उपधारा (1) के मधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् क्ष्ण- 1. मैसर्स अनिन्द लक्ष्मी इण्टरप्राइजेज।

(अन्तरक)

2. श्री हसम्ख वाडीलाल पटेल।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वेक्ति संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरु करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तह्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्वार;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतार उक्त स्थावर सम्परित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात लिखित में किए जा सकींगे।

स्थण्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नग्त्रची

फ्लैट नं० 1, पहली मंजिल, साई धाम. विले पार्ले (पूर्व), वस्बाई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-2/37 ईई/3448/83-84 श्रौर जो सक्षम अधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 23-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

एस० एम० अभ्यास अविदी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज 2, बस्धई

तारीख: 14-5-1984

बक्त आ**व**ं.टी.एन.एस.

1. मैसर्स निर्मान बिल्डर्स

(अन्तरक)

बायकर वृधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

2. कुमारी आर० बेन

(अन्तरिती)

शास्त्र ब्राज्या

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 बम्बई

बम्बई दिनांक 14 मई 1984

स० अर्ছ-2/37 ईई/6333/83-84:—अतः मुझे एस० एच० अब्बास अधिदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विरवास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य, 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी स० फ्लैट न० 206 दूसरी मजिल "निर्मान काटेज" यारी रोड बर्सीवा अन्धेरी (प०) बम्बई-61 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण क्य से विणत है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 259 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-9-1983 को पूर्वीक्त सम्पित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकास के लिए बंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मंपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकाल से, ऐसे ध्यमान प्रतिकाल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और बंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे बंतरण के लिय नय पाया गया प्रतिकल निम्निचित उच्च देय से उच्त कन्तरण मिलित में बास्तिक कप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण में हुई किसी अाथ की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के यदिश्व में कवों करने या उत्तसे बचने में सुविधा के लिए; बीट्र/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवायनार्थ अन्तरिती द्वारा अकट नहीं किया नवा ना या किया जाना चाहिए या, दिन्याने से सुविधा के निए;

अतः अस्त, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निकालिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- की शह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत स्थास्तरों में से किसी स्थितर स्वारा
- (व) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की दारीय सं 45 विन के भीतर सकत स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्म व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी की पास निवित में किए वा सकोंगे।

स्पन्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त अन्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हीं,, वहीं कर्ध होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हो।

मन्स्ची

फ्लैट न० 206 दूसरी मंजिल ''निर्माण काटेज'' यारी रोड वरसोदा अन्धेरी (प०) बम्बई-61 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि से अई-2/37/ईई/6333/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1983 को रजिस्टड किया गया है।

एस० एच० अध्यास अधिवी; सक्षम प्राधिकारी, गहायक आपाहर अधिकृत (निरीक्षण), अर्जन रेंज 3 बस्बई

गारीख: 14--5-1984

मोहर 🤌

प्ररूप वार्षे. टी. एन्. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269न्व (1) के अधीन सूचना

भारत सहसार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्देशक)

अर्जन रेंज 2 बम्बई

बम्बई दिनांक 14 मई 1984

सं० अई/2/37/ईई/6840/83-84:——अतः मुझे एस० एच० अब्बास अबिद

भ्रायकर प्रशिविषयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्यत्ति, जिसका उचित बाजार मृष्य 25,000/-६० से प्रधिक है

श्रौर जिसकी स० फ्लैट नं० 33 बिल्डिंग नं० 23 आणिष को-आपरेटिय हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, श्री गुरू नगर 4 बंगलोज, जयप्रकाण रोड, अन्धेरी (प०), बम्ब्राई-58 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनयम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 30-9-1983 को प्रविक्त संपरित के उचित बाजार सस्य से कम के इक्समार

को पूर्वेक्त संपत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तिरत की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, ऐसे ध्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रशिश्तर से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए स्य पाया गया प्रतिफल, िम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण बें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उप-धारा (1) को सधीन, निम्निलिखित स्यास्तियों, सर्थात् ∷—ा 1. श्रीमली हरबंस कौर ठुकराल

(अन्तरक)

 श्री राहुल एस० शर्मा श्रीर कुमारी नरिन्दर कौर ठ्कराल।

(अन्तरिती)

अन्तिरितीयों

(बह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के शाजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा मर्केंगे।

स्पव्यक्तिरणः—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त प्रविकार के प्रकार 20-हमें परिभाषित हैं बही प्रवेतीया, जो उन प्रविधा में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट न० 33, बिल्डिंग नं० 23, आशिण कौ-आपरेटिंब हाउसिंग सोसायदी लिमिटेंड, श्री गुरू नगर 4 बंगलोज, जयप्रकाश रोंड, अन्धेरी (प), वम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-2/37/ईई/6840/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 30-9 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

एस० एच० अब्बास अभिदी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई ।

नागेख: 14-5-1984

प्रक्ष काइं. टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 मई, 1984

निर्वेश सं अर्ध-2/37/2ई/6816/83-84:-अतः मुस्रे, एस० एच० अब्बास अविदी,

बायकर निर्धानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/ रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 104, श्रोर 106, 1ली मंजिल, विद्यादानी को-आपरेटिव हाउसिंग मोसायट, सहार बिलेज, अन्धेरी (पूर्व), बम्बई-69 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबच अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप मे वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्रायधकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 1→9-1983।

को प्वांक्त संपरित को उभित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्मित्त का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण संहुई किसी बाय की बावत, उक्स अधिक्रियत में अभीन कर दोने के अन्तरक के बावित्य में कनी करने या उससे क्यने में सुविधा के लिए; और/या
- (अ) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त, ज्ञिभिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्रिपाने में स्विभा के लिए;

त्रज्ञः अष्य , उक्त जीभीनयम की भारा 269-ग के अनुसरण में , मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-ध की उपभारा (1) के जैभीन , निम्निसिखित व्यक्तियों , अर्थात् ६—

1. भैसर्स इण्डिको कन्स्ट्रबगन कम्पनी।

(अन्तरक)

श्री फेड्रिक पिन्टो प्रीर श्रीमती रोजी।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मूर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपूज में प्रकाशन की तारी है है 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की लारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित मों किए था सकोंगे।

स्थब्दीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनयम, के कृष्याय 20-क में प्रिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिखा देवा हैं।

अनुसुची

फ्लैट नं० 105 ग्रीर 106, 1ली मंजिल विद्यादानी को ' आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी, सहार विलेज, अन्धेरी (पूर्व), वम्बई 69 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37/ईई/68161-83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1983 को रिजस्टर्ड किया गया है।

एस० एच० अब्बास अबिदी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 बम्बई

तारी**ख**—14—5—1984 मोहर ⊔

प्ररूप कार्ड, टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 मई 1984

निर्देश सं० अई--2/37/ईई/3453/83-84:--अतः मुझे, एस० एच० अब्बास प्रबिदी

कायकर मिंभिनयम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से मिंथक है

योग जिसकी सं पलैट नं 2, 3री संजिल, ''मिनू अपार्टमेंट'' नन्दा पाटकर रोड, बिले पार्ले रोड (पूर्व), बम्बई—56 में स्थित है (ग्रांर इससे उपाबड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रांर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 23-9-1983 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दिख्याम प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसकी दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण से लिए तय पामा गया प्रतिफल को निम्नितिष्ठित स्व्योध से अन्तरण से लिए तम पामा गया प्रतिफल सं से किया में कार्या से किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिन्यम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अय, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अधीत् :—- 1. मैसर्स मिन् कन्स्ट्रबणन कम्पनी ।

(अन्तरक)

2. हिमांणू पी० णहा श्रीर राजेण पी० शहा। (अन्सरिसी)

भा यह सूचना जारी करके पूर्वावत सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत स्वतिस्ता में से किसी व्यक्ति स्वतारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी क पास विविद्य में किए वा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:--- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवां का, जो उस्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्त्र्या

पलैट नं० 2, 3री मंजिल, "मिनू अपार्टमेंट" नन्दा पाटकर रोड, विले पार्ले (पूर्व), बम्बई-56 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि क सं० अई-2/37ईई/3453/83-84

भीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 23-9-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> एस० एच० अव्वास अग्रिदी गक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-2 बम्बई।

तारी**ख**: 14-5-1984

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस.

गायकर अधिनिय्म, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भाउत सरकार

क्त्रयां मय, सहायक बायकर वायुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-2 बम्बर्ट

बम्बई, दिनांक 14 मई 1984

निर्देश मं० अई $-\frac{7}{37}$ ईई/6604/83-84—-अनः मृक्षे, एस० एच० अब्बास अबिदी,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-इस के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्वेक्ति संपत्ति का उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 5, ''जाझ / मिन'', प्लाँट नं 62, तरुण भारत को-आपरेटिब, हाउमिंग सोमायटी, चकाला, श्रंधेरी (पूर्व), बम्बई--93 में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबढ़ अनुसूची में ग्रीर पूर्णक्ष में बणित है) ग्रीर जिसका करारनामा आयक्षर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 16 सितम्बर 1983

को पूर्विक्स सम्मत्ति के उचित बाजार मूला से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्त्रित की गई है और अभे यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्स का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निचित उद्वेषस्य से उक्त अन्तरण जिल्हा विविध् में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; जिथिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व जीर/या
- (श) ऐसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अज्ञोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिषः;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती पी० जोसेफ श्रीर श्री तनी जोसेफ

(अन्यरक)

(2) श्रीमती अनुजा जोडणकर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्ति में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वोका, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है

अनुसूची

फ्लैट नं० 5 "जाझमिन" प्लाट नं० 62 तरुण भारत को-आपरेटिव हार्जीसँग सोसायटी, चकाला, अंधेरी (पूर्व) बम्बई--93 में स्थित हैं।

अनुसूची जैसा कि क०सं०अई-- 2/37 ईई/6604/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई हारा दिनाक 16-9-1983 को रजिस्टुर्ड किया गया है।

> ृएस० एष० अब्बास अबिदी मक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 14-5-1984

प्रक्रप बाहै दी एन एस्

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यात्तय, सहायक नायकर आयुक्त (निर्काक्षक) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 2 जुन 1984

निर्देश सं० आई ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4692--अतः मुझे, देवप्रिय पन्त

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रूठ. से अधिक है

स्रीर जिसकी सं० मकान नं० 652 का भाग है तथा जो नेपियर टाउन, जबलपुर में स्थित है (स्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता स्रिधकारी के कार्यालय दिल्ली, में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908

(1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करमें का कारण है कि यथाप्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सो, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वदेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से अधिक नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरक से हुई किसी जाय की वाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के ग्रन्नरक के वासित्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में स्विधा के लिए।

जतः अज्ञ, उक्त जिधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :~~ (1) श्री विनय भास्कर पिता स्व० टी० एन० भास्कर निवासी ईण्वर नगर, नई दिल्ली,

(अन्तरक)

(2) श्री राजेश पिता एम० पी० मिनोचा निवासी 798, महाताल, जबलपुर

(अन्तरिती)

(3) हकीम पत्नी श्री एस० पी० हकीम निवासी-652, नेपियर टाउन, जबलपुर,

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्स संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्म।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁴, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याद में दिया गया है।

वन्त्र्यी

मकान नंबर 652 का भाग, नेपियर टाउन, जबलपुर में स्थित हैं। जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा मत्यापित फार्म नंबर 37 जी में निष्ठित हैं।

> वेषप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज भोपाल

नारीख : 2-6-1984

मोहर 🗄

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-11, the 25th May 1984

No. A.32011|1|83-Admn.I.—The President is pelased to appoint Shri Dhanish Chandra, a permanent Section Officer of the CSS Cadre of Union Public Service Commission to officiate as Under Secretary on ad-hoc basis for a period of 45 days w.e.f. 19-5-84 to 2-7-84 or until further orders, whichever is earlier.

The 30th May 1984

No. A. 12025 (ii) [1]82-Admn. III (1).—On reversion from the post of Reception Officer with effect from 1-4-84 (FN) and on return from leave Shri O. P. Goyal assumed charge of the post of Section Officer of the C.S.S. Cadre of Union Public Service Commission with effect from the forenoon of 25th May 1984.

Tho 31st May 1984

No. A. 19012|1|78-Admn. I.—Consequent upon the expiry of his tenure, Shri Bhattacharjya, an officer of Indian Administrative Service of Assam Cadre on deputation to Union Public Service Commission as Additional Secretary, has been relieved of his duties in the office of the Union Public Service Commission with effect from the after-noon of 31st May 1984, Shri Bhattacharjya has been granted one month Earned Leave with effect from 1-6-84 to 30-6-84 with permission to suffix 1-7-84(Sunday) to the leave. On the expiry of the leave, Shri Bhattacharjya will report to his parent codre, viz. Govt. of Assam, Dispur.

M. P. JAIN Under Secy. (Admn.) Union Public Service Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

DIRFCTORATE OF COORDINATION

(POLICE WIRELESS)

New Delhi, the 6th June 1984

No. A-36|19|75-Wireles|Pers-I.—Consequent upon his reversion from deputation to the Government of Tripura, Shri B. K. Mitra, Assistant Director Joined his duties in the Directorate with effect from the forenoon of 16th April 1918. He was relieved by the Government of Tripura with effect from the afternoon of the 31st March 1984 vide Notification No. F2(24)-GA|74(L) Part-I. dated the 29th March 1984.

N. S. SHARMA Under Secy.

DEPARTMENT OF PERSONNEL AND A. R. STAFF SELECTION COMMISSION

New Delhi, the 6th June 1984

No. 10|41|76-Ar.—The President is pleased to appoint Shri N. C. Kapur, a permanent Stenographer Grade 'A' of Central Secretariat Stenographers Service borne on the Cadre of the Ministry of Home Affairs to officiate as Under Secretary on ad-hoc basis for a period from 22-3-84 to 31-3-84 and a period of 28 days with effect from 7-5-84 in the Office of Staff Selection Commission.

GURBACHAN SINGH Dy. Secy.

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi-11, the 6th June 1984

No. A|19036|35|78-ADV.—On attaining the age of superannuation, the services of Shri Sunder Lall Malik, Dy. Superintendent of Police on deputation to Central Bureau of Investigation from Haryana Police, were placed back at the disposal of Government of Haryana with effect from 31st May 1984 afternoon.

32—126GI]84

The 7th June 1984

No. A/12025/2/79/AD. V.-The Director/CBI and Inspector General of Police/SPE hareby appoints the following as Dy. Sup.lts, of Police from the date mentioned against each until further orders:—

Sl. Name of the Officer No.		h Date from which appoint- ed as DSP		
S/SHRI		,,,		
1. K.N. Tiwari	. SU/New Dolhi	18-4-1984		
2. S.N. Tiwari .	. SIS/New Delhi	18-4-1984		
I.S. Saroha .	. SU/New Delhi	18-4-1984		
4. M. K. Jha .	. CIU/III)/ New Delf	ni 18-4-1984		
Ved Prakash .	. CIU (A)/New Delh	i 18-4-1984		
6. B.K. Borah .	. CBI/Shillong	18-4-1984		
7. Jai Swadesh	. CIU/I)/New Delhi	18-4-1984		
8. M. Thangavelu .	. GOW/Madras	18-4-1984		
9. M.C. Sharma .	. CIU (P)/New Delhi	18-4-1984		
10, V.M. Pandit .	. ClU(F)/New Delhi	18-4-1984		
11. Narayan Jha	. CBI/Bhubaneswar	18-4-1984		
12, M, Ram	, ClU(B)/New Delhi	18-4-1984		
13, B.C. Bhatnagar	. CIU(E)[[/New Delh	i 18-4-1984		
14. A.K. Srivasatava	. GOW/Calcutta	18-4-1984		
15. M. Pandiarajan	. EOW/Madras	18-4-1984		
16. Surendra Prasad.	. EOW/New Delhi	18-4-1984		
17. Varghese P. Thomas	. CBI/Cochin	18-4-1984		
18. S.K. Dav	. C(U(1)/New Delhi	18-4-1984		
19, R.S. Dwivedi .	, SIC/New Delhi	18-4-1984		
2), M.H. Rizvi .	. SU/New Delhi	18-4-1984		
21. S.R. Mukherjee .	. EOW/Calcutta	18-4-1984		
22. S.K. Rattan .	. Coordination	18-4-1984		
23. Surendran K. Nair	. ClU(NC)	18-4-1984		
24. Kuldip Narain Singh	CBI/Shillong	18-4-1984		
25. N.C. Jha	. CBI/Jabalpur	18-4-1984		
26. Akhileswar Prased	., CBI/Patna	18-4-1984		
27. M.P. Sharma .	, CIU(E)II	18-4-1984		
28. B.N. Jha	. GOW/New Delhi	18-4-1984		
29. K. Ragothaman	. CBI/Bangalore	18-4-1984		
30, J.P. Verma	. CBl/Bhubaneswar	18-4-1984		
31. P.B. Sundaryal	. CIU(F)/New Delhi	18-4-1984		
32. Rajendra Prasad	. EOW/Bombay	18-4-1984		
33. M. Narayanan .	, SIC/New Delhi	18-4-1984		
34. Om Prakash	. ClU(E)II/New Delhi	18-4-1984		
35, J.S. Bagaria	. CIU(I) New Delhi	18-4-1984		
36. M.M. Yadav	. SU/New Delhi	26-4-1984		
37. Kirpal Singh .	. ClU(P)/New Delhi	23-4-1984		
38. R.K. Singh	. CBI/Bhubaneswar	23-4-1984		

The Officers at S. Nos. 1 to 26 have been regularised for appiintment as Dy. Supdts, of Police against the vacanices filling under direct recruitment quota, with the concurrence of Union Public Service Commission, in relaxation of provisions of Recruitment Rules.

R. S. NAGPAL

Administrative Officere (E)
CBI

DIRECTORATE GENERAL CRP FORCE

New Delhi-110003, the 7th June 1984

No. O. II-1412 77-Estt.—Consequent on his retirement from Government service, Shri Chellu Ram relinquished the

charge of the post of Dy. CS. P. 45., Bn., CRPF in the afternoon of 31-5-84.

No. O. II-1817|83-Estt.—The President is pleased to accept the resignation of Dr. G. S. Raju, GDO Gd. II (Dy. S. P.) Coy commander) in the CRPF with effect from the forenoon of 26th November 1983.

No. D. I-11|84-Estt-I.—Consequent on his appointment to the post of Dy. S. P. (Jails), on deputation with the Sikkim Govt., the services of Shri P. J. S. Walia, Dy. S. P. of 28 Bn., CRPF are placed at the disposal of Sikkim Govt. wef. 10-5-84 (F. N).

M. P. JAKHMOLA Assistant Director (Estt)

DIRECTORATE GENERAL CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 26th May 1984

No. E-38013(4)|3|84-Pers.—On attaining the age of superannuation Shri A. K. Sen Gupta relinquished the charge of the post of Assistant Commandant CISF Unit, DVC HQrs Calcutta with effect from the afternoon of 30 April 1984.

The 30th May 1984

No. E-32015(4)|66|84-Pers.—President is pleased to appoint Shri J. Ouseph on promotion as Assistant Commandant CISF Unit ECL with effect from the afternoon of 15.5-84 on purely ad-hoc basis temporarily for a period of six months or till such time regular appointments are made, which ever is earlier:

Sd. ILLEGIBLE Director General CISF

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL INDIA

New Delhi, the 5th June 1984

No. 11|56|80-Ad.I.—Consequent on his retirement on attaining the age of Superannuation, Shri S. S. Jaya Rao, an officer of the Indian Administrative Service (Andhra Pradesh Cadre) relinquished the charge of the post of Ex-Officio, Director of Census Operations, Andhra Pradesh, Hyderabad with effect from the afternoon of the 30th April 1984.

V. S. VERMA Registrar General, India

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE COMPTROLLER AND AUDITOR GENERAL OF INDIA

New Delhi-110 002, the 6th June 1984

No. 1305 C.A.J 140-69.—On his attaining the uge of superannuation Shri L. S. Chauhan, Audit Officer (Commercial) serving in the office of the Accountant General (Audit) Rajasthan, Jaipur has retired from service with effect from 30-4-1984 A.N.

No. 1306 C.A.I 124-81.—On his attaining the age of superennuation Shri M. L. Roy Choudhury, Audit Officer (Commercial) office of the Member, Audit Board & Ex-Officio Director of Commercial Audit (Coal), Calcutta and serving on deputation with Calcutta Metropolitan Development Authority. Calcutta has retried from servere with effect from 30-4-1984 (A.N.).

6. P. LAKSHMANA RAO

Asstt, Comptr. & Auditor General (Commercial)

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT CENTRAL REVENUES

New Delhi-2, the 11th June 1984

CORRIGENDUM

Ref: — Gazette Notification No. Admn. I/O. O. No. 84 dated 18-5-1984 regarding appointment of Shr. Bulaqui Dass as Assistant Audit Officer.

No. Admn.I/O.O. No. 99.—The date of appointment of Shri Bulaqui Dass, appearing in the last line of the notification under reference, may please be read as 16-5-1984 (F.N.) instead of 3-5-1984 (F.N.)

SJ. ILLEGIBLE

It, Director of Audit (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-I, ANDURA PRADESH

Hyderabad-500 476, the 8th June 1984

No. Admn.I[8-132]84-85]64.—Sri V. Srinivasan II Audit Officer, Office of the Accountant General (Audit) 1 A. P. Hyderabad retired from service on 31-5-84 A.N.

Sd. ILLEGIBLE

Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

RASHTRIYA INDIAN MILITARY COLLEGE

Dehra Dun, the 29th May 1984

No. 8|84.—The President is pleased to appoint Sh. Nirankar Singh as a temporary Master in Zoology at Rashtriya Indian Military College, Dehra Dun Cantt w.e.f. 07 May 84 (FN.)

O. P. CHAUDHRY
Col

Commandan

MINISTRY OF INDUSTRY

OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER (SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi, the 5th June 1984

No. A-19018(337) | 78-Admn(G).—Consequent on his appointment as Hindi Officer in the Ministry of Works & Housing, New Delhi, Shri D. P. Popli relinquished charge of the post of Assistant Editor (Hindi) in the office of the Development Commissioner (Small Scale Industries), New Delhi on the forenoon of 1st May, 1984.

R. R. FOUZDAI Deputy Director (Admn.

New Delhi, the 8th June 1984

No. A-19018(514) 81-Admn(G).—The President is pleased to accept the resignation from Government service of Shri Ram Singh, Asstt. Director (Gr. 1) (Chem.), Small Industries Service Institute, Ludhiana with effect from the afternoon of 9-6-1983.

No. A-19018(683)[83-Admn(G).—The President is pleased to appoint Shri Sankar Chaktaborty as Asstt. Director (Gr.1) (L|F) at Small Industries Service Institute, Gauhati with effect from the forenoon of 16-4-1984 until further orders.

S. K. PURKAYASTHA Deputy Director (Admn.)

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES AND DISPOSALS

(ADMN, SECTION 6)

New Delhi-110001, the 6th June 1984

No. A-17011|268|84-A6,—The Director General of Supplies and Disposals is pleased to appoint Shri J. L. Banerjee, Examiner of Stores (Engineering) in the Calcutta Inspectorate to officiate as Assistant Inspecting Officer (Engineering) on ad-hoc basis in the same Inspection Circle under this Directorate General with effect from the forenoon of 3-5-1984 until further orders.

No. A-17011|269|84-A.6.—The Director General of Supplies and Disposals is pleased to appoint Shri A. K. Dey, Examiner of Stores (Engineering) in the Calcutta Inspectorate to efficiate as Assistant Inspecting Officer (Engineering) on ad-lide below in the same Inspection Circle under this Directorate General with effect from the forenoon of 3-5-1984 until further orders.

No. A-17011|274|84-A6.—The Director General of Supplies and Disposals is pleased to appoint Shrl N. N. Sarkar, Examiner of Stores (Engineering) in the Calcutta Inspectorate to officiate as Assistant Inspecting Officer (Engineering) on ad-hoc basis in the same Inspection Circle under this Directorate General with effect from the forenoon of 3-5-1984 until further orders.

S. L. KAPOOR Dy. Dir. (Admn.) for Director General, S&D

New Delhi-110001, the 31st May 1984

No. A-17011|67|74-A6.—The President is pleased to appoint Shri S. K. Gautam, Inspecting Officer (Engineering) (Grade III of India Inspection Service, Group 'A', Engineering Branch) to officiate as Deputy Director of Inspection (Engg.) (Grade II of Indian Inspection Service, Group 'A', Engineering Branch) on purely ad-hoc basis with effect from the forenoon of 10th April, 1984 for a period of six months or till the post is filled on regular basis whichever is earlier. The promotion of Shri Gautam is also subject to final decision on the three LPAs Nos. 67|83, 68|83 and 69|83 in Civil Writ Petition Nos. 1457|81. 1590|81 and 1973|81 pending in the High Court of Delhi.

2. The ad-hoc appointment of Shri S. K. Gautam will not bestow on him any right or claim for regular appointment and ad-hoc service rendered would not count for the purpose of seniority in that grade and for eligibility for promotion and confirmation.

3. Shri S. K. Gautam relinquished charge of the post of Inspecting Officer (Engg.) on the forenoon of 10th April, 1984 and assumed charge of the office of Deputy Director of Inspection (Fngg.) on the forenoon of 10th April, 1984 at Poona under Bombay Inspection Circle.

No. A-6|247(92)|IV.—The President is pleased to appoint Shri C. R. Sirear, permanent Director of Inspection (Nonfunctional Selection Grade) (Grade I of Indian Inspection Service, Group 'A') to officiate as Deputy Director General (Inspection) (Supertime Scale post in Grade I of Indian Inspection Service, Group 'A') in the scale of pay of Rs. 2000-125|2-2250 with effect from the forenoon of 14th May, 1984 and until further orders.

2. Shri C. R. Sircar relinquished charge of the post of Director of Inspection (Non-functional Selection Grade) in the Directorate General of Supplies & Disposals (Headquarters), New Delhi on the afternoon of 30th April, 1984 and assumed charge of the post of Deputy Director General (Inspection), East Zone, Calcutta with effect from the forenoon of 14th May, 1984.

No. A-6|247(205)|59.—The President is pleased to appoint Shri Roshan Lal, Inspecting Officer (Engineering) (Grade III of Indian Inspection Service, Group 'A', Engineering Branch) to officiate as Deputy Director of Inspection (Engineering) (Grade II of Indian Inspection Service, Group 'A' Engineering Branch) on purely ad-hoc basis with effect from the afternoon of 22nd May, 1984 for a period of six months or till the post is filled on regular basis whichever is earlier. The promotion of Shri Roshan Lal is also subject to final decision on the three L.P.A.s Nos. 67|83, 68|83 and 69|83 in Civil Writ Petition Nos. 1457|81, 1590|81 and 1973|81 pending in the High Court of Delhi.

- 2. The ad-hoc appointment of Shri Roshan Lal will not bestow on him any right or claim for regular appointment and ad-hoc service rendered would not count for the purpose of seniority in that grade and for eligibility for promotion and confirmation.
- 3. Shri Roshan Lal relinquished charge of the post of Inspecting Officer (Engineering) on the afternoon of 22nd May, 1984 in the office of Director of Inspection, N.I. Circle, New Delhi and assumed charge of the office of Deputy Director of Inspection (Engineering) on the afternoon of 22nd May, 1984 in the Directorate General of Supplies and Disposals (Head-quarters), New Delhi.

S. L. KAPOOR Dy. Dir. (Admn.)

(ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 31st May 1984

No. A-1/2(353) VIII—The President is pleased to promote following officers as Deputy Directore of Supplies (Grade. II of Indian Supply Service on regular basis with effect from the dute mentioned against each:—

Sl. No.					Date	
- (1)	(2)		 	 	(3)	
s	/Shri ·		 	 1-		
1. A.	D. John		,		4-4-84 (FN)	
2. Or	n Prakash				4-4-84 (FN)	
3. A.	K. Jain .				4-4-84 (FN)	
4. R.	K. Aggarwai				17-4-84 (FN)	
	P. Gupta				4-4-84 (FN	
6. A.l	K. Maheshwar	i			30-4-84 (FN)	
7. S.	L. Jain .		. •		4-4-84 (FN)	

(1)	(2)					(3)
8. B. S	ıryanarayan	u			, -	5-4-84 (FN)
	op Singh					30-4-84 (FN)
-	Saini .					4-4-84 (FN)
	ar Nath Gup	ta		,		28-4-84 (FN)
	ndra Prasad					4-4-84 (FN
	ok Kumar A		wal		,	6-4-84 (FN
	neer Ahmed					6-4-84 (FN
	ian Mohan A					6-4-84 (FN
	id Ahmed K		-			21-4-84 (FN
	ram Aditya					6-4-84 (FN

RAJBIR SINGH Deputy Director (Admn.)

DIRECTORATE GENERAL, ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 5th June 1984

No. 2|19|82-SH.—Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri K. C. Burman, Accountant, Commercial Broadcasting Service, All India Radio, Cuttack to officiate as Administrative Officer, All India Radio, on ad-hoc basis, with effect from 16-5-84 (FN).

2. Shri Burman assumed charge of the post at All India Radio, Sambalpur on the same date.

The 7th June 1984

No. F.4|9|84-SII.—The Director General, All India Radio is pleased to appoint Smt. S. Sharda Devi, Assessor, Central Hindi Directorate, New Delhi as Hindi Officer, on ad-hoc basis, on deputation in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from 11th May, 1984, until further orders.

2. Smt. Sharda Devi assumed charge as Hindi Officer at All India Radio, Trivandrum on the same date.

MOHAN FRANCIS, Dy. Dir. (Admn.) for Director General

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 7th June 1984

No. A.19012|4|84-S.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri N. G. Bidikar, Accounts Officer (Office of the CGDA) to the post of Accounts Officer, Govt. Medical Store Depot, Bombay, with effect from the forenoon of 14-5-84 on deputation terms and until further orders.

R. C. GULATI, Dy. Asstt. Director (St.)

MINISTRY OF AGRICULTURE (DEPTT. OF AGRI. & COOPN.) DIRECTORATE OF EXTENSION

New Delhi, the 12th April 1984

No. F. 2-6/83-Estt.(1).—Shri N. Sivarama Krishnan, Officiating as Assistant Exhibition Officer (Grade I) on ad-hoc

basis vide the Directorate of Extension notification of even number dated 24-1-1984, is reverted to his regular post of Assistant Exhibition Officer (Grade II) with effect from forenoon of 1st March, 1984.

The 30th April 1984

No. F.2-|4|79-Estt.I.—The ad-hoc appointment of Shri P. N. Chopra in the post of Assistant Administrative Officer in the Directorate of Extension, Ministry of Agriculture (Department of Agriculture and Cooperation) in the pay scale of Rs. 650-30-440-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 is continued with effect from 1st March 1984 to 30th April 1984 or till the post is filled on regular basis whichever is earlier.

The 1st May 1984

No. F. 2-4/79-E.I.—Shri P. N. Chopra who has been officiating as Assistant Administrative Officer with effect from 19-10-1981 on ad-hoc basis, vide this Directorate Notification No. 2-9/81-Estt.I dated 19-10-1981, is hereby reverted to his regular post of Superintendent (Gr. I) with effect from forenoon of 1st May, 1984.

No. 2-4|79-Estt.(I).—On the recommendations of DPC Group 'B' (Guzetted) of the Directorate of Extension, Shri Bharat Singh, Superintendent (Gr. I) of the Directorate of Extension is promoted to officiate as Assistant Administrative Officer, G.C.S. Group 'B' (Gazetted) (Ministerial), in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200., in the Directorate of Extension, Ministry of Agriculture (Deptt. of Agriculture & Coopn.) with effect from the forenoon of 1st May, 1984.

R. G. BANERJFE. Dir. Admn.

MINISTRY OF RURAL DEELOPMENT DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 6th June 1984

No. A.19023|10|81.A-III.—The ad hoc appointment of Shri E. S. Paulose to the post of Marketing Officer (Group I) in this Directorate has been extended upto 30-6-84 or till the regular incumbent reverts back, whichever is earlier.

No. A.19025|13|84-A-III.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, Shri A. K. Saha has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group II) in this Directorate at Margo with effect from 29-4-84 (FN) until further orders.

G. S. SHUKLA,
Agricultural Marketing Adviser
with Govt, of India.

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE PERSONNEL DIVISION

Bombay-400 085, the 7th June 1984

No. M|2273|RED|Estt.I|1594.—Shri Mukund Bandacharya Kalibhat relinquished charge of the post of Scientific Officer|Engr. Grade SD on 23-5-1984 AN consequent on Resignation.

T. A. LAKSHMINARAYANAN

Controller

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES Bombay-400 001, the 4th June 1984

No. DPS|41|2|83-Adm.|13283.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy

appoints Shri P. C. Mathai, Permanent Storekeeper to officiate as an Assistant Stores Officer on an ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 from 6-4-1984 (FN) to 11-5-1984 (AN) in the same Directorate vice Shri I. P. Menon, Assistant Stores Officer granted leave.

P. GOPALAN Administrative Officer.

ATOMIC MINERALS DIVISION

Hyderabad-500 016, the 2nd June 1984

No. AMD-16|3|82-Rectt, Vol.II.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri O. Bharathan, a permanent Senior Stenographer, Atomic Minerals Division, to officiate as Assistant Personnel Officer in the same Division on an ad-hoc basis with effect from the forenoon of March 31, 1984 to May 14, 1984, vice Shri K. A. Pillai, Assistant Personnel Officer deputed for training.

The 4th June 1984

No. AMD-4/1/84-Rectt.Vol.III.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Tej Pal Singh, a permanent Scientific Assistant 'A' and officiating Scientific Assistant 'C', Atomic Minerals Division as Scientific Officer Engineer Grade 'SB' in the same Division in an officiating capacity with effect from the forenoon of February 1, 1984 until further orders.

No. AMD-4|1|84-Rectt,Vol.III.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri R. N. Prasad, a permanent Scientific Assistant 'B' and officiating Scientific Assistant 'C', Atomic Minerals Division as Scientific Officer|Engineer Grade 'SB' in the same Division in an officiating capacity with effect from the forenoon of February 1, 1984 until further orders.

No. AMD-4 | 1 | 84-Rectt. Vol. III.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Raja Peter, officiating Scientific Assistant 'C', Atomic Minerals Division as Scientific Officer | Engineer Grade 'SB' in the same Division in an officiating capacity with effect from the forenoon of February 1, 1984 until further orders.

No. AMD-4|1|84-Rectt,Vol.III.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri K. S. Srivastava, a permanent Scientific Assistant 'B' and officiating Scientific Assistant 'C', Atomic Minerals Division as Scientific Officer|Engineer Grade 'SB' in the same Division in an officiating capacity with effect from the forenoon of February 1, 1984 until further orders.

T. D. GHADGE Sr. Administrative & Accounts Officer.

REACTOR RESEARCH CENTRE

Kalpakkam-603 102, the 18th May 1984

No. RRC|A-32014|8|84-R|7214.—Director, Reactor Research Centre hereby appoints Shri N. P. George, a quasi-permanent Scientific Assistant 'B' and officiating Scientific Assistant 'C' of this Centre as Scientific Officer|Engineer Grade 'SB' in a temporary capacity in the same Centre in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 with effect from the fore-noon of February 1, 1984 until further orders.

The 23rd May 1984

No. RRC[A-32014]8[84-R]7403.—Director, Reactor Research Centre hereby appoints Shri K. Swaminathan, a quasi-permanent Scientific Assistant 'B' and officiating Scientific Assistant 'C' of this Centre as Scientific Officer[Engineer Grade 'SB' in a temporary capacity in the same Centre in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-FB-35-880-40-1000-FB-40-1200 with effect from the forenoon of February 1, 1984 until further orders.

S. PADMANABHAN Administrative Officer.

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi, the 7th June 1984

No. A-19012/1058/81-Estt. V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri Ram Prakash Shukla, Design Assistant to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Engg.) on a purely temporary and ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 for a period of one year or till the post is filled on regular basis whichever is earlier, with effect from the forenoon of 30-4-1984.

T. N. FOTEDAR Under Secy. (C) Central Water Commission,

NATIONAL TEST HOUSE

Calcutta, the 4th June 1984

Calcutta the 4 June 1984

No G-65/S.O.—The Director General, National Test House, Calcutta has been pleased to appoint the following Scientific Assistants (Mechanical) of National Test House, Calcutta and branch offices, as Scientific Officers (Mechanical) in Calcutta and branch offices of National Test House with effect from the dates as mentioned against each on a temporary basis until further oreder.

Sl. Name Promoted Date of In the office of No. to the post of promotion

- t. Sri Niraml Ch. Das Scientific 1-5-1984 National Test Scientific Assistant Officer House, Calcutta. (Mechanical) (Mechanical Calcutta.
- 2. Sri S.R. Shankar Do. 9-5-1934 National Test Scientific Assistant House, Madras (Mechanical) Madras Madras.
- 3. Sri G.D. Chavan Do. 10-5-1984 National Test Scientific Assistant (Mechanical)
 Bombay.

J. M. BHATTACHARJEE Deputy Director (Admn.) for Director General.

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF WORKS CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 4th June 1984

No. 24|10|69-ECIX.—Shri Radhey Shyam, Dy. Director of Horticulture of this Department, retired from Government

Service on attaining the age of Superannuation with effect from 31st May, 1984.

No. 27(P) (1) 75-ECIX.—Shri Rajeshwar Prasad, Additional Director of Horticulture of this department retired from Government service on attaining the age of superannuation with effect from 31st May, 1984.

PRITHVI PAL SINGII Dy, Director of Administration.

MINISTRY OF RAILWAYS (RAILWAY BOARD)

New Delhi, the 7th June 1984

PUBLIC NOTIFICATION

No. 82|RE|161|6.—It is hereby notified for information of all users of Railway lines and premises situated on GUDUR-RENIGUNTA TIRUPATI section of South Central Railway, that the overhead Traction wires on these lines will be energised at 25000 Volts A.C. on or after the date specified against the section. On and from the same date the overhead Traction lines shall be treated as LIVE at all the times and no unauthorised person shall approach or work in the proximity of said Over Head Lines.

Section and Date

Gudur-Renigunta-Firupnti—15-3-1984 (Section of S. C. Railway)

PUBLIC NOTIFICATION

No. 82|RE|161|6.—It is hereby notified for information of all users of Railway lines and premises situated on KHARAGPUR-MIDNAPORE section of South Eastern Rail-

way, that the overhead traction wires on these lines will be energised at 25000 volts AC on or after the date specified against the section. On and from the same date the overhead traction lines shall be treated as LIVE at all the times and no unauthorised person shall approach or work in the proximity of said overhead lines.

Section and Date

Kharagpur-Midnapore—15-5-1984 (Section of S. E. Railway)

A. JOHRI Secy. Railway Board.

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS

(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS) (COMPANY LAW BOARD)

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s Ess Vee Engineers Private Ltd.

Bangalore-9, the 7th June 1984

No. 4546|560|83-84.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name M|s Ess Vec Engineers Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

(Sd.) Illegible

Registrar of Companies, Karmataka, Bangalore.

(1) Smt. Vecna Rani wo Sh. Prem Parkash Chawla rlo 2018 Sector 35-C Chandigarh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) S. Mangal Singh s o S. Pinna Singh & Mohinder Kaur wo S. Mangal Singh rlo 1617, Phase-III-B-I, Mohali Now Godown Gaya.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHJANA

Ludhiana, the 10th May 1984

Ref. No. CHD 73 83-84.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-

and bearing No. H. No. 2018, Sector 15-C situated at Chandigarh (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in September, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires fater;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 2018 situated in Sector 15-C, Chandigarh. (The Property as mentioned in the Registered deed No. 667 of Sept. 1983 of the Registering Authority, Chandigarh.)

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

Date: 10-5-1984

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 7th May 1984

Ref. No. LDH|117|83-84.—Whereas, 1, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 4 share of shop No. B.7.50, Chaura Bazar situated at Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Ludhiana in September, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Habitity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) S|Sh. Dharamvir Seth s|o Sh. Mangat Ram Seth and Manuj Kumar Seth & Anuj Kumar Seth ss|o Sh. Dharamvir Seth, R|o B.I. 1274, Rajinder Nagar Civil Lines Ludhiana.
 (Transferor)
- (2) Smt. Krishana Rani woo Sh. Parduman Kumar. Smt. Raj Rani woo Sh. Narinder Pal. Ro 86, Green Park, Civil Lines, Ludhiana.

(Transferee)

(3) M|s. Cheep Cloth House Sh. Naresh Kumar Kapila, Sh. Tajinder Kumar Kapila B-VII-50, Chaura Bazar, Ludhiana.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

half share of shop No. B-VII, 50, situated in Chaura Bazar Ludhiana. (The property as mentioned in the Registered Deed No. 7830 of September, 1983 of the Registering Authority, Ludhiana).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 7-5-1984

FORM J.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Sethi Niketan, Sanjauli, Simla-6.

(2) Smt. Rajana Sethi, woo Sh. Ravinder Sethi.

(1) SISh Yogosh Chand Atul Chand sslo Late Mela Ram

rlo Myth Estate, Simla.

(Transferce)

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, I.UDHIANA

Ludhiana the 11th May 1984

Ref. No. SML[9]83-84.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having P fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No Land measuring 472 sq. yds. & 8 ift. situated at Circular Road, near Myth Estate Simla (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the office of the registering Officer at at Simla in September, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tan act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely :--

33-126GI 84

with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lond measuring 472 sq. yds. 8 sq. ft. situated at Circular Road, neur Myth Estate, Simla. (The property as mentioned in the Sale Deed No. 566 of Sept., 1983 of the Registering Authority, Simla).

> JOGINDER SING! Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Date: 11-5-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sh. Ashok Kumar so Sh. Shanti Sarup ro 314, Chauri Sarak, Ludhiana.

(Transferor)

(2) M/s Vardhman Spng. & General Mills Limited, Chandigarh Road Ludhiana.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

(Transfree)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 11th May 1984

Ref. No. LDH|110|83-84.-Whereas, I, JOGINDER SINGH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding
—: jo posiqo squ qui najsusu jo

of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in September, 1983

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) attented at Gurdev Nagar Ludhiana No. 3 Share in H. No. B-XX-770/2

for an apparent consideration which is less than the fair believe that the fair market value of the property as aforethe consideration for such transfer as agreed to between than fifteen per cent of such apparent consideration and that said exceeds the apparent consideration therefor by more the parties has not been truly stated in the said instrument market value of the aforesaid property and I have reason to (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Rs. 25,000 - and bearing

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957); 1 Share H. No. B-XX-770|2 situated in Gurdev Nagar Ludhiana. (The property as mentioned in the Registered Deed No. 7224 of Sept. 1983 of the Registering Authority Ludhiana)

JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afortsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 11-5-1984

(1) Sh. Raman Kumar slo Sh. Shanti Sarup rlo 314, Chauri Sarak, Ludhiana.

Chandigarh Road, Ludhiana.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 11th May 1984

Ref. No. LDH|111|83-84.—Whereas I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

No. 1 Share H. No. B-XX-770|2

situated at Gurdev Nagar Ludhlana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

Ludhiana in September, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the twansferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(2) M/s. Vardhman Spng. & General Mills Limited,

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

P. No. 655 situated in Sector 33-B Chandigarh. (The pro-Ludhiana. (The property as mentioned in the Registered deed No. 7226 of Sept. 1983 of the Registering Authority Ludhiana)

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Asset. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Date: 11-5-1984

FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 11th May 1984

Ref. No. PTA|6|83-84.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1 and 31K 15M with structure at Ghalori situated at

patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at in September, 1983

Patiala

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 '(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I heroby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269)) of the said Act, to the following persons, name]y :- -

(1) Shri Sat Pal s|o Jai Parkash, Parkash Devi w|o Inderjeet & Kaura Devi w|o Sh. Surinder Pal Parta of Ms. Surendra Rice & Genl. Mills, Bhuneri Road, Patiala,

(Transferor)

(2) M/s. Mahavir Rice Mills, Bhuneri Road, Patiala through Sh. Tarlok Chander, Partner.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immev-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

1-XPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land 31K, 15M with structure situated at Ghalori, Patiala. (The property as mentioned in the Registered deed No. 2687 of Sept 1983 of the Registering Authority, Patiala).

> JOGINDER SINGU Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Date: 11-5-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 11th May 1984

Ref. No. CHD 66 83-84.—Whereas, I. JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. P. No. 655. Sector 33B situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in September, 1983

for an apparent consideration which is less than the fuir market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Daljit Singh slo S. Arjan Singh & Mrs. Sushma Oberoi wlo S. Daljit Singh rlo 53, Ambala Cantt

(Transferor)
(2) S|Sh. Bharat Pal Singh & Girish Pal Singh s|o Sh. Sarbpal Singh R|o H. No. 1811, Sector 33, Chandigarh.
(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

P. No. 655 situated in Sector 33-B Chandigarh. (The property as mentioned in the Registered deed No. 631 of Sept 1983 of the Registering Authority, Chandigarh).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 11-5-1984

(1) Smt. Kulwant Kaur woo S. Balwant Singh Ro 2329, Sector 35-C, Chandigarh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Kamaljit Kaur woo. S. Inderpal Singh ro

GOVERNMENT OF INDIA

Gomia, Bihar through Special Attorney S. Man-mohan Singh 1 o 2329, Sector 35-C. Chandigath. (Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

ACQUISITION RANGE, LUDHLINA

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

Ludhiana, the 10th May 1984

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. CHD|67|83-84.--Whereas, I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1 share of H. No. 2329 Sector 35-C situated at Chandigarh

> EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in September, 1983

THE SCHEDULE

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apperent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

> 1 share H. No. 2329 situated in Sector 35-C. Chandigarh. (The property as mentioned in the Registered Deed No. 637 of Sept., 1983 of the Registering Authority, Chandigarh)

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act is the following persons, namely :--

Date: 10-5-1984

(1) Smt. Nirmal Kumari wo Sh. Pawan Kumar Mittal ro 601, Sector 20-A, Chandigarh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mrs. Manjit Kaur w/o S. Pritpal Singh & Mrs. Amarjit Kaur w/o S. Devinder Singh Khera, Prima Rose No. 1, Card Road, Simla. (Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

(a) by any of the aforegaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ludhiana, the 10th May, 1984

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. CHD|68|83-84.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing.

FYPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

No H. No. 601 Sector 20-A situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the

office of the Registering Officer

at Chandigarh in September, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of:—

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any inocme arising from the transfer and or

H. No. 601 situated in Sector 20-A, Chandigarh. (The property as mentioned in the Registered Deed No. 642 of Scot. 1983 of the Registering Authority, Chandigarh)

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-5-1984

DLM ITNS-

(1) Sh. Daljit Singh so S. Mehar Singh ro 108. Sector 7, Panchkula (Haryana)

(Transferor)

(2) S. Hazura Singh so S. Sawan Singh ro 205. Sector 20-A Chandigarh.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 11th May 1984

Ref. No. CHD[78[83-84.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred (hereinafter referred o as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000-and bearing

No. SCF No. 311, Motor Market situated at Mani Majia, U.T Chandigarh

(and more fuly described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer

of the Registering Officer 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the subject of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Officical Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

SCF No. 311, situated in Motor Market, Mani Majra U.T. Chandigarh. (The property as mentioned in the Registered Deed No. 716 of Sept. 1983 of the Registering Authority, Chandigarh.)

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

Date : 11-5-1984 Seal:

FORM 4TNS-

 Shri Harcharan Singh Slo Shri Surjan Singh, Rlo 1004, Sector 20-B, Chandigarh.

may be made in writing to the undersigned :---

(Transferor)

(2) Shii Bawa Joginder Singh Slo Shri S. Rattan Singh, Rlo 1046, Sector 22-B, Chandigath.

(Transfere**c**)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT QF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 11th May 1984

Ref. No. CHD|77|83-84.—Whereks, 1. JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000-and bearing

11. No. 226, Sector 21-A situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Chandigarh in September, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets; which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 226 situated in Sector 21-A, Chandigarh. (The property as mentioned in the Registered deed No. 692 of Sept., 1983 of the Registering Authority, Chandigarh.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 14-5-1984

Seal:

34-126GI|84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMI-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 10th May 1984

Ref. No. CHD|70|83-84.—Whereas I, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reuson to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000)- and hearing

Rs. 25.000|- and bearing
H. No. 1394, Sector 22-B situated at Chandigarh
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at

Chandigarh in September, 1983
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than lifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(1) Shrì K. L. Chopra S|o Shrì Lachhman Dass, R|o H. No. 234, Sector 35-A, Chandigarh.

(2) Smt. Munawar Janud Wlo Shri Shamshad Ahmed, Rlo 1394, Sector 22-B, Chandigath. (Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 1394 situated in Sector 22-8, Chandigarh. (The property as mentioned in the Registered deed No. 651 of Sept., 1983 of The Registering Authority, Chandigarh.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, pamely:—

Date: 10-5-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING. LUDHIANA

Ludhiana, the 10th May 1984

Ref. No. CHD[71]83-84.—Whereas I, JOGINDER SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing H. No. 3006, Sector 35-D situated at Chandigarh

(and more fully described in the schedule annexed hereto,

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Chandigarh in September, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(1) Shri Jagat Singh Sio Late Shri Gurmukh Singh, Ric Village & P.O. Shauran, Teh, Kharar, Distr. Ropar, Through General Power of Attorney Shri Amarjit Singh Slo Late Shri Kartar Singh, Rlo Vill, & P.O. Shauran, Teh, Kharar, Distt. Ropar.

(Transferor)

(2) Shri Kulwinder Singh Slo Shri S. Amariit Singh. Shri Lukhbir Singh Slo Shri S. Amarjit Singh, Shri S. Sohan Singh So Shri S. Kartar Singh & Shri Hardip Singh (minor) So Shri Sohan Singh, Ro Vill. & P.O. Sahauran, Teh. Kharar, Distt, Ropar,

(Transferce)

(3) 1. Shri B. R. Bajaj,

- 2. Shri Sant Ram Laikhy.

- Shir Sanit Rain Lauriy,
 Shri Surjit Singh,
 Shri Gurjit Singh,
 Mrs. Surjit Singh, all Rio H. No. 3006, Sector 35-D. Chandigarh.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 3006 situated in Sector 35-D. Chandigarh, (The property as mentioned in the Registered Deed No. 659 of Sept., 1983 of the Registering Authority, Chandigarh.)

> TOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

Date: 10-5-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 4th May 1984

Ref. No. Rej|IAC(Acq.)|2385.—Whereas I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000; and bearing

Plot No. 100 situated at Jodhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jodhpur on 5-9-1983

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Tulsiram S|o Shri Radha Kishan Bhati, Inside Jalori Gate, Jodhpur ,GPA Shri Harcharan Singh S|o Shri Tej Singh, Jodhpur,

(Transferor)

(2) Smt. Krishna Kumari Woo Shri Harcharan Singh, 100, Section 7, 'F' Sector, Shastri Nagar, Jodhpur

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovuble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 100 situated in Section 7, Masurià, Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by Sub-Registrar, Jodhpur vide Registration No. 246|2639 dated 5-9-1983.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 4-5-1984

(1) Shri Ghewar Chand Slo Shri Kalu Ram, Bafna, Cloth Merchant, Moti Chowk, Jodhpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE !NCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Basanti Devi Wio Shri Satyanarain, 802. Pathuria Ghat Street. Calcutta-6.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 4th May 1984

Ref. No. Rej[IAC(Acq.)]2385.—Whereas I. MOHAN SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

House situated at Jodhpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 12-9-1983

and/or

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration—therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(n) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 2691) of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of residential house situated in Mahawaton ki Masjid, Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by Sub-Registrar, Jodhpur vide Registration No. 2676 dated 12-9-1983.

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Date: 4-5-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Shri Ghewar Chand S|o Shri Kalu Ram, Bafna, Cloth Merchant, Moti Chowk, Jodhpur.

(Transferor)

(2) Shri Pradeep Asopa Slo Shri Satyanarainji Minor through Shri Satyanarainji Asopa, 80/2, Pathuria Ghat Street, Calcutta-6.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 4th May 1984

Ref. No. Rej|IAC(Acq.)|2386.—Whereas 1, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No.

House situated at Jodhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 12-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-vection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevuble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of residential house situated in Mahawaton ki Masjid, Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by the Sub-Registrar, Jodhpur vide Registration No. 2677 dated 12-9-1983.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date: 4-5-1984

Seal !

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Dr. Vasudev Slo Shri Tilak Ram ji Garg, 79-G Block, Sri Ganganagar.

(Transferor)

(2) Dr. Prakash Kachhwaha and Smt. Pushpa Wo Dr. Prakash Kachhwaha, Nagauri Bera, Jodhpur. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUTE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 4th May 1984

Ref. No. Rej|IAC(Acq)|2387.—Whereas I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 71 situated at Jodhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 21-9-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property Plot No. 71, 1st Polo situated in Paota. Jodnpur and more fully described in the sale deed registered by the Sub-Registrar, Jodhpur vide Registration No. 2802 dated 21-9-83.

MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Date: 4-5-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

COMMISSIONER OF INCOME-TAX.
ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE
BUILDING, STATUTE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 4th May 1984

Ref. No. Rej[IAC(Acq)]2388.—Whereas I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing

Plot No. 71 situated at Jodhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jodhnur on 21-9-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfered for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Dr. Vasu Dev Slo Shri Tilak Ram Ji Garg, 79-G Block, Sri Ganganagar.

(Transferor)

(2) Dr. Prakash Kachhwaha and Smt. Pushpa Wlo Dr. Prakash Kachhwaha, Nagauri Bera, Jodhpur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property Plot No. 71, 1st Polo, situated in Paota. Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by the Sub-Registrar, Jodhpur vide Registration No. 2801 dated 21-9-83.

MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Date: 4-5-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 16th May 1984

Ref. No. Rej[IAC(Acq.)|2389,-Whereas, I MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Property situated at Beawar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Beawar on 16-9-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

35---126GI/84

(1) Shri Nemi Chand adopted S|o Shri Seduramji Aggarwal R|o Banthia Gali Piphia, Bazar, Beawar. (Transferor)

(2) Shri Kailash Chandra, Soo Shri Seht Banssidhar Roo Beawar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of Property, situated at, abadi Plot which is a part of property No. Old 6|455, new No. 7, Saravgiyan Mohalla, Beawar, and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Jaipur, vide registration No. 1516 dated 16-9-83.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 16-5-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 14th May 1984

Ref. No. Rej|IAC(Acq.)|2390.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

House No. 2305 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 17-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:~

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Smt. Raj Kanwar
 D|o Late Shri Ram Singh,
 W|o Shri Jai Singh,
 R|o Bani Park,
 Jaipur.

(Transferor)

(2) M|s Rawat Exporters Pvt, Ltd. Through Director Shri Vallabh Rawat S|o Late Shri Somi Lal Rawat, R|o 2305, Ghee Walon ka Rasta, Johri Bazar, Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of House No. 2305 (Chandrawatan House) situated in Ghee Walon ka Rasta, Johri Bazar, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the Sub-Registrar, Jaipur vide Registration No. 2172 dated 17-9-83.

MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Date: 14-5-1984

Scal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE. CENTRAL REVENUE BUILDING STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 14th May 1984

Ref. No. Rej[IAC(Acq.)[2391.—Whereas I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Plot No. 24-C situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jaipur on Sept. '83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269C of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Thakur Shri Mohan Singh Slo Shiv Nath Singh Rajput, Ro Narain Niwas, Kanota Bagh, Jaipur.

(Transferor)

(2) Smt. Sanyogita Sood Wo Shri Rajkumar, House No. 1, S. M. S. Hospital, Jaipur.

(launsferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 24-C situated in Kanota Bagh, Narain Surgh Road, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the Sub-Registrar, Jaipur vide Registration No. 2234 in September, 1983.

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Date: 14-5-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 14th May 1984

Ref. No. Rej[IAC(Acq.)|2392.—Whereas, 1, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing
No. Shop No. 131 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office

of the Registering Officer at Jaipur on 12-9-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

1() Smt. Premwati Wo Late Shri Vimalchand Jharchur, Ro Plot No. SB-39, Bapu Nagar, Jaipur,

(Transferor)

(2) Shri Rajni Kant Jain Soo Shri Sheel Prakash Jain, Roo Plot No. 225, Bhagat Singh ka Chauraba, Adarsh Nagar, Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 131, Bapu Bazar, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the Sub-Registrar, Jaipur vide Regulation No. 2099 dated 12-9-83.

MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 14-5-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING STATUE CIRCLE, JAIPUR

> > Jaipur, the 14th May 1984

Ref. No. Rej[IAC(Acq.)|2393.--Whereas, 1, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. Plot No. 7 situated at Jaipur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16) of 1908) in the office of the

Registering Officer at Jaipur on 17-9-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as surged to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Dinesh Chand Tiwari Slo Shri Gangashankar ji Tiwari Rlo House No. 3474 Nahar Garh Road, Purani Basti, Jaipur.

(Transferor)

(2) Shri Mukut Behari So Hanumandas Agarwal, Ro House No. 3728, Nahar garh Road, Purani Basti, Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 7 situated on Sansar Chandra Road, Near Dudu Bagh, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the Sub-Registrar, Jaipur vide Registration No. 2198 dated 17-9-83.

> MOHAN SINGII Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Date: 14-5-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 14th May 1984

Ref. No. Rej[IAC (Acq.);2394.--Whereas, I. MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No. Jaipur on 29-9-83

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 29-9-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Ram Pyarl Wo Shri Kedar Nath Ro Laxminarainpuri, Jaipur.

(Transferor)

(2) Shri Peeramal Sjo Shri Pannalal Proprietor Mis Peeramal Shyam Sunder, 42 Chandpole Bazar, Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a perioid of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of Shop No. 199 situated at Johri Bazar, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the Sub-Registrar, Jaipur vide Registration No. 2280 dated 29-9-83.

> MOHAN SINGH Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 14-5-84

(1) Shri Kedar Nath So Shri Moolchand Ro Laxminarainpuri, Jaipur.

(Transferor)

(2) Shri Peeramal So Shri Pannalal Proprietor M/s Peeramal Shyam Sundar, 42 Chandpole Bazar, Jaipur.

(Trunsferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 14th May 1984

Ref. No.: Rej|IAC (Acq.)|2395.-Whereas, I MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000] and bearing No.
Shop No. 199 situated at Jalpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jaipur on 27-9-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shell the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of Shop No. 199 situated in Johri Bazar, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the Registrar, Jaipur vide Registration No. 2271 dated 27-9-83.

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:---

Date: 14-5-84

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 14th May 1984

Ref. No.: Rej|IAC (Acq.) 2396.—Whereas, 1 MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot No. A-2 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at

Jaipur on 8-9-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Shri Bhagirath Singh So Shri Thakur Sher Singh Rajput Ro 29 Gangwal Park, Jaipur.

 (Transferor)
- (2) Shrimati Shakunthla Wo Shri V. S. Baldeva, Rlo 12 Viveka Nand Marg 'C' Scheme, Jaipur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. A-2, situated at, New Plot No. 8 Kanota Bagh Narian Singh Chauraya, Ram Bagh Road, Jaipur, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jaipur vide registration No. 2037 dated 8-9-83.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date: 14-5-84

(1) Shri Bhagirath Singh Sjo Shri Thakur Sher Singh Rlo 29. Gangwal Park, Jaipur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shrimati Uma Kumari Wo Dr. Prahlad Singh Ro Plot No. 29 Gangwal Park,

(Timesferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE. JAIPUR

Jaipur, the 14th May 1984

Ref. No. : Rej[IAC (Acq.)|2397.—Whereas, I MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the innome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable proprty, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No. Plot No. A-2 situated at Jaipur '(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jaipur on 8-9-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. A12 1 Portion, situated at New No. 9 at Narain Singh ka Chauraya, Rambagh Road, Jaipur, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jaipur, vide registration No. 2039 dated 8-9-83.

MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-36-126G1/80

Date: 14-5-84

Shri Upain Rup Rai
 Late Shri Keshav Rup Rai,
 Ro 6A Civil Lines, Jaipur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shrimati Asha Kasliwal W|o Shri Ish Nidhi Kasliwal R|o Plot No. S.S.B.-156, Bapu Nagar, Jaipur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 14th May 1984

Ref No.: Rej[TAC (Acq.) 2398.—Whereas, I MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing No.

Plot No. 6 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 15-9-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incom-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 6, situated at Shri Rampura Housing Society, Scheme No. 2 Civil Lines, Jaipur, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jaipur vide registration No. 2194 dated 15-9-83.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date : 14-5-84 Seal :

Shri Thakur Mohan Singh Slo Shri Shiv Nath Singh Rajput Rlo Narain Niwas Kanotha Bagh, Jaipur. (Transferor)

(2) Shri Ravi Kanth Mehta Slo Late Shri Kishoremal Mehta Ro Plot No. 20 Hazi Abdullah Building. Station Road, Jaipur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING. STATUE CIRCLE, JAIPUR

> > Jaipur, the 14th May 1984

Ref. No.: Rej|IAC (Acq.) 2399.—Whereas, I MOHAN SINGH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000] and bearing No. Plot No. 24-A situated at Jaipur (and more fully described in the School and appropriate in the School app

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at Jaipur on 24-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideratios therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Plot No. 24-A, situated at, Kanota Bagh Narain Singh Chauraya, Rambagh Road, Jaipur, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jaipur vide registration No. 2273 dated 24-9-83.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 14-5-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

> > Jaipur, the 14th May 1984

Ref. No.: Rej IAC (Acq.) 2400.-Whereas, I MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]—and bearing

Plot No. 1 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of

the Registering Officer at

Jaipur on 17-9-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) M|s Goyal Enterprises R|o 94 Surya Bhawan Aimer Road, Jaipur.

(Transferor)

(2) Shri Kamal Mehtani, So Shri Pritam Das Mehtani Rlo 4-A Lekhi House, Raj Bhawan Marg, Civil Line, Jaipur,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 1, situated at Civil Line behind Bombay walon ka Bagh Raj Bhawan, Road, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jaipur vide registration No. 2167 dated 17-9-83.

> MOHAN SINGH Competent_Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Date # 14-5-84 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 16th May 1984

Ref. No.: Rej IAC (Acq.) 2401,—Whereas, J MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

House No. J-111 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jaipur on 29-9-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Bhalru Singh Soo Shri Laxman Singh, Roo Pali Distt, Swai Madhopur.
 - (Transferor)
- (2) Shri Sabhraj, Slo Shri Tola Ram, Rlo 782 Ashok Chowk, Adaresh Nagar, Jainur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of Thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice is the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. J-111, situated at, Fatehtiba Scheme, Ashok Chowk, Adarsh Nagar, Jaipur, and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Jaipur, vide registration No. 2286 dated 29-9-83.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 16.5-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 16th May 1984

Ref. No. Rej|IAC(Acq.)|2402.—Whereas, i, MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-bearing No. House No. 731|4 situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Jaipur on 17-9-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Man Fhooli Devi, Wo Shri Nathu Ram Ro Vill Kanota House No. 731 4 Rasta Mehran Chowkri Ghat Gate, Jaipur.

(Transferor)

(2) Rajendra Pd. Soo Sh. Kanahiya Lal R. Vill Kanota Teh. Bassi Destt. Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House Portion No. 731|4, situated at Rasta Mehran, Gali Coalewalon ki Chowkri ghategate, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jaipur vide registraton No. 2149 dated 17-9-83.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date 16-5-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACOUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 16th May 1984

Ref. No. Rej[IAC(Acq.)|2403.--Whereas, I,

MOHAN SINGH
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
No. House No. 4112 situated at .

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jaipur on 24-9-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

(1) Cjota Devi Wlo Sh. Late Sh. Deokinarain Agarwal Rlo House No. 4112 Rasta lagnath Saha Ka Khura Chokari Ram Chandraji Jaipur.

(Transferor)

(2) Madhalal So Late Sh. Balli Ram Agarwal Rlo Rasta Thatheron Ka Chokri Modi Khana

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 4112, situated at Jagnnath Saha Ka Khuma near Sita Ramji Tample Chowkri Ram Chandraji Ki, Jaipur and more fully described in the sale deed regstered by the S.R. Jaipur vide registration No. 2241 dated 24-9-83.

MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jaipur.

Date: 16-5-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 16th May 1984

Ref. No. Rej|IAC(Acq.)|2405.—Whereas, I, MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Re. 25,000/-and bearing

No. Portion of Plot situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Jaipur on 12-9-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Padmanand Ogha, So Late Sh. Pardhyuman ir Ogha Rio Madhusudan Ogha Ka Bage, Gandh Nagar Jaipur.

(Transferor)

(2) Chandra Sakhar Mahesh Kumar Slo Sh Ramdeo Sharma Rlo Ogha ji Ka Bage (Jandh Nagar, Jaipur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Northan Portion of Plot situated at Madhu Sudan Ogha ji ka Bage, Gandhi Nagar Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jaipur vide registration No. 2096 dated 12-9-83.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue for this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 16 5-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 16th May 1984

Ref. No. Rej|IAC(Λeq.)|2406.—Whereas, I, MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing Khasra No. 480 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Jaipur on 18-9-83

for an apparent consideration which is less than the fair Market value of the aforesaid property and I have to ason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Padmanand Ogha S|o Sh. Parhyuman Singh Ogha R|o Madhu Sudhan Ogha Ka Bage Tonk Road, Jaipur,

(Transferor)

(2) Hari Ram Sharma Slo Pandith Suraj Pd. ji Sharma Rlo Madhu Sudhan Ogha Ka Bage, Tonk Road, Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot at Bhajpura Khasra No. 480, situated at Madhu Suadan Ogha ka Bage Gandh Nagar, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jaipur vide registration No. 2097 dated 18-9-83.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely:—

37—126GI/84

Date: 16-5-84

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 16th May 1984

Ref. No. Rej[IAC(Acq.)]2407,---Whereas, I, MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. House No. J-111 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Offices at

Jaipur on 29-9-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Shri Bhairu Singh So Sh. Laxman Singh Ro Fali Distt. Swai Madhopur. (Transferor)
- (2) Smt. Kantha Bai Wlo Sh. Sobhraj Rlo Plot No. 782 Ashok Chowk, Adarsh Nagar, Jaipur. (Transterce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later; οf
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. J-111, situated at Fatehtiba Scheme, Ashok Chowk Adarsh Nagar, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jaipur vide registration No. 2285 dated 29-9-83.

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :--

Date: 16-5-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 16th May 1984

Ref. No. Rej[IAC(Acq.)]2408.—Whereas, I, MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinnefter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing

House No. 731|4 situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 17-9-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of number with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Man Fooli Devi Wo Sh. Nathu Ram Ro Vill. Kanota House No. 731 4 Rasta Mehran Chowkri Ghat gate, Jaipur,

(Transferor)

(2) Geeta Devi Wlo Sh. Kanahiya Lal Rlo Vill. Kanota Teh. Bassi Destt. Jaipur,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of by any of the aforesaid persons within a portion of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House Portion No. 731|4 situated at Rasta Mehran, Coalonwaion ki Chowkri ghat gate, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jaipur vide registration No. 2148 dated 17-9-83.

> MOHAN SINGH Competent Authority, Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1 of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Date: 16-5-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTINGASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE JAIPUR

Jaipur, the 16th May 1984

Ref. No. Rej IAC(Acq.) 2409.—Whereas, I, MOHAN SINGH being the Competent Authority under Section 269B of the

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Plot No. 40 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jappur on 17-9-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shrimati Shankuntla Mathur Wo Late Dr. L. M. Senilo Rio E-13, Gokele Marg, C' Scheme, Jaipur.

(Transferor)

(2) Shii Sudershan Kumar Soni, Sio Sh. Nitya Piakash Soni R o No. 40 Laber Colony Inder Colony, Bani Park, Jaipur,

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 40 Laber Colony, situated at Indera Colony Bam Park, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jaipur vide registration No. 2144 dated 17-9-83.

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the oforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 16-5-84

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 17th May 1984

Ref. No. Rej.,IAC(Acq.),2404.—Whereas, I, MOHAN SINGH

being the Compétent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

No. D-105, situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of Registering Officer at Jaipur on 22-9-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the pattles has not been truly stated in the raid instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Shri Jagdish Narain Mathur S|o Sh. Nawal Kishore Mathur R|o House No. 638 Knyasto ki gali, Jailal Munshi ka Rasta, Jaipur. (Transferor)
- (2) Baldev Dass Gourishanker Kandoi (HUF) Ro D-17 Amba Bari, Jaipur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of plot No. D-105 Devi Marg, Bani Park Jaipur more fully described in the sale deed registred by S.R. Jaipur vide registration No. 2222 dated 22-9-83.

MOHAN SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 17-5-84

Scal:

(1) Sri Malisetty Ravikumar So Varadajah, Ro Jaheerpura, Khammam.

(Transferor)

 Sri Kandula Satyanaraya So K. Venkatararasaiah 3-1-127, Mohan Road, Khammam.

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 11th May 1984

Ref. No. RAC No. 197/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. 3-1-127 situated at Mohan Road Khammani

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Khammam on 9/83

for an apparent consideration which is less than the fair fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property bearing H. No. 3-1-127, Mohan Road, Khammam registered by the S.R.O. Khammam vide document No. 3278[83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-5-1984

∵ent:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 11th May 1984

Ref. No. RAC No. 198/84-85.--Whereas, I, M. JEGAN MOHAN being the Competent Authority under Section 269B of the

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing No.

Land situated at

Bontapalli Narsapur Tq. Medak Dt.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Narsapur on 9/83

for an apparent consideration which is less than
the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sri A. Raji Reddy and Others, Bontapalli village, Narsapur Tq., Medak Dt.

(Transferor)

(2) M's Aptronix Video Private Limited, Rep. by Managing Director Sri A. K. Jain, Rlo 135, Methodist Colony, Begumpet, Hyderahad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Cazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetto,

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Land admeasuring 4 acres 07 guntas situated at Bonthapalli registered by the S.R.O., Narsapur vide document Nos, 2059, 2060, 2049, 2051 and 2056]83.

> M, JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 11-5-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 11th May 1984

Ref. No. RAC No. 199|84-85.--Whereas, I,

M. JEGAN MOHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'snid Act'), have reason to believe that the Immov able property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No, Land situated at Nellore

Nellore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Nellore on 9/83

apparent consideration which is less than the for an fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sri Guduru S. B. Vicharana Samstha, Rep. by its Secretary Sri N. Rama Raghava Reddy, Rajaveedhi, Guduru, Nellore Dt.

(Transferor)

(2) Sri Kotamreddy Gópala Reddy, Narasingaraopet, Guduru-2, Nellore Dt,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same maening as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admasuring 1-32 acres situated at Nellore registered by the S.R.O., Nellore vide document No. 1192|83,

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority.
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 11-5-1984

THE RESERVE ASSESSMENT ASSESSMENT

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 11th May 1984

Ref. No. RAC No. 200[84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. House situated at Chandrayanagutta market fair

Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on 9|83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liabling of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

38 -- 126GI[84

(1) Sri P. Bal Reddy So Late P. Veera Reddy, GPA T. Raghunath Singh, 3-4-412 3, Rachiguda, Hyderabad.

(Transfero)

 Ms Universal Engg. Corporation Rep. by Sri M. Manik Reddy, Hyderguda, Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undesrigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) hy any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property bearing No. 18-12-418|A, 418|B2 and 418| B. Chandrayanagutta Hyderabad registered by the S.R.O. Hyderabad vide document No. 4657 83,

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 11-5-1984

(1) Sri Ramesh Pranlal Shah 4-1-1236[9, King Koti Road, Hyderabad-500 001.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Nargis Fathima Khan W/o Sri Ibrahim Ali Khan, R/o 10-4-35/1, Masab Tank, Hyderabad. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 11th May 1984

Ref. No. RAC No. 201/84-85.--Wheréas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. House & Land situated at Devellapally Himayathnagar village

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Acc, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

R.R. Dt. on 9-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 3-39 and land situated at Devellapalli, Himayothnagar (V) Rajendranagar Tq., R.R. Dt. registered by the S.R.O. R.R. Dt. vide document No. 6639 83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-5-1984

Scal:

(1) Smt. S. Sailaja 2, G. Prasada Rao 3. G. Siva Sankara Rao, 23|898-11, Pathekhanpeta, Nellore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sri Ramakrishna Traders Rep. by Sri J. Lakshminarayana, 13|332, Achari Street, Nellore.

(Transferee)

OFFICE OF THER INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

Hyderabad, the 11th May 1984

Ref. No. RAC No. 202|84-85,-Whereas, I, M. JEGAN MOHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. Land situated at Chemudugunta :

Nellore Dt.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Nellore on 9/83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FARTANATION:--The terms and expressions used herein as as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land admeasuring 5-25 acres situated at Chemudugunta, Nellore Dt., registered by the S.R.O. Nellore vide 5 separate sale deeds bearing document Nos. 4867, 4869, 4864, 4883, 4882]83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 11-5-1984 Seat:

(1) Sri S. Obulreddy and Others, Kisannagar, Nellore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 11th May 1984

Rcf. No. RAC No. 203[84-85.--Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Land situated at Allipuram Nellore Dt.

(and more fully described in the schedule annexed

hereto) has been transferred

under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the

office of the Registering Officer at Nelluru on 9|83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid prpoerty and I have

reason to believe that the fair market value of the

property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D o the said Act, to the followung persons, namely:-

(2) Sri Laxminarayana Raw & Par Boiled Rice Mill, Rep. by Partners Sri P. Ramprasad and Others, Kasturidevinagar, Nellore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chanter.

THE SCHEDULE

Land situated at Allipuram village, Indukurpet Taluk, Nelloye Dt., admeasuring 0-67, 0-66, and 0-67 cents registered vide 3 separate sale deeds bearing document Nos, 4743, 4744 and 4745 83

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 11-5-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Shri Sripathivari Choultry, Rep. by Managing Trusty Sri Prathi Sabbaiah Chetty, 4/85, Mukundapuram, Nuwab Pet, Nellore.

(Trasnferor)

(2) Sri Kanamarlapudi Thirumala Rao and others, 3[403, Laxmipuram, Stonehousepet, Nellore.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 11th May 1984

Rac. No. 204|84-85.—Whereas, T. M. JEGAN MOHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. Land situated at Nelluru

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nelluru on 9-83

Neturn on 9-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitee in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land situated at Nellore town admeasuring 2-12 acres registered by the S.R.O., Nellore vide document No. 4700|83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquistion Range,
Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-5-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sri Ghouse Ahmed Khan, 3-6-373 A, Himayathnagar, Hyderabad.

(Transferor) (2) Sri Mohd. Hashim Alqashmi, 5-2-1012, N. S. Road, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th May 1984

RAC. No. 148|84-85.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

of transfer with the object of:-

Ra 25,000]- and bearing
No. Flat situated at Hyderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1903 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Hyderapad on 9-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other asects which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 4918 83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 8-5-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M|s. Meridian Construction Co., 5-8-612, Abid Road, Hyderabad,

(Transferor)

(2) Sri Rej Kumar, 3-2-350, Chappal Bazat, Hyderabad,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th May 1984

RAC. No. 149|84-85.—Whereas, J. M. JEGAN MOHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 25,000|- and bearing

No. Flats situated at Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Hyderabad on 9-83

for an apparent consideration which is less than the fair market aviue of the aforestaid property and I have reason to believe that the fair market value of the roperty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat registered by the S.R.O., Hyderabad vide document Nos. 4904, and 4905 83 (2 separate sale deeds).

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date: 8-5-1984.

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

M|s. Nandanam Construction Co., Nampally, Hyderabad.

(2) Kum. Jyotsna Rani, Fatchsultan Lane, Nampally, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th May 1984

RAC. No. 150|84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. Garrage situated at Nampally, Hyderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 116 of 1908) in the office of the Registering officer at Hyderabad on 9-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid ecceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 43 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Garrage situated at Nampally, Hyderabad registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 4895 83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-5-1984.

Scal:

1

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAN ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th May 1984

RAC. No. 151|84-85,...Whereas, I, M. JEGAN MOHAN being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. Garrage situated at Nampally, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration. Act, 1908 (15 of 1908) in the office of the Registering officer at Hyderabad in Sept. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

39 -- 126GJ 84

 Mjs. Nandenam Construction Co., Nampally, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Kusuma Kumar, Fatehsultan Lane, Nampally, Hyderabad.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Garrage situated at Fatchsultan Lane, Nampally, Hyderabad registered by the S.R.O.. Hyderabad vide document No. 4896183.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date: 8-5-1984.

THE RESERVE AND ADDRESS OF THE PARTY OF THE

FORM ITNS-

NOTIGE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th May 1984

RAC. No. 152|84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. Garrage situated at Nampally, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 9-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the collect of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C or me said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Ms. Nandanam Construction Co., Nampally, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri N. Narahari Reddy, Fatchsultan Lane, Nampally, Hyderabad

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 40 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Garrage situated at Fatehsultan Lane, Namally, Hyderabad registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 4893 84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date: 8-5-1984,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISTION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th May 1984

Ref. No. RAC. No. 153|84-85.—Whereas. I, M. JEGAN MOHAN

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing
No. Flat & Garrage situated at Nampally, Hyderabad (and proper fully described in the related)

No. Flat & Garrage situated at Nampally, Hyderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Hyderabad on 9-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- M|s. Nandanam Construction Co., Nampally, Hyderabad.
 - (Transferor)
- Sri Dr. V. V. Subba Rao, Fatebsultan Lane, Nampally, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Flat and garrage situated at Fatehsultan Lane, Nampally, Hydrabad registered by the S.R.O., Hyderabad vide document Nos. 4892 and 4895 83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquistlon Range,
Hyderabad (A.P.)

Date: 8-5-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISTION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th May 1984

RAC. No. 154|84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Flat & Garrage situated at Nampally, Hyderabad (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad on 9-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the hability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- Mis. Nandanam Construction Co., Nampally, Hyderabad.
- (2) Dr. V. Malakonda Reddy, Fatehsultan Lane, Nampally, Hyderabad

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Garrage and Flat situated at Fatehsultan Lane, Nampally, Hyderabad registered by the S.R.O., Hyderabad vide document Nos. 4891 and 4883|84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following section, namely:—

Date: 8-5-1984.

FORM LT.N.S.-

(1) Mis. Nandanam Construction Co., Nampally, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Vandana G. Ahuja, Fatehsultan Lane,

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISTION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th May 1984

RAC. No. 155|84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs. 25,000 - and bearing

No. Flat situated at Nampally, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad on 9-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat situated at Fatehsultan Lanc, Nampally, Hyderabad tegistered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 4890 83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquistion Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 8-5-1984.

Co., (1) Mis. Nandanam Construction Namoally. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th May 1984

Ref. RAC No. 156 83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and

Flats situated at Nampally, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Hyderabad on September, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the number has now been truly stated in the confideration for parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 ot 1957); (2) N. Geetha and N. Rajyalaxmi, Fatehsultan Lane, Nampally, Hyderabad. (Tarnsferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same areaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flats situated at Fatchsultan Lane, Nampally. Hyderabad registered by the S.R.O., Hyderabad vide document Nos. 4887 and 4889[83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the same of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

Date: 8-5-1984.

Nampally,

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.) Hyderabad, the 8th May 1984

Ref. RAC No. 157|84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Mancknagar Building No. 2, Flat No. 1. Flats situated at Nampally, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), have been transferred as near deed resistant annexed to Indian

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Hyderabad on September, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly statied in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to puy tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M|s. Nandanam Construction Co.,
- (Transferor)
 (2) Smt. S. Bhavani, Fatchsultan Lane, Nampally,
 Hyderahad.

(Tarnsferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flats situated at Fatehsultan Lanc. Nampally, Hyderabad registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 4888|83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 8-5-1984.

Seal +

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE が終 INCOMF-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th May 1984

Ref. RAC. No. 158|84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Flats situated at Nampally, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule affected), has been transferred and as per deed registered under the Indian registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Hyderabad on September, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :----

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mis. Nandanam Construction Co., Nampally, (Transferor)

(2) Sri K. D. Ramchandani and Sri Chandiram K. Ramchandani, Fatchsultan Lane, Nampally (Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned; :---

- (a) by any of the aforesaid parsons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flats situated at Fatehsultan Lane, Nampally, Hyderabad registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 4886 and 4880|83.

M. IBGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (AP.)

Date: 8-5-1984.

(1) M|s.

Nampally, (Transferor)

FORM ITNS

(2) Sri T. Sreenivasulu Reddy, Fatehsultan Lane, Nam-

Construction

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

pally. Hyderabad. (Tarnsferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th May 1984

Ref. RAC. No. 159|84-85,--Whereas, I. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing No.

Flats situated at Nampally, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer

at Hyderabad on September, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of trnasfer with the object of :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

Nandanam

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flats situated at Fatehsultan Lane, Nampally, Hyderabad registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 4881 83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date 8-5-1984.

- (1) M/s. Nandanam Construction Co., Nampally, (Transferor)
- (2) Sri M. Bhogeswara Reddy, Fatehsultan Lane, Nampally. Hyderabad. (Tarnsferes)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th May 1984

Ref. FAC. No. 160|84-85.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat situated at Hydera'oad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on September, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objection, if any, to the acquisition of te said property may be made in writing to the undersigne.

- (a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flats situated at Fatehsultan Lane, Nampally, Hyderabad registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 4832 83.

> M. JEGAN MCHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hydar-bed (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 8-5-1984.

Scal:

FORM FINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th May 1984

Ref. RAC. No. 161|84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000-] and bearing No.

Flat situated at Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Hyderabad on September, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of sich apparent consideration and that the consideration for acceptance as agreed to between the parties has not been truly mated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfereed for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely:—

- (1) M|s. Malik Builders, 3-6-290, Hydergude, Hyderabad. (Transferor)
- (2) Sri Nawab Qutubuddin, 16-8-535 A, New Malakpet, Hyderabad.

 (Tarnsferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat situated at Hyderabad registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 4860[83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 8-5-1984. Seal:

FORM I.T.N.S.

(1) Ms. Progressive Builders, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. K. Hemalatha, Hyderabad.

(Tarnsferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th May 1984

Ref. RAC. Nofl 162/84-85.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Flat situated at Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office

of the Registering Officer, at Chikkadpally on September, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not beeen or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:-The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat situated at Hyderabad registered by the S.R.O., Chikkadpally vide document No. 627 83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Date: 8-5-1984.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th May 1984

Ref. RAC. No. 163|84-85,-Whereas, I. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No.

Rs. 25,000]- and bearing No.
Flat situated at Nampally, Hyderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the registering Officer
at Hyderabad on September, 1983
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforeand exceeds the apparent consideration therefor by more

said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act
 in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M|s. Nandanam Construction Co., Nampally, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri D, Easunk, Fatehsultan Lane, Nampally, Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat situated at Fatehsultan Lane, Nampally, Hyderabad registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 4884183.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 8-5-1984. Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th May 1984

Ref. RAC. No. 164|84-85.—Wheras, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Flat 307-A situated at Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Chikkadpally on September, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the trasfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to be the following persons, namely:—

(1) M|s. Vinayak Enterprises, 3-5-585, Vittalwadi, Narayanguda, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Dr. J. C. Venkat Reddy, F. No. 307-A, Vittalwadi, Hyderahad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the meaning its given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat and Garrage situated at Vittalwadi, Hyderabad registered by the S.R.O., Chikkadpally vide document Nos. 631 and 650|83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assett. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 8-5-1984.

(1) United Housing Corporation, 134, Penderghast Rd., Secunderabad. (Transferor)

MOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX. ACT. 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri P. V. Subba Rao, 3-6-779 A 302, Humayathnagar Hyderabad. (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th May 1984

Ref. RAC. No. 165|84-95.—Wheeras, I. M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Flat situated at Himayathnagar. Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chikkadpally on September, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforeight property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (!1 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat situated at Himayathnagar, Hyderabad registered by the S R.O., Chikkadapally vide document No. 663|83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 8-5-1984.

Scal

(1) Shrl G. Lakshmana 1-8-522|20|2, Chikkadpally, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri B. Shyamsundar Reddy, 2-2-1105|90, Hyderabad. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Hyderabad, the 8th May 1984

Ref. RAC. No. 166 84-85.--Whereas, I,

of 1908) in the office of the Registering Officer

at Chikkadpally on September, 1983

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sold Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of:-

Flat situated at Hyderabad

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat situated at Hyderabad registered by the S.R.O., Chikkadpally vide document No. 677[83.

(b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which cught to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date 8-5-1984 Scal:

(1) Smt. Masula Narsavva, Kamareddy.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Smt. Misri Bai, Kamareddy.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (Λ.Ρ.)

Hyderabad, the 8th May 1984

Ref. No. RAC. No. 167|84-85.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 296B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000| and bearing No.

Land situated at Kamareddy

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Rgistration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kamareddy on September, 1983

Kamareddy on September, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land situated at Kamareddy registered by the S.R.O., Kamareddy vide document No. 7067|83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissione of Income-tax
Acquisition Range, Hyd-rabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
41—126GI|84

Date : 8-5-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE,

Hyderabad, the 8th May 1984

HYDERABAD (A.P.)

Ref. No. RAC. No. 168/84-85.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. House, situated at Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chikkadpally on September, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 C. Madhukar through G.P.A. C. Padmaja, H. No. 106, Methodist Colony, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri B, Venkata Narasimha Reddy; 2-2-1164[15]1, New Nallakunta, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House registered by the S.R.O., Chikkadpally vide document No. 646[83].

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of meame-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 8-5-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE. HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th May 1984

Ref. No. RAC. No. 169,83-84.--Whereas I, M. JÉGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Ro. 25,000/-and bearing

Flats, situated at Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered

under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Hyderabad on September, 1983

for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Meridian Construction Co., Rep. by Sri Shivcharan, Abid Road, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Hari Kishen, Mrs. Navanid and Haman Kumar, 5 2-398, Risala Abdullah, Hyderabad.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flats registered by the S.R.O., Hyderabad vide document Nos. 4675, 4676 and 4677[83.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-ta-Acquisition Range. Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-5-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) Meridian Construction Co., Rep. by Sri Shiveharan, Abid Road, Hyderabad.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sri Vijaya Kumar, 21-1-650, Rikabgunj, Hyderabad.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th May 1984

Ref. No. RAC. No. 170|84-85.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. Flat situated at Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chikkadpally on September, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat situated at Hyderabad registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 4957[83,

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-5-1984

Scal:

 P. Siva Kumar Reddy, c/o M/s. Nandanam Constructions Co., Nampally, Hyderabad.

(Transferor)

OF THE

(2) Sri K. Satish, K. Swaroop, 3-4-875/7, Barkatpura, Hyderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th May 1984

Ref. No. RAC. No. 171|84-85.--Whereas I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No.

Flats, situated at Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Chikkadpally on September, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days
 from the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat situated at Hyderabad registered by the SR.O., Chikkadpally vide document Nos. 5000 and 4999/83.

M JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissions of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 8-5-1984

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th May 1984

Ref. No. RAC. No. 172|83-84.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Flat & Garrage, situated at Nampally, Hyderabad

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad on September, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons.

(1) Nandanam Constitution Co., Nampally, Hyderabad.

(Transferor)

 Sri V. Krishna Patehsultan Lane, Nampally, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flut and garrage registered by the S.R.O., Hyderabad vide document Nos. 4696 and 4699/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderatad (A.P.)

Date: 8-5-1984

(1) Smt. Urmila Tejraj Gowani

(2) Smt. Kalpana Murli Surtani

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 9th May 1984

Ref. No. AR-I|37EE|1006|83-84.—Whereas, I A. I.AHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Flat No. A|2, Prithvi Apartments

situated at Altamount Road

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 20-9-1983

for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aferesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A2, 25th floor of Prithvi Apartments, 21, Altamount Road, Bombay-26. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. ACQN, RANGE-I 1989 83-84, dated 20-9-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 9-5-1984

(1) M|s. Minoo Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Kuverji Kanti & Mr. Ramesh Kuvarji

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 7th May 1984

Ref. No. AR.II[37EE[3421]83-84.—Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding 'Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat No. 2, 1st floor, in the building known as 'Minoo Apartments' Nanda Patkar Rd., Vile-Parle (East), Bombay-56 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)' in the office of the Competent Authority

at Bombay on 15-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2, 1st floor, in the building known as 'Minoo Apartment', Nanda Patkar Rd. Vile Parle (Fast) Bombay-56.

rity, Bombay under Serial No. AR-III 37FE 3421 83-84 dated

S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay

sublow- Date : 7-5-1984 Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mr. Narendra Jamnadas Rujani

(Transferor)

57.3 <u>1117.</u> 51<u>111</u>17...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Rekha Anil Rawal

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITIN RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th May 1984

Ref. No. AR.IF|37EE|3366|83-84.—Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing •

No. Flat No. 2, Tejpal Apartment, Tejpal Road, Vile Parle (E) Bombay-57.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said matrument of transfer with the effect of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under surjection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

42-126 GI|84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2, Tejkiran Aaprtment, Tejpal Road, Vile Parle (F) Bombay 57.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|3366|83-84 dated 1-9-1983.

S, H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assti. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 14-5-1984

- (1) Mr. Arun Dhawan.
- (Transferor)
- (2) Shri Dinkar K. Shetty.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-ΓΛΧ ΑCΓ, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th May 1984

Ref. No. AR.II 37EF 6332 83-84.—Whereas, I, Ref. No. AK.IIJ/EE/10334/03-04.— Whereas, A. S. H. ABBAS ABIDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Flat No. 31, 5th floor, Amariyoti Co-op. Housing Society, Four Bungalows Road, Andheri West, Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 31, 5th floor, Amarjyoti Co-op. Housing Society,

Four Bungalows Road, Andheri West, Bombay-58.
The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|6332|83-84, dated 1-9-1983.

> S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely :--

Date: 14-5-1984.

(1) Mr. Jajesh Kapoor Mrs. Ranjana Kapoor.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M|s. Herbertsons Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property).

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th May 1984

Ref. No. AR.II|37EE|3523|83-84.—Whereas, 1,

S. H. ABBAS ABIDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. Flat No. 61A, Land Breeze, 52, Pali Hill Rd., Bandra, Bombay (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority

at Bombay on 26-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expirer later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 61A, Land Breeze, 52 Pali Hill Road, Bombay-400 050.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 3523 83-84, dated 26-9-1983.

> S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 7-5-1984.

(1) Madhav United Hotels (Int.) Ltd.

(Transferor)

(2) M|s. Mannit & Co.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 30th April 1984

Ref. No. AR.11|37EE|3205|83-84.—Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing No.

Madhav, Godown, Basement No. 5 (North). Plot No. C-4, Block-E, of Bandra Kurla Complex, Near Open Air Theatre,

Bandra, Bombay-400 051

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority

at Bombay on 5-9-1983

for an apparent confideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Madhav, Godown. Basement No. 5 (North) Plot No. C-4, Block-E of Bandra Kurla Complex, Near Open Air Theatre, Bandra. Bombay-400 051.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.H[37EE]3205[83-84, dated 5-9-1983.

S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 30-4-1984

FORM NOo. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Ms. Home Makers,

(Transferor)

(2) Shri Mohd, Yusuf H. Kasam Petiwala.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th May 1984

Ref. No. AR.II[37EE[3403[83-84.—Whereus, 1, S. H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Flat No. 32, 7th floor, Plot No. 1371 of TPS II of Mahim Division, Durgha St., Mahim, Bombay-16

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bembay on 12-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneya or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persoss, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 32, 7th floor, Plot No. 1371 of TPS II of Mahim Division Durgha Street, Mahim, Bombay-400 016.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 3403 83-84, dated 12-9-1983.

S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 14-5-1984.

(1) M|s. Shiv Shakti Bullders.

(Transferor)

(2) Ms. Fountainhead Investment Corporation.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 30th April 1984

Ref. No. AR.II|37EE|6310|83-84.-Whereas, I. S. H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000 and bearing No. Industrial Shed No. 164 Shiv Shakti Industrial Estate, Marol Village, Off Andheri-Kurla Road, Bombay-59

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 28th September, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial Shed No. 164, Shiv-Shakti Industrial Estate S. No. 79, R. No. 16, S. No. 80, H. No. 1 of Marol Village, Off Village, Off Andheri-Gurla Road at Andheri, Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 6310 83-84, dated 28-9-1984.

> S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

How, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 30-4-1984.

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY Bombay, the 14th May 1984

Ref. No. AR.II|37EE|6776|83-84.—Whereas, I, S, H, ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatfer referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing No.

Shop No. 12, 4 Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 22-9-1983

for an apparent consideration which is less than the farmarket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apprent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been duly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferment/o:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following aforesaid property by the issue of this notice under subpersons, namely :—

(1) Smt. Kulwant Kaur,

(Transferor)

(2) Mr. Shah Ramniklal Panchalal.

(Transferee)

(3) Mis, Oshiwara Land Dev. Co. (P) Ltd.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 12, situated at Plot No. 353 of S. No. 41 (p) Four Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under Serial No. AR.II 37EF 6776 83-84, dated 22-9-1983.

S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Asstt, Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 14-5-1984,

(1) Mrs. Malati Madhav Kulkarni.

(Transferor)

(2) Mr. Devchand Bhagwan Chauhan.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOMETAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th May 1984

Ref. No. AR.II|37EE|6320|83-84.—Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sakd Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25 0001, and bearing No.

Rs. 25,000]- and bearing No. Block No. 4, Ram Dutt Apartments Co-op. Housing Society at Rambaug, Dawood Baug, J. P. Road, Andheri (W), Bombay-

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 5-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the aid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Block No. 4, Ram Dutt Apartments Co-op. Housing Society, Ram Gaug, Dawood Baug J. P. Road, Andheri West, Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|6320|83-84, dated 5-9-1983.

S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-5-1984,

(1) Mrs. Lalitha Harlkumar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Mr. Devinderkumar Chopra.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property).

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

Objections, if any, so the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

ACQUISITION RANGEAT, BOMBAY

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Bombay, the 30th April 1984

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR.II|37EF|3438|83-84.—Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meening as given in that Chapter.

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Flat No. F-14 on 4th floor of E-Bldg. Chand Co.op. Hsg. Society Ltd. Juhu Road, Bombay-400 049.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority

at Bombay on 15-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Flat No. E. 14 at 4th floor of 'E' Building, Chand Co-operaive Housing Society, Juhu Road, Bombay-400 049.

The agreement has been registered by the Competent Autho-

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 3438 83-84, dated 15-9-1983.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, thereore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—43—126 GI|84

Date: 30-4-1984

Seal ;

(1) Shri Narinder Singh Bhatia.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Sudhir Kumar Jain.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 30th April 1984

Ref. No. AR.II[37EE]3355[83-84.—Whereas, I, S. H. A6BAS ABIDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Flat No. 5-A, in the Bldg, of North Bombay Co-operative Housing Society Ltd., Juhu Road, Bombay-400 049.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), nas been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Hat No. 5-A, in the building of North Bombay Co-operative Housing Society Ltd., Juhu Road, Bombay-400 049.

The agreement has been registered by the Competent Autho-

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.H/37EE/3355/83-84, dated 1-9-1983.

S. H. ABBAS ABIDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 30-4-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th May 1984

Ref. No. AR.II|37EE|3414|83-84.—Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Office No. 9, 1st floor in Veena Beena Shopping Centre, Premises Co-operative Society Ltd., Turner Road, Bandra, Bombay-50

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 12-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Jyoti P. Jethnani.

(Transferor)

- (2) Shri M. M. Garga (Karta of H.U.F.).
- (3) Transferee.
 (Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 9, 1st floor in Veena Beena Shopping Centre Premises Co-operative Society Ltd., Turner Road, Bandra. Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|3414|83-84, dated 12-9-1983.

S. H. ABBAS ABIDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bornbay

Date: 14-5-1984.

(1) Mls. Kadam & Company

(Transferor)

(2) M|s. Perfect Refill Assembling Centre

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Transferce

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 14th May 1984

Ref. No. AR. II|37EE|3450|83-84.—Whereas, J. S. H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No.

Gala No. 304 in the Industrial Estate at 7|C Pitamber Lane, Mahim Bombay-16

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 hereto). This been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 23-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said lumovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Gala No. 304 in the Industrial Estate, at 7 C. Pitamber Lane, Mahim Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II|37EE|3450|83-84 dated 23-9-1983.

S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, manuely:—

Date: 14-5-1984

(1) Inderjit Properties Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Dayashanker Sarjuprasad Chosia.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 14th May 1984

Ref. No. AR.II|37EE|6591|83-84.—Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Shop No. 16, Ground floor in Proposed Bldg. Twin Towers' Plot 8A-8B Survey No. 41(Part) at Village Oshiwara 4 Bunglows Off J. P. Road, Versova Andheri (West) Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 15-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arming from the transfer; and/or
- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expixes later;
- (b) by any other person interested in the said immoveble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the gaid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 16, on Ground floor, in Twin Towers' Plot 8A-8B at Village Oshiwara, 4 Bunglows Off J. P. Road, Versova Andheri (West) Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under Serial No. AR.II|37EE|6591|83-84 dated 15-9-1983.

S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 14-5-1984

(1) Shri Ashraf Mohd. Husain Bhavnagarwala (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Khimuiben Manshi Shah

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Transferor (Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II NOMBAY Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Bombay, the 14th May 1984

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. AR.II|37EF|6822|83-84.—Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI,

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

No. Flat No. 205 on Second floor Hawa Mahal Co. op. Housing Society Ltd. Charatsingh Colony Rd. Chakala Andheri (East), Bombay-83

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 28-9-1983

for apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than

fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); No. Flat No. 205 2nd floor, Andheri Hawa Mahal Co. op. Housing Society Ltd. Charatsingh Colony Rd. Chakala, Andheri (East), Bombay 400 93.

THE SCHEDULE

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|6822|83-84 dated 28-9-1983

S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-5-1984

(1) Mis. Dimple Enterprises

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Pratapehandra & Shri Ashok S. Shetty

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 14th May 1984

Ref. No. AR.II]37EE[6760]83-84.—Whereas, I.

Ref. No. AR.II]37EE[6760]83-84.—wnereas, 1, S. H. ABBAS ABIDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No. Unit No. 105, 'Ravi Industrial Estate', Plot No. 25 at Mahal Industrial Estate Off Mahakali Caves Road Andhreri (East) Bombay-400093 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 19-9-1983

and/or

for an apparent consideration which is less than the fait market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to any tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the saki immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 105 'Ravi Industrial Estate', Plot No. 25 at Mahal Industrial Estate Off. Mahakali Caves Rd. Andheri (East), Bombay 400 093.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EF|6760|83-84 dated 19-9-1983.

S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 14-5-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 14th May 1984

Ref. No. ARIV|17-37-G|83-84.—Whereas, I, VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section

269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

C.T.S. No. 1722 and S. No. 120|3, off vill. Goral Tal. Borivli B. S. D. Bombay-92

situated at Borivli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 26-9-83

for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Julie C. Dmello.

(Transferor)
(2) E. J. Alves, 2. Faymarie, Benedit Alphanso
A. S. Mascarenhas, T. F. D'souze
Monica Alphanso

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. S. 1226] 82 registered with the Sub-Registrar, Hombay on 26-9-83.

VIJAY RANJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Bombay

Date: 14-5-1984

(1) Inc. Lumidas K. Thai ke.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Narsıbhai Shamji & Smt. Laxmiben Narsi bhai

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Transferce.

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 14th May 1984

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. AR.II[37FF]3404[83-84 - Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.
Shop No. 9, 340 sq. It. Ground floor, Laxmi Darshan,
Bajaj Rd. Vile Paric (West) Bombay-56.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of Competent Authority

at Bombay on 12-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the Indian Income-tax Act. 1922 the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop No. 9, 840 sq. ft. Ground floor, Laxmi Darshan Bajaj Road, Vile Parle (W st) Bombay-56 The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II[37FE]3404[83-84] dated 12-9-1983

S. H. ABBAS ARIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Acr. to the following ກຄາຊດກຸຊ. ກາກການ 44 - 126 GT 84

Date: 14-5-1984

(1) Mr. V. R. Fibrewala (H. U. F)
Prop of Rancho Sythetics & Industries.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Baburai Janardhan Shenoy & Prakash Vaman Navak

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPIRCTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II
BOMBAY

Bombay, the 14th May 1984

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000]-and bearing

Gala Nos. 136 & 137 1st floor off Mittal Fstate Building No. 3, Andheri Kurla Road, Bombay-400059.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 5-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely :- -

(3) Transferee.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this netice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Gala Nos. 136 & 137 1st floor off Mittal Estate Building No. 3, Andheri Kurla Rd. Bombay-400 059.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under Serial No. AR.II|37EE|6477|83-84 dated 5-9-1983.

S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 14-5-1984

(1) M|s. Krishnakumar & Co.

(2) Shri Kanjarankandy Ramchandran &

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Shri Kanjarankandy Sahadevan

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 14th May 1984

Ref No. AR.11[37EE]0509[33-84.--Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.0001- and bearing

movable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing Flat No. 2, 1st floor, 'A' Wing at Village Kondivate, Taluka Andheri B. S. D. Bearing S. No. 100 H. No. 2 & 4 & CS Nos. 180, 181 & 182

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at

Bombay on 10-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2, 1st floor, 'A' Wing, at Village Kondivate, Taluka Andheri B.S.D. Survey No. 100 Hissa Nos. 2 & 4 and C. S. Nos. 180, 181 & 182.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|6509|83-84 dated 10-9-1983.

S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-5-1984

(1) Shri Jethanand Lokumal Bhatia

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Balkrishna Modi as Karta of his H.U.F. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISTION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 14th May 1984

Ref. No. AR.II|37EE|6317|83-84,---Whereas. 1, S. H. ABBAS ABIDI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Flat No. 27, Panchsheel Punjab National Officer's Co-op, Hsg. Society Ltd., Plot No. 02.5, No. III, Veera Desai Rd. Andheri (West), Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichover period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetto.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 27, Panchsheel Punjab National Officer's Co-op. Hsg Society Ltd. No. MI Vecta Desai Road, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AP.JI|37EE|6317|83-84 dated 1-9-1983.

S. H. ABBAS ABIDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-5-1984

(1) Smt. D. M. D'mello

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) 1. A. J. Alves,
2. Fay Marie
3. Benedit Alfanso,
4. A. S. Mascarnhas,
5. T. F. D'souza

6. Monica Alphanso

(Pransferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASST'I. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bembay, the 14th May 1984

Ref. No. ARVI/18/37G/83-84.—Whereas I, VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and begaing

C.T.S. No. 1772 & S. No. 120/3 Village Gorai, Taluka Borivii, Bombay-92

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 26-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the effect of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. S. 1227 82 registered with the Sub-Registrar, Bombay on 26-9-83.

VIJAY RAINJAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

Date: 14-5-1984

(1) Mis Rokadia Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT ,1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Kishore N. Mehta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th May 1984

Ref. No. AR,II|37EE|6821|83-84,---Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Flat No. 22, 2nd floor Rokadia Niketan, of Mouje Mogra, Parsi Panchavat Road, Andheri (E), Bombay-69 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act,1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 27-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly yetated in the stald instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other seets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 22, 2nd floor, Rokadia Niketan, CTS No. 141B, of Mouje Mogra, Parsi Panchayat Road, Andheri (E). Bombay-69.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|6821|83-84 dated 27-9-1983.

S. H. ABBAS ABIDI, Competent Authority Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 14-5-1984

(1) Smt. Satnam Kaur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Davinder Singh.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th May 1984

Ref. No. AR.II|37EE|6479|83-84.--Whereas, 1,

S. H. ABBAS ABIDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 8, 'B' Building Sukhdayak Co.operative Housing Society Ltd., Bamanpuri, Andheri (E), Bombay-400 059 (and more fully described in the Schedule annexed hereto). of the Competent Authority at Bombay on 5-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; und/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the reapective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 8, 'B' Building, Sukhdayak Co.operative Housing Society Ltd., Bamanpuri Anderi (East), Bombay-400 059.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR,II[37EE]6479[83-84 dated 5-9-1983.

S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-II Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

. Date: 14-5-1984

(1) Mis Nov Bohor Builders.

(Transferor)

(2) Shri Walter D'Sonza.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 14th May 1984

Ref. No. AR-II|37EE|6586|83-84.-Whereas I,

S. H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 1B, Ground floor, Plot No. 60 & 61, Baman Wada,

Sahar Village, Andheri (East), Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 15-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 01B, Gr. floor, Plot 60 & 61 Bama Wada, Shar Village Andheri (East), Bombay.

The agreement has been registered by the Authority, Bombay under Scrial No. AR.II 37EE 6586 83-84 dated 15-9-1983.

> S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following sersons, namely :---

Date: 14-5-1984

(1) M/s Rokadia Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Bhatt Sarojben Harshadrai & Bhatt Harshadrai Motiram.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 14th May 1984

Ref. No. AR.II|37EE|6820|83-84.—Whereas I, S. H. ABBAS ABIDI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Flat No. 63, 6th Floor, Building known as Rokadia Niketan, Mouje Mogra, Parsi Panchayat Road, Andheri (E),

Bombay-400 069

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at

Bombay on 5-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (22 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
45—126 GI|84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the motice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 63, 6th floor, Building known as Rokadia Niketan, Mouje Mogra, Parsi Panchayat Road, Andheri (East), Bombay-400 069.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|6820|83-84 dated 5-11-1983.

S. H. ABBAS ABID1 Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 14-5-1984

(1) Mis. Jamandas M. Choksi & Associates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Pushpa Shantikumar Bhatia & Mr. Shanti Kumar Gordhandas Bhatia.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 14th May 1984

Ref. No. AR|II|37EE|7419|83-84.-Whereas, I,

S. H. ABBS ABID1 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'soid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 604 in 'Jamuna Mahal' Prabhat Clony, Plot No. 73, T.P.S. Santacruz (East), Bombay-400 055 (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at

Bombay on 30-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the accquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 604, in Jamuna Mahal' Prabhat Colony, Plot No. 73, T.P.S. Santacruz (East), Bombay-400 055.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|7419|83-84 dated 30-9-1983.

S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 14-5-1984

(1) Arpit Limited.

- (Transferor)
- (2) Shri Gulab Rajpal Shah.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 9th May 1984

Ref. No. AR.III|37EE|4045|84-85.--Whereas 1,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000 and bearing Flat No. B-33, Vasuki, 7th Road Rajawadi,

Vidyavihar, Bombay-77.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons, namely:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. B-33. Vasuki, 7th Road Rajawadi, Vidyavihar, Bombay-77.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III 37EF 1284 83-84 dated 2-9-1983.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Date: 9-5-1984

Shri Cheeran Kuriyan Chummar.
 Mr. Madhava Shamraya Shetty.

(Transferor)
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-

IDER SECTION 269D (1) OF THE INCO TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to be the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1U BOMBAY

Bombay, the 11th May 1984

Ref. No. AR.III|37EE|4030|84-85.—Whereas 1, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

Mulund Rajvilla Co-operative Housing Society Ltd.

Ground floor BPS Cross Road, No. 3 Mulund,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at

Bombay on 2-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefol by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Rajvilla Co-operative Housing Society Ltd., B.P.S. Cross Road No. 3. Mulund (West), Bombay 400 080.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III 37EE 1299 83-84 dated 2-9-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-9-1984

(1) Shri P. D. Naidu.

(Transferor)

(2) Shri Gopaldas M. Lalla & Others.

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-MI BOMBAY

Bombay, the 11th May 1984 .

Ref. No. AR.III|37EE|4031|84-85.—Whereas, J. A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

5/83, New Shastri Nagar, Behind Mulund Colony, Bombay-400082

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as green in that Chanter.

THE SCHEDULE

5 83, New Shastri Nagar, Behind Mulund Colony, Bombay-400 082.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide scriel No. AR.III 37EE 1301 83-84 Date: 11-5-1984

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 11-5-1984

(1) Mis Ganesh Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Geeta R Shenoy & Shri B. R. Shenoy.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 14th May 1984

Ref. No. AR.III|37EE|3085|84-85.—Whereas I. A. LAHIRJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Flat No. 41 in Wing 'B' on 4th floor, 'Neelima Apartment' Jungal Mangal Road, Bhandup, Bombay-78

(and more fully described in the Scheduled annexed herete), has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Adt, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in, pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 41. Wing B, 4th floor, 'Neelima Apartment, Jungal Mangal Road, Bhandup, Bombay-78.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR-III|37EE|1341|83-84 dated 2-9-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Date: 14-5-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 14th May 1984

Ref. No. AR.III|37EE|3079|84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000; and bearing

Flat No. 5, Plot No. 4, CST No. 278, Kanta Apartments, Wadhavli Village, Chembur, situated at Bombay-74

(and more fully described in the Schedule annexed herets), has been transferred under the Registration Act, and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) Mis Supreme Builders.

(Transferors)

(2) Shri Omprakash Ram

(Transferces)

(3) Supreme Builders.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5, Plot No. 4, CST No. 278, Kanta Apartments, Wadhavli Village, Chembur, Bombay-74.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III|37FE|1342|83-84 dated 2-9-1984.

A. I.A.HIRI
Compotent Authority
Inspecting Assit, Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Date: 14-5-1984

(1) Smt. S. G. DARJI.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Ekbalhussain Abdulgafur Lashkar (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III. BOMBAY

Bombay, the 11th May 1984

Ref. No. AR-III/37EE/2946/83-84.—Whereas I,

A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000[and bearing

and bearing
Flat No. 205, 'A' Wing, Sahkar-Villa, Co-op. Hsg. Society
Ltd. S.V. Road, Malad (West), Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay, on 2-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(b) by any other person interested in the said immov-

able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

whichever period expires later;

(a) by any of the aforesaid persons within a period

of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 205, 'A' Wing, Sahkar-Villag, Co-op. Hsg. Society Ltd. S. V. Road, Malad (West), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay Vide serial No. AR III/37 EE/1250/83-84 dated 2-9-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the follow-persons, namely:—

Date: 11-5-1984

(1) MM/s. Motiram Tolaram.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOMU-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mr. Khimjibhai Ratanshi Nagda.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 9th May 1984

Ref. No. AR. 111|37 EE|4044|84-85 —Whereas I, A. LAHIRI,

being the competent authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000 and bearing
Gala No. 17, Ground F. Gautam Udyog Bhavan, L. B.
Shashtri Marg, Bombay-78

situated at Boinbay-78 (and more fully described in the schedule annexed hereto)

has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than different per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) faciliting the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
46—126QI|84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Gala No. 17, Ground F. Gautam Udyog Bhavan, L.B. Shashtri Marg, Bombay-78.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay Vide serial No. AR. III|37 EE|1288|83-84 dated 2-9-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 9-5-1984

(1) Shri T. S. Gopalan.

(Transferor)

(2) Shri Avijit Pramanick.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1984

Ref. No. AR-III]37 HE[1223]83-84.—Wherens I, A, LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000 - and bearing

Flat No. 5, Plot No. 146, Krishna Kunj, 14th Road, Chembur, situated at Bombay 400 071

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 2-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5, plot No. 146, Krishna Kunj, 14th Road, Chembur, Bombay 400 u71.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR. $\Pi/1223/83-84$ dated 2-9-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
'Acquisition Range-III, Bombay

Date: 10-5-1984

FORM TINS-

(1) Mrs. Zubedabai Vazirali Motiwala.

(Transferor)

(2) Smt. Prem Dinanath Pahuna.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSTACTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 9th May 1984

Ref. No. AR. HI|37 EE|4037|84-85.—Whereas I, A, LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Survey No. 773 & 774, Street Nos, 509 & 510, with Bldg. Kurla aluma, Kurla,

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 2-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-vection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a persod of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Survey Nos. 773 & 774, New CTS. Nos. 105, 105/1-20 Kurla Part 4, Ward Nos. L-1926 & 510 with Building Standing thereon, Kurla Taluka, Kurla.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay Vide serial No. AR. III[37 EE]1295[83-84 dated 2-9-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 9-5-1984

- (1) Shri Subash Masson.
- (Transferor)
- (2) Smt. K. M. Khatri,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONFR OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1984

AR-III]37 EE | 2876 | 83-84.—Whereas I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovto as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing Agricultural land situated at Flat No. 11 Bldg. No. 3-B, Nityanand Baug, Co-op. Hsg. Society Ltd. R. C. Marg, Chembur, Bombay-74 situated at Bombay-74 (cold water fully described in the School and School and

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent considerations and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the lial of the transferor to pay tax under the said Act. (1 respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 11, Bldg. No. 3-B, Nityanand Baug, Co-op. Hsg. Society, Ltd. R.C. Marg. Chembur, Bombay-74.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR. III[37 EE]1217]83-84 dated 2-9-1983.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IIL Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 10-5-1984

(1) Arpit Ltd.

(Transferor)

(2) Smt. Nirmala G. Shah.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 9th May 1984

Ref. No. AR. III[37 LE]4046184-85.—Whereas I, A, LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing Flat No. B-32, Vasuki 7th Road, Rajawadi, Vidyavihar,

Bombay-77

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-9-1983

for an apparent consideration which is less than the

fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent

consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice, on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: .- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

Flat No. B-32, Vasuki, 7th Road, Rajawadi, Vidyavihar, Bonibay-77.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay Vide serial No. AR.III 37EE 1285 83-84 dated 2-9-1983,

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. Bombay

Date: 9-5-1984

(1) Shri Nrittal T. Makhijeni,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ghansham T. Makhijani,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III, **BOMBAY**

Bombay, the 11th May 1984

Ref. No. AR. III|37 EE|4032|84-85.—Whereas I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Rs. 25,000/- and bearing No.
Flat No. 2, Ground Floor, "Sapta-Sindhu" Staircase 'A', Plot No. 85, 2nd Road, Chembur, Bombay 400 071

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-9-83

apparent consideration which is less than the for an fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferos for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-mx Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2, Ground Floor, "Sapta-Sindhu" Plot No. 85, 2nd floor, Chembur, Bombay-400 071.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR. III|37 EE|1302|83-84 dated 2-9-1983.

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269C of the said Act, to the following persons, namely:---

Date: 11-5-1984

(1) M/s. Mantri Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Mohammed Amin Mohammed Ilyas Bhatra.
(Transferce)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 14th May 1984

Ref. No. AR, III|37 EE|2937|84-85.—Whereas I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961 (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No.

Shop No. 2, Ground Floor, Firdosh Apartment, plot bearing CTS No. 822, New Hall Road, Kurla, Bombay-70

situated at Bombay-70

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 2, on Ground Floor, Firdosh Apartment, situated at Plot bearing CTS No. 822, New Hall Road, Kurda, Bombay-70.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR. III]37 EE]1343[83-84 dated 2-9-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-5-1984

(1) Smt. Pushpa Vijay Kharjekar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Bhanumathy P. Menon.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th May 1984

Ref. No. AR. III[37 EE[4033]84-85.—Whereas I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a lair market value exceeding Rs. 25,000/—and bearing No.

Flat No. 3, 1st floor, Bldg. No. 2|D, Damodar Park, L.B.S. Marg, situated at Ghatkopar (West), Bombay 400 086 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovements able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, 1st fl. bldg. No. 2|D, Damodar Pork, L.B.S. Marg, Ghatkopar (West), Bombay-400 086.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR. III|37 EE|1300|83-84 dated 2-9-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 11-5-1984

FORM ITMS-

(1) Miss Kanta Tarachand Sharangdhar And Furshotsm Farachand Sharangdhar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt Swaran Kaur Sethi,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III. BOMBAY

Bombay, the 14th May 1984

Rel. No. AR.III|37EE|4021|84-85.—Whereas, J. A. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,0000]—and bearing No.

Flat No. C-10|3, Maitri Park Co-op. Hsg. Society, 132, 135, Sion Trombay Road, Chembur, Bombay-71 situated at Bombay-71

(and more fully described in the Schedule annexted hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:——47—126GI84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. C-10|3, Maitri Park Co-op. Hsg. Society, 132-135, Sion Trombay Road, Chembur, Bombay-71.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR. III/37 EE 1336 83-84 dated 2-9-1983.

A. I.AHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-111, Bombay

Date: 14-5-1984

(1) Arpit Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Jitendra Chhanganlal Thacker.

may be made in writing to the undersigned:-

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III.
BOMBAY

Bombay, the 9th May 1984

Ref. No. AR-111/37 EE/2909/83-84.—Whereas I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the lecome-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Flat No. \widetilde{A} -18, Vasuki, 7th Road, Rajawadi, Vidyavihar, situated at Bombay-77

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A-18, Vasuki 7th Road, Rajawadi, Vidyavihar, Bombay-77.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR III|37 EE|1219|83-84 dated 2-9-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 9-5-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 14th May 1984

Ref. No. AR.III | 37E | 4026 | 84-85. Whereas, I. A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Re 2500 | and heaving No.

Rs. 25,00- and bearing No. Flat No. 6, Plot No. 81, Kanjur Co-op. Hsg. Society Ltd. Kanjur Marg, Bhandup, Bombay-78 situated at Bombay-78 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 2-9-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Ms. Modern Builders.

(Transferor)

(2) Shri Dominic J. D'souza.

(Transferee)

(3) Transferor

(Person in occupation of the property)

(4) V. K. Shukla Member of the Kanjur Co-op. Hsg. Society Ltd.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said ammovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 6, in the proposed Building at Plot No. 81, Kanjur Co-op. Hsg. Society Ltd., Kanjur Marg, Bhandup, Bombay-78.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay Vide serial No. AR.III|37EE|1337|83-84 dated 2-9-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Date: 14-5-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 14th May 1984

Ref. No. AR.III|37EE|4025|84-85.—Whereas, I. A. LAH1R, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Flat No. I, Plot No. 81, Kanjur Co-op. Hsg. Society Ltd., Kanjur Marg, Bhandup, Bombay-78 situated at Bombay-78 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-9-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Mis. Modern Builders.

(Transferor)

(2) Shri Arvind G. Chawan.

(Transferce)

(3) Transferor)

(Person in occupation of the property)

(4) V. K. Shukla Member of the Kanjur Co-op. Hsg. Society Ltd.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, in the proposed Building at Plat No. 81, Kanjur Co-op. Hsg. Society J.td., Kanjur Marg, Bhandup, Bombay-78.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay Vide serial No. AR.III|37EE|1334|83-84 dated 2-9-1983

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Date: 14-5-1984

Scal;

(1) J. Dossa Associates.

(Transferor)

(2) Shri Damji Kalyanji Raychana.

(Transferee)

(3) J. Dossa Associates.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IIII, BOMBAY

Bombay, the 14th May 1984

Ref. No. AR.III|37EE|3070|84-85.--Whereas, 1,

A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Flat No. 2 (B-1) 6th floor, Himmat Apartments, Dr. R. P. Road, Mulund (West) Bombay-80

situated at Bombay-80

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent

Authority at

Bombay on 2-9-1983

end/or

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2(B-1) 6th floor, Himmat Apartments, Dr. R. P. Road, Mulund (W), Bombay-80.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay Vide serial No. AR.III|37EE|1339|83-84 dated 2-9-1983.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability

of the transferor to pay tax under the said Act

in respect of any income arising from the transfer;

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I herey initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, mamely :---

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisiton Range-III, Bombay.

Date: 14-5-1984 Sept :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th May 1984

Ref. No. AR-III|37EE|2930|84-85.—Whereas, I A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Mathura Flat No. 104, S. 16, Hiss No. 6, CTS No. 12, Gavanpad Road, Mulund (East), Bombay-81 situated at

Bombay-81

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at .

Bombay on 2-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in sespect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Patel Corporation.

(Transferor)

(2) Shrh Shyam, C. Asnaney.

(Transferee)

(3) Transferor

(Person whom the undersigned knows to interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said

Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Mathura Flat No. 104, S. 16, Hiss No. 6, CTS No. 12, Gavanpada Road, Mulund, Bombay-81.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay Vide serial No. AR.III 37EE 1338 83-84 dated 2-9-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Date: 14-5-1984

- (1) Shri Ram Chandra Mundra.
- (Transferor) Shri Keshavlal Gulabchand Shah,

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th May 1984

Ref. No. AR-III|37EE|2943|83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

New Bansi Park Co-operative Hsg. Society Ltd. Plot No. 1, C.T.S. No. 507|508 flat No. 10, Building No. 3 2nd floor Narsing lane, Malad (W), Bombay-64 (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 2-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette-

The terms and expressions used be rein as are defined in Chapter XXA of the said Explanation:—The terms and Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

New Bansi Park Co-operative Hsg. Society Ltd. Plot No. 1, C.T.S. No. 507|508, 'flat No. 10, Building No. 3, 2nd fl. Narsing Lane, Malad (W), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay Vide serial No. AR-III|37EE|1245|83-84 dated 2-9-1983.

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tu-Acquisition Range-III, Bombay

New, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons namely :---

Date: 11-5-1984

(1) Shri Shaikh Nabizan Mohd. Hussain,

(Transferor)

(2) Shrl Yakub Gafoor.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1984

Ref. No. AR-III|37EE|2895|83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Bombay Taximen's Hsg. Society Ltd. 306, L.B.S. Marg. Kurla, Bombay-70. Flat No. 12, Bldg. 7A, situated at Bombay-70.

Bombay-70

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 2-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforc-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 12, Bldg. No. 7A, Bombay Taximen's Hsg. Society Ltd. 306, L.B.S. Marg, Kurla, Bombay-70.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III|37EE|1233|83-84 dated 2-9-1983,

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 11-5-1984

(1) Shil Shyam Sunder Agarwal.

(Transferor)

(2) Shri Harprasad Khoringal Agarwal.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 14th May 1984

Ref. No. AR.III 37EE 4017 84-85. -- Whereas, I. A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000[- and bearing No.

Flat No. D-3, Bldg, No. 4, Basant Park, Co-op. Hsg. Society Ltd., R. C. Murge, Chembur, Bombay-71

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 2-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:——48—126GI/84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned: ---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 15 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. D-3. Bldg. No. 4, Basant Park. Co-op. Hsg. Society 1 d., R. C. Marge, Chembur. Bombay-71.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III/37EE/1340/83-84 dated 2-9-1983.

A. I.AHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax
Acquisition Range-III, Bombay.

Date: 14-5-1984

(1) Shri Kishore Purshottam Thakkar And Mrs. Sharda Kishore Thakkar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Lalji Premji Gada.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY Bombay, the 14th May 1984

No. AR.III|37EE|4029|84-85.--Whereas, T.

LAHIRI. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

104, Hina Apartment, 1st Floor, Tambe Nagar, Sarojini Naidu Road. Mulund (W), Bombay-80

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Autho-

Bombay on 2-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evesion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

104, Hina Apartment, 1st Floor, Tambe Nagar, Sarojini Naidu Road, Mulund (W), Bombay-80.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay Vide serial No. AR.HII|37EE|1335|83-84 dated 2-9-1983.

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incometax Acquisition Range-III, Bambay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons, namely :---

Date: 14-5-1984

(1) M/s Nikhil Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) R. B. Mahabal & others,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1984

Ref. No. AR-III|37EE|2878|83-84.—Whereas, I, A

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Shop No. 8, Gr. Floor, Shreenath Apartment, No. 1, Mulund (East), Bombay-400 081

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 2-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the

property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 8, Gr. Floor, Shreenath Apartment No. 1, Mulund (East), Bombay-400 081.

The agreement has been registered with the Competent Auhority, Bombay Vide serial No. AR.III|37EE|1211|83-84 dated 2-9-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Date: 10-5-1984

(1) Mis Motiram 'Folaram.

(Transferor) (Transferce)

(2) Mrs. Shah Vasumal Bhurmal,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 9th May 1984

Ref. No. AR.III|37EE|3063:84-85.--Whereas, 1. A LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000;-

and bearing No. Gala No. 7, Ground Fl. Gautam Udyog Bhavan, L. B. Shastri Marg, Bombay-78

(and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .- The terms and expressions used herein as ure defined in Chapter XAA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Gala No. 7, Gautam Udyog Bhavan, 1. B. Shashtri Marg Bombay-78.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay Vide serial No. AR-III/37EE 282 83-84 dated 2-9-1983.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incometax Acquisition Range-III, Bombay.

Date: 9-5-1984

(1) Shri Chandrakant, K. Saraiya

(Transferor)

(2) Smt. Shautaben V. Popat

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

QFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 11th May 1984

Rci. No. ARIV 1883 | 37EE | 83-84.—Whereas, I VIJAY RAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Flat No. A 201, 2nd floor, Rajkishore Kandivli,

Bombay situated at Kandivli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Autho-

at Bombay on 12th September 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have tenson to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any moone or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Flat No. A-201, 2nd floor Rajkishore C.T.S. No. 1965. Kandivli. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR.IV|1883|83-84 dated 12-9-1983.

VIJAY RANJAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-5-1984

(1) Mr. Faram Roze S. Barucha

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. B. J. Mody

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 3rd May 1984

Ref. No. ARIV|1828|37EE|83-84.—Whereas, I, VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000; and bearing

No. Flat No. 44, Humlog Co-op-Hsg. Society Shanker Lane, Kandivli, Bombay-67 situated at Kandivli

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is Registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 6th September 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);;

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 44, Humlog Co-op. Hsg. Society, Shankar Lane Kandivli (W), Bombay-67. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. ARIV|1828|83-84 dated 6-9-1983.

VIJAY RANJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV. Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 3-5-1984

FORM ITNE

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 2nd May 1984

Ref. No. ARIV|37EE|1895|83-84.—Whereas, I, VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing

No. Plot No. 60, Dahanukar Wadi, Kandivli, Taluka, Borivli situated at Kandivli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is Registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 20th September 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely:—

(1) (i) M. S. Singh, G. S. Sohan, B. S. Sohan Singh and K. Singh Sohan Singh

(2) Unique Development Corpn.

(Transferor) (Transferec)

(3) Shri B. D. Jain

(Person in occupation of the property)

(4) Shri Danmal D. Jain

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 60, Dahanukar Wadi, Kandivli Taluka, Borivli. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. ARIV 1895 83-84 dated 20th September 1983.

VIJAY RANJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 2-5-1984

(1) Mr. M. S. Mhaire

(Transcror)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. V, Z. Kamble (Transferee)

GOVERNMENT OF UNDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 9th May 1984

Ref. No. ARIV|37EE|1894|83-84.—Whereas, I, VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey No. 23, Hissa No. 2 (part) and C.T.S. No. 269 of Eksar, Village Borivli II situated at Borivli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is Registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of

the Competent Authority at Bombay on 24th September 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land bearing survey No. 23, Hissa No. 2 (part) and C.T.S. No. 332 Eksar and bearing original plot No. 305, Final plot No. 269 of Eksar Village Borivli III. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. ARIV 1894 83-84 dated 24th Sept.

VIJAY RANJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombav

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 9-5:1984

(1) Shii Farukh S. Todywalla

(Transeror)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Sarlabai Shah

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 28th April 1984

Rcf. No. AR-IV|37EE|878|83-84.—Whereas, I S. H. ABBAS ABIDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Flat No. A-15, A, Bldg, New Hill Park Co-op. Housing Society Ltd., Ovripada, Dahisar (East), Bombay-68 situated

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-9-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A\15, A-Bldg. New Hill Park Co-op. Hsg. Society Ltd. Ovripada, Dahisar (East) Bombay-68. The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV|37EE|1878|83-84 dated 3-9-1983.

VIJAY RANJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range iV- Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

49 --- 126GT 84

Date: 28-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the

May 1984

Rcf. No. ARIV|37EE|1975|83-84.—Whereas, I, VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. Flat No. 101, 1st floor, Gyan Amrit S. Kandivli (W), Bombay-67 situated at Kandivli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the IncomeTax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 24th September 1983

for an apparent consideration which is less than the fall market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of runster with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the usue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) M/s. M. N. Construction Co.
- (2) Shri Chimanlal C. Talaja

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 101, First floor, Gyan Amrit Bldg. S. Mody Road, Kandivli (W), Bombay-67. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. ARIV 1975 83-84 dated 24-9-1983.

> VIJAY RANJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombny

Date: 5-1-1984

(1) M|s. Gautam Builders (India)

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

- (Transferor)
- (2) Mr. & Mrs. Mundiath Unikrishnan

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 7th May 1984

Ref. No. ARIV|37EE|1860|83-84.—Whereas, I, VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovas the said Act), having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Flat No. 603, 6th floor, Vishali Bldg, S. V. Road, Borivli (W). Bombay-92 situated at Borivli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 9th September 1983

for an apparent consideration which is less than the fair for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from

the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 603, 6th floor Vishali, S. V. Road, Borivli (W). Bombay-92. The agreement has been registered by the Competent Authority under serial No. ARIV 1860 83-84 dated 9th September 1983.

> VIJAY RANJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date 7-5-1984

(1) Trilok Construction Co.

(Transeror)

(2) Smt. Taramati M. Bhatt Shri M. A. Bhatt.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (4) OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY Bombay, the 11th May 1984

Ref. No. ARIV|37EE|1871|83-84.—Whereas, I, VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearning No.

No. Multi Storey Bldg, known as Satyam, Opp. Parekh Nagar, S. V. Road, Kandivli (W) situated at Kandivli (W), (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 15th September 1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Ast, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat in bldg. Satyam Opp: Parekh Nagar, S.V. Road, Kandivli (W). The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. ARIV 1871 83-84 dated 15th September 1983.

VIJAY RANJAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 11-5-1984

(1) Mr. C. M. Patel.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri V. S. Thatte.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 7th May 1984

Ref. No. ARIV|1844|83-84.—Whereas, I, VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

S, No. 208, H. No. 15, M|s. Pushpa Apartment, Eksar Village, Borivli (W) Bombay-92 situated at Borivli (and more fully described in the Schedule annexed herto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 17th September 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

S. No. 208, M/s. Pushpa Apartment, Eksar H. No. 15, Eksar Village, Borivli (W), Bombay-92. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. ARIV/1844/83-84 dated 17-9-1983.

VIJAY RANJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 7-5-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) 1. Shri M. B. Thakkar, 2. Smt. D. M. Thakkar 3. Shri Rajesh M. Thakkar

(Transferor)

(2) Shri Dirubhai M. Rajbhour.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 9th May 1984

Ref. No. ARIV|1880|83-84.—Wherens, I, VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bearing

No. Flat No. 28, 2nd floor, Manek Nagar, M. G. Road, Kandivli (W), Bombay-67 situated at Kandivli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred and the agreement is registered under vection 269AB of the Income-tax Act 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 24th September 1983

for an apparent consideration which is less than the fake market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 28, 2nd floor, Manek Nagar, M. G. Road, Kandivli (W), Bombay-67. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. ARIV|1880|83-84 dated 24-9-1983.

VIJAY RANJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombav.

Date: 9-5-1984.

(1) M/s. M. N. Construction Co.

(Transferor)

(2) Smt. Savitaben L. Thakkar

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, **BOMBAY**

Bombay, the 2nd May 1984

Ref. No. ARIV|1907|37EE|83-84.—Whereas, I, VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. Flat No. 102, 1st floor, Gyan Amrit Bldg, S. Mody Rd, Kandivli (W), Bombay-67.

situated at Kandivli.

and/or

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the competent

Officer at Bombay on 19th September, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 102, First floor, Gyan Amrit Bldg, S. Road, Kandivli (W) Bombay. The agreement has registered by the Competent Authority, Bombay serial No. ARIV/1907/83-84, Date 1 19th September, 83. baon

> VIJAY RANJAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Panae-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namela

Date: 2-5-1984.

FORM ITNS

(1) Smt. Laxmi Ramesh Bhatia

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Ashok Amrutlal Ganutra.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Smt. L. R. Bhatia (Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 18th April 1984

Ref. No. AR-IIV[37EE]1669[83-84.--Whereas, 1, S. H. ABBAS ABIDI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and

bearing No. B-23, Manish, 3rd floor, Shankar Lane, Kandi-

vli (W), Bombay-67 situated at Kandivli. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the

office of the Competent Authority at Bombay on 24th September, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in sespect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for The purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B-23, Manish, 3rd floor, Shankar Lane, Kandivli (W). The agreement has been registered with the competent Authority Bombay Vide serial No. AR-IV|37EE|1869 83-84 Dated 24-9-1983.

> S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority
> Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-IV Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:-

Date: 18-4-1984.

(1) Shri K. Patel & Co. Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri R. S. Patel & Smt. S. R. Patel

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

> (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Bombay, the 10th May 1984

Ref. No. ARIV|1850|37EE|83-84.—Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immerable

property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Flat No. 104-B, Nand Dham, 1st floor, L. T. Read, Borlvli (W), Bombay-92, situated at Borivli (W).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

hus been transferred

VIJAY RANJAN,

and the agreement is registered under Section 269AB of the and the agreement is registered under Section 20213 of the Inconnectax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 12th September 1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the property as aforesaid believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— EXPLANATION .—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 104-B, Nand Dham, 1st floor, L. T. Road, Borivili (W); Bombay-92. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-IV|1850|83-84 dated 12-9-1983.

> VIJAY RANJAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 10-5-1984

Seal :

50 - 126G1]84

KIRM ITNS

(1) M/s. Vidyut Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. & Mrs. K. K. Sheth

(Tarusteree)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,

Bombay, the 8th May 1984

Ref. No. ARIV/1879/37FE/83-84.—Whereas, I, VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000]- and bearing No. Flat No. 11, 3rd floor, Sukan Apartments, M. G. Road, Kandivli, Bombay-67, situated at Kandivli, (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Competent Authority Officer at Bombay on 28th September 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act 112 respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1921 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 11, 3rd floor Sukan Apartment, Corner of M. G. X Road, No. 3 Kandivli (W). Bombay-67. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. ARIV|1889|83-84 Date 28-9-83.

> VIIAY RANJAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 8-5-1984.

and the second

FORM LT.N.S.

(1) Ms. Vidyut Enterprises

(Transferor)

(2) Shri & Smt. K, D. Oza

(Tarnsfèree)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-STONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, **BOMBAY**

Bombay, the 8th May 1984

Ref. No. ARIV|37EE|1888|83-84.—Whereas, I, VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing Flat No. 6, 2nd floor, Sukan Apartments, Corner of M. G. Road, and M. G. Rd., Kandivli (W), Bombay-67, situated

at Kandivli.

(and more fully described in the Schedule annexed has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay, on 22nd September, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: - The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income on any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Flat No. 6, 2nd floor, Sukan Apartments, M. G. Read, Kandivli (W), Bombay-67. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. ARIV 1888 83-84, dated 22-9-1983.

> VIJAY RANJAN Competent Authortiv Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 8-5-1984.

(1) K. Patel & Co. Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri C. M. Punmiya & B. M. Punmiya.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1984

Ref. No. ARIV|37EE|1849|83-84.—Whereas, I, VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000; and bearing No. Flat No. 306-A 'Nand Dham' 3rd floor L. T. Road,

Borivli (W), Bombay-92, situated at Borivli (W),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay, on 22nd September, 1983,

for an apparent consideration which is less than the fail market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 306-A, Nand Dham, 3rd floor, L. T. Road, Borivli (W), Bombay-92. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. ARIV 1849 83-84 dated 22-9-1983.

> VIJAY RANJAN Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1V Bombay.

Date: 10-5-1983.

(1) M's. Dattani Associates

(Transferor)

(2) Mr. A. W. Bhandarkar, W., A. Bhandarkar & Mr. M. A. Bhandarkar.

(Tarnsferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1984

Ref. No. ARJV|37EE|1896|83-84.—Wherens, I, VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

bearing No.
Flat No. 11, 1st floor, Hari Darshan, C.T.S. No. 290(9) to (14) L. T. Road, Borivli (W), Bombay-92, situated Borivli (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 12th September, 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this netice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the dzte of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 11, 1st floor Haii Darshan, C.T.S. No. 290, 290-(9) to (14) L. T. Road, Burivli (W), Bombay-92. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. ARIV[1896]83-84. Dated 12th Sept. 83.

VIJAY RANJAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay.

Date: 4-5-1983.

Scal:

(1) Sh. S. P. Hinduja & N. K. Hinduja

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) The State Bank of India Staff.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-1V, BOMBAY

Bombay, the 14th May 1984

Ref. No. ARIV[33]37-G[83-84.—Whereas, 1, VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Village Magathane, Survey No. 9,10.11,12 & 13 C.T.S. No. 1 to 6 and 6|1 to 46, Borivli (West) situated at Borivli (W).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bombay on 16th September, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

ny Schedu ny 1980 reg or 12

Schedule as mentioned in the Registered deed No. 161| 1980 registered with the Sub-registrar, Bombay on 16-9-83.

VIJAY RANJAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-5-1984,

Seal:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(h) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(1) 1, Victor Mariam D'mello.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) 1. E. J. Alves. 2. Fay Marie,

3. B. Alfanso, A. S. Mascarenhas

4. Monica Alphanso

5. Mrs. T. F. D'souza

(Tarnsferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 14th May 1984

Ref. No. ARIV-18/37-G83-84.—Whereas, I, VIJAY RANJAN,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the irimovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing No.

C.T.S. No. 1772 Survey No. 120/3, Village Gorai, Taluka Borivli, Bombay-92, situated at Borivli.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 26-9-1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such aparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in feepect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Iudian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notion in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. S. 1228|82|registered with the Sub-registrar, Bombay on 26-9-1983.

VIJAY RANIAN
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay.

Date: 14-5-1984,

(1) Shri Mangilal Bajaj

(Transferor)

(2) Unique Industries.

(Tarnsferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV,
BOMBAY

Bombay, the 16th May 1984

Ref. No. AR-III|37EE|4043|84-85.—Wherens, 1, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/bearing No. Industrial Unit Bearing No. 27, Ground fl. Nav Nandavan Industrial Estate, L. B. Shahstri Marg, Opp. Ralliwof Mulund (W), Bombay-80 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any snoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 27, Ground II. Nav Nandavan Industrial Eastate L. M. S. Marg, Opp. Ralliwolf, Mulund (West), Bombay-400 080.

The agreement has bee pregistered with the Competent Authority Bombay Vide serial No. AR | III | 37FE | 83-84 dated 2-9-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings f r the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely terms

Date: 16-5-1984,

(1) Gharahyam M. Kandol E. Mirra.

(Transistor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Ratan Ben Shivaji Gangar.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OPFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANG-III, BOMBAY

Bombay, the 16th May 1984

Ref. No. AR.III 37EE 4049 84-85. -- Whereas, I., A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Rajesh Co-op. Hsg. Scot. Ltd. A|12, Rajejsh Off, R.

D. Mehta Marg, Ghatkopar (East), Bombay-77 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of

the Competent Authority at Bombay on 2-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration, and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used betoin as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Rajesh Co-operative Housing Society Ltd. A|12, Rajesh Off; R. B. Mehta Marg, Plot No. 353|19, T.P.S. III, Ghatkopar (Fast), Bombay 400 077

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay Vide serial No. AR.III[37EF]1287/83-84 dated 2-9-1983.

A. J.AHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Raneg-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following magons, namely:—

Sent

Date: 16-5-1984

51 -- 126GH84

FORM LT.N.S.-

(I) Desai Bhurke And Associates

(Transferor)

(2) Mrs. Jyoti Ashok Paranjape

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANG-III, BOMBAY

Bombay, the 14th May 1984

Ref. No. AR.III|37EE|2978|84-85.—Whereens. J.

A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property baving a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Flat No. 201, 2nd fl. Amoghasiddha, Bhurke Wadi, Turel Pakhadi Road, Malad (West), Bombay-400 064, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred.

has been transferred

and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office

of the Registering Officer at Bombay on 2-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 201, 2nd fl. Amoghasiddha, Bhurke Wadi, Turel Pakhadi Road, Malad(W), Bombay-400 064,

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay Vide serial No. ARJII 37EE 1324 83-84 dated 2-9-1983.

> A. LAHIRI Competent Authority Commissioner of Income-tax Acquisition Raneg-111. Bombay Inspecting Assistant

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby imitate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, nimely is --

Date: 14-5-1984

Scal:

(1) Aipit Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Hareshkumar Harjiyandas Gandhi

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANG-III, BOMBAY Bombay, the 16th May 1984

Ref. No. AR.III|37EE|4041|84-85.—Whereas, I. A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000]- and bearing
No. Flat No. B-27, Vasuki 7th Rd. Rajawadi, Vidyavihar,

Bombay-77

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation :-- The terms and expressions The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given said u that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the linbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tex Act, 1922 11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. B-27, Vasuki 7th Rd. Rajawadi, Vidyavihar, Bombay-77.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay Vide serial No. AR.III 37EE 1291 83-84 dated 2-9-1983.

> A. LAHIRI Competent Authority
> Commissioner of Income-tax Inspecting Assistant Acquisition Raneg-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following

Date: 16-5-1984

Seal:

persons, namely :---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OPPICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMECTAX, ACQUISITION RANG-III, BOMBAY

Bombay, the 16th May 1984

Ref. No. AR.III|37EE|4040|84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,00001- and bearing

No. Building No. B[3, 2nd fl. Mahavir Shikhar, Flat No 50, L.B.S. Marg (Agra Road) Mulund (W), Bombay-80 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, the following persons, namely:—

- (1) M/s Damji Shamji Shah Family Trust
- (2) Shri Nandkumar R. Champanekar

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bldg. No. B|3, Mahabir Shikhar, Flat No. 50, L.B.S. Marg, (Agra Road), Mulund (W), Bombay 400 080. The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay Vide serial No. AR.III|37EE|1292|83-84 dated 2-9-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting/Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Date: 16-5-1984

Scal :

(1) Mis Samraat Builders

(Transferor)

(2) Mr. & Mrs. F. G. Mendonea

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III. BOMBAY

Bombay, the 14th May 1984

Ref. No. AR.III|37EE|2916|84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

Flat No. 101 Sindhu Apartment Off Malad Marve Rd., Malad (W) Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more has fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Mow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the adoreraid property by the 1980s of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigued :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 101, Sindhu Apartment Off Marve Rd. Malad (W) Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay Vide serial No. AR.III 37EE 1351 83-84 dated 2-9 4083.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-tax
Acquisition Raneg-III, Bombay

Date: 14-5-1984

- (1) Smt. Duru G. Gidwani.
- (12) Shri Govind Nallappa.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISTITION RANG-III, BOMBAY

Bombay, the 16th May 1984

Ref. No. AR.111|37EE|4042|84-85.—Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

Flut No. 26, 2nd fl. Maitri Vijay Co-op. Hsg. Scot. Opp. Basant Cinema, Dr. C. Gidvani Rd. Chambur, Bombay-400 074 situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 2-9-1983

and bearing

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed; the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 26, 2nd fl. Maitri Vijay Co-op. Housing Society Opp. Basant Cinema, Dr. C. Gidwani Road, Chembur, Bombay 400 074.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay Vide serial No. AR.III|37EE|1290|83-84 dated 2-9-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-tax
Acquisition Raneg-III, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 16-5-1984

(1) Hemant V. Kogekar

(Transtelot)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Milind M. Padhye

(Transferee)

(3) Shri M. M. Padhye

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 14th May 1984

Ref. No. AR.III|37EE|3003|84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 406, 4th floor, Yogesh Buldg. Pandurangwadi Goregaon (W) Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 2-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to peneve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 406, 4th floor, Yogesh Bldg. Pandurangwadi, Goregoan (E), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay Vide serial No. AR, III 37FF | 1352 | 83-84 dated 2-9-1983.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Raneg-[][, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:---

Date: 14-5-1984

(I) Shei Dalegter, Eknath Teredevil

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Puthenveed Arvindakshan Menon & Others, (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understand.

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;

SIONER OF INCOME-TAX,

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY Bombay, the 16th May 1984

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given

in thet Chapter.

Ref. No. AR.III|37EE|4038|84-85.--Whereas, I, A. LAHIRI,

to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing Flat No. 4, 1st Sumati Apartment, M. G. Road, Mulund (W), Bombay-80 (and more fully described in the Schedule' annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair-market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- THE SCHEDULE

Flat No. 4. 1st fl. Sumati apartment, M. G. Road, Mulund (West), Bombay-80.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay Vide serial No. AR.III 37EE 1333 83-84 dated 2-9-1983.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Raneg-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 16-5-1984

(1) E. P. Acharekar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 14th May 1984

Ref. No. AR.III 37EE 2925 84-85.--Whereas, 1, A. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Flat No. 1 Plot No. 421, Kanur Co-op. Housing Society, C.T.S. No. 683, Kanjur, Bhandup, Bombay (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

52---126GI 84

(2) Mr. Praful Janardan Loke.

- (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ;-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, Plot No. 421, Kanjur Co-op. Housing Society, C.T.S. No. 683, Kanur, Bhandup, Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay Vide serial No. AR.III/37EE/1303/83-84 dated 2-9-1983,

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquuisition Range-III, Bombay

Date: 14-5-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE MOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 14th May 1984

Ref. No. AR.III|37EE|2974|84-85,-Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

able property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000;— and bearing Shop No. 12, Rishi Kesh Bldg. Village Valnai, Off. Marve Rd. Malad (W), Bombay-64. (and prore fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Rombay, op. 2-9-1983.

Bombay on 2-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- th) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be lisclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act 1957 (27 of 1957);

- (1) Mrs. Velbhai Ramniklal Shah
- (Transferor)
- (2) Mr. Jayani D. Megchiani & Mrs Sheela Jayant Megchiani

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 12, Rishikesh Bldg. Village Valnai Off Marve Road, Malad(W), Bombay-400 064.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay Vide serial No. AR.III|37EE|1326.83-84 dated 2-9-1983,

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Reason-III. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :---

Date: 14-5-1084

Scal:

FORM I.T.N.S.

(1) Shri Kashinath G. Dadarkar

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Anilkumar Champaklal Parekh.

may be made in writing to the undersigned-

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

Objections, if any, to the acquisition of the said property

Bombay, the 10th May 1984

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. ARIV|37G|35|83-84.—Whereas, I, VIJAY RANJAN,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No. Survey No. 17, Hissa No. 6 (part) C.T.S. No. 40 (part), final Plot No. 646 of the T.P.S. No. III of Borivli.

situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Bombay on 13-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. S.1000|82 and registered with the Sub-Registrar, Bombay on 13-9-83. Date: 10-5-1984.

VIJAY RANJAN
Competent Anthority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Rombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-5-1984

(1) Shri V. S. Mani.

(Transferor)

(2) R. Rangathan

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACOUISITION RANGE-III BOMBAY

Bomoay, the 14th May 1984

Rcf. No. AR.III|37EE|2936|84-85 --- Whereas, I. A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. 11, Shivkunj. 2nd floor, Plot No. 138, 16th Road, Chombur, situated at Bombay-400 071.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and

the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 2-9-1983.

for an apparent consideration which is less than the market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act; or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

11, Shiv Kuj, 2nd floor Plot No. 138, 16th Road, Chembur, Bombay-71.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR-III 37EE 1308 83-84 dated 2-9-83.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 14-5-1984

(1) Shri R. P. Acharekar

(Transferor)

(2) Mr. Laxman Panudurang Pednekar

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 14th May 1984

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the Jate of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Ref. No. AR.III;37LE;2926[83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI.

being, the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 102, Plot No. 42, Kanur Co-op. Housing Society, C.T.S. No. 688, Kanur. Bhandup (1), Bombay.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and

the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax, 1961, in the Office of the Competent Authority Bombay on 2-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

Flat No. 102, Plot No. 42, Kanur Co-op. Housing Society C.T.S. No. 683, Kanur, Bhandup (E) Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III 37EE 1304 83-84 dated 2-9-1983

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Bombay.

Date: 14-5-1984

Seal 1

(1) Derick Anthony Bothello

(Transferor)

(2) Javantilal N. Chothan.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-111, BOMBAY

Bombay, the 14th May 1984

Ref. No. AR.III|37EE|4012|84-85.--Whereas,

I, A. LAHIR(, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe the second to be the s

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing Sanjay Apartment, Old Sion, Trombay Road, Chunabatti, Flat No. 2, 2nd floor, Bombay-71. situated at Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and

the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of ;-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Sanjay Apartment, Old Sion, Trombay Road. Chunabatti, Flat No. 2, 2nd floor, Bombay-71.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR1III|37EE|312|83-84 dated 2-9-1983

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-

Scal:

Date: 14-5-1984

ing persons, namely:-

FORM I.T.N.S.

(1) Mrs. Jayanti Jankiraman

(Transferor)

(2) Mrs. Sonibai Vedu Alios Sonibai Vedu Sonar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

DFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 14th May 1984

Rcf. No. AR.III|37EE|3088|84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 2031 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing

Flat No. 103, Aparti Apartments Sarojini Naidu

situated at Bombay.

Road, Mulund (W), Bombay-80. land more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred and

the agreement is registered under Section 269AB of the noome-tax, 1961, in the Office of the Competent Authority at at Bombay on 2-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initalte proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given ! this Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 103, Aarti Aparments, Sarojini Naidu Road. Mulund (West), Bombay 400 080.

The agreement has ben registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR. III 37EE 1306 83-84 dated 2-9-193.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Date: 14-5-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) S Blupender Singh Bhallo.

(2) Mls. B. Jaimal Singh & Sons,

(Transferor)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 14th May 1984

Ref. No. AR.III 37EE 1412 84-85.—Whereas,), A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing No.

Murli Manchar Co. op. Housing Society Ltd. L.B.S. Marg. Kurla.

situated at Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and

the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-9-1983

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ablect of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2. Murli Manohar, Co-op. Hou Marg, Kurla, Bombay. The agreement has ben registered with the

rity Bombay vide serial No. AR-III|37E| 2-9-1983.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :---

Date: 14-5-1984

(1) M/s. Moti Ram Tola Ram

(Transferor)

(2) Smt. Vijaya Ben Kalyan Ji Vohra

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 16th May 1984

Ref. No. AR. III|37EE|4039|84-85.---Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Gala No. 3, Ground floor Gautam Udyog Bhavan, L. B. Shahstri Marg. Bombay-78

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in

the office of the Competent Authority

at Bombay on 2-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

53--126GI|84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Gala No. 3, Ground fl., Gautam Udyog Bhavan, L. B. Shashtri Marg, Bombay-78.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay Vide serial No. AR, III 37EE 1293 83-84 dated 2-9-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Date: 16-5-1984

(1) Ms. Gold Coin Builders.

(Transferor)

л:_

(2) Mr. Bose P. Almeda & Others.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 16th May 1984

Ref. No. AR, JH[37FF]4035[84-85.—Whereas, I, A. I.AHIR]

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding R₈, 25,000|- and bearing

Flat No. CTS No. 694 to 699, Village Kolc Kalyan Vakola, Bombay-55, situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under that said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. A[6, C.T.S. No. 694 to 699 Village Kole Kalyan Vakola, Bombay-55.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay Vide serial No. AR, III|37EE!1297|83-84 dated 2-9-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 16-5-1934

(1) M|s Harasiddh Corporation.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Hiraman G. Shejwal.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 14th May 1984

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. AR. III 37EF 3084 84-85.—Whereas, 1 A. LAHTRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value immovable property having a fair market value Flat No. 3, 6th floor, Tirupathi Vakola Kole Kalyan santaexceeding Rs. 25,000|- and bearing cruz (E) Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 2-9-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 3 Tirupathi Rldg, Vakola Kole Kalyan, Santaciuz (E) Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay Vide serial No. AR. III 37EE 1348 83-84 dated 2-9-83.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Scal:

Date: 14-5-1984

FORM J.T.N.S.

(1) R. P. Acharckar

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Bhagawan Pandurang Koyande

(Trunsferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 14th May 1984

Ref. No. AR. IIII|37EE|3066|84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Flat No. 302, Plot No. 42, Kanjur Co-op. Hsg. Society C.T.S. No. 683 Kanjur Bhandup, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and

the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax, 1961, in the Office of the Competent Authority Bombay on 2-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the eaid Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-fax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the ateresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 302, Plot No. 42, Kanjur Co-op. Hsg. Society, C.T.S. No. 683, Kanpur, Bhandup, Bombay-78.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay Vide serail No. AR. III|37EE|1353|83-84 dated 2-9-1983

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 14-5-1984

(1) Shri L. G. Lohani.

(Transferor)

(2) Shri Kirit Chhotialal Shah.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 14th May 1984

Ref. No. AR.III|37EE|2994|84-85.--Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

able property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing Flat No. 23. 3rd floor, Dharmendra Co-op. Hsg. Society Ltd., Marwadi Chawl, S. V. Road, Malad (W), Bombay-400 064 situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hercto) has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 2-9-1984 tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of th

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 23, 3rd floor Dharmendra Co-op. Hsg, Society Ltd. Marwadi Chawl, S. V. Road. Malad (W), Bombay-400 064.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide Serial No. AR.III|37EE|1323|83-84 dated 2-9-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely—

Date: 14-5-84

Scal;

(1) M/s. National Plastic Enterprises.

(Transferor)

(2) M|s. Rajan| Silk Mills.

(Transfrece)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 14th May 1984

Ref. No. AR-JH[37EE|4027|84-85.—Whereas, I, A, LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000] and bearing Vil heali Shiykeng Industrial Co-on Society, Ltd Unit No.

Vikhroli Shivkrup Industrial Co-op. Society Ltd. Unit No. 108, 1st floor, Plot No. 3, L. B. S. Marg, Vikhroli, Bombay situated at

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforehas been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-9-1984

said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as use defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vikhroli Shikrupa Industrial Co-op. Society Ltd., Unit No. 108, 1st floor, Plot No. 3, L. B. S. Marg, Vikhroli, Bombay. The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide Serial No. AR.III 37EF 1311 83-84 dated 2-9-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III. Bombay

Date: 14-5-84

(1) Shri Jatin A. Shah

(Transferor)

(2) Kum. Kapoor Family Trust.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 14th May 1984

Ref. No. AR.III]37EE|3039|84-85.--Whereas, 1, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing Flat No. D|603, 6th floor, 'D' Wing 'Veena Nagar, Malad,

Bombay situated at

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at at Bombay on 2-9-1983 for an apparent consideration which is less than the fall

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferece for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Fiat No. D|603, 6th floor 'D' Wingh of Building complex known as 'Veena Nagar, Malad, Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide Serial No. AR.III 37EE 1366 83-84 dated 2-9-1983.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 14-5-84

Scal:

(1) Assa Enterprise.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

(2) Smt. P. Azayedo.

(Transferee)

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 14th May 1984

Ref. No. AR.III|37EL|2971|84-85.--Whereas, J, A. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinatier referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable nroperty, having a lair market value exceeding Rs. 25,000l- and bearing Dominic Colony Road, No. 3, Orlem Tank Road, Malad, Bombayl situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority Bombay on 2-9-1984 at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

Explanation: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and /or

(b) facilitating the concealment of an yincome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Dominic Colony Road No. 3, Orlem Tank Road, Malad,

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide Serial No. AR.III 37EE 1237 83-84 dated 2-9-1983.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followme persors, namely :---

Date: 14-5-84

(1) Mis. Kukreja Construction Co.

(Transferor)

(2) Mr. Kundandas Watumal Porwani.

may be made in writing to the undersigned: --

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 14th May 1984

Ref. No. AR.III[37EE]3073[84-85.-Whereas, I. A LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'suid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing Flat No. 402, 4th floor, B. Wing, Tolaram Apartments, Chembur Camp, Bombay-74 situated at

(and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority Bombay on 2-9-1983 at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the abovesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namedy:-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

THE SCHFDULE Flat No. 402, 4th floor, B Wing, Tolaram Apartments, Chembur Camp, Bombay-74.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide Serial No. AR, III | 37EE | 1357 | 83-84 dated 2-9-1983,

A. LAHIRI Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Licome-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 14-5-84

Scal:

54-126GI 84

- (1) Mls Ganesh Builders
- (Transferor)
- (2) Shri G. T. Mandave.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, **BOMBAY**

Bombay, the 14th May 1984

Ref. No. AR-III|37EE|3087|84-85.--Whereas, I,

A. I.AHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
Flat No. 44, A Wing Neelima Apartment Jungal Mangal Road, Bhandup Bombay-78, situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Autho-at Bombay on 2nd September 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 44, A Wing Neclina Apartment, J. M. Road, Ishandup Bombay-78.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay Vide serial No. AR-III|37EE|1346|83-84 dated 2-9-1983.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 14-5-1984,

PART III-SEC. 1]

FORM ITNS

(1) Mahesh Bullders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Pranjivandas Kalidas Bhagat,

(Transferge)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 14th May 1984

Ref. No. AR-III|37EE|4051|84-85.--Whereas, I, A. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property baving a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

Flat No. 301, 3rd fl. Sai Apartment, L.B.S., Marg, Ghatkopar (W), Bombay-400 086. situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2nd September 1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 301, 3rd fl. Sai Apartment, L.B.S. Marg, Ghat-kopar (W), Bombay-400 086.

The agreement has been registered with the Component Authority Bombay Vide serial No. AR-III/37EE/1359/83-84 dated 2-9-1983.

(b) fucilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III.
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the lesue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-5-1984.

(1) Mrs. Cecelia Pinto

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- 0

(2) Shri K. M. Verghese.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-III. BOMBAY

Bombay, the 14th May 1984

Ref. No. AR-III|37EE|3037|84-85.-Whereas, I. A. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269R of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Flat No. 11, Bldg. No. 17, Jalamangal Deep, Cop. Hsg. Socy. Ltd. Bangur Nagar, Goregaon West, Bombay-90. situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authorit at Bohmay on 2nd September, 1983, for an apparent consideration which is less than the market value of the aforesaid property, and 1 have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

or the transferor to pay the under the end Act, in respect to any income arising from the transfer: and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 .11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Aut, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

THE SCHEDULE

Flat No. 11, Bidg. No. J 7, Jalmangal deep Co-op. Hsg. Society Ltd. Bangur Nagar, Goregaon West, Bombay-90. The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay Vide Serial No. AR-III 37EE 1319 83-84 dated 2-9-1983.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombny

Date: 14-5-1984.

(1) Mahesh Builder's

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Madhavdas Paruram Khanchandani. (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGF-III BOMBAY

Bombay, the 14th May 1984

Ref. No. AR III | 37EE | 4028 | 84-85. Whereas, I, A. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

401, fourth floor, 'Sai Apartments, L.B.S. Marg, Ghatkopar (W), situated at Bombay-86

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the res

pective persons, whichever period expires later:

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

401, fourth floor "Sai Apartment", L.B.S. Marg, Ghat-kopar (West), Bombay-400 086.

The agreement has been registered with the Competents Authority Bombay vide serial No. AR.III|37EE|1314|83-84 dated 2-9-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Date: 14-5-1984

(1) Ms Khetani Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. H. S. Merchant.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 14th May 1984

Ref. No. AR.JII|37EE|2965|84-85,---Whereas, I. A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and

bearing No.

Simit Apartment, 4th floor Flat No. 42 6th Mamaldarwadi, Malad, situated at Bombay-400 064

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the Office of the Competent

Authority at Bombay on 2-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, c- th- Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection ()1 of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Simit Apartment 4th floor. Flat No. 42, Mamalddarwadi

Malad, West, Bombay-400 064.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III|37EE|1328|83-84 dated 2-9-1983.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Date: 14-5-1984

FORM ITNE

(1) Mohan Devdas Pai.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Althangady Nazeer Ahmad Khan, (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 14th May 1984

Ref. No. AR.III|37EE|4010|84-85,--Whereas; I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tux Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.
Flat No. 4, Ground floor, Plot No. 8|A, Nahur Road,
Mulund, situated at Bombay-8
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of

the Competent Authority at Bombay on 2-9-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. Ground Floor, Plot No. 8 A, Nahur Road, Mulund, Bombay-80.

The agreement has been registered with the Competents Authority Bombay vide scriel No. AR.HII|37EE|1307|83-84 dated 2-9-1983.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 14-5-84

Scal:

(1) Shri R. P. Acherkar.

(Transferor)

(2) Mr. Vinayak Ganpat Gaonkar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 14th May 1984

Ref. No. AR, HI | 37EE | 2927 | 84-85. - Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Flat No. 2, Plot 42, Kanjur Co-op, Housing Soct. C.T.S. No. 683, Kanur, Bhandup, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as iforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by trasfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby 'zitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2, plot No. 42, Kanur Co-op, Housing Society Ltd. C.T.S. No. 683, Kanur, Bhandup., Bombay.

The agreement has been registered with the Competents Authority Bombay vide serial No. AR.III|37EE|1305|83-84 dated 2-9-1983.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Date: 14-5-1984

Scal:

(1) M/s Gold Coin Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. M. V. Shiraman,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 14th May 1984 Ref. No. AR.HI|37EE|4036|84-85.—Whereas, 1.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
Flat No. C|11,, C.B. No. 860 to 979 Village Kole kalyan,
Vakola, situated at Bombay-55

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

A. LAHIRI,

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Competent Authority Bombay on 2-9-1983

55-126GI 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act. In
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following reisons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. Cl11. CB No. 860 to 979, Village Kole Kalyan Vakola, Bombay-55.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay Vide serial No. AR.III|37EE|1296|83-84 dated 2-9-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Date: 14-5-1984

(1) Smt. V. V. Shah.

(Transferor)

(2) Smt. J. L. C. Bagra and Smt. R. K. K. Bagra.

may be made in writing to the undersigned :-

ever period expires later;

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 14th May 1984

Ref. No. AR.III 37EF 3001 84-85. Whereas, J, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000and bearing

Hiren shopping centre, flat No. 11 3rd floor, S.V. Road,

Goregaon (W), situated at Bombay-62

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred

transfer with the object of :-

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent

Authority at Bombay on 2-9-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Hiren Shopping Centre Flat No. 11, S.V. Road, Goregaon (W) Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III 37EE 1355 83-84 dated 2-9-1983.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely :-

Date: 14-5-1984

Scal ·

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 14th May 1984

Ref. No. AR.III|37EE|2975|84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing Shop No. 303, 3rd floor, "Kothari Terrace" at CTS No. 410

Shop No. 303, 3rd floor, "Kothari Terrace" at CTS No. 410 411 Survey No. 311, Hissa No. 4, Subhash Lane, Daftary Road, Malad (East), situated at Bombay-64

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Mahendra Rewashanker Shah.

(Transferor)

(2) Shri Nagjibhai Nathalal Patel,

(Transferce)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 303, on 3rd floor, of "Kothari Terrace" at CTS No. 410, 411, Survey No. 311, Hissa No. 4, situated at Subhash Lane, Daftry Road, Malad (East), Bombay-64. The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III|37EE|1356|83-84 dated 2-9-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Date: 14-5-1984

(1) Shri Chotoo Laloo Merwanand.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Asha Meternity and Gen. Hospital. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III

BOMBAY Bombay, the 14th May 1984

Ref. No. AR.III|37EE|3029|84-85.-Wherens, I,

A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

Flat No. 7, Ground Floor Malad Pooja Co-operative Housing Society, Ltd., 35, Pushpa Park Road, Malad (W), situated at Bombay-400 064

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the

Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesind property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1927 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the algressed persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 7, Ground floor Malad Pooja Co-operative Hsg. Society Ltd. 35, Pushpa Park Road, Malad (W), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III 37EE 1321 83-84 dated 2-9-1983.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bembay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 14-5-1984

(1) Smt. Nirmala Jitendra Shah & Shri Jitendra Ramanlal Shah.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Devibai L. Patel.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 14th May 1984

Ref. No. AR.III|37EE|2976|84-85,-Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Shop No. 403, 4th floor, Kothari Terace, Subhash Lane, Daftary Road, Malad (East), Bombay-64

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfert and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following

persons namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the dute of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

THE SCHEDULE Shop No. 403, Kothari Terrace, Subhash Lane, Daftary Road, Malad (East), Bombay-400 064.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III 37EE 1325 83-84 dated 2-9-1983.

> A. LAHIRT Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

*Date: 14-5-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF NCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 14th May 1984

Ref. No. AR.II|37EE|6805|83-84.—Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Property being land situated at Teli Gully, Cross Lane, Andheri (East), Bombay-400 069 bearing City Survey No. 476, 476 1 to 5

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, ((43 of 1961) in the Office of the Competent Authority at Bombay

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Mrs. Mandakini Madhukar Kore Mrs. Vijaya Nandkumar Gupte.

(Transferor)

(2) Vikas Constructions,

(Transferce)

(3) 1. Zillo R. Panchal died

Now Mrs. Rukani R. Panchal. 2. Hari Ganpat Mistry. 3. Shri Ganesh Govind Mistry.

4. Shri Chitamani D. Dhuri. 5. Shri V. R. Gupta.

6. Shri Vinod A. Jayakar.
7. Shri Pramod A. Jayakar.
8. Shri Bharat A. Jayakar.

(Person in occupation of the property)

(3) 1. Zillo R. Panchal died

Now Mrs. Rukani R. Panchal. 2. Hari Ganpat Mistry.

3. Shri Ganesh Govind Mistry.

Shri Galesh Govina Mish;
 Shri Chitamani D. Dhuri.
 Shri V. R. Gupta.
 Shri Vinod A. Jayakar.
 Shri Pramod A. Jayakar.
 Shri Bharat A. Jayakar.

9. Shri Krishnakumar A, Jayakar.

Smt. Kalpana

Wo Shri Mukund Dhurandhar.

(Person whom undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land situated at Teli Gully, Cross Lane, Andheri (East), Bombay-400 069 bearing City Survey No. 476, 476 1 to 5.

The agreement has been registered with the Competents Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|6805|83-84 dated 24-9-1983.

> S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Bombay

Date: 14-5-1984

(1) Shri Rochiram Samnmal.

(Transferor)

(2) 1. Shri Manik Premchand Narsian 2. Shri Baldev Premchand Narsian

3. Shri Mukesh Premchand Narsian 4. Shri Jagdish Premchand Narsian.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Shri Rochiram Samanmal & Family. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 14th May 1984

Ref. No. AR.II|37FE|3515|83-84.-Whrcens, I, S. H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property hanivg a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing
Flat No. 7. Building No. 7. 3rd floor, Mahalaxmi Co.eperativ Housing Society Ltd. Plot No. 120, Manuala Tank
Road, Bombay-16

Road, Bombay-16 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, 43 of 1961) in the Office of the Competent Authority at Bombay on 26-9-1983 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesold property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 7, Building No. 7, 3rd floor, Mahalaxmi Co-operative Housing Society Ltd. Plot No. 120, Manmala Tank Road, Bombay-400 016.

The agreement has been registered with the Competents Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|3515|83-84 dated 26-9-1983.

> S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Acquisition Pange-If Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

Date: 14-5-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferor)

(2) Proc Laboratorius U.t. Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 14th May 1984

Ref. No. AR.II|37EE|6817|83-84.—Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No. Plot No. 61, Marol Co-op. Ind. Estate, 10\12 Mathuradas Vasanji Road, Andheri (E) Bombay-59.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, 1/43 of 1961) in the Office of the Competent Authority at Bombay on 26-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(1) Shri Manoharlal Bhagwandas Punjabi, Prop. of

M|s. Metropolitan Manufacturing Co.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 61, Marol Co-op. Ind. Estate, 10|12 Mathuradas Vasanji Road, Andheri (East) Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 6817 83-84 dated 26-9-1983.

> S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 14-5-1984

OCCUPANT MARKET OF THE DICOME

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX.

ACQUISITION RANGE II, BOMBAY

Bombay, the 14th May 1984

Ref. No. $\Delta R\text{-}II[37EE[6649]83\text{-}84.$ —Whereas, I, S. H. $\Delta BBAS_{\perp}\Delta BIDI_{\perp}$

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Shop No. 8. Kavita Apartments, C.T.S. No. 1030, Yari Road, Versova, Andheri (West), Bombay-400 061 situated at

(and more fully described in the Schodule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority ht Bombay on 19-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the storesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the patties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (e) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 /27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforeseid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons purely (--)

56--126GI|84

(1) Min Asian Development Corporation,

- (Transferor)
- (2) Dr. B. P. Badhniwala & Mrs. Carnie B. Badhniwalla.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used nerein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 8, Kavita Apartments, C.T.S. No. 1030, Yari Road, Versova, Andheri (West), Bombay-400 061.

The agreement has been registered by the Computent

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37|EE|6649|83-84 Dated 19-9-1983.

S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 14-5-1984.

(1) Mr. Satish Chandulal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mr. Gopalbhai M. Savjani & Manjula G. Savjani.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th May 1984

Ref. No. AR-II|37EE|3455|83-84.—Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the mmovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000|- and bearing

Flat No. 501 & 502, Cosmos Apartments, C.T.S. Plot No. 399 to 399 4, S. V. Road, Vile Parle (West), Bombay-400 056

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section $269\Delta B$ of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 23rd September, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

may be made in writing to the undersigned:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this motice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 501 & 502, Cosmos Apartments, C.T.S. Plot No. 399 to 399|4, S. V. Road, Vile Parle (West), Bombay-400 056.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37|EE|3455|83-84 Dated 23-9-1983,

S. H. ABBAS ABIDI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-5-1984,

(1) M|s Ahiya & Associates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Vishnudas Vithal Shenvi & Sharad Vishnudas Shenvi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th May 1984

Ref. No. AR-II|37EE|6374|83-84.—Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable propetry, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Flat No. 2 & Part of Flat No. 3 on Ground floor, in the proposed Building 'Ankur' on final Plot No. 38, TPS II, Dadabhai Road, Andheri (West), Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay, on 1-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceads the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneya or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used nerein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 2 & Part of Flat No. 3 on Ground floor, in the proposed building 'Ankui' on final plot No. 38, TPS II, Dadabhai Road, Andheri (West), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|6374|83-84 dated 1-9-1983.

S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 14-5-1984.

(1) Mis. Rokadia Enterprises.

(Transfered)

(2) Devendra Chhotalal Shah & Kalpana Devendra Shah.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th May 1984

Ref.No. AR-II|37EE|6907|83-84.—Whereas,1,

S. H. ABBAS ABIDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000)—and bearing Flat No. 43, 4th floor of Building known as Rokadia Niketan Pareil Pareil

Flat No. 43, 4th floor of Building known as Rokadia Niketan Parsi Panchayat Road, Andheri (East), Bombay-400 069 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 24th September, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions and herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHFDULE

Flat No. 43 on 4th floor of Building known as Rokadia Niketan, bearing CTS No. 141B, S. No. 50 H. No. 3F of Mogra, Parsi Panchyat Road, Andheri (East), Bombay-400-069.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|6907|83-84 dated 24-9-1983.

S. H. ABBAS ABIDI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II.
Bombay

Date: 14-5-1984.

(1) Shii Juthalal Nagpal & Smt. Pachiben Juthalal

(Transferor)

(2) M|s. United Machinists.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IL BOMBAY

Bombay, the 14th May 1984

Ref. No. AR-II|37EE|6629|83-84.—Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1561 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Unit No. 16 on the Ground floor in Sarvodaya Industrial Estate, situated at Off. Mahaktali Caves Road, Andheri (Fast)

Bombay-400 093

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been translated and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 16-9-1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income unising from the transfer: and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Unit No. 16 on the Ground floor in Sarvodaya Industrial Estate, situated at Off. Mahakali Caves Road, Andheri (E), Bombay-400 093.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under Serial No. AR-II[37EE|6629]83-84 dated 16-9-1983.

S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income tax Acquisition Range;II. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-5-1984.

(1) Geeta Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Nanalal Tribhavandas Lotia

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 14th May 1984

Ref. No. AR-II|37EE|6381|83-84.—Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-

bai Co-op. Housing Society Ltd., near State Bank of India, Off Caves Road, Jogeshwari (E) Bombay-60. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at

Bombay on 3rd September, 1983, for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by mor-than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or,
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Flat No. 11, 3rd floor, Ganga Vihar, Plot No. 2 Hardevi bai Co-op. Housuing Society Ltd., Near State Bank of India, Off Caves Road, Jogeshwari (E) Bombay-60.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|6381|83-84 dated 3-9-1983.

> S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay

Date: 14-5-1984.

(1) Shri Kundanlal Chunilal Oberoy

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Smt. Nirmala Sushil Kumar Trivedi

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th May 1984

вомвач

Ref. No. AR-II|37EE|3511|83-84.—Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Society Ltd., 'Datta Apartment' Plot No. 6, 15th Road, & Ramkrishna Mission Marg, Khar, Bombay-52.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration "Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 26th September, 1983.

Officer at Bombay on 26th September, 1983. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Expressions:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given a that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 12B Building, 1st floor, Dattendu Co-op. Hsg. Society Ltd., Datta Apartment' Plot No. 6, 15th Road and Ramkrishna Mission Marg, Khar, Bombay-52.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|3511|83-84 dated 26-9-1983.

S. H. ABBAS ABIDI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Date: 14-5-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mr. Prakash Panday

(Transferor)

(2) Mr. Carmine B. Badhui wata & Dr. B. T. Badhniwata,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th May 1984

Ref. No. AR-II|37EE|6812|83-84.—Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 25,000]- and bearing No.

Flat No. 501, Kavita Apartments C.T.S. No. 130, Yari Road, Versova, Andheri (West), Bombay-400 061.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Competent Authority at Bombay on 27th September, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 501, Kavita Apartments, C.T.S. 1030, Yari Rd., Versova, Andheri (W), Bombay-400 061.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-II|37SEE|6812|83-84 dated 27-9-1983.

S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bonibay

Date: 14-5-1984.

(1) Sudhir Sadashiv Keskar

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) 1. Mrs. Meena Sheshnath Dabholkar Mrs. Sandhya Prakash Dabholkar

3. Miss Nuttan Sheshnath Dabholkar

(3) Tenants

(Person in occupation of the property) (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IJ. **BOMBAY**

Bombay, the 14th May 1984

Ref. Nol AR-II|37EE|3581|83-84.—Whereas, 1, S. H. ABBAS ABIDI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred 'o as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

F.P.No 10, TPSV (Draft) Vile Parle (E) Keskar Chawl, Keskar Wadi, Mahant Road, situated at (and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-lax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority ut Bombay on 8th September, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---57--126GI 84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 852! 82 and registered on 8-9-1983 with the Sub-registrar, Bombay.

> S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay

Date: 14-5-1984,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th May 1984

Ref. No. AR-11|3573|83-84,—Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI,

14960

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-

movable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.
Individual Unit 10, Patel Apartments, Plot No. 77D of Santacruz Town Planning Scheme No. 4, C.T.S. No. H|305, H|306, and H|307 situated at S. V. Road, Santacruz (W).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Bombay on 27-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Mohamed Umar Patel & Amina Umer Patel (Transferor)

(2) Renuka K Kriplani

(Transferee)

- (3) Renuka K Kripalani (Person in occupation of the property)
- (4) Transferor & transferce. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULL

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 1316 83 and registered on 27-9-1983 with the Sub-registrar, Bombav.

> S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority
> Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 14-5-1984,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 14th May 1984

Ref. No. AR-II|37|3574|83-84.--Whereas, I,

S. H. ABBAS ABIDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. Individual Unit No. 9, 4th floor, Patel Apartment, Plot No. 77D Santacruz Town Planning Scheme No. 4, C. T. S. No. H|305, H|306 & H|307 at S. V. Road, Santacruz West (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 27-8-1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said in the said

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Mohamed Umer Patel

2. Amina Mohamed Patel

3. Rajindra P. Rana

(Transferor)

(2) Sh. Karan K. Luthra

(Transferce)

(3) Sh. Karan K. Luthra

(Person in occupation of the property)

(4) Transferors & Transferce.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 2630|83 and registered on 27-9-1983 with the Sub-registrar, Bombay.

S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 14-5-1984

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-11 BOMBAY

Bombay, the 14th May 1984

Ref. No. AR. II|37G|3606|83-84.---Whereas, I, S. H. HABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovas the said Act), having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No. No. S. No. 43 Hissa No. I Village Marol Andheri situated at Andheri (Enst)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bombay on 23-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Nest John Creado

- Darryll Amthony
 Winston Joseph
- 4. Captin Victor Creado & 5. Astor Thomas Creado

(Transferor)

(2) 1. Vallabhji Khetsi

- 2. Bharat Kumar Khetsi 3. Pradip Kumar Khetsi
- 4. Suderji Khetsi &
- Narendra Kumar Khetsi

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. S-2324 80 dated 23-9-1983 registered with the Sub-Registrar, Bombay

> S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-5-1984

- (1) 1. Mohamed Umer Patel 2. Amina Mohamed Patel
- (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) 1. Nirmala P. Rana 2. Sadhána P. Rana

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 14th May 1984

Ref. No. AR-II[37G]3537]83-84.—Wherens, J,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

No. Individual Unit No. 8, Patel Apartments Plot No. 77D of Santeruz Town Planning Scheme No. 4, C. T. S. No. H. 305, H|306 & H|307 S. V. Road, Santacruz (Wset) (and more fully described in the schedule annexed hereto)

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at Bombay on 27-9- 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the oforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. S-2704 83 and registered on 27-9-1983 with the Sub-Registrar, Bombay.

S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-5-1984

- (1) M/s Supreme Builders
- (Transferor)
- (2) Dinesh Mahendra Gupta& Others

′™-tansferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay the 16th May 1984

Ref. No. AR-ΠΙ[37ΕΕ]4047[84-85.—Whēreas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (here-inafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Flat No. 4, Plot No. 4, CST No. 278, Kanta Apartment Wadhavli Village, Chembur, Bombay-74 situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Bombay on 2-9-83.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesa'l property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following per one, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4, Plot No. 4, CST273, Kanta Apartment Wadhavli Village Chembur Bombay 400 074

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR-III|37EE|83-84 dated 2-9-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Date: 16-5-1984

Scai :

FORM I.T.N.S.

(1) Shri Saradarmal Kapoorchand Jain

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Sadhna Kant Choudhury.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III. Ephiblian

> Bombay, the 14th May 1984

Ref. No. AR. III|37EE|4048|84-85.-Whereas, I,

A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable according Rs. 25,000/property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Flat No. 405, 4th floor "Pooja" Bldg. Mahul Road,

Chembur, Bombay-71

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority wt Bombay on 2-9-1983

for an apparent consideration and which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 405, 4th floor "Pooja" Bldg. Mahul Rd. Chembur Bombay 400 071.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR. III 37EE 1286 83-84 dated 2-9-1983

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 16-5-1984

(1) M's R & D Enterprises

Transferor(s)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M|s Alliance Church Association

Transferee(s)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-IU, BOMBAY

Bombay, the 14th May 1984

Ref. No. AR. III[37EE|3000|84-85.-Whereas, I, LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Flat No. 4 Ground floor Evergreen Apartment Marve Road Malad (W) Bombav (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the nurnoses of the Indian Income-tax Act, 1922 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

Flat No. 4 Ground floor Evergreen Apartment Valanai

Village Marve Rd. Malad (W) Bombay

The agreement has been registered with the Competent
Authority Bombay vide serial No. AR. III[37EE]354[83-84] dated 2-9-1983

> Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 14-5-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 14th May 1984

Ref. No. AR. III 37EE 3075:84-85.---Whereas, I. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000|- and bearing

No. Flat No. 501, 5th floor "D" Wing, Tolaram Apartment Chembur Camp, Bombay 74

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority by

Bombay on 2-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid execeeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of i—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the manufer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (21 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

58--126G1[84

(1) M/s, Kukreja Construction Co.

(Transferor)

- (2) Mr. Mohammed A. Hanif C|O Hotel Gurudev (Transferee)
- (3) M|s. Kukrei Construction Co.
 (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential Flat in Bldg, under Construction Flat No. 501 on 5h Floor "D" Wing Tolaram Apartment Chembur Camp Bombay-74.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR. III|37EE|1358|83-84 dated 2-9-1983

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-111
Bombay

Date: 14-5-1984

(1) M/s Omprakash Tolaram

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. J. K. Aggarwal

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II
BOMBAY

Bombay, the 16th May 1984

Ref. No. AR. 111/37EE/3062/81-85.--Whereas, 1, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing No.

Flat No. 603, 6th floor Vaikunth 357 Yittle Malbar Hill Sindhi Society, Bombay-71

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been trunsferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 2-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 43 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 603, 6th floor Vaikunth 357, Little Malbar Hill Sindhi Society Bombay-71.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay Vide serial No. AR. III|37F \mathbb{R} |1281|83-84 dated 2-9-1983

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 16-5-1984

(1) Mrs. Pravin Manilal Dhruve.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Pramodrai Doshi

(3) Transferee.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II
BOMBAY

Bombay the 16th May 1984

Ref. No. AR. III[37EE]+007[34-85.—Whereas, 1, A. LAHIRI,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No.

Flat No. 11, Oam Juydeep Co-op. Hsg. Society Ltd. Plot No. Plot No. 69, Garodia Nagar, Ghatkopar (East), Bombay-77. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been trunsferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evenion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(Person in occupation of the property)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 11 Oam Jaydeep Co-op Hsg. Society Ltd., Plot No. 69, Garodia Nagar, Ghatkopar (East), Bombay-77

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay vide Serial No. AR. III]37EE|1345|83-84 dated 2-9-1983

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-5-1984

(1) M/s Kukreja Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Kavita Alamchand Vichu

(3) M|S Kukreja Construction Co.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 15th May 1984

Ref. No. AC-17|Acq. R-111|37EE|3074|84-85.--Whereas, I, LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No. Hat No. 207, 2nd floor Tolaram Towers, Kadhavali Village Chembur Camp Bombay-74 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 2-9-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(Person in occupation of the property)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 207, 2nd Floor, Tolaram Towers, Wadbavali Village, Chembur Camp, Bombay-74.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay vide Scrial No. AR. III[37EE]1347[83-84 dated 2-9-1983

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subpersons, namely :-

Date: 14-5-1984

(1) Shri Afzal Joosab Ladak & Shri Asalim I. Rupant and M|s Ladak Const. (Transferor)

(2) Shir Lucas Bibeiro.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 14th May 1984

Ref. No. AR-III.|37EE|4015|84-85.---Whereas, I, I.AHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 103, 1st fl. Shakil Apartment, 53, Vakola Pipe Lane, Bombay-55

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been titansferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 2-9-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 103, 1st fl. Shakil Apartments, 53, Vakola Pipe Line, Bombay-55.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay Vide serial No. AR.III|37EE|1344|83-84 dated 2-9-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 14-5-1984.

(1) Mis Hiranandeni Industrial Enterprises.

(Transferor)

(2) Mis Meta Chem.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 14th May 1984

Ref. No. AR.III|37EE|2933|84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing Gala No. 112, 1st Fl. Hiranandani Industrial Estate, Kanjur Marg (W) Bombay,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been tuensferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the propety as afoesaid exceeds the apparent consideration theefor by more than consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ac, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Gala No. 112, 1st floor Hiranandani Industrial Estate, Kanjur Marg (W), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III|37EE|1309|83-84 dated 2-9-1983,

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-5-1984.

(1) Ms. Gold Coin Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Raymond Joseph Bayross & Others.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 16th May 1984

Ref. No. AR.III[37EE]4034[84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'suid Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Flat No. 10, CTS No. 734 to 737, Village Kole Kalyan Vako Bombay-55

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been turnsferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Incometax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 10, CTS. No. 734 to 737, Village Kole Kalyan, Vakola, Bombay-55.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay Vide serial No. AR.III|37EE|1298|83-84 dated 2-9-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 16-5-1984

(1) Shri Bharat Hariram Phathija,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt, Champalami Mukundrai Ashar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombey, the 14th May 1984

Ref. No. AR.III|37EE|4003|84-85.—Whereas. I. A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Ground Floor, Tenamentwise corner. Block Ten. 172, Block B-9, Rajawadi, Ghatkopar (East), Bombay-77

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the andersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires inter;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ground Floor, Tenamentwise, corner, Block Ten. No. 172, Block B-9, Rajawadi, Ghatkopar (East), Bombay-77.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay Vide serial No. AR,III|37EE|1349|83-84 dated 2-9-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 14-5-1984.

(1) Shii Girishchand Karem Chand Puri.

(Transferor)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shir Gunvant Haribhai Chouhan.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMP TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 14th May 1984

Ref. No. AR.HI[37EE]3041[84-85.--Whereus, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and beating No.

Flat No. 61, 5th fl. Piramal Nagar, Bldg. No. 7, S. V. Road, Goregaon (West), Bombay-400 062

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 2-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the anid Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—59-126 GI 84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 61, 5th floor Piramal Nagar, Bldg. No. 7, S.V. Rd Goregaon (W), Bombay-400 062.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay Vide serial No. AR III|37EE|1316|83-84 dated 2-9-1983.

A. LAHIRI
Computent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 14-5-1984.

(1) Mr. K. Rajagopalan,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Kanakam Rajappan.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 14th May 1984

Ref. No. AR.III|37EE|3002|84-85.--Whereas, 1, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000 and bearing No. Flat No. R-4|2, Goverdhan Giri, Co-op, Hsg. Soct. Ltd. Bhanur Nagar, Goregaon (W), Bombay-400 090 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 2-9-1983

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 /11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. R-4|2 Goverdhan Giri Co-op. Hsg. Sc. Ltd. Bhangur Nagur, Goregaon (W), Bombay-400 090.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III|37EF|1310|83-84 dated 2-9-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of he said Act, to the following persons, namely:

Date: 14-5-1984.

FORM I.T.N.S.

(1) Smt. Mayurika Uday Bhakta.

(Transferor

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Shi. Dilip Ramji Nagda,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 14th May 1984

AR.III|37EE,3012|84-85.--Whereas, I, A. Ref. No. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No. Shop No. 10, Mukta Bldg. Peru Baug, Aarcy Road, Gore-

gaon (E), Bombay-63

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under regishas been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 2-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Obections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate Proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the aid Act to the following persons, namely: --

THE SCHUDULE

Shop No. 10, Mukta Bldg. Peru Baug, Aarey Road, Goregaon (E), Bombay-63.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay Vide serial No. AR.III|37EE|1320|83-84 dated 2-9-1983.

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Bombay

Date: 14 5-1984,

(1) Kantlal Lelji Shah.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Baboolal Pukhraj Ranka & otheis.

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 14th May 1984

Ref. No. AR.III|37FF|1993|84-85.--Whereas, I, A.LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Maruti Mulad Co-op. Housing Sct. Ltd., S.V. Road, Malad (W), 3rd fl. Block No. 11, Malad, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 2-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Moruti Malad Co-op, Hsg. Society Ltd. S., V. Rd. Malad (W), 3rd fl. Block No. 11, Malad, Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III/37EE/1322/83-84 dated 2-9-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 14-5-1984.

(1) Shri Henry Alva.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Kapoor Family Trust.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 14th May 1984

Ref. No. AR.III|37ΕΕ|3038|84-85.—Whereas, I, Λ. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Ps. 25 0001- and begging

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing Flat on 2nd fl. 'Saket' 18, School Rd. Malad (W), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat on 2nd fl., 'Saket' 18, School Road, Malad (W), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay Vide serial No. AR.III/37EU/1315/83-84 dated 2-9-1983.

A. I.AHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sake Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-5-1984.

(1) Mls. Minoo Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Sundresh N Subramaniam Mrs. Aruna Sundresh.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bomboy, the 14th May 1984

Ref. No. AR.II|37EE|3364|83-84.—Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Flat No. 1, 1st floor, Minoo Apartments, Nana Patkhar Road, Plot No. 332, Vila Parle (E) Bombay-57

(and more fully described in the Schedule annxed hereto), has been tunnsferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market vaule of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Acc shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, 1st floor, Minoo Apartments, Nanda Patkhar Road, Plot No. 1332, Vile Parle (E) Bombay-57.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Scrial No. AR.II|37EE|3364|83-84 dated 1-9-1983.

S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, i Act, I hereby initia aforesaid property b (1) of Section 269! persons, namely:---

: 14-5-1984.

(1) Mis. Krishnakumar & Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Mr. Robert V Rodrigues 2. Mrs. Edna M Rodrigues

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II
BOMBAY

Bombay, the 14th May 1984

Ref. No. AR-II|37EE|6508|83-84.—Whereas, I, S H. ABBAS ABIDI,

bieng the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. Flat No. 1, 1st floor, Wing C, Village Kondivate, Taluka Andheri, Bombay,

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at

Bombay, on 10th September, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from be date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No.1, 1st floor, Wing C, Village Kondivate, Taluka Andheri, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|6508|83-84 dated 10-9-1983.

S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay

Date: 14-5 1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bornbay, the 14th May 1984

Ref. No. AR-II[37EF|6761|83-84.--Whereas, I, S H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Unit No. 212, 'Unit Industrial Estate', Chakala Road, Village Chakala, Andheri (East), Bombay. (and more fully described in the schedule annexed hereto) Road.

has been transferred

and the agreement is registered under

Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in

the office of the Competent Authority at Bombay, on 19th Sept. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties hasnot been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922. (11 of 1922) or the said Act, or the Woulth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

(1) Ms. C. R. Corporation

(Transferor)

(2) Shri Narendra D. Shetty

(Transferce)

(3) Dr. Phiroze Boujour Banerjee

(Person v.hom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions usod herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 212, 'Unique Industrial Estate' at Chakala Road, Village Chakala, Andheri (East), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent

Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|6761|83-84. dated 19-9-1983.

S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay

Date: 14-5 1984

(1) M/s. Laxmi Industrial Estate

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Samanta Pharma Chem.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II 'BOMBAY

Bombay, the 14th May 1984

Ref. No. AR-II|37EE|6849|83-84.—Whereas, I, S H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No.
Unit No. 27 J. S. No. 41 of Village Oshivara, Andheri (W) Bornbay 400 058.

Bombay-400 058

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), Road, Malad (West), Bombay-400064 has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the affine of the Computent Authority at

the office of the Competent Authority at Bombay on 30th September, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(b) facilitating the concealment of any income or any

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of teis notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

60-126]GI84

THE SCHEDULE

Unit No. 27 J. S. No. 41 of Village Oshivara, Andheri (West) Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|6849|83-84 dated 30-9-1983.

> S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, **Bombay**

Date: 14-5-1984

(1) M/s. Pam Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

(2) Mr. Vijay Vishnudatt Arora

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

(Transferee)

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th May 1984

Ref. No. AR-II|37EE|6461|83-84.--Whereas, I, S H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000 and bearing No.

Flat No. 503, floor, 'Pam Apartments 'Versova' Andheri (West), Bombay-400 058.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at

Bombay on 4th September, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any lacome prising from the transfer; and/or
- to) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days

from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given is that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 503 on the fifth floor, 'Pam Apartments' Bearing S. No. 25, H. N. 1 S. No. 26, N. No. 2, S. No. 27 of Vill. Versova, Andheri (West), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|6461|83-84 dated 4-9-1983.

S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 14-5-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (13 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 14th May 1984

Rcf. No. AR-II|37EE|2912|84-85.—Whereas, I, S_{\sim} H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-

and bearing No. Flat No. 3, Bldg. No. 9-B. Nityanand Baug, Co-op. Hsg. Society Ltd. R. C. Marg, Chembur, Bombay-400 074.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 2nd September 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Desraj Singhram Sharma

may be made in writing to the undersigned :--

(2) Sardar Ramsingh Patna S|o Tulsiram Patna. (Transferor)

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette of a period of 30 days from

- in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, Bldg. No. 9-B, Nityanand Baug, Co-op. Hsg. Society Ltd. R. C. Marg, Chember, Bombay-400 074.

The Agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay Vide serial No. AR-III|37EE|1318'83-81 dated 2-9-1983.

S. H. ABBAS ABIDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Dated: 14-5-1984

(1) Ahiya & Associates

(Trasnferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Padamshi Amrutlal Nishar & Nirmala Padamshi Nishar.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 14th May 1984

Ref. No. AR-II|37EE|6657|83-84.--Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Flat No. 1, 4th floor in Building 'Ankur', Dadabhoy Rd. Andheri (West), Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at

Competent Authority at Bombay on 2-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometux Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Hat No. 1 on 4th 'floor in Building 'Ankur' on Plot No. 38 TPS. II. Dadabhoy Road, Andheri (West) Bombay. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|6657|83-84 dated 2-9-1983.

S. H. ABBAS ABID1 Competent Authority Inspecting Asset. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-5-1984.

(1) Mrs. Zija D' Souza

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Sulochana Vikiam

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th May 1984

Ref. No. AR-II|37EE|6601|83-84.—Whereas, I. S. H. ABBAS ABIDI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and hearing

and bearing
Flat No. 19, 2nd floor Anand Prakash Building No. 2 Off.
Mckay Kondivita M.J.D.C. Andheri (East), Bombay 400093
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), in the office of the Competent Authority at Bombay on 16-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of '-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (0) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be dislosed by the transferce for the puurposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(3) Transteror.

(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of pulication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plat No. 19, 2nd floor, Anand Prakash Bldg. No. 2 off. Melkay Kondivita M.I.D.C. Andheri (Fast) Bombay-93.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|6601|83-84 dated 16-9-1983.

S. H. ABBAS ABIDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-5-1984.

FORM	ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) M/s. Thukkar Builders.
- (2) Mr. Shankar Rama Jujari

(Transferor)

(3) M|s Thakkar Builders

(Transferee)

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th May 1984

Ref. No. AR-II|37ΕΓ|3350|83-84.---Whereas, I S. H. ABBAS ABIDI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Shop No. 8A, Gr. floor, Dharamprem, Apartments' 75, Nehru Road, Vile Parle (E) Bombay-57

(and more fully described in the Schedule annued hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and /or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 8A, Gr. floor, 'Dharamprem Apartment', 75, Nehru Road, Vile Parle (E) Bombay-57

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|3350|83-84 dated 1-9-1983.

S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby iniate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely :-

Date: 14-5-1984.

Sent:

(1) Laxmi Industrial Estate

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Constellation Dynamatic Pvt. Ltd.

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th May 1984

Ref. No. AR-11|37EE|6316|83-84.—Whereas, I S. H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Industrial Shed No. EF on the Ground floor of Building No. 16 Known as Laxmi Industrial Estate Off: Vira Desai Road Oshiwara Road, Andheri (West), Bombay 400 058. (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under Section 269A3 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the

property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if anyy to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in hie said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial Shed No. EF on the Ground floor of building No. 16 known as Laxmi Industrial Estate Off: Vira Desai Road, Oshiwara Road, Andheri (West), Bombay 400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No., AR.II]37EE|6316|83-81 dated 1-9-1983.

S. H. ABBAS ABID!
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Bombay.

Dute : 14-5-1984.

(1) Shri Ponjab Singh Sindhu.

(Transferor)

(2) Noormohamed D. Shaikh.

(Transferce)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th May 1984

Ref. No. AR.II|47EE|3437|83-84.—Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing Rs. 25,000|- and Bs. 25,0

Flat No. 3, Sundeep Apartments, Plot No. 11 North of Irla Nala, JVPD. Scheme, Bombay-400 049.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the

Competent Authority at Bombay on 15-9-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforc-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, Gr. floor, Sundeep Apartment, Plot No. 11 of Plot No. 5, North of Irla Nala, J.V.P.D. Scheme, Bombay-

Competent The agreement has been registered by the Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37FF 3437 83-84 dated 15-9-1983.

> S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-5-1984.

TANKS TRUCKSTONE TO LIKE THE

(1) Suri C. N. S. Rao

(Transferor)

(4) Shri Bhatat N Dudani Shri Mahesh N Dudani

(Transferee)

(3) Shri C. N. S. Rao

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Bombay the 14th May 1984

Ref. No. AR.II[37EE]6476]83-84.—Whereas, L. S. H. ABBAS ABIDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovathic property, having a fair market value exceeding Rt 25,000|- and bearing No. Pract ino. 24, Building No. 24, Guru Nagar, Jayprakash Road, Andheri (W) Bombay-58, (and more fully described in the Schedule annexed liette). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1983 tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

ransfer with the object of :-

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 24, Building No. 24, Guru Nagar, Jayprakash

The agreement has been registered by the Competent

Authority, Bombay under Serial No. AR 37EE 6476 83-84

Rond, Andheri (W) Bombay-58.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay.

Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 14-5-1984.

dated 1/9/1983.

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said

61-126 GH84

ಚಾರವವರೂರಿಗೆದೆ (ಸಂದರ್ಭ ೨೨, ೨೯ ಗ.೨. ೧೯ ೧೩ ಕಂಟು ಅಂಗಾರ್ಥರ ಅಂಗ್ರಾಂಕ್ ಅಂಗಿ ಆಗಿತ್ರ ಕಂಟು ಅಂಗ್ರಾಂಕ ಅಂಗಾರ್ ಅಂಗಿ ಕಂಟು ೨೯ ೧೮ ಅಂಗ

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th May 1984

Ref. No. AR-II[37EE|6819]83-84.--Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269R of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000]- and bearing No.

Flat No. 103, 1st floor in Building No. 1, Vidyadani Co-op. Housing Society, Sahar Village, Andheri East, Bombay-69, (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 26-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aloresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income ax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiste proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) M/s. Indico Construction Co.

(Transeferor)

(2) Mr. K. Ravindran,

(Transferge)

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of his notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

Flat No. 103, 1st floor in Building No. A-1, Vidyadani Co-operative Housing Society, Sahar Village, Andheri East, Bombay-69.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under Serial No. AR II/37EE 6819183-84 dated 26-9-1983.

> S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assit, Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 14-5-1984

(1) Ms. Raviraj Constructions.

(Transferor)

(2) Miss Bhagirathi S. Kashyap.

may be made in writing to the undersigned.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th May 1984

Ref. No. AR.II|37EE|6368|83-84.—Whereas, I. S. H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

'Benzer' Shop No. 1, Ground floor, Plot No. 9 and 9A, of S. No. 41, Oshiwara, Four Bunglows, Versova, Andheri (West) Bombay-400058,

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 3-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consuleration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—62—126GI|84

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

'Benzer' Shop No. I, Ground floor, Plot No. 9 and 9A, of S. No. 41, Oshiwara, Four Bunglows, Versova, Andheri (West) Bombay-400058,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|6368|83-84 dated 3-9-1983.

S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay

Date: 14-5-1984

- (1) M|s, Raviraj Construction,
- (Transferor)
- (2) Mr. Shridhar Poshetty Racherla.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transfereo)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th May 1984

Ref. No. AR.II|37EE|6576|83-84.—Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Shop No. 4, Ground floor, 'Citizen' Plot No. 27 of S. No. 41 Four Bunglows, Oshiwara, Varsova, Andheri (West)

Bombay.

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 12-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money; or other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objection if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Citizen Shop No. 4, Ground floor, Plot No. 27 of S. No. 41 Four Bunglows, Oshiwara, Varsova, Andheri (West) Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|6576|83-84 dated 12-9-1983.

S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons. namely:—

Date: 14-5-1984

- (1) M|s. Krishnakumar & Co.
- (Transferor)
- (2) Mr. Amir Ismail Kazi & Mrs. Banu Amir Kazi.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II. **BOMBAY**

Bombay, the 14th May 1984

Ref. No. AR.II|37EE|6506|8384.-Whereas, I,

S. H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.
Flat No. 1, 1st floor, Wing 'B' at Village Kondivate, Taluka
Andheri, Bombay.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at

Bombay on 10-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) factuating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, 1st floor, Wing 'B' at Village Kondivate, Taluka Andheri, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.∐[37EE| 6506 83-84 dated 10-9-1983.

> S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date : 14-5-1984

FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISTTION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th May 1984

Ref. No. AR.II|37EE|6753|83-84.-Whereas, I.

S. H. ABBAS ABIDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

ordering No.
Flat No. 18A, Gulmohar Apartments, Juhu Cross Lane, Off. C.D. Barfiwala Marg, Andheri (West), Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at

Bombay on 20-9-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Shri Nebh Raj Khanna.
- (Transferor) (2) Dr. (Miss) Manjula Khimji Ramaiya.
- (3) Transferee.

(Transferee)

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have use same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 18A, Gulmohar Apartments, Juhn Cross Laue, Off. C.D. Barfiwala Marg, Andheri (West), Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. Serial 6753 83-84 dated 20-9-1983.

> S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 14-5-1984

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) M's Krishnakumar & Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Lily Keng hath Chordekar

(Transferee)

GOVERNMENT OF ENDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay the 14th May 1984

Ref. No. AR.II|37EE|5505|83-84,--Whereas, L. S. H. ABBAS ABIDI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tex Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Flat No. 2, 1st floor, Wing B, Village Jondivate, Taluka Andheri Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombny on 10-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforcsaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evenion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (IJ of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1947 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2, 1st floor, Wing 'E' village Kondivate, Taluka Andheri, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under Serial No. AR.II|37EE|6505|83-84 dated 10-9-1983.

> S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 14-5-1984

(1) Mis Anand Lakehmi Enterprises

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMI-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Hashmukh Vadilal Patel

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II
BOMBAY

Bombay, the 14th May 1984

Ref. No. AR. II]37EE[3348[83-84.--Whereas, 1,

S. H. ABBAS ABIDI. being the Competent Authority under Setion 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair man'et value exceeding Rs. 25,000/-and bearing Flat No. 1, 1st floor, Sai Dham, Vile Parle East. Bombay

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269/AB of the Jucone-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Computent Authorities.

the office of the Competent Authority at Bombay on 23-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the transces of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used nerein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

That No. 1, 1st floor, Sai Dham, Vile Porle East, Rombay The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR, II[37FE]3448[83-84] dated 23-9-1967.

S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Lecome tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following terson—namely:—

Dated: 14-5-1984

(1) Mls Nirman Builders

(Transferor)

(2) Kum. R. Ben

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

> GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> > ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 14th May 1984

Ref. No. AR. II|37EF|6333|83-84.- Whereas, 1, S. H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing Flat No. 206, 2nd floor, 'Nirman Cottage' Yari Road, Versova, Andheri (W) Bombay-61 and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of hte aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writting to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 206, 2nd floor, 'Nirman Cottage' Yari Road Versova, Andhori (W) Bombay-61 by the Competent The agreement has been registered Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 6333 83-81 dated 1-9-1983.

> S. H. ABBAS ABIDU Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Rombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 14-5-1984

(1) Mrs. Harbans Kaur Thukral

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Transfree. OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II **BQMBAY**

Bombay the 14th May 1984

Ref. No. AR. 11|37EE|6840|83-34.-Whereas, L. S. H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Flat No. 33, Building No. 23, Ashish Co. operative Housing Society Ltd Shri Guru Nagar Four Bunglows Jayprakash Road, Andheri(W), Bombay 400 058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under

Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 30-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(2) Mr. Rahul S. Sharma Mrs. Narinder Kaur Thukral

(Transferce)

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 33, Building No. 23. Ashish Co. operative Housing Society Ltd., Shri Guru Nagar, Four Bunglows, Jayprakash Road, Andheri (West), Bombay 400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 6840 83-84 dated 30-9-1983.

> S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Dated: 14 5-1984

(1) M/s, Indico Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Fedrik Pinto & Mrs. Rosy Pinto

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 14th May 1984

Ref. No. AR.II|37EE|6816|83-84.—Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority Under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Flat No. 105 & 106, 1st floor at Vidyadani Co. op. Housing Society, Sahar Village Andheri (East), Bombay 400 069 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
70—86GI|84

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 105 & 106, 1st floor at Vidyadani Co. operative Housing Society, Sahar Village, Andheri (East), Bombay-400 069.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Scrial No. AR.II|37EE|6816|83-84 dated 1-9-1983.

S. H. ABBAS ABIDI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date: 14-5-1984

(1) M|s Minoo Construction Co.

(Transferor)

(2) Shri Nimanshi P Shah & Rajesh P Shah

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 14th May 1984

Ref. No. AR. 11|37EE|3453|85-84.—Whereas, 1, S. H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Flat No. 2, 3rd floor, 'Minno Apartment' Nanda Patkar Road, Vile Parle (East) Bombay-56

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 23-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2, 3rd floor, 'Minoo Apartment', Nanda Patkar Road Vile Parlo (E) Bombay-56. Authority, Bombay under Serial No. AR. II|37EE|3453| 83-84 dated 23-9-1983.

S. H. ABBAS ABIDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-5-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mrs. Philomena Juseph & Mr. Sunny Joseph

(Transferor)

GOVERNMEN'T OF INDIA

(2) Mrs. Anuja Chod orkar,

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay the 14th May 1984

Ref. No. AR.II[37EE]6604[83-84.--Whereas, I. S. H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Flat No. Jazmine' Plot No. 62, Tarun-Bharat Co. op. Housing Society, Chakla Andheri (East), Bombay-93 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tay Act, 1961 (43 of 1961) in

the office of the Competent Authority at Bombay on 23-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires, later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

hating the reduction or evasion of the liability the transferor to pay tax under the said act, in t of any income arising from the transfer;

Flat No. 5, 'Jazmine Plot No. 62 Tarun-Bharat Co. op. Housing Society, Chakla Andheii (Fast) Bombay-93

THE SCHEDULE

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR 11/37FE/6604/83-83-84 dated 16-9-1983

concealment of any income or any ter assets which have not been or o be disclosed by the transferee for the the Indian Income-tax Act, 1922 or the said Act, or the Wealth-tax 7 of 1957);

S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

arsuance of Section 269C of the said lings for the acquisition of the of the said Act, to the

Date: 14-5 1984

(1) Shri Vinay Bhaskar slo late Shri T. N. Bhaskar, Rlo Ishwar Nagar, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX AC1, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Rajesh Mancho slo S. P. Manocha, Rlo 798, Marhatal, Jabalpur.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

Bhopal, the Loc June 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4692.-hereas, I. D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. Part of house No. 652 situated at Napier Town, Jabaipu.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Delhi on September 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: tespect of any income arising from the transfer; and /or

th) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from he date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FERRIANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of house No 652 situated at This is the immovable property desc 37-G verified by the transferce,

Inspecting Assistant Commi

41h F

Date 1 2-6-1984 Sen1:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: